

वाधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

ぜ・ 5]

नई विल्ली, सथिवार, जनवरी 29, 1983/मांच 9, 1984

Ne. 5]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 29, 1963/MAGHA 9, 1964

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह सक्तन प्रकार के रूप में रखा जा सर्वे Separate puging is given to this Part in order that it may be filed at a separate compilation

ити II--коз 3--дч-**дох** (д)

PART H-Section 3-Sub-section (II)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक प्रावेश प्रीर पृष्ठिसूचनाएं Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय और कस्पनी कार्य गंत्रालय (विधि कार्य विमाग्)

स्चनाएं

नई दिल्ली, 7 जनवरी, 1983

कां आा 0.621 — नोटरीज नियम 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह मुक्ता दी जाती है कि श्री विलोकी गरण उपाध्याय, प्रधिवक्ता, 178, पिक्स खंड, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली-6 ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के प्रधीन एक शांदेरन इस बात के लिए दिया है कि उसे नोएडा कम्प्लीक्स में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति करने पर फिसी भी प्रकार का ब्राक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के शीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं० 5 (48) / 82-न्याय]

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Legal Affairs)

NOTICES

New Delhi, the 7th January, 1983

S.O. 621.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Triloki Sharan Upadhyaya,

Advocate, 178, Western Wing, Tis Hazarl, Delhi-6 for appointment as a Notary to practise in NOIDA Complex.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(48)/82-Judl.]

का ब्यार 6 22.— मोटरीज निश्म, 1956 के निश्म 6 के मनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना वी जाती है कि स्वी सक्षाित्रव कोरागण्या ग्रेष्टी, प्रधिवक्ता, 8, प्रथम मंजिल, धसन्त स्ट्रीट, सान्ताकृज बेस्ट, बन्धई-400054 में उक्त प्राधिकारी को उक्त भियम के निश्म 4 के मधीन एक प्राधिकार के लिए विया है कि उसे सान्ताकृज क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए मोटरी के रूप में नियक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की मोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का भाषीप इस सुभाना के प्रकासन के भौदह दिन के भीतर लिखिति रूप में मेरे पास भेजा आए।

[#o 5 (83)/82-4910]

S.O. 622.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority under rule 4 of the said Rules, by Shri Sadashiv Karagappa Shetty, Advocate, 8, 1st Floor, Santacruz Prakash Co-operative Housing Society Ltd., Besant Street, Santacruz West, Bombay-400054 for appointment as a Notary to practise in Santacruz area, Bombay.

2. Any objection to the argointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(83)/82-Judl.]

फर०बा० 623 -नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के ममुसरण में समय प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री बी॰ एत॰ कक्त मिल्या में बिल्ली ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम 4 के मधीन एक भावेबन इस बात के लिए विश्व है कि उसे सफदरजंग एक्जेव, दिल्ली में ब्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का माक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौबह दिन के भीतर सिधित रूप में मेरे पास सेंगा जाए।

> [सं० 5(84)/62-म्या०] के०सी०की गंगवानी, सलम प्राधिकारी

- S.O. 623.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri D. L. Kakar, Advocate, B-4/81-Safdarjung Enclave, New Delhi for appointment as a Notary to practise in Safdarjung Enclave, New Delhi.
- 2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(84)/82-Judl.]

K. C. D. GANGWANI, Competent Authority

(कम्पनी कार्य विमान)

नई दिल्ली, 7, बनवरी, 1983

का॰ आ॰ 624:--एमाधिकार तथा प्रधरोधक व्यापारिक व्यवहार प्रक्रिमियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसम्भाष में केन्द्रीय संरकार एतद्दारा मैसर्च बुसवेपर किमिटेड के कथित प्रधिवियम के अन्तर्गन गंभीकरण (पंजीकरण प्रमाण-पन्न संबंधा 371/70) के निरस्तीकरण को प्रधित्वित करती है।

सिंक्या 16/21/82 एम० 3]

(Department of Company Affairs) New Delhi, the 7th January, 1983

S.O. 624.—In pursuance of sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M/s. Brushware Limited under the said Act (Certificate of Registration No. 371/70).

[No. 16/21/82-M. III]

का० आ० 625 --एयाधिकार सथा मबरोधक व्यापारिक व्यवहार हिंदिनियम, 1969 (1969 का 54) की द्वारा 26 की उपधारा (3) के धनुसरण में केन्द्रीय भरकार एतद्वारा में सर्भ दि एसीय मिस्स कष्मिनी लिमिटेड के याधिन प्रधिनियम के प्रन्तांत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण एव सख्या 341/70) के निरस्तीकरण को प्रधिम्भित करती है।

[संख्या 16/29/82-एम०-3] बन्द्रकान्य सुधालदास, निर्देशक 8.0. 626.—In pursuance of sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M/s. The Elgin Mills Company Ltd., under the said Act (Certificate of Registration No. 341/70).

[No. 16/29/82-M. III] C. KHUSHALDAS, Director

ुह मंत्रासय

नई दिन्ली, 10 जनवरी, 1983

का॰ आ॰ 626.—विदेशी (प्रसिवंधित शेंद्र) भादेश, 1963 के पैरा 3 के उपवधों से अनुसरण में केंद्रीय सरकार (i) भारत से बाहर किसी भी भारतीय मिसन से संबद्ध प्रत्येक राजनियक या कांसुनी प्राधिकारी (ii) विस्की, बबई और भलंकरसा रिवत विदेशी क्षेत्रीय रिक्स्ट्रेशन प्रक्षिकारियों, (iii) मुख्य भाप्रवाम अधिकारी, मद्रास, (iv) पेंट ब्लेयर स्वित भाप्रवाम अधिकारी, (v) विस्की, बंबई, कलकसा और मद्रास के ह्याई महों पर स्थित भाप्रवाम कै क्षेत्रवाम अधिकारी को विदेशियों के अंदर्शन व मिस्नोकार द्वीपसमूत के भाप्रवाम अधिकारी को विदेशियों के अंदर्शन व सिक्नोकार द्वीपसमूत के मिदिष्ट स्थानों में प्रवेस करने या उहरते के लिए, उक्त पैराधाक के श्रवीन परिमिट आरी करते के लिए एतद्वारा प्राधिकृत करती है।

[सं॰ 15011/21/82-एफ॰1] पी॰ विजयराधनन, उप सन्तिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 10th January, 1983

S.O. '626.—In pursuance of the provisions of paragraph 3 of the Foreigners (Restricted Areas) Order, 1963, the Central Government hereby authorises (i) every diplomatic or consular authority attached to any Indian Mission outside India, (ii) Foreigners Regional Registration Officers at Delhi, Bombay and Calcutta, (iii) the Chief Immigration Officer, Madras, (iv) the Immigration Officer, Port Blair, (v) the Immigration Officers at the immigration checkposts at the airports at Delhi, Bombay, Calcutta and Madras, (vi) the Immigration Officer at Madras Harbour to issue permits under the said paragraph to foreigners for entering into, or remaining at specified places in the Andaman and Nicobar Islands,

[No. 15011/21/82-F.I.]

P VIJAYARAGHAVAN, Dy. Secy.

(गार्मिक भौर प्रप्रासिनिक सुधार विमाग)

नई बिल्सी, 10 जनभरी, 1983

कां० आ० 627.--केम्ब्रीय सरकार, यंग्र प्रक्रिया संहिता, 1973 (1973 का 2)की घारा 24 की उपधारा (8) हारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री डी० के० सीरल, श्रीधवन्ता, जयपुर को विशेष म्यायाधीक, जयपुर के न्यायालय में ले० कर्नल खजानीनह भीर भन्य के विरुद्ध नियमित मामला संख्या 4 1/63/भीर 62/64-जयपुर (एक चार्ज शीट) में राज्य की और से उपसजात होने ग्रीर श्रीमयोजन का संचालन करने के लिए, जियोग लोक श्रीमयोजन के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या 225/24/82-ए० थी० डी॰-II]

एच० के० वर्गा, अवर सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel and Admn. Reforms) New Dolhi, the 10th January, 1983

S.O. 627.—In exercise of the powers conferred by Subsection (8) of section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri D. K. Soral, Advocate, Jaipur, as a Special Public Prosecutor to appear and concluct prosecution on behalf of the State in the Court of Special Judge, Jaipur, in RC Nos. 42/63 and 62/64-Jaipur (one charge-sheet) against Lt. Col. Khazan Singh and others.

[No. 225/24/82-AVD-II] H. K. VERMA, Under Secy.

विस मंत्रालय

(राजस्य विवास)

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1982

यायक र

कां आं 6 28. -- केन्द्रीय संस्कार, झायकर सिर्धान्यम, 1961 (1961 का 43) की बारा 800 की उपधारा 2(ख) ब्राप्त प्रवत्त शिक्षियों का प्रयोग करने हुए, "श्री प्रसन्ता वेन्कटेस पेपनल मंदिर, तालुग उलुन्दुरपेट, जिला दिलाणी सर्काट (तांभणनाडु)" को तांभलनाडु राज्य में सर्वन्न विख्यात सोक पूजा का रवान श्रीविश्वित करनी हैं।

[यः 4927 फा॰ यं॰ 176/62/82-आ॰फ॰ (ए-Î)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 29th September, 1982

(INCOME-TAX)

S.O. 628.—In exercise of the powers conferred by subsection (2(b) of Section 80-G of the Iniome-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sri Prasanna Venkatesa Perumal Temple. Ulundurpet Taluk, South Arcot District (Tamil Nudu)" to be a place of public worship of renown throughout the State of Tamil Nadu.

[No 4927/F. No. 176/62/82-IT (AI)]

न*े* दिल्ली, 30 सितम्बर, 1983

(भाग-फर)

का अस्त 629 -- कंग्रीय सरतार, प्राय-कर मधितियम, 1961 (1961 पा 13) की घाटा 50छ की उपजारा 2(य) ताटा प्रथम शक्तियों का प्रयोग करने हुए, "चलाई श्री कालोकम्बरा कामटेक्टर मंदिर मद्रास" का तामिनताडु राज्य में सर्वन्न विद्यात लोक पूजा का स्थान अधिसूचि करती है।

[ন্ত 4931/पाত্ৰত : /৪/6 ১/৪৫-সাত্ৰত (৫০**I**)]

New Delhi, the 30th September, 1982

(INCOME-TAX)

S.O. 629.—In exercise of the powers conferred by subsection (2)(b) of Section 80-G of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Chennal Stree Kalikambal Kamateswarar Temple, Madras" to be a place of public worship of renown throughout the State of Tamil Nadu.

[No 4931, F. No. 176/64/82-IT (AD)]

सई बिल्ली, 17 सथाधर, 1982

साथ-कर

करव्याः 630 - केन्द्रीय संस्कार, थायन्तर प्रीधिम्बस, 1961 (1961 मा ४२) की प्रारा २०७७ की उथधारा २(ख) द्वारा प्रयक्त कान्त्रयो का प्रियोग करते हुए, "श्री सावरीमाला मन्दिर" (केरल) को केरल राज्य में सर्वत विश्वाल मोक पूरा का स्थान प्रक्षिमूचित करती है।

[सं॰ 4969/फा॰ मं॰ 176/69/82-मा॰क॰(ए I)]

New Delhi, the 17th November, 1982

(INCOME-TAX)

S.O. 630.—In exercise of the powers conferred by subsection (2)(b) of Section 80-G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shri Sabarimala Temple, (Ketala)" to be a place of public worship of renown throughout the State of Ketala.

[No. 4969/F. No. 176/69/82-IT (Al)]

> [सं॰ 4970/फा॰ सं॰ 176/34/82-फा॰कः (ए1)] भिलाप भैन, अधर समिक

S.O. 631.—In exercise of the powers conferred by subsection (2)(b) of Section 80-G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Stee Ayyappa Temple, Madras" to be a place of public worship of renown throughout the State of Tamil Nadu It is clarified that for the purposes of this Nonfication donations for repairs/renovations only will qualify for relief under section 80-G (2)(b).

[No. 4970/F. No. 176/34/82-IT (AI)] MILAP JAIN, Under Secy.

मई दिल्ली, 11 जनवरी, 1983

प्रधान कार्यालय सस्यायन

का० का० 6 32.—केन्द्रीय राजस्य बोर्ड प्रधितियम, 1963 (1963 का सख्याक 54) की वारा 3 की उप-घारा (2) द्वारा प्रवस शिक्तयों का प्रयोग फरते द्वुए, केन्द्रीय सरकार एतवृद्धारा भारतीय राजस्य तेप (सीमा शृक्त एवं केन्द्रीय उत्पादन शृक्त) के धिष्ठायरी, भी एम० भी० सरकार की, जो विद्या दिनों नई दिल्ली में निरीक्षण विदेशक (भीमा शृक्षा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुक्क) के रूप में तैनात थे, 11 जनवरी, 1983 से प्रभाना प्रादेश होने तक केन्द्रीय सीमा शृक्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुक्क वीर्ड का सदस्य नियुक्त करनी है।

[फा॰ संध्या ए-1901 ा/1/83-प्रशासन-1]

New Delhi, the 11th January, 1983

HEADQUARTERS ESTABLISHMENT

S.O. 632.—In exercise of the powers conferred by subsection (2) of Section 3 of the Central Boards of Revenue Act, 1963 (No. 54 of 1963), the Central Government hereby appoints Shri S. B. Sarkar, an officer of the Iudian Revenue Service (Customs & Central Excise), and lately posted as Director of Inspection (Customs and Central Excise), New Delhi, as Member of the Central Board of Excise & Customs with effect from the forenoon of the 11th January, 1983 and until further orders

[F. No A. 19011/1/83-Ad II

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1983

कार कार 633.--केर्न्बाय राजस्व वोर्ड धर्धिनियम, 1963 (1963 का सख्यांक 54) की धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त भिक्तियों का प्रयोग करने हुए, केर्न्बाय सरकार एतव्हारा भारतीय राजस्व संया (सीमा मुल्क एवं केर्न्बाय उत्पादन मुल्क) के प्रधिकारी श्री एसर वोर प्रभयर को, जो पिछल दिनों नई दिल्ली में प्रधिक्षण विदेशक (सीमा मुल्क एवं केर्न्बाय उत्पादन मुल्क) के रूप में तैनात थे, 12 जनवरी, 1983 से धनला भावेज होने तक केर्न्बाय उत्पादन मुल्क एवं सीमा मुल्क बोर्ड का सबस्य नियुंक्त करती है।

[फा॰ मंख्या ए-19011/2/83-प्रशासन-1] जी॰ एस॰ मेहरा, शबर समिव

New Delhi, the 12th January, 1983

S.O. 633.—In exercise of the powers conferred by subsection (2) of Section 3 of the Central Boards of Revenue Act, 1963 (No. 54 of 1963), the Central Government hereby appoints Shri S. V. Iyer, an officer of the Indian Revenue Service (Customs & Central Excise), and lately posted as Director of Training (Customs and Central Excise). New Delhi, as Member of the Central Board of Excise & Customs with effect from the forenoon of the 12th January, 1983 and until further orders.

[F. No. A. 19011/2/83-Ad. I]G. S. MEHRA, Under Secy

कीवाय प्राप्यका कर बोर्ड

नई विस्ली, 18 नवम्बर, 1982

श् क्रि-पन्न

(अध-कर)

कार्या 634.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर योर्ड, प्राय-कर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) की घारा 126 द्वारा प्रयक्ष मित्तयों का प्रयोग करते हुए यह निषेण वेता है कि उसकी अधिसूचना सं० 4944 तारीख 12 धक्तूपर, 1982, तारीख 15-10-82 के बजाय, जैसा कि पहले अधिसूचित किया गया था, तारीका 15-11-1982 से प्रभावी होगी।

[सं • 4975/फा॰ सं • 188/8/82 मा • म ० (ए • I)]

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES New Delhi, the 18th November, 1982

CORRIGENDUM

(INCOME-TAX)

S.O. 634.—In exercise of the powers conferred by Section 126 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby directs that its Notification No. 4944 dated 12th October, 1982 shall take effect from 15-11-1982 instead on 15-10-1982, as notified earlier.

[No. 4975/F. No. 188/8/82-IT (AI)]

नई दिल्ली, 17 स्वम्बर, 1982

कांश्मा॰ 635 — केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, ग्राय-कर ग्राधिमियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त कक्तियों का प्रयोग करते हुए समय-समय पर यत्रा संगोधित प्रपत्ती ग्राधिसूचता सं० 679 (का० सं० 187/2/74-भाई०टी॰ (ए० बाई०) ता० 20-7-74 के साथ संशंग्य भनुसूची में निम्मानिखित संगोधन करता है । धनुसूची की क्रम सक्या 4 के सामने स्लम्भ 4 के नीचे निम्नलिखित प्रथिप्टियां जोडी आर्थेगी।

त्रम सं०	आय-कर आयुक्त	मृख्यालय	प्र धिकारिला
1	2	3	4
4	पटना	पटना	23 हाजीपुर

यह प्रधिमुचना 15-10-1982 से प्रभायी होती।

[स॰ 1973/फा॰ सा॰ 189/12/81-ब्राई॰टी (ए॰ ब्राई॰)] मिलाप जैन, भवर सचिव

New Delhi, the 17th November, 1982

S.O. 635:— In exercise of the powers conferred by-subsection (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments to the Schedule appended to its Notification No. 679 (F. No. 187/2/74-II(AI) dated 20-7-74 as amended from time to time.

The following entries shall be added under Col. 4 against Sl. No. 4 of the Schedule.

	Commissioner of Income-tax	Headquarters	Jurisdiction
1	2		4
4	Patna	Patna	23 Hazipur

This notification shall take effect from 15-10-1982.

[No. 4973/F. No. 189/12/81-JT(AI)]

MILAP JAIN, Under Secy.

(आधिक कार्य विभाग)

(वैकिंग प्रमाग)

नई दिल्ली, 5 जनवरी, 1983

का॰ भा॰ 636 — प्रादेशिक प्रामीण कैं प्रकितियम, 1976 (1976 का 21) की घारा 11 की उपघारा (1) द्वारा प्रवत्त प्रसिक्ष्यों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एनवृद्धारा थी प्रकण कुमार सर्वजन को गौड़ प्रामीण बैंक, मान्दा का प्रध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 30-12-1982 से प्रारम्भ होकर 31-12-1985 को समाप्त होने वाली प्रवधि को उस प्रविध के रूप में निर्वारित करती है जिएके वौरात श्री श्रवण कुमार सर्वजन श्रध्यक्ष, के रूप में कार्य शरी।

[सं० एफा० ३-2/82-धार० ग्रार० बी०]

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhl, the 5th January, 1983

S.O. 636.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri Arun Kumar Sarbajana as the Chairman of the Gauru Gramin Bank, Malda and specifies the period commencing on the 30-12-1982 and ending with the 31-12-1985 as the period for which the said Shri Arun Kumar Sarbajan shall hold officer as such Chairman.

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1983

का० आ० 637 — वैककारी विनियमन प्राधिनियम, 1941 (1949 का 10) की घारा 56 के साथ पठित घारा 53 द्वारा प्रदत्त पित्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय संग्कार, भारतीय रिजये वैक की सिकारिण पर, इसके द्वारा यह घोषणा करनी है कि उक्त प्रधिनियम की घारा 9 के प्रावधान गैर-वैकिंग प्रान्थियों अर्थात् सकान स० 156 नयी सक्या 50) नार्थ स्ट्रीट, मींड पैठ, शिककोईनूर बारण करने वाने तिस्कोईनूर कोष्प्रापरिदेव अर्थन वैक लि०, तिस्कोईनूर पर इस अधिमुचन के भारत के राजपन मे प्रकाशन की प्रारीख से 15 शक्तूयर 1983 तक की अविधि के लिए लाग नहीं होंगे।

[संख्या 8-41/87-ए० संग्र] राम बेहरा, भवर समिव

New Delhi, the 10th January, 1983

S.O. 637.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendations of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 9 of the said Act shall not apply to the Tirukoilur Co-operative Urban Bank Ltd., Tirukoilur so far as they relate to its holding of a nonbanking asset viz. House at Door No. 156 (New No. 50) North Street, Sandapet. Tirukoilur, for the period from the date of publication of this notification in the Gazette of India to 15 October, 1983.

[No. 8-41/82-AC] RAAM BEHRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1983

का.आ. 638.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध तथा प्रकीण उपबंध) स्कीम, 1970 के खण्ड 3 के उपखंड (छ) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, एतव्य्वारा भारतीय रिजर्व बैंक, केन्द्रीय कार्यालय बंबई के सांस्थिकी विश्लेषक तथा संगणक (कम्पयूटर) सेवा विभाग में मनाहकार श्री मीं वी. राग को श्री वी. वेकट राय के स्थान पर बैंक गफ इकिया के निर्देशक के रूप में नियुक्त करती है।

[संस्था एफ : 9/6/82-बी : ओ : -1] च : बा : मीरअन्दानी, उपशक्ति

New Delhi, the 11th January, 1983

S.O. 638.—In pursuance of sub-clause (g) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby appoints Shri C. V. Rao, Adviser. Department of Statistical Analysis and Computer Services, Reserve Bank of India, Central Office, Bombay as a Director of the Bank of India vice Shri B. Venkata Rao.

[No. F. 9/6/82-B.O.I.]

C. W. MIRCHANDANI, Dy. Secy.

(बेजीय उत्पाद एवं सीमा शुरूक समाहर्ता का कार्यालय) अधिसूचना संख्या 1/82

अंगलीर, 12 नवम्बर, 1982

सीमा शुल्क

का० बा० 639.—सीमा गुरूक प्रधिनियम 1962 की घारा 2 की उप-धारा 34 के अंसर्गत मुझे प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एसद्द्वारा सीमागुरूक प्रधिनियम की (4) ही 129 के साथ पिठन 129 ए(2) की घारा के प्रावधानों के अंतर्गत केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमागुरूक मुख्यालय बंगलीर के सहायक समाहती (विधि) को "उचित अधिकारी" के कप में प्राधिकत करता है।

[सं॰ 1/82/सी॰ न॰ 8/1/8/82 सी-2/सीमा शुल्क] सी के. गोंपालकृष्णन समाहर्ता, (Office of the Collector of Central Excise)

Notification No. 1/82

Bangalore, the 12th November, 1982

CUSTOMS

S.O. 639.—In exercise of the powers conferred on me under sub-section 34 of section 2 of Customs Act 1962, I hereby authorise Assistant Collector of Central Excise and Customs (Legal) Headquarters Office, Bangalone, to be the Proper Officer under Provisions of the Section 129 A (2) read with 129 D (4) of Customs Act, 1962.

[No. 1/82/C. No. VIII/1/8/82. C-2/Cus]

C. K. Gopalakrishnan, Collector

and Customs, Bangalore

MINISTRY OF COMMERCE

CORRIGENDUM

New Delhi, the 29th January, 1983

- S.O. 640.—In the notification of the Ministry of Commerce No. S.O. 3619 dated 231d October, 1982 published in the Gazette of India, Patt-II, Section 3, sub-section (ii) dated 23rd October, 1982 at pages 3761 to 3763,—
 - (n) At page 3761, in rule 3,—
 - (i) in line 2, for 'or' read 'for',
 - (ii) in line 3, for 'affecting' read 'effecting';
 - (b) At page 3762,—
 - (i) in sub-rule (2) of rule 3, omit, 'and Schedule'
 - (ii) in Schedule II, in clause A, in paragraph (1), in line 2, for 'codour' read 'colour';
 - (c) At page 3762, in item B of Schedule II, in Table
 - (i) Against Sl. No. 1 under 'Requirements' for '8 lbs to 20 lbs' read '8 lbs to 30 lbs';
 - (ii) Against Sl. No. 2 under 'Requirements' for 'Tolerance + 20.0%' read 'Tolerance 20.0%'
 - (iii) In Table-II, against Sl. No. 3, for 'Tensil Strength' read 'Tensile Strength';
 - (d) At page 3763,---
 - (i) in rule 4, in line 1, for 'manufacture' read 'manufactured'.

[No. 6(13)/74-FI&EP] B. KUKRETI, Jt Director

वाणिषय भंत्राशय (वाणिज्य विनाग) अविश

नर्हे बिल्ली, 29 जनवरी, 1983

कां आ 641. — केंद्रीय सरकार की, निर्यात (क्वासिटी नियम्नण भीर निर्यक्षण) प्रधिनि म, 1963 (1963 का 22) की घारा 6 द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते द्वुए, भीर भारत सरकार के वाणिस्य मंत्रालय की प्रधिमृचना सं० कां कां 2274, तारीख 9 जुनाई, 1977 भीर कां आं 2275, तारीख 9 जुनाई, 1977 को घित्रात करते हुए, यह राय है कि भारत के निर्यात ध्यापार के विकास के निर्ये ऐसा करना मावस्यक नियात समीचीन है कि ट्रान्सफार्मर का निर्यात से पूर्व क्वानिटी नियंत्रण भीर निरीक्षण किया जाये;

श्रीर केन्द्रीय सरकार ने जका प्रयोजन के लिये नीचे विभित्तिक प्रस्ताव भनाये हैं भीर उन्हें निर्यात (क्यानिटी निर्यातण भीर निरीक्षण) निश्म, 1964 के निर्मा 11 के जप-नियम (2) की भिषेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद को भेज दिया है. श्रतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त उप-नियम के ध्युपुसरण में भीर भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के श्रावेश संव कावमाव 3347, उत्तिख 29 दिसम्बर, 1980 के साथ प्रकाशित प्रस्तावों को श्राविकात करते हुए दूरारे पैरा में उल्लिखित प्रस्तावों को ऐसे व्यक्तियों की जानकारी के शिये प्रकाशित करती है, जिसके उनसे प्रभावित होने की संभावना है।

2. सूचना दी जाती है कि मीचे विनिर्विष्ट प्रस्तावों के बारे में नोई धासोप या सुझाव भेजने का इच्छुक कोई व्यक्ति उन्हें इस आदेश के प्रकाशित होने की तारीख से पैतालीस दिन के घोतर निर्यात निरीधन परिषद्गारी टावर (11वीं मंजिल) 26, राजेन्द्रा जेल, नई दिस्ती-110008 को भेज सकता है।

प्रस्ताद

- (1) प्रश्विस्पित करना कि ट्रांसफार्मर निर्यान से पूर्व क्वालिटी निर्यक्षण और निरीक्षण के घाधीन होंगे।
- (2) इस भादेश के उपाबक्ध में दिये गये ट्रांसफानंद के निर्यात (क्वालिटी निर्यातम भीर निरीक्षण) निर्यम, 1983 के भनुसार निरीक्षण के प्रकार को, क्वालिटी नियंत्रण भीर निरीक्षण के ऐसे प्रकार के रूप में विनिदिष्ट करना जो ऐसे ट्रांमफार्मरों को निर्यात से पूर्व लागू होगे.;
- (3) श्रायातकर्क के उन सांविदिक विनिर्देशों को मान्यता देना जिनमें निषियत परिजालन लक्षण या निषियत याक्षिक संरचनाएं या दोनों अनुबद्ध हों उपा जहां कहीं धावस्यक हों, ऐसे विशिष्ट श्रावेदन बस अवद्ध हों जिनमें निश्चित सेव। मर्ते हों: परन्तु सांविधिक विनिर्देशों में मिसिंग परा-मीटर यदि कोई हों, नीचे विविद्ध सभी या किभी जिनिर्देश का अनुसलन करेंगे; प्रयोद्ध :—
 - (क) भारतीय या अन्य कोई राष्ट्रीय मानक विनिर्देश
 - (बा) अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञुन् तकतीको भागोग की सिफारिश
 - (ग) सरकारी विभाग द्वारा अनुमोबित जिनिर्देश या मायात देश की सोकोजयोगी सेपाएं
 - (भ) मानक विनिर्देशों के रूप में विनिर्माता यूनिट के तकनीको सहयोगियो द्वारा अनुसरित जिनिर्देश ।
- (4) प्रस्तर्राष्ट्रीय व्यावार के बीरात ऐसे ट्रांपकार्मर के निर्धाण को तब तक प्रतिषिद्ध करना जब तक उनके साथ निर्धात (मलालिटी निर्धंत्रण घोर निरीक्षण) श्रीधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के ध्रिधीन केन्द्रीय रारकार द्वारा स्थापित प्रक्षिकरणों में से किसी के द्वारा जारी किया गया इस प्राथ्य का प्रमाण-पन न हो कि ट्रांसकार्मरों के परेषण स्थापिटी निर्धंत्रण छोर निरोक्षण ने संगीतत अती को पूरा करते हैं और निर्धान योग्य हैं।

3. इस प्रावेश में "ट्रांसफार्मर" से लगतार चत्रने वाले पुत्रों से रिहत एक ऐसा साशित प्रभिन्नेत हैं को एक या प्रधिक कुण्डलन में प्रस्थावर्सी बोल्टला प्रोर घारा को विश्वल मुम्बकाय प्रेरणा द्वारा सामान्यतः बोल्टला प्रोर घार के विभिन्न मानो पर और एक ही प्रावृत्ति पर एक या प्रधिक कुण्डलों में परिवर्तन कर देता है। इसके प्रन्तर्गत घरेनू प्रयोजनां भीर रिडियो दूर संचार परिषय में प्रयोग फिये गये ट्रांसफार्मर महीं हैं।

उपावन्ध

निर्यात (क्लालिटी निर्यतण गाँर निरीक्षण) श्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 के श्रदीन बनाये जाने वाने प्रस्तावित निर्यां का श्रारूप।

 सक्षिप्त नाम भौर प्राचित्र :-इन र.यमीं का संक्षिप्त नाम द्रांसकामेरी का निर्योग (क्शांसिटी निर्मेशकों भौर विशेखका) नियम, 1983 है।

- 2. परिमाणाएँ:--इन नियमों में जब तक्ष कि मंदसे ते शब्धना अपेकित न हो,---
 - (क) "अधिनियम" के नियांत (भगाभिटा नियंत्रण ग्रीर िर्देशण) अधिनियम, 1983 (1983 का 22) अभिनेत है।
 - (ख) "फ्रिकरण" से श्रश्तिनयम को धारा 7 के भवंत मुख्यई, कलकत्ता, कोवोन, दिल्लो और मधात में स्वापित नियति निरक्षण श्रसिकरणों में से कोई एक श्रश्मित है।
 - (ग) इस मादेश में "ट्रांसफार्मर" से लगासार चलने वाले पुत्रों से रिहत एक ऐसा साधिय मिन्नेत हैं जा 'क या अधिक कुण्डस में प्रत्यावर्ती वोल्टता और धारा का विद्युत चुन्बकीय प्ररणा द्वारा सामान्यतः बोल्टता और धारा के विभिन्न मानों पर और एक हो मावृत्ति पर एक या मिन्न कुण्डलतों में परिवर्तित कर वेता है, किंग्लु इसके मन्तर्गत परेलू प्रशंजनों भीर रेडियो वूर संवार परिवर्षों से प्रयोग कि । गवे दासकार्गर नहीं हैं।
- 3. क्वाजिटो नियंत्रण श्रीर निरोक्षण——(1) विनिर्माता द्वारा ट्रान्स फार्मर की क्वाजिट के स्तरों की श्रमुख्नी 1 में विनिधिष्ट के स्तरों सिहर उप-नियम (2) में विनिधिष्ट विनिर्मण के निध्न प्रश्नमों/श्रक्रमों पर नयंत्रणों का प्रयोग करते हुए सुनिश्चिक्त की जायेगी।
- (2) उपनिधम (1) में उल्तिका विनिन्धि के विभिन्न प्रक्रीं पर नियंक्षण निम्नत्नुसार होंगे ---
 - (1) क्य की गयी स.मंग्री और घटकों का निवत्रण :
 - (क) प्रतोग की जाने वासी सामग्री या घटकों के गुगबनी और सहायटाओं सहित उसकी ब्योरेबार विभागों को समाविष्ट अर्थे हुए वितिस्ति। द्वारा विनिर्देश क्षीयर विज अर्थेने।
 - (ख) प्रदायकर्ता के परीक्षण प्रमाण-पत्र कच्छी सामग्री जैने कीरगीट कुण्डसन तार, ट्रांसफार्मर का तेल श्रीर प्रेंस बोर्ड के लिये श्रीर बुशिंग, क्षायल, टो०भ्रों० पस्प, पखे, देडिएटर, उपकरण या स्ति के लिये प्रस्तुत थिने आर्येंगे:

परस्तु अब कन्त्री सामग्री या चटकों के लिये प्रधायकतों के परीक्षण प्रमाण-पक्ष प्रतुत प्राप्त हो जाते हैं तब प्रदायकर्ता की परीक्षण रिपाटों की प्रति की जांच की प्रावश्यकता नहीं होंगी:

- ं परन्तु यह भौर कि प्रशासकर्ता की परोक्षण रिपोर्ट त होने की दणो में क्रय विनिर्देशों 6 उसकी धनुरूपता की जांच करने के निये प्रस्तेक ुपरिषण में से नमूनों का नियमित स्प से परीक्षण किया जायेगा।
- (ग) खंड (ख) में वर्णित घटकों से निम्न घटकों का परीक्षण और निर्दाक्षण सोख्यकीय नमूना योजना के सामने दिये गर्ये विनिर्देशों से अनुरूपता सुनिश्चित करने के लिये किया जायेगा।
 - (ष) निरीक्षण या परीक्षण या दांनों किये जाने के पश्चात् वीलों के जिल्हें जाने के पश्चात् वीलों के जिल्हें व्यवस्थित प्रवित्यां प्रयास प्रवित्यां प्रयास कार्योगी।
 - (क) विनिर्माता उपरावत नियंत्रणों के सम्बन्ध में पर्माप्त स्रतिलेख व्यनस्थित रूप से रखेगा।
 - (2) प्रक्रिया नियंत्रण :
 - (क) विनिर्माण को विभिन्न प्रक्रियाओं के लिये विनिर्माता द्वारा ब्योरेकार प्रक्रिया विनिर्देश प्रधिकथित किये अर्थेने।
 - (ख) प्रक्तिया विनिद्धों में भिष्ठिक्षित प्रक्रिया नियंत्रण के क्षिये चपस्करों या उपकरमों की पर्शांत सुध्याए होगी।
 - (ग) विनिर्माण को प्रक्रिया के दौरान प्रतुक्त नियद्वणों का सरयापन करने के लिये विनिर्माता पर्या त प्रांतनेख रखेगा।

- (3) उत्पाद नियंत्रण:
- (क्त) मालक का नदीनों के अनुसार उत्पाद का परीक्षण करने के के लावे का नमीत. के पास या तो स्वयं की परीक्षण सुविधाएं होंगो सा उसकी पहुंच वहां तक होगी जहां तक ऐसी परीक्षण सुविधाएं विद्यमान हैं घीर विनिर्माता उसके पर्याप्त धनिसेख रखेगा।
- (छ) पत्वेक मम्बय की परेषण के भेजें जाने से पूर्व प्रक्षितिथत निरीक्षण जांच मुखी से जाच के जायेगी।
- (4) सौसम संबंधी नियंत्रणः

परीक्षण में प्रयुक्त विद्युत् मापी उपकरणो भीर प्रक्रिया नियंत्रण के लिये प्रयुक्त नाजुक उपकरणों की कालिक जान की आयेगी, या उनका प्रमु-संगोधन किया जायेगा और विनिर्माता वृत्तकार्य के रूप में स्निनेख रखेगा।

- 4. निरीक्षण पा प्राधार---निर्यात के लिये ट्रांसफार्यरों का निरीक्षण यह देखने की दृष्टि से कि ट्रासफार्मर प्रीव्यनियम की घारा 6 के अधीन केन्द्रीय सन्यार द्वारा मान्य विनिर्वेशों के प्रानुक्ष हैं
- (म) यह सुनिश्यित करते हुए कि उत्पाद नियम 3 मे उल्लिखित उत्पादन के दौरान मानश्यक क्वालिटी नियंत्रण का प्रयोग करके या
- (ख) इस मधिसूनना की मनुसूची II में नि।नविष्ट ढंग से किये गये निरीक्षण भीर परीक्षण के भाभार पर, विनिर्मित किय गये है, किया नायेगा।
- 5. निरीक्षण की प्रित्रया (1) संरचित ट्रांसफामरी के परेचण का निर्मात करने का इच्छुक निर्मातकर्ता निर्मात संविदा या आदेश की एक प्रित के साथ संविदारमक विनिर्वेक्षों का क्यों ये देते हुए, अभिकरण की जिखित कप में सूचना देगा जिससे प्रिक्षण नियम 4 के अनुसार निरीक्षण कर सके।
- (2) नियम 3 मे प्रविक्षित उत्पादन के दौरान पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रण का प्रयोग करते हुए विनिर्मित ट्रोसफाम रों के नियंत्र के लिये परिषद् द्वारा गठित विक्रोपकों के पैनल ने यह निर्णय विद्या है कि विनिर्माण एकक में उत्पादन के दौरान क्वालिटी नियंत्रण ड़िलों की पर्याप्त व्यवस्था है तो भी निर्यात्मकों उपनियम (1) में उहिन्यित स्कृतों के साथ वह घोषणा भी प्रस्तृत करेगा कि नियंत्र के लिये प्राक्षिय ट्रांनकाम रों का परेषण नियम (1) में धिक्षित के लिये प्राक्षित नियंत्रण का प्रयोग करते हुए विनिर्मित किया गया है एथा परेषण इस प्रयोगन के लिये मान्य मानक विनिर्देशों के धनुष्टम है।
- (3) नियंतिकर्ता नियति किये जाने बासे परेषण पर सगाये ग्रंथे पहुचान थिन्ह भ्रानिकरण को देना।
- (4)(क) उपनियम (1) के अधीन प्रस्पेक सूचना विनिर्माता के परिसर में जीन प्रारंभ फरने की प्रस्तावित ठारीख से 15 दिन पूर्व दी जायेंगी।
- (ख) उपनियम (2) के प्रश्लोन घोषणा संहित सूचना के मामले में यह विनिर्माता के परिसर से परेषण के भेजे जाने से कम से कम 3 दिन पूर्व वी जामें गी।
- (5) उपनियम (1) के ग्रधीन सूचना तथा उपनियम (2) के भ्रधीन षोषणा यदि कोई है के प्राप्त होने पर ग्रशिकरण, --
- (क)(1) प्रपत्ता यह समाधान कर लेने पर कि नितिसणि की प्रक्रिया के दौरान विनिर्माता ने नियम 3 में प्रधिकायित पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रण का प्रयोग जिया था तथा इस प्रयोजन के लिये मान्यताँ प्राप्त मानक विनिर्देशों के प्रवृक्ष्य अत्यादन का वितिर्माण करने के लिये इस संबंध में परिषद् भीर प्रभिकरण द्वारा जारी किये गये प्रवृतेशों का, यदि

- कोई हो, पाक्रम किया है, तीन दिन के भीतर वस घोषित करते हुए प्रमाण-पत्न जारी करेगा कि ट्रांसकार्मर का परेवण नियति-योग्प है।
- (2) उस दक्षा में जहां विनिर्माता निर्यातनकी नही है वही परेषण का प्रत्यक्ष सत्थापन किया जायेगा और अभिकरण द्वारा ऐमा सत्यापन और निरीण, यदि आवस्यक हो तो, यह सुनिश्चित करने के लिये किया जायेगा कि क्वांकिटी निर्यत्रण और निरीक्षण से संबंधित उपरोक्त अपेक्षाओं की पासन किया गया है।

परस्तु प्रभिष्ठरण निर्मात के लिये प्राशिषत कुछ परेषणों की स्वल पर ही जांच करेगा तथा उशादम के बौरान विभिर्माण एकक द्वारा प्रपत्नाये प्रयो कराशिष्टी निर्मात किलों की पर्याप्तता के अनुरक्षण का सरवापन करने के लिये निर्माण प्रकर्त किलों पर एककों में जायेगा और यवि विनिर्माण के किली भी प्रक्रम पर प्रपेक्षित क्वालिटी निर्माण को किली भी प्रक्रम पर प्रपेक्षित क्वालिटी निर्माण को प्रयोग नहीं किया गया है या परिषद् या प्रभिकरण की सिफारिकों को पूरा किया गया है तो यह बोधित किया व्यव्या कि एकक के पास उत्पादम के दौराल पर्याप्त क्वालिटी निर्माण किलों कही हैं।

परस्तु भागे यह कि ऐसे मामलों में एकक यदि ऐसा बाहे शो उत्पादन के दौरान स्थालिटी नियंत्रण ड्रिमों की पर्माप्तता को दमाये रखने के समायोजन के लिये फिर से घावेदन कर सकता है।

(ध) यथि भिर्यातकर्ता ने उप-नियम (2) के मधीन यह घोषित नहीं किया है कि नियम 3 में मधिकथित पर्याप्त नवालिटी नियंत्रण का प्रयोग किया गया है तो, प्रपत्ता यह समाधान कर लेने पर थि ट्रासफार्मरों का परेपण इस प्रयोजन के लिये मान्यकाप्राप्त मानक विनिर्देशों के प्रमुख्य है, प्रनुस्धी-II में यथा प्रधिकथित किये गये निरीक्षण भीर परीक्षण के प्राधार पर, ऐसा निरीक्षण करने के सात दिन के भीतर यह घोषणा करते हुए प्रमाण-पत्र जारी करेगा कि ट्रांसफार्मरों का परेषण निर्यात योग्य है।

परन्तु जहां स्रीभकरण का ऐसा समाद्यान नहीं होता है वहां वह निर्यातकर्ता को ऐसा प्रमाण-पन्न जारी करने से इंकार कर देश कि ट्रांसफार्मरों का परेवण निर्योध-योग्य हैं तथा ऐसे इंकार की सूचना निर्यात-कर्ता को उसके कारणों सहित सात दिन के भीतर देशा।

- (6)(क) यदि उपनितम (5)(क) के मधीन विनिर्माता निर्मातकर्ता नहीं है वा परेषण का निरीक्षण उप-नियम (5)(क) के अधीन
 किया गया है, तो अभिकरण निरीक्षण के तुरत्त पश्चात् ट्रीसकामेरों की
 प्रत्येक श्रेणी-गिट्टका पर, ट्रांसकामेरों के परेषण पर प्रपने ग्रनुमोदन की
 छाप लगा देगा या परेषण के पैकेंग की इस प्रकार सीलबंद करेगा कि
 जिससे यह सुनिश्चित हो आये कि सीलबंद पैकेंगों के साम छेड़छाड़ नहीं
 की जा सकती है।
- (ख) परेषण की भस्बीकृति की वणा में , यदि नियातकर्ता ऐसा पाष्ट्रितो परेषण अभिकरण ब्रास्त सीलबंद नहीं किया जा सकेमा परम्सू ऐसे मामलों में नियातकर्ता अस्बीकृति के विषद्ध कोई भी अपीक्ष करने का कुकदार नहीं होगा।
 - 6. निरीक्षण का स्थान--इन नियमों के ऋतीन प्रत्येक निरीक्षण--
 - (क) ऐसे उत्पादों के विनिर्माता के परिसरों पर, या
- (का) ऐसे परिसरों पर जहां निर्मात कर्ता ने माल प्रस्तृत किया है बरात कि वहां निरीक्षण के लिये पर्याप्त सुविधाएं विश्वमान हों, किया जायेगा।
- 7. निरीक्षण फीस निरीक्षण फीस का संवाय यथास्थिति विनिर्माता भीर निर्मालकर्क द्वारा अभिकरण की निम्नानुसार किया जायेगा:
 - (1) नियम के खंड (क) के अधीन निरीक्षण के मिसे पीतपर्यस्त नि.संह्न मूह्म के 0.27 की दर से प्रति परेचण स्यूनसम 20/- रुपये के प्रधीन रहते हुए।

- (2) नियम 4 के खंड (ख) के प्रधीन निरीक्षण के लियों पीत पर्यत्य निःणुरूक मूल्य के 0.4% की दर से प्रति परेषण स्यूत्तम 20/- रुपये के प्रधीन रहते हुए।
- (2) संबंधित राज्य सरकार भीर संघ राज्य क्षेत्र में रिजिस्ट्रीकृत लामु उद्योग एकको को खंड (1) भीर (2) में विनिर्दिष्ट निरीक्षण फीस की दर में 10% की छूट दी जायेगी।

अपील --(1) नियम 5 के उपनियम (5) के प्रधीन प्रमाणपत देने से इंकार किये जाने से व्यक्षित कोई व्यक्ति ऐसे इंकार की सुमना प्राप्त होने के धस विभ के भीतर इस प्रयोगन के लिये केखीय सरकार बीरा निम्मृक्त एसे विशयस पैनल की घपील कर सकेगा विमानें कम से कम तीन तथा प्रधिक से प्रधिक मात व्यक्ति होंग।

- (2) पैनल की कुल सदस्यता के फम से कन वो-तिहाई सदस्य भगानकीय होंगे।
 - (3) पैनल की गणपिं तीन मदस्यों से होगी।
 - (4) अपील प्राप्त होंने के पन्त्रह बिन के भीतर निरदाई जायेगी।

कनुसूची-1 नियंत्रण के स्तर (नियम 3 देखिए)

क्रम सं ०	निरीक्षण/परीक्षण की विकिप्टियां	भ्रमेक्षाएं	नमूना ग्राकार	लॉट ग्राकार
1	2	3	4	5
I.	क्रय की गयी सामग्री भीर संघटक (क) चाझुव निरीक्षण (कारीगरी क्रीर फिनिस सहित) (ख) सहायता सहित विभाएं	इस प्रयोजन के लिए मान्यताप्राप्त मानक वितिर्वेशों के प्रनुसार	प्रस्येक	प्राप्त हुन्ना प्रत्येक परेवण
	(i) ऋतिक (i) ऋतिक	इस प्रयोजन के लिए मान्यताप्राप्य मानक विनर्देशों के श्रमुसार	प्रत्येक	प्राप्त हुजा प्रभोत परेवण
	(ii) प श्य	े इस प्रयोजन के लिए मान्यताप्राप्त मानक विनिर्देश के सन्दुसार	क्रमितिखित ग्रस्त्रेषण के आधार पर नियत किया जाना	पाप्त हुआ प्रत्येक परेषण प्राप्त हुआ
	(ग) कोई ग्रन्य ग्रपेक्साएं	इस प्रयोजन के लिए मान्यताप्राप्त मानक विनिद्धेश के प्रनुसार	स्रभिक्षिखित भन्वेदण के भाषार पर नियस किया जान है ।	प्रत्येक परेवण
I.	पूर्ण सम् इन्ह्य		<i>(. ,</i>	
	(क) कुण्डलन प्रतिरोधक के माप	इस प्रयोजन के लिए मान्यताप्राप्त मानक विनि- र्षेशों के प्रमुसार	प्रस्येक	
(ख) ग्रनुगात प्रुवीय तथा फेज संबंध	इस प्रयोजन के लिए मान्यताप्राप्त मानक विनि- देंगों के प्रनुसार	प्रस्ये ह	
((ग) प्रसि बे ।धा बोल्टता	इस प्रयोजन के लिए मान्यताप्राप्त मानक विनि- देंग के श्रनुसार	प्रत्येष	F -7
	(भ) लोह हानि	इस प्रयोजन के लिए मान्यताब्राप्त मानक विनिर्देश के श्रनुसार	प्रस्येक	
((इः) शूल्य लोख हानि और शूल्य लोड घारा	इस प्रयोजन के लिए मान्यताप्राप्त मानक विनिर्देश के भनुसार	प्रत्येषा	
(🤏) विद्युत रोधन प्रतिरोघ	इस प्रयोजन के लिए मान्यताप्राप्त मानक विनिर्वेण के भनुसार	प्रस्येक	
(छ) মধি बोल्टता प्रेरित करने पर परीक्षण सहायता	इस प्रयोजन के लिए मान्यताप्राप्त मानक विनिर्वेश के श्रनुसार	ष्रत्येक ्	
(ज) पृथक स्त्रीत वाली बोल्टता की परीक्षण सहायता	इम प्रयोजन के लिए मान्यताप्राप्तः मानक वितिर्वेश के सनुसार	प्रभेक	
(अत) तापमान युद्धिकी जांक इन) प्रावेग बोस्टता की परीक्षण महायक्षा } ट) प्रान्य कोई परीक्षण	यदि उपमोक्ता द्वारा विनिर्विष्ट किया गयाहो		

अनुसूची-JI

[नियम 5 (ख) तंबिए]

- 1 ट्रंसफार्मरों के परेषण प्रधिनियम की घारा 6 के प्रधीन मान्यताशास्त मानक विशिव्यों से उसकी प्रनुक्तता सुविधिकत करने के लिए निरोक्षण तथा परीक्षण के प्रधीन होगे।
- 2. नमूना लेने के तथा अनुरूपता के मानदंडों के संबंध में संविदात्मक विश्वदेशों में विशिष्ट अनुवंध की अनुपस्यित में वह लागू होगा। जो नीचे प्रविक्षित है।

2.1 ऐसे निरीक्षण की दिणा में नमूना लेने का तथा अनुरूप त का मानवड वह होगा जो नीचे मारणी- I तथा सारणी-II में विनिधिट है:

•	
17 / 7 (17)	

	नॉट प्राकार	परीक्षण किए जाने वा नमूनों की संख्या
। अञ्जूष परीक्षण (वाहा)	उसा प्रकार भौर रेंटिंग के	100%
	द्रांसफार्मर	
2 कुभ्यतन प्रतिरोधक के माप	उपरोक्त	सारणी II के प्रमुखार
ा भनुपास भवीयता श्रीर फेजसंबध	उपरोक्त	उपरोक्त
4 प्रसिबाधा बाल्टात	उप रो4ड	उपरोक्त
5. लोड हानि	उ गरीक्त	उपरोक्त
6. शुन्य लोब हानि भौर शूर्य लोब घाण	उपरोक्त	उपरोक न
7 विद्युत रोधन प्रतिरोध	उपरीक् न	उपरोक्त
8 क्रींस बोस्ट ता प्रेरिक करने पर परीक्षण सहायका	उगरोका	उन् रोहा
9 पुथकस्त्रोत वाली बोल्टता की परीक्षण सहायदा	उपरो न ा _।	जारामा
10. हाउमान वृद्धि परीक्षण	∫ उपभोक्तो द्वारा जैमा े विनिधिष्ट किया जाए ।	
11. क्रावेग वोस्टता परीक्षण सहायता		
12. कोई मन्य परीक्षण		

सारणी-![

कम उसी प्रकार भीर रेटिंग के ट्रांसफार्म रो की संख्या सं०	परीक्षण किए जाने वासे नमूनों की संबदा	अनुज्ञेय बोष की सं०
1. ৪ বৃদ্ধ	2 •	सूरय
2. 9 से 15	3	सूरय
3. 16 से अपर	5	शून्य

[मं॰ 6(६)/80-ई॰ घाई॰ एंड ई॰ पी॰] सी॰बी॰ कुकरेती, संयुक्त भिवेशक

MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Commerce)

ORDER

New Delhi, the 29th January, 1983

S.O. 641.—Whereas the Central Government is of opinion, that in exercise of the powers conferred by Section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce Nos. S.O. 2274, dated the 9th July, 1977 and S.O. 2275, dated the 9th July, 1977, it is necessary and expedient so to do for the development of the Export Irade of India that Transformers should be subject to inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by Sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule and in supersession of the proposals published with the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 3347, dated the 29th November 1980, the Central Government hereby publishes the proposals mentioned in the second paragraph fo_r the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the proposals specified below may forward the same within fortyfive days of the date of publication of this Order to the Export 1196 GI/82—2

Inspection Council, Pragati Tower (11th floor), 26, Rajendra Place, New Delhi-110008.

PROPOSALS

- (1) To notify that Transformers shall be subject to quality control and inspection prior to export;
- (2) To specify the type of inspection in accordance with the draft Export of Transformers (Quality Control and Inspection) Rules, 1983 set out in the Annexure—to this Order as the type of quality control and inspection which would be applied to such Transformers prior to export;
- (3) To recognise contractual specifications from the importer of Transformers, stipulating definite operating characteristics, or definite mechanical constructions, or both and wherever necessary stipulating particular applications having definite service conditions:

Provided that missing para-metres, if any, in the contractual specifications, shall comply with all or any of the following specifications, namely:—

- (a) Indian or any other national standard specifications,
- (b) International Electrotechnical Commission recommendations,
- (c) Specifications approved by the Government department or public utility services of the importing country.
- (d) Specifications followed by technical collaborators of the manufacturing unit, as the standard specifications.
- (4) To prohibit the export in the course of international trade of any such Transformers unless the same are accom-

panied by a certificate issued by any one of the agencies established by the Central Government under Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), to the effect that the consignments of Transformers satisfy the conditions relating to quality control and inspection and are exportworthy.

(5) In this Order, "Transformers" shall mean a piece of apparatus without continuously moving parts which by electromagnetic induction transforms alternating voltage and current in one winding into alternating voltage and current in one or more windings usually at different values of voltage and current and at the same frequency, but does not include Transformers used for domestic purposes and in radio-telecommunication circuits.

ANNEXURE

Draft rules proposed to be made under Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

- 1. Short title and commencement.—These rules may be called the Export of Transformers (Quality Control and Inspection) Rules, 1983.
- 2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—
 - (a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);
 - (b) "Agency" means any one of the Export Inspection Agencies established at Bombay, Calcutta, Cochin. Delhi and Madras under section 7 of the Act;
 - (c) "Transformer" shall mean a piece apparatus without continuously moving parts which by electromagnetic induction transforms alternating voltage and current in one winding into alternating voltage and current in one or more winding usually at different values of voltage and current and at the same frequency, but does not include Transformer used for domestic purposes and in radio-telecommunication circuits.
- 3. Quality Control and Inspection,—(1) The quality of Transformer shall be ensured by the manufacturer by exercising the controls at different stages of manufacture specified in Sub-rule (2) together with the levels of controls specified in Schedule I to these rules. (2) The controls at different stages of manufacture mentioned in Sub-rule (1) are as follows:—
 - (i) Brought out materials and components control:
 - (a) Purchase specifications shall be laid down by the manufacturer incorporating the properties of materials or components to be used and the detailed dimensions thereof with tolerances.
 - (b) Supplier's test certificates shall be produced for raw materials like core sheets, winding wires, transformers oil, and press board and for components like bushings, oil T.O. pumps, fans, radiators, instruments or relays:
 - Provided that when supplier's test certificates are obtained for raw materials or components, no counter checking of the supplier's test reports shall be required:
 - Provided further that in the absence of supplier's test reports samples from each consignment shall be regularly tested to check up its conformity to the purchase specifications.
 - (c) The incoming components, other than those mentioned in sub-clause (b), shall be inspected and tested for ensuring conformity to purchase specifications against statistical sampling plan.
 - (d) After the inspection, or tests, or both, are carried out, systematic methods shall be adopted for proper segregation and disposal of defectives.

(e) Adequate records in respect of the above mentioned controls shall be systematically maintained by the manufacturer.

(ii) Process Control

- (a) Detailed process specifications shall be laid down by the manufacturer for various processes of manufacture.
- (b) Equipment or instrumentation facilities shall be adequate to control the process as laid down in the process specifications.
- (c) Adequate records shall be maintained by the manufacturer to enable the verification of the controls, exercised during the process of manufacture.

(iii) Product Control:

- (a) The manufacturer shall either have his own testing facilities or shall have access to such testing facilities existing elsewhere to test the product as per the standard specifications and adequate records thereof shall be maintained by the manufacturer.
- (b) Each and every assembly shall be checked against a laid down inspection check list prior to despatch.
- (iv) Matrological Controls:

Electrical measuring instruments used in testing, and critical instruments used for process controls shall be periodically checked or calibrated and records shall be maintained by the manufacturer in the form of history cards.

- 4. Basis of inspection.—Inspection of Transformers for export shall be carried out with a view to seeing that the Transformers conform to he specification recognised by the Central Government under section 6 of the Act,—
 - (1) by ensuring that the products have been manufactured by exercising necessary in process quality control as laid down in rule 3, or
 - (b) on the basis of inspection and testing carried out in the manner specified in Schedule II to this notification.
- 5. Procedure of Inspection,—(1) An exporter intending to export a consignment of Transformer shall give an intimation in writing to the agency furnishing therein details of the contractural specification alongwith a copy of the export contract or order to enable the agency to carry out inspection in accordance with rule 4.
- (2) For export of Transformers manufactured by exercising adequate in process quality control as laid down in rule 3 and the manufacturing unit adjudged as having adequate inprocess quality control drills by a panel of Experts constituted by the Council for this purpose, the exporter shall discontinuity alongwith the intimation, mentioned in sub-rule (1) a declaration that the consignment of Transformers interided for export has been manufactured by exercising adequate quality control as laid down in rule 3 and that the consignment conforms to the standard specifications recognised for the purpose.
- (3) The exporter shall furnish to the agency the identification marks applied to the consignment to be exported.
 - (4) (a) Every intimation under sub-rule (1) shall be given not less then fifteen days prior to the commencement of Tests in the manufacturer's premises.
 - (b) In the case of intimation along with declaration under sub-rule (2) shall be given not less than three days prior to the despatch of the consignment from the manufacturer's premises.
- (5) On receipt of the intimation under sub-rule (1) and the declaration, if any, under sub-rule (2), the agency.
 - (a) (i) on satisfying itself that during the process of manufacture, the manufacturer had exercised adequate quality controls as laid down in rule 3 and followed the instructions if any issued by the Council or Agency in this regard to manufacture the product

to conform to the standard specifications recognised for the purpose shall within three days issue a certificate declaring the consignment of Transformers as exportworthy.

(n) In case where the manufacturer is not the exporter, the consignment shall be physically verified and such verification and or inspection if necessary shall be carried out by the agency to ensure that the said requirements relating to quality control and inspection are complied with:

Provided that the agency shall carry out the spot-check of some of the consignments meant for export and also visit the manufacturing unit at regular intervals to verify the maintenance of the adequacy of in-process quality control drills adopted by the unit and if the manufacturing unit is found not adopting the required quality control measures at any stage of manufacture or does not comply with the recommendations of the Council or Agency, the unit shall be declared as not having adequate in-process quality control drills:

Provided further that in such cases, the unit, if so desires, may apply a fresh for adjudgament of the maintenance of adequacy of in-process quality control drills;

(b) in case where the exporter has not declared under sub-rule (2) that adequate quality control as laid down in rule 3 had been exercised, on satisfying itself that the consignment of Transformers conforms to the standard specification recognised for the purpose, on the basis of inspection and testing carried out as laid down in Schedule II shall within seven days of carrying out such inspection issue a certificate declaring the consignment of Transformers as export youthy:

Provided that where the agency is not so satisfied it shall refuse to issue a certificate to the exporter declaring the consignment of Transformers as exportworthy and shall communicate such refusal within seven days to the exporter along with the reason therefor.

(6) (a) In case where the manufacturer is not the exporter under sub-rule (5)(a) or consignment is inspected under sub-rule (5)(b), the agency shall, immediately after completion of the inspection, punch their approval of the consignment of Transformers on each rating plate of the Transformers or seal the package in the consignment in a manner so as to

- ensure that the scaled packages cannot be tempered with.
- (h) In care of dejection of the consignment, if the exporter so desires, the consignment may not be sealed by the agency but in such cases, the exporter shall not be entitled to prefer any appeal against rejection.
- 6 Place of Inspection Every inspection under these rules shall be carried out—
 - (a) at the premise₃ of the manufacturer of such products, or
 - (b) at the piemises at which the goods are offered by the exporter provided required facilities for inspection exists therein.
- 7. Inspection Fee.—(1) The inspection fee shall be paid by the manufacturers or exporters, as the case may be to the agency, as under:
 - (1) For inspection under clause (a) of rule 4 at the rate of 0.2% of f.o.b. value, subject to a minimum of Rs. 20 per consignment.
 - (ii) for inspection under clause (b) of rule 4 at the rate of 0.4% of fo.b. value, subject to a minimum of Rs. 20 per consignment.
- 2. A rebate of 10% on the rate of inspection fee specified in clause (i) and (ii) shall be allowed to small scale units registered with the concerned State Government or the Union Territory.
- 8 Appeal.—(1) Any person aggreed by the refusal of the agency to issue a certificate under sub-rule (5) of rule 5 may, within 10 days of the receipt of the communication of such refusal by him, prefer an appeal to a panel of experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by the Central Government.
- (2) The panel shall consist of at least two thirds of non-officials of the total membership of the panel of experts.
 - (3) The quorum for the panel shall be three.
- (4) The appeal shall be disposed off within fifteen days of its receipt.

SCHEDULE I

Levels of Controls

(See rule 3)

	il. Particulars of inspection/test	Requirements	Sample size	Lot size
_	1 2	3	4	5
I.	Bought out material and components (a) Visual Inspection (including work-manship and finish)	As per standard specification recognised for the purpose	Each	Each consignment received.
	(b) Dimensions with tolerance (i) Critical	As per standard specification recognised for the purpose	Each	Each Consignment received.
	(n) Others	As per standard specification recognised for the purpose.	To be fixed on the basis of recordeed investigation.	Each consignment received.
	(c) Any others Requirements	As per standard specification recognised for the purpose.	To be fixed on the basis of recorded investigation.	Each consignment received.
П	Complete Assembly			
	(a) Measurements of winding resistance.	As per standard specification recognised for the purpose.	Each	
	(b) Ratio, polarity and phase relationship	As per standard specification recognised for the purpose.	Each	-

1	2	3	4	5
(c)	Impedance voltage	As per standard specification recognised for the purpose.	Each	
(b)	Load Losses	As per standard specification reecognised for the purpose,	Each	_
(c)	No load losses and no load current	As per standard specification recognised for the purpose.	Each	-
(f)	Insulation resistance	The actual value shall be recorded.	Each	
(g)	Induced over voltage withstand test	As per standard specification recognised for the purpose.	Each	-
(h)	Separate source voltage withstand test	As per standard specification recognised for the purpose.	Each	_
(i)	Temperature rise test	If specified by the customer		
(j)	Impulse voltage withstand test			
(k)	Any other test			

SCHEDULE-II

[See under rule 5 (b)]

- 1. The consignments of Transformers shall be subjected to inspection and testing to ensure conformity of the same to the standard specifications recognised under section 6 of the Act.
- 2. In the absence of any specific stipulation in the contractual specifications as regards sampling and criteria of conformity, the same as laid down below shall become applicable.
 - 2.1 Sampling and criteria of conformity in case of such inspection will be as specified in Table I and Table II below

TABLE-I

SI. Characteristics No.	Lot size	No. of samples to be tested
1 2 .	3	4
1. Visual check (external)	Transformers of same type and rating	100%
2. Meansurement of winding restistance	-do-	As per Table II.
3. Ratio, polarity and phase relationship	-do-	-do-
4. Impedance voltage	-do-	-do-
5. Load losses	-do-	-do-
6. No load losses and no load current	-d o-	-do-
7. Insulation resistance	-do-	-do-
8. Induced over voltage withstand test	-do-	-do-
9. Separate source voltage withstand test	-do-	-do-
10. Temperature rise test	As specified by the customer	
11. Impulse voltage withstand test		
12. Any other test		

TABLE-II

Sl. No.	No. of transformers of same type and rating	No. of samples to be tested	No. of permissible defective
1	2	3	4
ı.	Upto 8	2	Nil
	9 to 15	3	Nil
3.	16 and above	5	Nil

(बस्त विमाग)

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर, 1982

का० आ० 642.—केन्द्रीय सरकार, फेस्द्रीय रेशम प्रधिनियम, 1943 [1948 का 61] की धारा 6 की (1) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केस्ब्रीय रेशम बोर्ड के सदस्य हथकरचा विकास भायक्त श्री एय० के० मिश्रा को भगना प्रादेश होने तक उपाध्यक्ष के रूप में नियक्त करती है।

(फा॰ सं॰ 25012/11/82-रेशम)

(Department of Textiles)

New Dolhi, the 9th December, 1982

S.O. 642.—In exercise if the powers conferred by subsection (1) of section 6 of the Central Silk Board Act, 1948 (61 of 1948), the Central Government hereby appoints Shri S. K. Misra. Development Commissioner for Handlooms a member of the Central Silk Board as the Vice Chairman of the Central Silk Board until further orders.

[F. No. 25012/11/82-Silk]

अ(० 643.—केन्द्रीय सरकर, केन्द्रीय रेशम बार्ड अधि~ नियम, 1948 (1948 का 61) की घारा 4 की उपवारा (3) द्वारा प्रवस्त समिनमो का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वाणिक्य सन्नालय , (बस्त्र विभाग) की प्रधिपूचना संबंधक का० प्रा० 2234, ताराख 24 मप्रैल, 1982 का निम्नलिखित संगोधन करती है, प्रयात् :---

उक्त प्रधिसूचना में, मद 1 बीर उसमें संबंधित प्रविध्टि के स्थान पर निम्नक्षित्वत रका जाएगा, भर्यातु ---

"श्री एस० के० मिश्रा, विकास भ्रायुक्त (हथकरघा), वस्त्र विभाग, वाणिज्य महालय,

भारत सरकार ।

फिंग्स्टिंग में 25012/11/82-रेशमी एम० दामोदरन, उप सचिद

S.O. 643.—In exercise of the powers conferred by subsection (3) of section 4 of the Central Silk Board Act, 1948 (61 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce (Department of Textiles) No. S.O. 2234 dated the 24th April, 1982, namely :-

In the said notification, for item 1 and the entry relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

"1. Shri S. K. Misra, Development Commissioner (Haudlooms), Department of Textiles, Ministry of Commerce, Government of India.'

> [F. No. 25012/11/82-Silk] M. DAMODARAN, Dv. Secv

(क्षष्ठा विमात)

न**र्ड दि**रुली, 29 जनवरी, 1983

का बा 644.--केम्ब्रीय सरकार, मरकारी स्थान (ग्रत्राधिकृत ग्रधिभोगियों की बेदखली) प्रधिनियम, 1971 (1971 का 40) की घारा 3 द्वारा प्रवत्न शक्तियों का प्रयोग करने हुए नीने दी गई सारणी के स्तंभ (1) में वर्णित प्रधिकारियों को, जो सरकार के राजपत्नित प्रधिकारियों की पंक्ति के समतुष्य के पंधिकारी हैं. उक्त प्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा

घिषकारी के रूप में नियक्त करती है, जो उक्त सारणी के स्तंम (2) की तत्स्थानी प्रविष्टि मे विनिधिष्ट सरकारी स्थानो के प्रवर्गीको बावत प्रपनी अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमाध्रों के भीतर उक्त अधिनियम डारा या उसके सबीन संपदा कथिकारी को प्रवत्त गावितयों का प्रयोग और अधिरोपित कर्णव्यो का पालन करेंगे।

•	सारणी
यधिकारियों का पदासिधान	सरकारी स्थामों के प्रवर्ग भीर भ्रधि- कारिता की स्थातीय सीमाए
(1)	(2)
सिनव, तिटिया इडिया कार तरेशन प्रबंध पशासन कानपुर बूलन मिल्स तिटिया इडिया कारपेरिशन की गाखा । प्रशासनिक अधिकारी न्यू ईपरटन बूलन मिल्स किटिया इंडिया कारपेरिशन की शाखा।	कानपुर स्थित बिटिंग इडिया कार- पोरेणन के प्रशासनिक नियंत्रणा- धोन स्थान। कानपुर स्थित कानपुर बूलन मिल्स के प्रशासनिक नियंत्रणाश्चीन स्थान। धारीबाल स्थित न्यू ईगरटन बूलन मिल्स के प्रशासनिक नियंत्र- णाधोन स्थान।
	[फा॰ गं॰ 2.2/31/81- ड स्स्यूटी] ए० के॰ मुखर्जी, संयुक्त संविध

(Department of Textiles)

New Delhi, the 29th January, 1983

S.O. 644.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupations) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoint the officers mentioned in coloumn (1) of the Table below being officers equivalent to the rank of Gazetted officers of Government to be Estate Offloers for the purposes of the said Act who shall exercise the powers conferred and perform the outres imposed, on Estate Officers by or under the said Act within the local limits of their respective jurisdiction in regard to the Public Premises specified in the corresponding entries in column (2) of the said Table :--

TABLE

Designation of Officers	Categories of Public Premises and Local Limits of Jurisdiction
(1)	(2)
	<u>.</u>

Secretary, British India Corpn. Premises under the Administra-

tive control of the BIC at Kanpur.

Manager, Administrative Cayapore Woollen Mills Branch of the BIC

Premises under the Administrative control of the Cawapore Woollen Mills at Kanpur

Egerton Woollen Mills, Branch of the BIC.

Administrative Officer, New Premises under the administrative control of New Egerton Woollen Mills at Dhariwal.

[File No. 22/31/81-WT]

A. K. MUKHERJEE, It. Secv

मक्य निवत्नक, अध्यक्त एवं निर्यात का कार्यालय आदेश

नई दिल्लो, ७ जनवरी, 1983

का० आर० ६४5 — सर्वेश्री नेगानल धर्मल पावर कार्पोरेशन, एन ° टी॰ पी॰ सी॰ स्मथायर 62-69, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली को 6,62,200 (छ: लाख, बासठ हुजार, दो सौ रुपए माल्ल) का आई० डी० ए० केडिट 1027 द्राईएन के अस्तर्त अल शुद्धि समझ के लिए प्रधानुकारक के दो चेन का श्रायात करने के लिए श्रावात लाइसेंस जी । एन/ 2039915/मी **षाईए/82/एच** /81/सी जी -II/ एल० एम० दिनाक 15-3-82 प्रदान किया

फर्म ने उपर्यम्स लाइसेंस को सीमा शुलक निकासी प्रयोजन प्रति की भनलिपि जारी करने के लिए इस भाघार पर भावेदन किया है कि उपयाकत लाइमेंस की मल सीमा गुल्क निकासी प्रयोजन प्रति उनसे खो गई भ्रथवा प्रस्थानस्थ हो गई है। श्रागेयह बताया गरा है कि लाइसेंस को सीमा गरक निकासी प्रयोजन प्रति बम्बई सीमा सुल्क प्रधिकारी के पास पंजीकृत कराई गई थी और इस प्रकार सीमा शल्कप्रयोजन प्रति के मुल्य का घभी सक कोई उपयोग नहीं हुमा है।

2. श्रपने तर्क के समर्थंत में प्रार्थी ने नोटरी पश्चिलक के समक्ष विधियत शपथ लेकर स्टाम्प पेपर पर एक गपथ पत्न दाखिल किया है। तदन्सार में सम्तर्क्य ह कि ब्रायातमाइसेंस संख्या जी/एच / 2039915/ दिनाक 15-ए-५2 की मी मा निकासी प्रयोजन प्रति की मूल प्रति कर्म से खोगई अथवा अस्था-नस्थ हो है। यथा संशोधित भाषात नियंभण ग्रावेश 1955 दिनांक 7-12-1955 के उपस्ताइ 9 (सीसी) में प्रदत्न श्रधिकारों का प्रयोग करते हुए सर्वेश्री नेशनल धर्मल पावर कापार्रेशन नई दिल्ली को जारी किए गए लाइमेस सं॰ जी/एच / 2039915 विनांक 15-3-82- की मृत्र मीमा गल्क प्रयोजन प्रति एत्द वृतारा रद्द् की जाती है।

उ उपर्युक्त ला**इसेंस** की सीमा शुल्क निकासी प्रयाजन प्रतिकी मनुलिपि फर्म को प्रलग से जारी की आ यही है।

> [सं० सी जी-2/ एचईपी (यू-22)/81-82/129n पाल बेक, उप-मुख्य निग्नंबक.

आयात एवं नियति

(Office of the Chief Gontroller of Imports & Exports)

ORDER

New Delhi, the 7th January, 1983

S.O. 645 .- M/s. National Thermal Power Corporation, N.T.P.C. Square 62—69, Nehru Place, New Delhi were granted an import licence No. G/H/2039915/C|IA|82|H|81|CGII|LS. dated 15-3-82 for Rs. 6,62,200 (Rupees Six lakks sixty two thousand, and two hundred only) for import of Two Chains of Demineralising for water treatment Plant under Credit 1027-IN.

The firm has applied for issue of Duplicate copy of Customs purposes copy of the above mentioned licence on the ground that the original Customs purposes copy of the licence has been lost or misplaced. It has further been stated that the Customs purposes copy of the licence was registered with Bombay Customs Authority and as such the value of Customs Purposes copy of the licence was registered with Bombay Customs Authority and as such the value of Customs toms Purpose copy has not been utilised at all.

2. In support of their contention, the licensee has filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before a notary Public. I am accordingly satisfied that the original Customs Purposes copy of import licence No. G/H/2039915 dated 15-3-82 has been lost or misplaced by the firm. In exercise 15-3-82 has been lost or intiplaced by the firm. In exercise of the powers conferred under sub-clause 9 (cc) of the Import Control Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended the said original Customs purposes copy No. G/H/2039915 dated 15-3-82 issued to M/s. National Thermal Power Corpn. New Delhi is hereby cancelled.

3. A duplicate Customs purposes copy of the said licence is being issued to the party separately.

> [No. CGII/HEP (U-22)/81-82/12907] PAUL BECK, Dy Chief Controller Imports & Exports

संयुक्त भूषय निवर्ध्यक आधात तथा नियति का कार्यालय

अस्टिश

महास 14 क्रक्त्वर, 1982

का॰ आ॰ 646--- सर्वश्री इंजिनियरिगं इन्बेस्टमेंट प्राइबेट लिमिटेड, समया 46 मिड्को इंडस्ट्रीयल एस्टेट, अम्बत्र महास -58 को रुपये 3,28,065 लक श्रप्रैल मार्च 1982 के ऋायात तीति के परिशिष्ट 7 में दर्शाई गई श्रनुमेय मदों का ग्रायान करने के लिए ग्रायान लाइगेस संख्या पी एस 1935221-सी -एनसएक्स - 79-एम-81 दिनांक 12-6-81 जारी किया गात या 1982-83 की भागत नियति कियाविधि पुस्तिका के पैरा 352 में ग्रवेक्षित शपथ-पत्न दाखिल करने हुए लाइसेंसधारी ने कहा है कि अप्रैल-मार्च 1982 को श्रवधि के लिए जारी किये गये राये 3,28,065 का लाइसेंस संख्या पी-एम-1935221-सी-एक्स एक्स-79-एम-81 दिनाक 12-6-81 को सीमाशुल्क प्रयोजनार्थं प्रति किसी भी सीमाशुल्क सदत से पजीकृत किये विना खा दी गयी है और आवेदन किया है कि सीमाशुल्क प्रयोजनार्थ प्रति कि प्रनिषिपि प्रति रुपये 3,28,065 के लिए जारी किया

मैं इस बान से सनुष्ट हु कि उपयुँक्त लाइ मेश की मीमाशुल्क प्रयोज-नार्थ प्रति खो दी गयी है ।

यथा सशोधित श्रायान व्यापार नियत्रण श्रादेश, 1955 विनांक 7-12-1955 की धारा 9 (सी सी) के भंतर्गत प्रदत्त प्रधिकारों के द्वारा क्यये 3,28,065 के साहसेंग मंख्या पी-एस-1935221-सी-एक्स एक्स79-एम 81 दिनाक 12-6-81 जी सीमाणुल्क प्रयोजनार्थं प्रति स्दृद किया आता

शाबेदक का, 1982-83 के श्रायान निर्यात कियाधिधि की पुस्तिका के पैरा 352 के भनुसार रुपये 3,28,065 का लाइसेंस संख्या पी-एस-1935221-सी-एस एक्स-79-एम 81 दिनांक 12-6-81 की सीमाणुल्क प्रयोजनार्थं प्रिप्त भी भनिषिषि प्रति प्रलग जारी किया जाता है।

[सक्या धाई एण्ड एस-93-एएम 82-एय 3]

(Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports)

CANCELLATION ORDER

Madras, the 14th October, 1982

- S.O. 646.—M/s. Engineering Investment Private Ltd.. No. 46, Sidco Industrial Estate, Ambattur, Madras-58 were granted import licence No. PS/193522-1/C|XX/79|M|81 dt. 12-6-81 for Rs. 3,28,065 for import of permissible items figuring in appendix 7 of A.M. '82 Policy book. They have filed an affldavit as reguired under para 352 of Hand Book of Import-Export Procedures, 1982-83, wherein they have stated that customs copy of the import licence No. PS/1935221/C/XX/79/M/81 dated 12-6-81 for Rs. 3,28,065 for the period A.M. '82 has been lost without having been registered with any customs house and the duplicate customs copy is required to cover Rs. 3,28,065.
- 2. I am satisfied that the customs purposes copy of the said licence has been lost.
- 3. In exercise of the powers conferred on me under Clause 9(cc) in the Import Trade Control order 1955 dt. 7-12-1955 as amended upto date the customs purposes copy of the said licence No. PS/1935221/C/XX|79|M|81 dt. 12-6-81 for Rs. 3,28,065 is hereby cancelled.
- 4. The applicant is now being issued the duplicate customs copy of import licence No. P/S/1935221/C|XX|79| M|81 dt. 12-6-81 to cover the unutilised value of Rs. 3,28,065 in accordance with the provision of Para 352 of Hand Book on Import-Export Procedure, 1982-83

आवेश

महास, 17 दिसम्बर, 1982

का॰ आ॰ 647 ----सर्वश्री राजा मेटल ईडस्ट्रीज, 17 मिक्रका इंडस्ट्रीयल एस्टेट, कप्पलूर, तिरुमंजलम जिल्ला को रुपये 24,000 तक टिन प्लेट बेस्ट बेस्ट का प्राथान करने के लिए प्रापात लाइसेंस संख्या पी-एस-1935731-सी-एक्स एक्स-82एम-81 दिनाक 1-1-82 जारी जिया गया था।

फर्म को भेजे गये पत्न का विभारण किये विना इस टिप्पणी के साथ लौटा दिया है कि "दरवाजा बन्य है सीर पत्न का प्राप्त करने कोई नहीं है। इसलिए वापस किया जाता है।" अन लाइसेंग्जारी से यह पूछते हुए एक कारण बताओं नोटिस जारी किया गया था कि 30-11-1982 को व्यक्तिगत सुनवाई का अवगर देने के पश्चात उनकी जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रह कर दिया जाए। अपने सामले को स्पष्ट करने वनितन गत सुनवाई के लिए पार्टी न आने के कारण, मैं इस बात से संसुद्ध हूं कि उपयुक्त लाइसेंस धोखेगाजों से प्राप्त किया गया है और एनडहारा लाइसेंस को रह करने की एक पक्षीय निर्णय लेता हूं।

भै प्रायात (नियंत्रण) घावेश 1955 की धारा 9(1)(ए) के अवर्गं र प्रवस प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए, मर्वर्था राजा मेटल इंडस्ट्रीज, कप्पसूर, विकागलम तालुक को धप्रल-मार्च, 1982 की ध्रवधि के लिए रुपये 24,000 तक टिन प्लेट वेस्ट वेस्ट का ध्रायान करने के लिए जारी किये गये। लाइसेंम संख्या पी एस 1935731 मी-एक्स-82-एम-81 दिनांक 4-1-82 की एल्द्वारा रह करता हूं।

[संख्या आई एण्ड एन-180-ए एम-82-एय 3

ORDERS

Madras, the 17th December, 1982

S.O. 647.—M/s. Rajah Metal Industries, 17-Sideo Industrial Estate, Kapplur, Thirumangulam T. K. were granted a Licence No. P/S/1935731/C|XX|82|M|81 dated 4-1-82 for import of Tin Plate Waste waste for R3. 24,000.

A letter addressed to the firm has been returned undelivered with remarks door locked and nobody to received tapals. Hence returned. A show cause Notice was issued calling upon the Licence Holde to Show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a Personal Hearing on 30-11-1982. As the party did not turn up for a Personal Hearing to explain his case, I an satisfied that the above import Licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of Clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No. P/S/1935731/C|XX|82|M|81 dated 4-1-82 issued to M/s. Rajah Metal Industries, Kappalur, Thirumangalam, Taluk, for import of Tin plate, waste waste for Rs. 24,000 for April—March 1982 period.

[No. I&S/180/AM. 82/AU. III]

का॰ बा॰ 648: — मर्बश्री बी॰ एल॰ इंडर्न्ट्राज, 32, स्कीम गोड, एल्लैयम्मन कालोनी, मद्रास-86 को, रुपये 1,42,000 तक पुराने और इस्तेमाल किये गये सौ जॅकशाक्ट का श्रायान करने के लिए सीमाणुल्क निकासी परमिट संख्या पी/जो/3060957/एन/एम एन/83/एम/81 दिनांक 20-4-82 जारी किया गथा था ।

्पर्युक्त सीमाणुल्क निकासी परिमट घोखेबाजी द्वारा प्राप्त कर लेने के बारे में विष्यास करने का कारण दिखाई देने से पार्टी से यह पूछते हुए क कारण बताओं नोटिस जारी किया गया था कि 20-11-82 को व्यक्तिगत सुनवाई कर प्रवसर देने के पत्रवात् उनको जारी किया गया

लाइमेंस क्यो न रह्न कर दिया जाए । प्रपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिए पार्टी न झाने के कारण, मैं इस बास से संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस द्योखेमाजी द्वारा प्राप्त किया गया है भीर एतद्द्वारा लाइसेंस को रह करने को एक-पक्षोय निर्णय लेता ह ।

में, श्रामात (नियंत्रण) घादेश 1955 की बारा 9(1)(ए) के अंतर्गत-प्रवस अधिकारों का प्रयोग करते हुए सबैंओ बीठ एकठ चंडस्ट्रील, मद्रास 86 को, रुपये 1,42,000 तक पुराने और इस्तेमाल किए गये सी कैंक शास्त्र का आभात करने के लिए आयात लाइ सेंग सेख्या पी/जे/30609574 एन/एम/एन/82 एम-81 दिनोन 20-4-82को एतद बारा रदद करता हूँ।

> [स॰ सीसीयी/1446/ए एम 83/एयू 3] सी॰ जी॰ केरनाव्डज, उपमुख्य नियन्त्रक,आग्रात तथा नियति

S.O. 648.—M/s. B. L. Industries, 32 Scheme Road, Eliiamman Colony, Madras-86 were granted a Customs Clearance Permit No. P/J/3060957|N|MN|83|M|81 dated 20-4-82 for import of old and used Crankshafts-100 Nos for a value of Rs. 1,42,000.

As there was a reason to believe that the above Customs Clearance Permit has been obtained by you by fraudulant means. A show cause notice was issued calling upon the Licence Holder to Show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an apportunity for a Personal Hearing on 20-11-82. As the Party did not turn up for a Personal Hearing to explain his case, I am satisfied that the above Import Licence has been obtained by fraudulant means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I, in exercise of the Powers vested on me in terms of Clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No. P/J/3060957/N|MN| 83/M/81 dated 20-4-82 issued to M/s. B. L. Industries, Madras186 for import of old and used crankshafts 100 Nos for u value of Rs 1,42,000.

[No. CCP/1446/AM. 82/AU. III]

C. G FERNANDEZ, Dy. Chief Controller of Imports & Exports

मुख्य निवत्रक आयाल एव निर्वात का कार्यालय लाइगेंस रद्द करने का आवेश

नई दिल्ली, 13 अन्यति, 1993

का० आ० ६४9:---सर्वश्री होटल मौर्य शेरटन, डिप्लोमेटिक इनक्लेव, नई दिल्ली 110021 का लाइसेंस आरी करने की तिथि मे 12 मास की बैध अवधि के लिए 460 एन हैं सी रंगीन टेलीविजनों, 14 इंघ फ्रौर 20 इ.च के 40 के रंगीन टी० की० सेटो के आयात के लिए 16,71,180 रुपए के लागत गीमा भाषा मूल्य का एक सायान लाइसेंग सं० पी/ए/1456857/सी/एक्स एक्म/85/एच/82 दिनांघः 7-10-82 प्रदान किया एथा था । अब पार्टी ने उपर्युक्त लाइसेंस की धनुश्रिपि प्रति जारी करने के लिए इस बाधार पर आवेदन किया है कि मूल प्रति अनसे अस्थानस्य हो गए है। पार्टी ने आयान आगार नियत्रण नियमों के अनुभार आवश्यक गापथपत्र दाखिल किया है जिसके अनुसार उपयुक्त आयात लाइसेंस मीमा शुल्क सदल नई दिल्ली के पाम पंजकृत कराया गया था सथा प्राशिक रूप से प्रयुक्त हुआ। या और नाइसेंस के महे 14,06,580 रुपए शेष हैं। शपथ पत्न में यह भी बसाथा गया है कि यदि आवात लाइसेंस की उपर्यक्त सीमा प्रयोजन प्रति बाद में मिल जाएगी या खोज ली जाएगी तो उसे जारी करने वाले प्रधिकारी को लौटा दी जाएगी। मैं सत्बट हूं कि धायान लाइसेंस की मूल सीमा शुसक प्रयोजन प्रति प्रस्थानस्य हो गई है और निवेश देना कि भाषात लाइसेंस की सीमाश्लक प्रयोजन प्रति की प्रनुतिपि पानेदक को जारी की जाए । प्राथान इलानेंस की म्ल मीमा शरक प्रयोजन प्रति एतयुद्धारा रद्द की जाती है।

[मिसिल मं० 18-103/82-93/एम एस एस/876]

यकर चन्द्र, उपमुख्य नियम्ब्रक, आयाम-निर्योग कृते मुख्य नियन्त्रक भाषात निर्यात (Office of the Chief Controller of Imports & Exports)

CANCELLATION ORDER

New Delhi, the 13th January, 1983

S.O. 649.—M/s. Hotel Maurya Sheraton, Diplomatic Enclave, New Delhi-110021 were granted an import licence No. P/A/1456857|C|XX|85|H|82 dated 7-10-82 for a C.I.F Value of Rs. 16.71,180 for import of 460 NEC Coloured Televisions 14 inch & 40 Nos. of 20" Coloured T. V. Sets valid for 12 months from the date of issue. Now the party has applied for grant of a Duplicate Customs Purpose Copy for the aforesaid import licence on the ground that the original one has been nusplaced by them. The party has furnished necessary affidavit as per I.T.C. Rules according to which the aforesaid import licence was registered with Cutoms House, New Delhi and was utilised partly and the halance against the licence is Rs. 14.06.580 It has also been incorporated in the affidavit that if the said Customs Purpose Copy of the import licence is traced or found later on, it will be returned to the issuing authority. I am satisfied that the original Customs Purpose copy of the import licence has been misplaced and direct that a Duplicate Customs Purpose copy of the import licence hould be issued to the applicant. The original Customs Purpose copy of the import licence is hereby cancelled

IFile No. 13/103/82 83[MLS]876]

SHANKAR CHAND, Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports & Exports

उद्योग संत्रालय (मारी उद्योग विमाग)

आवेश

नई विल्ली, 4 जनवरी, 1983

क्तां व्यां 650.—उद्योग (विकास तथा विनियमन) भिष्टितियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 6 द्वारा प्रदल्त शिक्तयों का प्रयोग करने हुए और विकास परिषद (कार्याविधिक) नियम 1952 के नियम 2, 4 और 5 के साथ पढ़ते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्हारा श्री धारु जे शाहनी ग्रीर श्री धारु सी धारु

उक्त आदेश में कम संख्या 12 और 15 के सामने दी गई प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिश्वित प्रविष्टियों रखी जाएंगी, श्रेषीत् :---

"12. श्री मारः जै० साहती,

मध्यक्ष, एमोमिएमन भाफ इण्डियन शाटोमोबाडल मैन्युफैक्चर्स, भ्रामोक सेलैण्ड सिमिटेड, "पिर्डलेज सेन्टर" 19 राजाजी सलाई, महास-600001"

मद्रास-60001

"15. श्री द्रार० सी० पी० यादव,
महाप्रबन्धक,
हेवी मशीन ट्रूल प्लॉट,
हेबी इंजीसियरिंग कारपीरेशन लिमिटेड,
पंजी-4"

[फांठ संव 19/7-81/एम०टी०] एस० कानूनगो, संयुक्त संचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Heavy Industry)

ORDER

New Delhi, the 4th January, 1983

S.O. 650.—In exercise of powers conferred by Section 6 of the Industrie₃ (Development & Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) read with Rules 2, 4 & 5 of the Development Council (Procedural) Rules, 1952 the Central Government hereby appoint Shri R. J. Shahaney and Shri R.C.P. Yadav to be members of the Development Council constituted by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Heavy Industry). No. S.O. 745(E) dated the 14th October 1981 for the Scheduled Industries engaged in the manufacture or production of Machine Tools and direct that the following amendments shall be made in the sand Order namely:

In the said order for the entry occurring against serial numbers 12 and 15 the following entries shall be substituted namely:—

"12. Shri R. J. Shahaney
President,
Association of Indian Automobile Manufacturers,
Ashok Leyland Limited,
"Grindleys Centre",
19 Rajaji Salai,
Madras-600001".

"15. Shri R.C.P. Yadav,

General Manager, Heavy Machine Tool Plant. Heavy Engineering Corporation Itd., Ranchi-4."

> [F. No. 19-7/81-MT] S. KANUNGO, Jt. Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय अ (स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 7 जनवरी, 1983

का. आ. 651.—यत. भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधि-निगम, 1956 (1956 का 192) की धारा 3 की उप-धारा (1) के खंड (ग) के उपबंध का पानन करते हुए तिमलनाडू राज्य से डा. जयसीलान मेथियास को 25 सितम्बर, 1982 से भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद का गदस्य निवासित किया है,

यतः अब उक्त अधिनियम की भारा 3 की उप-धारा (1) क अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा पूर्ववती स्वास्थ्य मंत्रालय, की 9 जनवरी, 1960 की अधिसूचना संख्या 5-13/56/एम-1 में निम्निलिशित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिमूचना में ''धारा (1) के खंड (ग) के अधीन निर्धा-चित'' शीर्ष के अंतर्गत क्रम संख्या 6 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियां प्रक्षिस्थापित की जाए, अर्थात् :—

> ''डा. जयमीलान मॅथियास, एम. एम. एफ. आई. मी एस सर्जन और यूरोलोजिस्ट, मेथियास अस्पताल'' नागरकायल-620001

> > [मं. बी. 11013/16/82-एम.ई.(पौ.)] पी. सी जैन, अवर सचिय

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 7th January, 1983

S.O. 651.—Whereas in pursuance of the privision of clause (c) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) Dr. Jayaseelan Mathias has been elected from the Tamil Nadu State to be a member of the Medical Council of India with effect from the 25th September, 1982.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of Section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the late Ministry of Health No. 5-13/59 MI, dated the 9th January, 1960, namely:—

In the said notification, under the heading 'Elected under clausse (c) of sub-section (1) of section 3 for serial number 6 and entries relating thereto the following serial number and entries shall be substituted, namely:—

"6. Dr. Jayaseelan Mathias,

M.S., F.I.C.S., Surgeon and Urologist, Mathias Hospital, Nagercoil-629001."

[No. V. 11013/16/82-M.E. (POLICY)]

P. C. JAIN, Under Secy.

इल्यात और दान संशासय (बान विभाग)

मावेश

मई क्लिसी, 30 क्सिम्बर 1982

भा॰ प्रा॰ 652:— जान और जिलाज (विनियमन प्रौर विकास) धिर्मियम, 1957 (1957 का 67) की धारा 16 की उपधारा (1) के खंब (ए) के ढारा प्रवक्त भिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार इस्पात और खाम मंत्रालय (खान विभाग) की 1 जनवरी 1981 की अधिमूजमा संख्या 13(12)/78ज्ञान-6 के अनुकाम में केन्द्रीय सरकार एतव्यारा 31 विसम्बर, 1985 को ऐसी तारीज के रूप में विर्धारित करती है कि जिस एक जान और जिला (विवियमन और विकास) संगोधन प्रधिनियम 1972 के प्राण्य से पूर्व स्वीकृत सभी जनन पर्टे, यदि वे ध्यिमियम के प्रारम्भ के समय विद्यमाग थे, उन्त प्रधिनियम तथा उसके प्रधिनियम के प्रारम्भ के प्राथमानों के अवस्थ कर दिए जाएने।

[संबाध 13(6)/80 खान-6] ेए० के० बैकटसुबामण्यम, निदेशक

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Mines)
ORDER

New Delhi, the 24th December, 1982

S.O. 652.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of the sub-section (1) of the section 16 of the and Minerals (Regulation and Development) Act, 1957 (67 of 1957), and in continuation of the Notification of the Government of India in the Ministry of Steel and Mines, (Department of Mines) No. 13(6)/80-MVI dated 1st January, 1981, the Central Government hereby specifies the 31st December, 1985 as the date within which all mining leases granted before the commencement of the Mines and Minerals (Regulation and Development) Amendment Act, 1972, if in force at such commencement, shall be brought into conformity with the provisions of the said Act and the rules made thereunder.

[No 13(6)/80-MVI]
A. K. VENKATASUBRAMANIAN, Director

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Petroleum)

ERRATUM

New Delhi, the 10th January, 1983

S.O. 653.—In the Notification of Govt. of India, Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers No. 12016/28/82| Prod. II dated 4-9-1982 published under SO No. 3087 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Subsection (ii) at page 3126 under Village Kharghar at Serial No. 6 as shown in the Schedule, following S. No. should be read against S. No. 95 in English Version appended to the above Notification.

SCHEDULE

Read

S. No. 96

For

S. N. 95

[No. 12016/28/82-Prod-II]

ऊर्जी मंत्रालय

(पैद्रोलियम विमात)

नई दिल्ली[]] 11 जनवरी 1983

्का० घा० 654:—यतः पेट्रोलियान, धौर खनिज पाइप लाईन (भूमि में उपयोग के ग्रधिकार का धर्जन) ग्रधिनियम, 1962 (4962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के ग्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायम और उर्धरक मंज्ञालय (पेट्रोलियम विभाग) की प्राध्मुलना का० घा० घा० 3291, तारीख 30 अगस्त, 1982 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस ग्रधिसुलना से संलग्न प्रमुखी में विभिविष्ट मूमियों के उपयोग के प्रधिकार की पाइपलाईनों की बिछाने के प्रयोजन के लिए ग्रजिश करने का अभना सामय बोधिस कर विधा था।

भीर यतः समक्ष प्राधिष्यं शे ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के भवीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

ष्ट्रीय शागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विकार करते के परकास् इस श्रीधपुत्रमा से सलग्न मनुसूकी में जिनिविच्ड भूमियों में उपयोग का मधिकार श्रीजन करने का विनिश्चय किया है।

मब भतः उनत मिमित्यम की घारा 6 की उपचारा (1) क्रारा प्रदेश्त गांकित का प्रयोग करते कुए केन्द्रीय सरकार एनद्कारा घोषित करती है कि इस प्रधिसूचना में संलग्न अनुसूची में जितिबिच्ड उक्त भूमियों में उपयोग का मिमिक्स पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्कारा ऑजित किया जाता है।

भीर पाने उस घारा की उपधारा (4) द्वारा प्रकल सकितमों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उकत भूमियों में उपयोग का श्रीक्षणार केन्द्रीय सरकार में विहित होते के बनाय तेन भीर प्रकृतिक गीस भायोग में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशना की इस सारीज को निहित होगा।

अनसची

कूप न० सी० ए० ई० से कूप न० 54 तक पाइपलाइन विकाने के लिए।

राज्यगुजरात	षिला	- बड़ा सा लुका -	र्धम्मा	म
गांव	सर्वे नं०	हेक्टबर ए मा	रि है	सेन्टीभर
सयामा	7,9 1	0	03	90
	773	O.	21	45
	772	0	07	80
	884	0	08	0.0
	883	0	07	99
		<u>r</u> →	-10-	A_ II

सिं॰ 12016/1/91 मीइ॰-I]

New Delhi, the 11th January, 1983

S.O. 654.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer, (Department of Petroleum) S. O. 3291 dated 30-8-82 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline:

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said land specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. from Well No. CAE to Well No. D.S, 54

State : Gujarat District	: Kaira T	aluka :	Car	Cambay	
Village	Survey No.	Hectare	Are	Cen- tlare	
Sayama	791	0	03	90	
•	<i>7</i> 73	0	21	· 45	
	772	0	07	· 80	
	884	0	08	00	
	883	0	07	99	

[No. 12016/1/81-Prod. I]

का॰ आ॰ 65'3: -- यतः पेट्रोलियम ग्रीर किंगल पाइपलाईन (भूमि उपमोग के श्रीवनार का धर्णन) श्रीवनियम, 1962 (1962 का 50) की बारा 3 की उपबारा (1) के ग्रीवन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन ग्रीर उर्वरक मंजालय (पेट्रोलियम विमाग) की श्रीवसूचना गरा॰ ग्रा॰ सं॰ 3292 तारीक 30-8-82 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रीवसूचना से संलम्भ भनुसूची में विनिर्दिष्ट भूभियों के उपयोग के ग्रीवकार को पाइपलाईकों को विद्यान के ग्रायोगन के लिए श्रीजित करने या श्रापना भागाय भीकित कर विद्या था।

भीर यतः समक्ष प्राधिकारी ने उक्त श्रक्तिमयम की धारा 6 की उपभारा (1) के श्रधीन सरकार को रिपोर्ट देदी है।

भौर आगे यक्षः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विवार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विकिधिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिध्चय किया है।

भव भत उकत मिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) जारा भवत सिका का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्द्रारा भोधिन करती है कि इस अधिसूत्रका में संलक्ष्म भनुसूत्री में विनिर्देश्य उक्ष्म भूमियों में उपयोग का सिकार पाइएलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्द्रारा आणित किया जाना है।

भौर शागे उस बारा की उपवारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का अयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उकत भूमियों में उपयोग को अक्षार केन्द्रीय सरकार में विद्वित क्षेते के बजाब तेल बौर श्राकृतिक रीम प्रायोग में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस कारी वाकी निहिन होगा !

अनुसूची

मून एं०सी०ए०ई० से मूप नं० डी० एस० 54

भ् उसग	সেবাদ	লিল[- -অং	सा स् का	ख∓भाव	•
	—- गाव	— – मर्ने न ०	हेक्टेपर -	एश्रारई	सेन्टी- श्रर
 नगरा		708	0	03	90
			 [मं० 1201	6/1/81-	प्रोह ः-[]

S.O. .655.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer, (Department of Petroleum) S.O. 3292 dated 30-8-82 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pripelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the sad Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oll & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. from Well No. CAE No. Well No. DS, 54 State: Guiarat District: Kaira Taulka: Cambay

Village	Survey No.			Centi- tiare
Nagra	708	0	03	90
		. 12016/		Pred. I

का आ 656: -- यतः पेट्रोलियम और खिनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्थन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उधरफ मंक्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधि-स्वना का आ कं 3289 तारीख 28-8-82 द्वारा के द्वीय सरकार ने उस अधिम्सना से संलग्न अनुसूची में विभिविष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइपलाईनो की विद्यान के प्रयोगन के निष् अधिन कर दिया था।

भौर यत समक्ष प्राधिकारी ने उक्त श्रविनियम की वारा 6 की उप-बारा (1) के श्रवीम सरकार की रिपीर्ट दे दी है।

श्रीर आगे, यसः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस श्रीवस्चना से संलग्न श्रनुमूची में जिनिधिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रीवकार श्रीजित करने का जिनिश्चय किया है। श्रव श्रवः उक्त श्रिमित्यम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा भवत पंक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय नग्कार एनयुद्धारा घोषित करती है थि इस श्रीधसूत्रका में सेनम झनुसूची में बिनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग यो श्रीधकार पाइपसाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनयुद्धारा श्रीवर किया जाता है।

श्रीर श्रामे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त पाकित्वों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार (नर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रीवकार केन्द्रीय सरकार में बिहित होन के बनाय तल और प्राकृतिक मैं सायोग में सभी बाधाओं से मुक्त करा में घीयगा के प्रकाशन की इस सारीख को निष्टित होगा।

अनुसूची एस० वी० ई० से मोठवीन श्रीडर तक पाइप लाइन (बड़ार्न के लिए । पाज्य-गुजरान जिला- --भरुच तालुका खंकलेश्वर

गाव	— — — — - म र्वे नं ∘	हेक्टेयर ।	एम। एई सेन	 टोभर
भ्रहा य रा	7	0	04	68
	8 ए. 4	U	03	90
	8 U 1	0	11	83
	8 Q 2	0	13	39
	8 ए उ	0	10	92
	9	0	U 2	60
		[स॰ 1201	6/5/8 1-3	[] a

S.O. 656.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer, (Department of Petroleum) S. O. 3289 dated 28-8-82 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

An J whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said land; specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

ROU For Laying of Flowline from SDE to Motwan Header State: Gujarat District: Bharuch Taluka: Aukleshwar

Village	Survey No.	Hecta- Arc tare		Conti- tiare	
Adadara	7	0	04	63	
	8 A 4	0	03	90	
	8 A 1	0	11	83	
	8 A 2	0	ι3	39	
	8 A 3	0	10	92	
	9	0	02	60	

[No. 12016/5/81—Prod.]

का० था० 657—पटः पेट्रोलियम ग्रीर वानिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का ग्रजेंन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायत और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विधाग) की प्रधिन्मना का० भा० सं० 3286 तारीख 26-8-82 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिमूचना से संलग्त प्रनुपूर्ण में विनिधिक भूमियों के उपयोग के प्रधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के निए ग्राजित करने का प्रपता प्राश्य धोषित कर विधा था।

श्रीर यतः सक्षमं अधिकारी ने उक्त श्रिश्विनियमं की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रधीन सरकार को रिपोर्ट दें दी है।

भीर आगे, थतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विश्वार करने के पण्यात् इस अधिसुखना से संलब्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियो में उपयोग का अधिकार धर्जित करने का विनिश्चय किया है।

ग्रन, ग्रतः उन्त श्रिष्ठित्यम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सम्कार एतक्द्वारा घोषित करसी है कि इस प्रिधिसूचना में संखरन अनुसूची में निर्निदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिष्ठकार पाइपलाईन बिळाने के प्रयोजन के लिए एनब्द्वारा श्रिष्ठित किया जाना है।

भीर प्रापं उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उपन भूमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहिष्ठ होने के बजाय तेल भीर प्राकृतिक गैम आयोग में, सभी 'बाद्याओं से मुक्त क्य में, बोबणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहिल होगा।

भनुसूची शी० एस० झुटाना----4 से झुटाना----1 जी० जी० एस० तक पाइप लाइन विद्याने के लिए।

राज्यगुजरात	जिला व तालुका	मेहुमाना			
गांव	सर्वे मं•	हेक्टेयर	ए भार ई	सेण्टीद्रार	
मुटाना	1490	0	09	96	
	1493/2	o	10	56	
	1494	0	09	60	
	1495	0	11	00	

[सं॰ 12016/7/81- मोड 1]

New Delhi, the 11th January, 1983

5.0. 637.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer, (Department of Petroleum) S. O. 3286 dated 26-8-82 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the

said land; specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of yesting in the Central Government verts on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. from D.S. J tana-4 To G.G.S. Jotana-1. State: Gujarat District & Taluka: M. hsana

Village	Survey No.	Hect- are	Aro	Centi- are
Jotana	1490	0	09	96
	1493/2	0	10	56
	1494	0	09	56 60
	1495	0	11	00

[No. 12016/7/81-Prod. I]

का० आ० 658.—यहः पेट्रोलियम और खितिज पाईपलाइत (भूमि में उपयोग के अधिकार का मर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की द्यारा 3 की उपधारा (1) के मदीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम निभाग) की अधिसूचना का० मा० सं० 3287 तारीख 26-8-82 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचन। से संलग्न मनुसूची में विनिविष्ट भूमियो के उपयोग के मिक्कार की पाइप लाईनों को विद्यान के प्रयोजन के लिए भूमित करने का भ्रमा माशय बोषित कर दिया था।

ग्रीर यदा सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की घारा 6 की उपद्यारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

ष्रौर ध्रागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पक्ष्चात् इस प्रधिसूचना से संलग्न ध्रनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का प्रधिकार ध्रणित करने का विनिश्वय किया है।

श्रम, श्रवः उक्त श्रिधितियम की घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त ग्रामित का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित करती है कि इस श्रिध्युचना में संलग्न अनुतुर्चा में विमिधिट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रीधकार पाइपलाईन विष्ठाने के प्रयोजन के लिए एतव्-द्वारा श्रीजन किया जाता है।

ग्रीर ग्रागे उस घारा की उपधारा (4) ग्रारा प्रवत्त ग्राक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रीधकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल भीश प्राकृतिक गैस भ्रायोग में, सभी बाधांग्रों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की एस सारीख की निहित होगा।

मनुसूचा पश्चिम सोक्षासन----1 से सोक्षासन जी जी एस------1

राज्यगुजरात	स जिलाव सालुका		मेहसाना		
गांव	सर्वे में०	हेक्टेयर	ए ग्रार ई सेण्टीगर		
1	2	3	4	5	
देख्या हनुमंत	76	0	06	36	
	68	0	30	60	
	43	0	19	10	
	44/1	0	00	50	
	62	0	10	80	
	60	0	02	00	

1	2	3	4	5
	61	0	09	70
	58	0	11	10
	5.5	0	14	5)
	7	0	15	30
	23	0	14	10
	31	0	03	60
	32	0	14	00
	30	0	07	20

[सं॰ 12016/7/83- प्रोड 1]

S.O. 658.—Whereas by notification of the Government India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer, (Department of Petroleum) S.O. 3287 dated 26-8-82 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acuisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U Line from Well No. W. Sobhasan-1 to S.O.B. GGS-1.
ate: Gujarat District & Taluka: Mehsana

Villa g e	Survey No.	Hect- are	Are C	onti- Ire
Heduva Hanumant	76	0	06	36
	68	0	30	60
	43	0	19	10
	44/1	0	00	50
	62	0	10	80
	60	0	02	00
	61	0	09	70
	58	0	11	10
	55	0	14	50
	7	0	15	30
	33	0	14	10
•	31	0	03	60
	32	0	14	00
	30	o	07	20

[No. 12016/7/81—P.od.]

का॰ सा॰ 659.—यतः पेट्रोलियम भौर धनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का धर्जन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन मारत सरकार के

पेट्रोलियम, रसायन भीर उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की श्रीश्र सूचमा का॰ श्रा॰ सं॰ 3187 तारीख 23-8-82 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिक्ष्या से संलग अनुपूर्वी में विनिविद्य भूलियों के उपगार के श्रीधकार का पाषप लाईमां का विद्याप के प्रयोजन के निर्धार्थिक कर कि ला भ्रावण श्रीवर्थ कर कि ला था।

भौर यक्षः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रक्षितिरम की घारा 6 की उपचारा (1) के प्रक्षीन सन्कार को रिपोर्ट दे वी है।

भौर भागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर थिचार करने के पश्चात् इस प्रशिक्ष्यना से संलग्न भनुपूर्वा में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का मिश्रकार श्रीजात करने का विनिष्णय किया है।

ध्य, घत. उकत प्रधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) हाथ प्रवल पाकित का प्रमोग करने हुए केन्द्रीय मरकार एयब्द्रारा घोषित करती है कि इस प्रधियूचमा में संलग्न प्रनुसूची में विनिविष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाईपलाईन जिल्लाने के प्रयोजन के लिए एनव्हारा प्रजित किया जाता है।

श्रीर भागे उस धारा भी उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का धिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल श्रीर प्राकृतिक गैस श्रायोग में, सभी बाधाश्रों से मुक्त रूप में, श्रीपणा के प्रकृशिन की इस तारीख को विहित होगा।

अनुसूची उपनं कें-59 से जी० जी० एस० 4

পাঙ্গ: गुज ধার	जिताः भेहसन्य स		तापुकाः अनोल		
गृक्षि	सर्वे मं०	हेस्टेबर	ए भार ई	सेर्ग्धभार	
	251/82	0	05	55	
	251/80/1	0	80	10	
	251/80/2	0	18	30	
	251/61	0	14	25	
	CART TRA	ACK 0	00	60	
	251/51	0	17	40	
	251/48	0	21	90	
	251/47	0	03	30	

[सं॰ 12016/34/82- प्रोड II]

S.O. 639.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer, (Department of Petroleum) S.O. 3187 dated 23-8-82 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the tight of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Well No. K-59 to GGS IV
State: Guja: at District: Mehsana Taluka: Kalol

Village	Survey No.	Hecta- Are	C nt- tians
Kalel	251/82	0 0	5 55
	251/80/1	0 0,	3 40
	251/80/2	0 18	30
	251/61	0 14	4 25
	Cart Track	0 0) 60
	251/51	0 1	7 40
	251/48	0 21	90
	251/47	0 03	3 0

[No. 12016/34/82-- Prod 131

मा० था० 660.--ताः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीस होता है कि लोकहिन में यह धावण्यक है कि गुजरात राज्य में डब्स्यू० एम० एस० ए० से जी० जी० ए० सीभा 1 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईपलाईन तेल तथा प्राकृतिक गैम धायोग द्वारा बिछ।ई जागी चाहिए।

और यह प्रतीप होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्याबद्ध धनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार प्रजित करना भाषणक है।

भतः सब पेट्रोलियम स्रीर खाते म पाइपलाइत (भूमि में उपयोग के भवितार का अर्थन) स्रधितियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपयोग (11) द्वारा प्रवत्त मिक्तिओं का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उपमें उपयोग का स्रधिकार प्रतित करने का प्रयना भाषाय एतदहारा भीषित किया है।

बंधार्ते कि उम्रत भूमि में हितमदा कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए प्राक्षेप सभम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस धायोग, निर्माण घीर देखमाल प्रभाग, मकरपुरा रोह, वहोदरा-9 को इस प्रश्निस्तना को गौरीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

हों। ऐसा ब्राक्षेप करने वाला हुए व्यक्ति विनिर्विष्टना यह भी कयन करेना कि बन वह यह चाहना है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फन।

धनुसूची इन्हरूयु० एस० एस० ए० से जी० जी० ए० मोचासन-1

राज्यगुजरात	जिला और तालुका		ा महसाना		
गाव		हेक्टेप्रर	हेक्टेब्रर एद्यार्ग्ड		
क्कस	317	0	23	30	
9	318	0	12	30	

S.O. 660.—Wherees it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from WSSA to GGA Sob 1 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commussion:

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule nunexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390 009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipo line from WSSA to GGA-Sobh. I.

State : Gujarat	District & Taluka: Mehsana			
Village	Block No.	Hec- tare	Are	Con- tiare
Kukas	317 318	0	23 12	

[No. O-12016/70/82—Pred]

का० था० 661.—यन केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह द्रावयपत है कि गुजरान राज्य में कूप न० 71 टी० द्रॉर सी० से जी० जी० एस०-6 नक पेट्रोलियन के परिवहन के लिये पाईपलाईन तेल तथा प्राकृतिक गैस प्रायोग द्वारा बिछाई जानी साहिए।

ग्रीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद श्रनुसूत्री में योगत भूमि में उपयोग का श्रीधकार श्रीजित करना श्रावण्यक है।

भ्रतः भ्रब पेट्रोलियम और ब्यनिज पाईपलाईन (भूमि में उपयोग के श्रिष्ठितर का श्रर्जन) भ्रिष्ठितियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (II) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार श्रीजन करने का श्रपना श्रास्य एत्रबुद्धारा श्रोबिन किया है।

बातें कि उक्त भूमि में हितवब कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईपलाईन बिछाने के लिए ब्राक्षेप मक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैप श्रायोग, निर्माण ब्रांट देखनात प्रमाण, मकरपुरा रोड, बडोदरा-9 को इस ब्रिधसूचना की तारोख से 21 दिनों के भीतर कर मकेगा।

ग्रीर ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति वितिर्विट्टा यह भी क्यन करेगा कि क्या वह यह वाहता हैं कि उनकी मुनवाई ब्यक्तिगत हैं। या जिसी विधि व्यक्तायी की मार्फत।

अनु सुची

कृप नं० 71 टी० घीर सो० से जी० जी० एस०-6

राज्य:गुजरान	जिला : भध्य	तान्का . भंगलेण्यर		
	ङ्शक्तन∘ इ.स.क्तन∘	हेक्टेबर	एप्रारई	सेन्टाभ्रर
हजान	102/4	0	15	60
				 /১ <i>০-</i> বাসা

[सं० आ:0-12016/71/82-आ³]

S.O. 661.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Well No. 71 T and C to GGS 6 in

Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gus Commission:

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conterred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390 009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Well No. 71 T & Cto GGS-6

State : Gujarat District : Bharuch Taluka : Ankleshwar

Village	Block No.	Hee- tare	Are	Con- tiare
Həzat	102/4	0	15	60

[No. O-12016/71/82-Prod.]

का० आ० 662.— तन केम्ब्रीय नरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रावण्यक है कि गुजरात राज्य में एस० एन० डी० द्यार० में एस० एन० ए० पी० तक पेट्रोलियम के परिवहत के लिये पाईपलाईन तेल तथा प्राकृतिक गैस भाषींग द्वारा बिकाई जानी चाहिए।

र्षार यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एनव्याबद प्रनुसूची में चणित भूमि में उपयोग का प्रधिकार धरित करना धायण्यक है।

भनः भव पेट्रीलियम श्रोर खनिज पाईपलाईन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का श्रजेंन) श्रिवित्यम, 1962 (1962 का 50) की भ्रारा 3 की उपकारा (II) द्वारा प्रयक्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रिकार श्रीजित करने का श्रपना श्राण्य एनव्हारा शोषित किया है।

बशर्त कि उन्त भूमि में हिनवज कोई व्यक्ति, उम भूमि के नीचे पाईपलाईन बिछाने के लिए प्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैम प्रायोग, निर्माण श्रौर देखमाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोदरा-9 को इस श्रीधमूचना की तारीख से 21 विनो के भीतर कर सकेगा।

र्धार ऐसा आक्षेप फरने जाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टना यह भी कथन करेगा कि क्या यह यह चाहता है पि उमर्ता सुनवाई व्यक्तिगत हा या किसी विधि व्यवसायी की सार्फत।

अमुसूची

एस० एस० ए० धार० से एस० एस० ए० पी०

राभ:गुजरात		जिला व रालुकाः मेह्साना		
 गांथ	सर्वे नं०	हे स्टे यर एड	ार ई से	 न्टीग्रर
संथाल	320	0 +	1 2	10
	458	0	10	10
				-

[सं॰ স্না॰-12016/72/82-সাঁভ•]

8.0. 662.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SMAR to SNAP in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Muerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390 009).

And every person making such an objection shall all b State specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practition cr.

SCHEDULE
Pipeline from SMAR to SNAP

State : Gujarat District & Taluka : Mchsana Village Survey No. Hec- Are Centiare 320 0 12 10 Santhal 458 0 10 10

[No. O-12016/72/82-Prod]

का० आ० 663. — यत. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भावश्यक है कि गुजरान राज्य मे वालनेर-1 से मोटवान जी० सी० एस० पेट्रोलियम के परिववहन के लिय पाईपलाईन तेज तथा प्राकृतिक गैस भ्रायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

भीर यतः यह प्रतीत होता है कि एसी लाइनो को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद अनुसूची में बणित भूमि में उपयोग का अधिकार क्रांजित करना द्यावश्यक है।

भत श्रम पेट्रोलियम श्रीर खनित्र पाईपलाईन (भूमि में उपयाग के श्रमिकार का श्रार्जन) श्रमित्रियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (ii) इ.रा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केस्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रमिकार श्राप्ति करने का भ्रमना श्राणय एत्व्द्वारा घोषित किया है।

बलतें कि उक्त भूमि में हितबब नोई व्यक्ति, उस भूमि में नीचे पाईपलाईन बिछाने के लिए ब्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्रकृतिक गैम ब्रामांग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वटांदरा-9 को इस ब्रिधिसुचना की तारीख से 21 दिसों के भीतर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा धाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहना है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची कृप नं० वालनेर-- 1 से मोटबान जी० मी० एस०

राज्य : मुजराम	जिला . भरु	च तील्	का अं ग ्ले	मिवीर
	 बलाव नं०	हे ग ्टेयर	एभारई	सेर्न्टाभ
 गोडवान	357	0	0.9	75
	103	0	10	40
	120	0	0.7	10

[मं॰ ग्रा॰-12016/73/82-प्रोच] एस॰ एस॰ गायस, निदेशक S.O. 663.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Walner-1 to Motwan Gas in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission:

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the lead described in the schedule appeared hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority. Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodsra (390 009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE Pipeling from Well No. Walner 1 to Motwan GCS State: Gujarat District: Bharuch Taluka: Anklesvar

Village	B] ck No.	Hec- tare	A re	Cen- tiare
Motwan	357	0	09	75
	103	0	10	40
	120	0	09	10

[No. O-12016/73/82-Prod.]

L.M. Goyal, Director

(कोयला विकास)

नई विल्ली, 10 जनवरी, 1983

का॰ आ॰ 664.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला घारक क्षेत्र (प्रजंन प्रीर विकास) प्रक्षित्यम, 1957 (1957 का 20) की घारा 4 की उपधारा (1) के प्रतीन, भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की प्रधिसूचना से॰ का॰ प्रा॰ 135 तारीका 29 विसम्बर, 1981 द्वारा उम प्रधिसूचना से सन्दान प्रनुसूची में विनिर्विष्ट परिक्षेत्र में 1350.00 एकड़ (लगभग) या 546.32 हैक्टर (लगभग) मृमि में कोयने का पूर्वेक्षण करने के प्रपंते प्राथ्य की सूचना दी थी;

ग्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त भूमि में कोयना ग्राभिप्राप्त है,

श्रत. केन्द्रीय संरक्षार, उका अधिनियम की धारा 7 की उपधार (1) द्वारा प्रदत्त गवितयों का प्रयोग करने हुए:---

1350100 एकड़ (लेगभग) या 546.32 हैक्टर (लगभग) माप की भूमि का, श्रर्जा करने के श्रपने आषाय की सूजना देखी है।

टिप्पण — 1 इस अधिगूजना के अधीन आने वाले रेखांक का निरीक्षण, उपायुक्त, हजारीबाग (बिहार) के कार्यालय में या कोयला नियन्नक, 1, काउमिल हाउस स्ट्रीट, कराकता के कार्यालय में अथजा सेन्ट्रल कोलफीस्ड्स लिमिटेड (राजस्य विभाग) दरसंगा लाउस, रार्का (बिहार) के कार्यालय में किया जा सकता है।

टिप्पण: 2--कोबना धारक क्षेत्र (ग्राजैन ग्रीर विकास) प्रक्षितियम, 1957, (1957 का 20) की घारा 8 के उपवन्धीं की ग्रीर ध्यान श्राकुट्ट किया जाता है जिसमें निम्नलिखित उपवन्धित हैं:--

"8(1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में जिसकी बाबन धारा 2 के अधीन घिन्सुचना निकाली गई है, हितबब है, अधिसुचना में निकाली जाने से तीम दिन के मीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किशी माग या ऐसी मूमि में या उस पर किन्हीं प्रधिकारों का प्रजीन किए जाने के बारे में घापनि कर सकेगा।

स्पन्टीकरण '--इस धारा के अर्थान्तर्गंत यह भाषति नहीं मानी आएगी कि कोई व्यक्ति किनी भूमि में कोयला उत्पादन के लिए स्वयं खनन संक्रियाएं करना चाहता है और ऐसी संक्रियाएं केन्द्रीय सरकार या किसी ग्रंग्य व्यक्ति को नहीं करना चाहिए।

- (2) उपधारा (1) के अवीन अरमेक आपित सक्तम प्राधिकारी की लिखित रूप में आएनी और मक्तम प्राधिकारी आपित्तकार्त की स्वयं मुने जाने का या विधि स्थवमायी द्वारा मुनवार्द का अवसर देना और ऐसी मधी आपित्यों को मुनेने के परवात् और ऐसी अतिरिका जोव, यदि कोई हैं, करने के परवात् जो बहु आवश्यक मनअता है वह या यो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिकारों के संबंध में एक रिपौर्ट वा ऐसी भूमि के विभिन्न दुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में एक रिपौर्ट वा ऐसी भूमि के विभिन्न दुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में आपित्यों पर अपनी सिफारियों अर्थ उसके द्वारा की गई कार्यवाही के अभिलेख सिहा विभिन्न रिपौर्ट केस्त्रीय सरकार को उसके विनिय्वय के लिए देगा।
- (3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए वह व्यक्ति किसी भूमि में हित का दावा करने का हकदार होता यदि भूमि या ऐसी भूमि में या उस पर प्रथिकार इस प्रधिनियम के प्रधीन प्रजित कर लिए जाते।"
- टिप्पण 3. -- केन्द्रीय सरकार ने, कोयला नियंत्रक 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता को उन्त अधिनियम के अधीन संक्षम प्राधि-कारी निश्वन किया है।

अनुसूची

परेज खंड

(पक्किमी बोकारो कोयला क्षेत्र)

श्राहंग सं० 2.5/82 नारीका 6-4~1982 (जिसमें श्रींगत की जाने जाली माम दिशित की गई है)

सभी अधिकार क्रम ग्राम यामा पाना जिन्हा स्रोप टिप्पणिया सं० सं० गांख 108 हजारीकाग 1. बुस्कसमार 663.10 माडू 109 -{जारीबाग 2. बारीसुम पूर्ण 408.55 3. उल्हारा मांड, 111 हमारीयाग 279,35 पूर्ण कुल क्षेत्र 1350.00 ក្កាត (नगभग) Ψŗ 546.32 हैक्टर (नगभग)

ग्राम बुक्कसमार में श्राजित किए जाने वाले ब्लाट संख्याक

1 से 45, 46 (भाग), 47, 60 से 303, 372 से 475, 476 (भाग), 477 (भाग), 478 से 532, 533 (भाग), 534 (भाग), 535 (भाग), 536 (भाग), 545 (भाग), 546 (भाग), 549 (भाग), 550 (भाग), 551, 552 (भाग), 553, 554, 555 (भाग), 556, 557 (भाग), 558 (भाग), 559 (भाग), 634 (भाग), 635 से 673 और 674 (भाग)।

ग्राम बारीसूम में अजिल किए जाने बासे प्लाट संख्यांक

ासे 195 तक

ग्राम उल्हारा में व्यक्तिल किए जाने वाले व्याट संख्यांक

1 से 149 तक

सीमा वर्णन

क⊸का पेक्सा भाम उल्हारी शार्षिण वारीसून ग्रौर शार्षिण की सम्मिलित सीमा के सावसाथ जाती है भौर बिन्दु 'का' पर मिजती है।

ख—गं रेखा ग्राम बुक्कस्त्रमार ग्रीर परेज की भागतः सक्ति-तित सीमा के साथ-साथ जानी है ग्रीर बिन्दु 'ग' पर मिलती है।

ग-म रेखा प्राम दुक्ष्मसमार के प्लाट सं० 48 की उरगरी सीमा के साथ-लाय जाती है पिर प्लाट सं० 46 (मक्ष्म) से होतर पुन प्लीट स० 46, 303 घीर 372 (खान बीई रोड) की दक्षिणी सीमा के साथ-साय जाती है प्रीर निष्दु "घ" पर निलसी है।

च-क्र रेखा ग्राम दुक्त हानार भौर वंत्री की भागनः सिम्पलित सीमा के साथ-साथ जाती है (जो केंद्रना उत्तरो कायता खान की भागनः सिम्पलित सीमा बनाती है भौर जिन्दु 'क्र' पर मिलतो है।

इन्न्च रेखा ग्राम दुरूक्तसमार में प्लाट मं∘ 476, 477, 535, 534, 536, 533, 545, 546, 548, 549, 550, 552, 559, 558, 557, 634, 635, 634 स्रोर 674 (नाला) से होकर जार्ता है (जो प²च्चमी बोकारो कोयला खाम की सम्मिलिस संभा बनाती हैं) धौर बिग्तु 'च' पर मिलती हैं।

च-छ रेखा नदी की मध्य रेखा के साथ-साथ जाभी है (को गाम दुरूकसमार श्रीर बसन्तपुर बारीसूस और बसन्तपुर की सागतः सस्मिलित सोमा बनाती है) श्रीर विस्तु '७' पर मिलती है।

छ~क रेखा ग्राम उल्हारः भौर राउता, पिरदा भौर उल्हारा , की सक्मिपित सीमा के साथ-साथ जाती है भौर प्रार°क्षक बिंदु कि' पर मिलक्की है।

> [सं॰ 19/50/82 सीएल] स्वर्ण सिंह, प्रवर सचिव

(Department of Coal)

New Delhi, the 10th January, 1983

S_cO. 664.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O 135 dated the 29th December, 1981, issued under subsection (1) of Section 4 of the Coal Bearing Ateas (Acquisition ond Development) Act 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its Intention to prospect for coal in 1350.00 acres (approximately) or 546.32 hectares (approximately) of the lands in the locality specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in the said lands;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the lands measuring 1350.00 acres (approximately) or 546.32 hectares (approximately) described in the schedule appended hereto;

- Note 1. The plan of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Deputy Commissioner, Hazaribagh, (Bihar) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcut a-1 or in the Office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi (Bihar).
- Note 2. Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), which provides as follows;
- 8(1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may within thirty days of the i sue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

Explanation: It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by ay other person.

- (2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing, and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal gractioner and shall, after hearing all such objections and after making such further inquiry, if any, as he thinks necessary, either make a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land, or make different reports in respect of different narcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendations on the objections, together with the retord of the proceedings held by him, for the decision of that Government.
- (3) For the purposes of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be crtitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act."
- Note 3. The Coal Controller, 1 Council House Street, Calcutta has been appointed by the Control Government as the competent authority in der the Act.

SCHEDULE

Parej Block

(West Bokaro Coalfield)

Drg. No. 25[82 Dated 6-4-1982 (Showing lands to be acquired)

All rights

51. No.	Village	Thona	Thana umber	District	Aren	Re- marks
1.	Duru'tasmai	Mandu	103	Hazarib ig'i	663.10	Part
	Barisura	-Jo-	109	-do-	403.55	Full
3.	Ulhara	-Jo-	111	-đo	278 35	Full

To a roa : - 1900.00 acres (approximately)
or 546.32 heathres (approximately)

Plot numbers to be acquired in village Durukasmar:---

1 to 45, 46 (part), 47, 60 to 303, 372 to 475, 476 (part), 477 (part), 478 to 532, 533 (part), 534 (part), 535 (part), 536 (part), 546 (part), 548 (part), 549 (part), 530 (part), 551, 552 (part), 553, 554, 555 (part), 556, 557 (part), 558 (part), 559 (part), 634 (part), 635 to 673 and 674 (part).

Plot numbers to be acquired in village Barisum:-

1 to 195.

Plot number to be acquired in village Ulhara:—
1 to 149.

Boundary description:-

- A-B line passes along the common boundary of villages tellhura Taping, Dufsum and Taping and meets at point 'B'.
- B-C line passes along the part common boundary of villages Durukasmar and Parej and meets at point 'C'.
- C-D line passes along the northern boundary of splot no. 48, then through plot number 46 (Road) again southern boundary of plot numbers 46, 303 and 372 (Mines Board-Road) in village Durukasmar and meets at point 'D'.
- D-E line passes along the part common boundary of villag's Durukasmar and Banji (which cleo forms part common boundary with Kedla North Colliery) and meets at point 'E'.
- F-F line passes through riot numbers 476, 477, 535, 534, 535, 533, 545, 546, 548, 549, 550, 552 559 558, 557, 634, 635, 634 and 674 (Nalla) in village Durukasmar (which forms common boundary of West Bokaro Colliery) and meets at point 'F'.
- F-G line passes along the Central line of the River (which forms part common boundary of villages Durukasmar and Basantpur, Barisum and Basantpur and meets at point 'G'.
- G-H line passes along the central line of Chutua Nadi (which forms common bourdary of villages Barisum and Rauta) and meets at point 'H'.
- H-A line postes along the common boundary of village Ulhara and Rauta, Pindra and Ulhara and meets of starting point 'A'.

(No. 19|50|82-CL) SWARAN SINGH, Under Secy.

नई दिएसी 13 अक्तूबर 1982

करं आ० 665.—केश्रीय गरकार, तरकारी स्पाम (अप्राधिकृत प्रधिभीषियों की बैदबानी) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त सक्तियों ना प्रयोग गरते हुए, और भारत सरकार के कर्जा मंत्रालय (कीयला विभाग) की अधिस्वता संव काव भाव 2472 तारीख 12 जुलाई, 1977 की अधिस्वता संव काव भाव 2472 तारीख जिल्हें ऐसे अधिकृत्य से पूर्व किया गण है या करने का लोग कि सवाय जिल्हें ऐसे अधिकृत्य से पूर्व किया गण है या करने का लोग कि गणा है, नीचे ईं। मई मारणों के स्तंभ (1) में निर्देश्य कि अधिकारी हैं, जनत अधिकारी में के लिए संपदा अधिकारियों के अधिकारी हैं, जनत अधिनियम के प्रयोजनों के लिए संपदा अधिकारियों के अप में नियुक्त करती हैं, जो उनत सारणों के संभ (2) में विनिधिक्ट सरकारी स्थानो की बाबत अपनी अधिकारिया की स्थानीय मीमाओं के भीतर उनक अधिनयम द्वारा का जनके अधिका गणवा अभिकारियों की प्रवक्त भनितयों का प्रयोग करते हुए मीर अधिका गणा करने प्रयोग करते हुए मीर अधिका गणा अपने या प्राचन करते।

मनुसुची घषिकारी का पदाभिष्ठात सरकारी स्थानी के प्रवर्ग

- 1. उप क्षेत्र प्रबंधक/ग्राभिक्षति वेस्टर्न कोलफीलइस लिभिटेश, काम्पटी युप भाषा माइनस बाक षर काम्पटी, रेल स्टेशन काम्पटी, तहसील घीर जिला भागपुर (महाराष्ट्र)
- 2. उप क्षेत्र प्रबंधक/मभिकर्ता वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, सिलवाङा भूप धाँक माइग्स शक्षर खापेरखेड़ा, रेल स्टेशन सापेरखेड़ा, तहसील घोर जिला नागपुर (महाराष्ट्र)
- उप-क्रेज प्रबंधक/६:भिक्ति वैस्टर्ने कोलफील्ड्स लिमिटेड उमरेर यूप भांफ माइंस **डाक**घर उमरेर परियोजना तहसील उमरेर, जिला नागपुर (महाराष्ट्र)
- उप-क्षेत्र प्रबंधक/ग्रभिकर्ता वेस्टर्म कोलफील्ड्स लिमिटेड पाथखेडा-[शाक-घर-पायखेला रेल स्टेमन घोड(डोंनरी जिला बैद्धल (मध्य प्रदेश)
- उप-लेब प्रबंधक/प्रभिक्ती वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड पाथ**वेड**ा-!ः जन्मचर-पाथखेडा रेल स्टेशन घोडाडोंगरी जिला बैतुल (मध्यप्रदेश)।
- 6. उप-क्षेत्र प्रवधक प्रभिक्ती बैस्टर्ने कोलफील्ड्स लिमिटेड, सतपुरा I भीर II जाकपर पाथखेडा रेल स्टेशन घोडाडोंगरी जिला बैतूल (मध्य-प्रयेश)
- 7. उप-क्षेत्र प्रशंधक/मभिकर्ता वैस्टर्न कोलकोस्बस लिमिटेड शोशापुर खान बाधायर पाय-खेड़ा रेल स्टेशन भोडाटोंगरी, जिला बैतूल (मध्यप्रदेश)
- 8. उप-क्षेत्र बैस्टर्न कोलफी ज्वल लिमिटेब सरती खान प्राक्तपर पाणखेडा रेक्ष स्टेशन घोड़(डों हि), जिला बैतूल (मध्य प्रदेश)
- ९, उप-क्रोब प्रवधक मिकर्ता वैस्टर्न कोलफीरङ्म लिमिटेड इकलेहरा ग्रुप बाकथर इन्नले-हरा रेख स्टेशन इकलेहरा तह-सील भीर जिला छिदशाङ्ग (मध्यत्रदेश)

- (1.) इंदर (2) काम्पटी कोयला खानों के सभी परिसर भौर वेस्टर्न कोलफील्डम लिमिटेड, नागपूर से संबंधित था उसके नियंत्रणाधीन श्रम्य परिसर।
- (1) सिलवाङ्ग (2) बामनी (3) पिपला मौर (4) पसन सा-भोंगी कोयला खानों के सभी परिसर ग्रीर बेस्टर्न कोल-फील्ड्स लिमिटेड, मागपुर से संबंधित या उसके नियंत्रण।-धीन भ्रन्य परिसर।
- (I) उमरेर बिवृत खनिज (घोपन-कास्ट) घौर (2) उमरेर भूमिगत कोयला खानों के सभी परिसर और बैस्टर्न कोल-फील्ड्स निमिटेड, नागपूर से संबंधित या उसके नियंत्रणा-**धीन फ्रिन्य परिसर**।
- पायखेडा-I कोयला खानों के सभी परिसर भीर वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर से संबंधित या उसके नियंत्रणा-धीन ग्रन्थ परिसर।
- पायखेडा-II कोयला खानों के सभी परिसर और वैस्टर्न कोल-फील्ड्स लिमिटेड, नागपुर से संबंधित या उसके नियंत्रणा-धीन ग्रन्य परिसर।
- सतपुरा ! भीर !! कोवला खान सभी परिसर मौर वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपूर से संबंधित या जसके नियंत्रणाधीन प्रम्य परिसर।
- शोमापुर कोयला खानों के सभी परिसर भौर वैस्टर्न कोल फील्ब्स लिमिटेड, नागपुर से सर्वधित या उसके नियंत्रणा-धीन प्रन्य परिमर ।
- प्रवंधक/मामकर्ता सरती कीयला खानों के सभी परिसर भीर वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमि-टेड नागपूर से संबंधित या उसके नियत्नणाधीन ग्रन्य परि-मर ।
 - (1) इकलेहरा (2) बरकुई और (3) उत्तरी चंदामेट्टा कोयला **ष्ट्रानों के सभी परिसर घीर** वैस्टर्ने कोलफील्ड्स लिमिटेड नागपुर से संबंधित या उसके नियंत्रणाधीन घर्य परिसर ।

- 10. उप-क्षेत्र प्रबंधक/ग्रामिकर्ता वैस्टर्न कोलफील्ड्स सिमिटेड न्यूटन ग्रुप डाक्ष्यर न्यूटन चिक्स्सी तहसील भौर जिला छिदवाङ्ग (मध्यप्रदेश)
- (1) म्पूटन विकली ए और (2) न्युटन चिकली की कांग्रला स्थानों के सभी परिसर और वैस्टर्न के लर्फ त्यस लिमिटेड नागपुर ग संबंधितया जसके नियंद्रणाधीन परिसर ।

2

- 11: उप-क्षेत्र प्रबंधक/मधिकर्त्ता वैस्टर्न कोलफोल्ह्स लिमिटेड पेंच ईस्ट ग्रुप डाकवर रावण-बाड़ा तहसील जिला छिवताड़। (मध्यप्रवेश)
- (1) रावणवाङ्ग (2) रावणवाङ्ग कास (3) देंच ईस्ट कोयला ^{म्यु}त्नों भीर सभी परिसर भीर वैस्टनं कोलफील्ड्स सिमिटेड मागपूर से संबंधित या उसके नियंत्रणाधीम भग्य परिसर।
- 12 उप-क्षेत्र प्रबंधक/प्रिकर्ता बेस्टनें (1) शिक्युरी भूमिगत और (2) कोलफील्डस लिमिटेड शिवपूरी सूप अक्कबर सिर-गौरा पारसिया तहसील घौर जिला छिदवाड़ा (मध्यप्रदेश)
 - शिवपुरी विवृत्त कोयला कानों भीर बस्टर्न कोलकीत्हम निमिन टेफ, नापूत्तर से संबंधित य। उसके नियंत्रणाधीन ग्रन्य परि-
- 13. उप-क्षेत्र प्रबंधक/मिकस्त वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड छिदा कोलियरी डाकबर सिर-गोरा पारिसया तहसील भौर भिला छिदवाड़ा (मध्यप्रदेश)
- 14. उप-क्षेत्र प्रवेधक/मभिकली वस्टर्ग कोलफील्ड्म निमिटेड चंदामेट्टा सूप डाकघर-अंदा-ंमेट्टा तहसील भीर जिला छिवधाका (मध्य प्रदेश) 🐫 🕛
- 15. उप-**क्षेत्र** प्रबंधक/प्रभिकर्ता बेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड मंबर प्रथ काकचर पाल घोराई तहसील भौर जिला छिदवाड़ा (मध्यप्रदेश)
- 16. उप-क्षेत्र प्रबंधक/प्रभिकर्ता बेस्टर्न कोलफील्ड्स **लिमिटेड** डाटला ग्रुप डाकघर ड्रगंरिया तहसील धौर जिला छिंदवाड़ा (मध्यप्रदेश)
- 17. उप-क्षेत्र वेस्टर्न कोलफील्इस लिमिटेड वसुधा सुप डाकथर वसुधा, तहसील भौर जिला छिवनाड़ा (मब्य प्रदेश)

- छिवा लोगना खानों के सभी परि-भर घौर वेस्टर्न कोनफीस्ड्स लिमिटेड, नागपूर से संबंधित या उसके तियंत्रणाधीन ग्रम्य परिसर ।
- (1) चंदाभेटटा (2) चंदाभेटटा 5 भीर 6(3) धामोरी (4) जट:छापों भीर (5) पूर्वी डोंगर-चिकली कोयला खानों के सभी परिसर भौर बेस्टर्न कोल-फोल्डस लिमिटेड, नागार से मंबंधित या उसके नियंत्रणा-भ्रोन भ्रन्य परिसर।
- (1) मंबर (2) मोहन मौर (3) सुकरी कोथला खानों के सभी परिसर भीर बेस्टर्न कोलफोस्ब्स, लिमिटेड. नागपुर संबंधिम या उसके नियंद्रणा-धीन घन्य परिसर।
- (1) बाटला बेस्ट (2) चोरावाड़ी घौर (3) चिकलमऊ कोवला खानों के सभी परिसर ग्रीर वेस्टर्न कीलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर से संबंधित या उसके नियंत्रणाधीन भन्य परिसर।
- प्रबंधक/मिकिली (1) दमुमा (2) दमुमा (स्यू इन-क्लाइंस (भौर) (3) राखीकोल कोथ्मा खोनों के सभी परिसर भौर वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमि-टेड, नागपुर से संबंधित या उसके नियंत्रणाधीन सस्य परिसर ।

18. उप-क्षेत्र प्रबंधक/प्रभिकर्ता वेस्टर्न नंदन खान के सभी परिपर 26. उप-क्षेत्र प्रवंधक/प्रभिक्षता वेस्टर्न जनुना भूमिगः। भौर जनुना विवृत घीर बेस्टर्न कोलफीस्ड्स लिमि-**कोलफील्ड्**स लिमिटेड कोयला खानों के सभी परिसर कोलफोल्ह्रम लिमि**टे**≹ जमुना गुप, डाकघर जमुना, भीर वेस्टर्न कोलफील्ब्स लिमि-नंदन खान, डा इचर नंदन/दम्भा टेड, नागपुर से संबंधित या उसके नियंत्रणाधीन मन्य परि-जिला गाहुशेल (मध्य प्रदेश) टेड, नागपुर से संबंधित या नहसील भीर जिला छिवनाड़ा (भध्यप्रवेशः)। उपके नियंत्रणाञ्चोन ग्रन्य परिसर । 19. उप-क्षेत्र प्रबंधक/प्रशिकतां वेस्टर्ने (1) चुनुस (2) नकोद्रः मूमिगत 27. उप-क्षेत्र प्रबंधक/प्रशिक्तर्श वस्टनं (1) बुरहर ग्रीर (2) बुरहर (3) (3) नकोका विवृत खनिज निमिटेड कोलफील्य्स कोयला खानों के समा परि-लिमिटेड कोलफील्ड्स (4) रोबटेंसन इनक्लाइंस भीर घुगुस युप, जाकबर मानिकपुर बुरहरब्रुप, डाकघर, बुरहर, जिला सर भौर वे*न्द्र*ा कोलकोल्ड्स (5) बेप्लोरिया कोयला खानों वितः चंद्रपुर (महाराष्ट्र) शाहडोल (मध्य प्रदेश) सिमिटेड, भागपुर से संबंधित के सभी परिसर ग्रौर वेस्टर्न या उसके नियंत्रणाधीन ध्रम्य कोल्डफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर परिसर । से संबंधित या उतके नियंत्र-णाधीन प्रन्य परिसर। 28. उप-दोत प्रवंशक/प्रभिकर्ता वेस्टर्न (1) भमलाई भीर (2) इंगटा कोलफील्ड्स, लिभिटेड, कोयला धानों के सभी परिसर 20. उप-क्षेत्र प्रबंधक/प्रभिक्ती वेस्टर्न (1) चंदारेयनवाड़ी (2) महाकाली ममलाई युप, डाकमर घमलाई, वेस्टर्न कोलफील्डस लिभिटेड (3) हिंदुम्तान लालपैठ नं० 1 कोलफील्ड्स कोयला खान, जिला शाहडोल लिमिटेड, नागपुर से संबंधित हिंदुस्तान लालपेट/महाभाली (4) हिंदुस्तान लालपेठ नं० 3 मीर (मध्य प्रदेश) या उसके नियंत्रणाधीन प्रस्य (5) हिंदुस्तान लाल पेठ विवृत्त मुप, डाकचर चंद्रपुर जिला चंद्र-परिसर । कोयला खानों के सभी परिसर पुर (महाराष्ट्र) भीर वेस्टर्न कोलकील्ड्स लिमि-29. उप-क्रोल प्रबंधक/प्रभिक्ता वेस्टर्न (1) जन्मई मूमिगन (2) चन्नई टेड, मागपुर से संबंधित या कोलफील्ड्स लिमिटेड विवृत (3) मनपुरी विवृत नियंत्रणाधीन प्रस्य उसके चचई ग्रुप, शक्षार ग्रमलाई, मौर (4) धनपुरी मूमिगत परिसर । जिला शाहडोल; (मध्य प्रदेश) कोयला खानों के सभी परि-सर भौर वैस्टर्न कोल फील्ड्स 21. उप-झेल प्रबंधक/मभिकता वेस्टर्न (1) नया मजरी नं० 1 (2) नया लिमिटेड नागुर से संबंधित लिमिटे≇ मजरी नं ० ३ (३) राजुर पिट्स कोलफोल्ड्स या उसके नियम्नणामीन भन्य नया मजरी/राजुर युप, डाकधर घीर इनक्लाइंस घीर (4) नया परिसर । मिवाजी भगर जिला चंद्रपुर मजरी विवृत्त कोयला खानों के सभी परिसर और वेस्टर्न कोलफोल्ड्स (महत्राष्ट्र) 30. उप-क्षेत्र प्रबंधक/प्रभिकती बेस्टर्न (1) ग्यूरोज बाद (2) बीरसिंगपुर सिमिटेड, नारपुर से संबंधित कोलफोल्ड्स लिमिटेड (3) बीरसिंगपुर पूर्व मौर (4) या उसके नियंत्रणाधीन अन्य जोहिल्ला ग्रुप, बाकबर उपरिया उमरिया कोमला खानों के सभी परिसर । जिला शाहडोल (मध्य प्रदेश) परिसर भौर वेस्टर्न कोल-(1) बल्लारपुर 3 मीर 4 (2) 2.3. उप-क्षेत्र प्रबंधम/ग्राधिकर्ता वेस्टर्न फील्ड्स सिमिडेड, नाग्युर से बस्सारपुर विवृत्त मौर (3) लिमिटेड कोलफीन्ड्स संबंधित या उसके नियंद्रणा-सस्ती कीयला खानों के सभी परि-बल्लारपुर ग्रुप जाकधर बल्लार-धीन प्रन्य परिसर। सर घौर बेस्टर्न कोल्फील्ड्स पुर, जिल चंद्रपुर (महाराष्ट्र) 31. उप-नेत प्रबंधक/मभिकर्ता वेस्टर्न (1) राजनगर (2) नथा राजनगर लिमिटेड, नागपुर से संबंधित कोलफीस्ड्स लिमिटेड मीर (3) राजनगर 7 मीर या उसके नियंत्रणाधीन भन्य राजनगर ग्रुप, डाकबर राजनगर 8 कोयल खानों के सभी परि-परिसर। जिला शाहरील (मध्य प्रदेश) सर भीर थेस्टर्न कोलकील्ड्स दुर्गापुर विवृत्त कीयलाखानों के सभी 23. उप-क्षेत्र प्रबंधक/प्रभिक्ती वेस्टन लिमिटेड, नागपुर से संबंधित लिमिटेड परिसर भीर वेस्टर्न कोल-कोलफील्ट**ड्**स य। उसके नियंश्रणाधीन प्राप्य दुर्गापुर, बाकबर दुर्गापुर जिला फील्ह्स लिमिटेड, नागपुर से परिसर । संबंधित या उसके नियंत्रणा-चंद्रपुर (महाराष्ट्र) धीन धन्य परिसर। 33. उप-क्षेत्र प्रबंधक/प्रिमकर्ता वेस्टर्न (1) उत्तरी झाग्रखंड धौर (2) 24. उपन्धित प्रबंधक प्रश्निकती वेस्टर्न **बुर्गापुर, रायतवाड़ी कोयला खा**ल लिमिटेड भोलफील्ड्स विकिणी आग्रवांड कोयला खानों लिमिटेड धौर वस्टर्न कोलफील्ड्स लिमि-उत्तरी/वक्षिणी झाग्र खंड डाकघर कीलफील्ड्सं, के सभी परिसर भौर वेस्टर्न टेड, नागपुर से संबंधित या ं दुर्मापुर, रायतवाड़ी, डाकचर · उत्तरी/दक्षिणी भाग खंड, जिल: कोलफील्ड्स लिमिटेड, मागपुर से उसके नियंत्रणाधीन ग्रन्थ परिसर चंद्रपुर, जिल चंद्रपुर (महाराष्ट्र) सरगुजा (मध्य प्रदेश) संबंधित या उसके भग्य नियंत्रणा-धीन प्रम्थ परिवर 25. उप-दोल प्रबंधक/प्रभिकती वैस्टर्न (1) कौटमा (2) गोंविंद भीर (3) लिमिटेह भवा कीयला खानों के सभी पश्चिमी झाग्रखंड भौर "त्री" सीम-कोलफील्ड्स . 33 उप-क्षेत्र प्रबंधक/धमिकर्ता वेस्टर्न **सिमिटे**ड कोंटमा पुप शक्यर कोटम. परिसरभौर वस्टर्न कौलफोल्ड्स कोलफोल्ज्स कोयल खानों के सभी परिसर जिला शाह्बील (मध्य प्रदेश) लिमिटेड मागपुर से संबंधित परिचर्ना साथ खंड युप, डाकयर भीर वेस्टनं कोलफोल्ड्स लिमि-

या उसके नियंत्रणाधीम घम्य

परिसर ।

पश्चिमी साप्रकंट जिनास्र्रगुजा

(मध्य प्रदेश)

टेड, मागपुर से संबंधित या उसके

नियंत्रणाधीम

ग्रम्य परिसर

- 34. उप-श्रेष्ठ प्रबंधक/प्रभिकती वैस्टर्न रामनवर (जिसमें भजागा इनक्जाइंस कोलफोल्बस रामनगर द्रुप, डाक्यर रामनगर जिला चाह्नोल (मध्य प्रदेश)
- सन्मिलित हैं) मोर पुरानी झध्मर कोवल खानो के समी परिसर और वैस्टर्न कोल-फील्ड्स लिनिटेड नागपुर से सबधित या उत्तके नियंत्रभाषीन श्रम्य परिसर।
- 35. धप-जोस प्रबंधक/अभिकर्ता वैस्टनं भीगर 9 ग्रीर 10 ग्रीर (2) कोलफील्ब्स लिमिटे४, नया भीवर युप डाकवर, विभागी, भीमर कोलियरी, जिसा पाहडोल (मध्य प्रदेश)
 - मीमर 11 र्मा 12 मीन्तर वानों के मनर पारपर भार **बैस्टमं** वालाई ल्युस लिनिटेड, नागर से संबंधित या उसके नियंत्रणाधीन ग्रन्य परिसर।
- 36. चप-क्षेत्र प्रवधक/मभिज्ञता बैस्टनं कोक्फोल्ड्स लिमिटेंब, बिजुरी, बाक्कर बिजूरी जिला बाह्बोस (मध्यप्रदेश)
- विजुरी कोयला खानो के सभी परिसर और वैस्टनं को नकील्ड्स लिमिटेड, नागरपुर से संबंधित या उपके निर्येत्रणात्रीन ग्रम्य परिवर ।
- 37. उप-क्षेत्र प्रबंधक/मिकती वैस्टर्नकोल फील्क्ष्म लिमिटेड, राजनगर, विवृत खान, शक्यर राजनगर, जिला बाहडोल (मध्य प्रदेश)
- राजनगर, बितृष कोयलाबाम के सभी परिसर भौर बैस्टर्न कोल-फोरब्स लिमिटेड, नागपुर से संबंधित या उसके नियंत्रणाधीन मन्य परिसर ।
- कोस फीस्ड्म निभिटेड, विसरामपुर ग्रुप, डाफचर विसरामपुर, जिला मरगुजा (मध्य प्रदेश)
- 38. चप-सेन्न व्रबंधक/धभिकर्ता वैस्टर्ग (1) विसरामपुर विवृश (2) जय-(3) कुमवा ग्रीर (4) मटपाय कोयना खानों के संगी परिमर घौर वैस्टर्न कोलफील्डन लिमिटेड, नापुर से संबंधिय या उसके निर्यक्षणाधीन भ्रम्य परिसर ।
- 39 उप-क्षेत्र प्रबंधक/प्रभिकर्ता बैस्टर्न कोलफीएश्स लिनिटेड, भूररा, डाकथर भुरचा, जिला सरगुजा (मध्य प्रदेश)
- **बूररा कोयलाखानो** सनी परिसर भौर वैस्टर्न कोलफोल्ब्स लिभिटेड, नागपुर से संगधित यः उपहि नियत्रणाबीन भग परिसर
- 40. उप-क्षेत्र प्रबंधक/धानिवर्ता बैस्टने कोलफील्ड्स लिमिटेड, कटकोमा, बाकघर, कटकोना जिला सरगुजा (नष्यप्रदेश)
- भटकीना कोयला खाम के परिसर भौर वैस्टर्न कोलफील्डम सिमिटेड, नागपुर से संबंधित या नियंत्रगाधीन उसके युख परिसर ।
- 41. उप-क्षेत्र प्रवंशक/प्रभिक्ति वैक्टने कोलफील्ड्स लिभिटेड, कुरसियः ग्रुप, डाकमर कुरसिया कोलियरी, जिला सरगुषा (मध्य प्रदेश)
- (1) कुरसिया भुगिग्द (2) कुरसिया विवृत ग्रौर मोनवानी कोयलाखानों के सभी परिसर ग्रीर बैस्टर्न कोलफोल्ब्स लिमिटेड नागपुर से संबंधित या उसके नियंकणाधीन प्रम्य परिसर ।
- 42. उप-क्षेत्र प्रबंधक/प्रशिक्तर्श वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, चिरीमिरी बुप, डाक्षपर विरीमिरी जिला सरगुजा (मध्य प्रदेज)
- (1) चिरीगरी भूमिगत भीर चिरी: गरी विद्वत कोग्ला क्षानों के सभी परिसर मौर दैस्टनं कोल-लिमिटेड, मागपुर से संबंधित या उसके भियंद्धणा-धीम भ्रम्य परिसर।

43. उप-क्षेत्र प्रबंधक/प्रभिक्षनां वैस्टर्न को**लफील्क्स लिमिटेड**, दमन हिल युप, डाकघर सोनावानो, जिला

सरगुजा (मध्य प्रदेश)

- (1) दमन हिल भीर (2) उत्तरी चिरीमिरी कोशला खानों के सभी परिसर भीर वैस्टर्न कोलफील्क्स लिमिटेड, नागपुर से संबंधित ं उसके नियं**त्रवाधीन** स्रश्य परिसर ।
- 44 उप-जेल प्रबंधक/धमिक्षता बैस्टर्न कोलफील्ड्स सिमिटेड, नया चिरीमिरी, पोनरी हिल, बाक्षधर उत्तरी चिटामरी, दिला मर्गुजा (म ८ प्रदेश)
- 45. उप-क्रेंत्र प्रबंधक/प्रभिक्षती बैस्टर्न कोलफीस्ट्स लिमिटेड, कोरिया, बाकधर कोरिया कोलियरी, जिला सरगुजा (मध्य प्रवेश)
- 48 उप-क्षेत्र प्रवंशक/प्रभिक्षता वैस्टर्न कोलफोरब्स लिमिटेब, परिचरी चिरीमिरी, डाकचर पहिचमी चिरीमिरी कोलियरी, जिला सरगुषा (मध्य प्रदेश)
- 47 जप-भेत प्रशंधक/ग्रामकर्धा वैस्टनं कोलफीस्डम निभिद्रेड, कोर्सा राजनगर, शकथर कोरशः, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश)
- 48. उप-क्षेत्र प्रबंधक/श्रिमकक्षां वैंस्टनं कोलफील्ड्स लिमिटेड, मानिकपुर अमनर कोरया, जिला विकासपुर, (मध्य प्रदेश)
- 49. उप-क्षेत्र प्रबंधक/धामिकती वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, सुरक**च्छ**र, डाकबर बंकी मोगरा, जिला विलासपुर (मध्यप्रदेश)
- 50 उप-जेव प्रवंधक/प्रमिकता वैस्टर्न कौलफोल्ड्स लिपिटेड, बंकी, डांजधर बंकी मोगरा, जिला विलासपुर (मध्य प्रदेश)
- 51. उप-क्षेत्र प्रबंधक/मिकता वैस्टर्न 🏄 🖟 कोलफीस्ब्स लिमिटेट, कुम्सूडा श्रीर ग्रेवरा डाकचर कोन्या, जिपा विलासपुर (मध्य प्रदेश)
- 52. उप-क्षेत्र प्रबंध रु/म्रभिकर्सा बैस्टर्न कोलफील्ड्स निमिटेट, मोरिएंट पुष I बाकबर हिंगिर रामपुर, जिला सम्बलपुर (उद्दोसा)

- नया चिरीमिरी पोनरी क्षिल कोयला खानों के सभी परिसर श्रीर वैस्टर्न कोलफोस्ब्स सिमिटेंड, नागपुर से मर्बधित या उसके नियंक्षणाधीय म्रग्य परिसर ।
- कोरिया कोयला खानों के सभी परिसर प्रोर वैस्टर्न कोलकोल्डस लिमिटेड, नागपुर से सबंधित या उसके नियंज्ञणात्रीन प्रन्य परि-सर ।
- पश्चिमी चिरीमिरी कोयला खानों के सभी परिगर श्रीर इंस्टर्ग कोलकील्डम लिभिटेड, नागपुर से संबंधित या उनके निपंस्रणाधीन श्रम्य परिसर ।
- (1) कोरबा भीर (2) राजनगर क्रोपलाबानों के सभी परिसर धौर वैरउनं कोलफील्इस लिमिटेड' मानपुर से संबंधित या उसके नियंत्रणाधीन अन्य परिसर ।
- मानिकपुर कोधना आपनी के सभी परिसर भीर वैस्टर्न कोलफीस्बस लियिटेड, नागपुर से संबंधित या उनके नियंत्रमाधीन धन्य परिसर ।
- स्फक्कर कोयसा जानों के सभी परिसर और वैस्टर्न कोलकीश्डस निपिटेश, नागपुर से संबंधित या उसके नियंत्रणाधीन भ्रम्य परिसर।
- बंकी कीयला खानों के सभी परिसर धीर वैस्टर्न कोलफील्इस लिमिटेड, नागपुर से संबंधित या उसके नियत्रणात्रीन भ्रम्य परिसर ।
- (1) कुमुमुंडा भौर (2) ग्रेवरा कोयला खानों के सभी परिसर श्रीर वैस्टर्न कोलफील्ब्स लिमिटेड, नागपुर से संबंधित या उसके नियंक्षणाधीम अन्य परिसर ।
- (1) मोरिएंट 2 मीर (2) नई मोतिगाँड परेगा पान**ों के सभी** परिसर भौर वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर से संबंधित या उसके नियंत्रणाधीन भाग परिसर ।

1

2

- 53. उप-क्षेत्र प्रबंधक/प्रभिकृती बैस्टर्न कोलफील्बस लिमिटेड, धोरिएंट पूप II, डाकवर हिगिर रामपूर जिला सम्बलपुर (उड़ीसा)
- (1) मोरिएंट 3 भौर (2) मोरि-एंट 4 कोयला खानों के सभी परिसर धौर वैस्टर्न कोलफील्क्स लिमिटेड, नागपुर से संबंधित या उसके नियंत्रणाधीन सन्य परिसर ।
- 54. उप-क्षेत्र प्रबंधक/प्रधिकर्ता वैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड, हिंगिर रामपुर पूप, शकवरहिंगिर रामपुर जिला सम्बलपुर, (उदीसा)
- (1) भाई बी पीट्स (2) हिंगिर रामपुर (3) नया रामपुर भौर (4) बुंबिया कोयना खानों के परिसर भौर कोलफीरइस लिमिटेड, से संबंधित या उसके नियंक्षणा-श्रीन *प्राप्य* परिसर ।

29/1/82-सी॰एस•

New Delhi, the 13th October, 1982

S.O. 665:—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupations) Act, 1971 (40 of 1971), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal), No. S.O. 2472, dated the 12th July, 1977, except as respects things done or omitted to be done before such supersession the Central Government hereby appoints the officers mentioned in column (1) of the Table below, being officers equivalent to the rank of the Gazetted Officers of Government to be Estate Officers for the purposes of the said Act and the said officers shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on Estate Officers by or under the said Act, within the local limits of their respective jurisdictions in respect of the public premises specified in column (2) of the said Table.

TABLE

Designation of the	Categories of Public
Officer	Premises
(1)	(2)

- 1. Sub Area Manager/Agent, All premises of (1) Index (2) Western Coalfields Limited, Kamptee Group of Mines, P.O. Kamptee, Railway Station Kamptee, Tehsil and District Nagpur (Maharashtra).
 - Kamptee coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited Nagrur.
- ted, Silewara Group of Mines, P.O. Khaperkheda Railway Station Khaperkheda, Tahsil and Distriot Nagpur, (Maharashtra).
- 2. Sub Area Manager/Agent, All premises of (1) Silewara (2)
 Western Coalfields Limi- Walni (3) Pipla and (4) Patansaongi coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
- Western Coalfields Limi-
- 3. Sub Area Manager/Agent, All premises of (1) Umrer open cast and (2) Umrer Under

ted, Umrer Group of Mines, P.O. Umrer Project , Tahsil Umrer, Dis-

trict Nagpur, (Maharashtra).

1

Western Coalfields Limited, Pathakhera-I, P.O. Pathakhera, Railway Station Ghora Dongri, District Betul, (Madhya Pradesh).

ground coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfielus Limited, Nagpur.

- 4. Sub Area Manager/Agent, All premises of Pathakhera-I coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
- 5. Sub Area Manager/Agent, All premises of Pathakhera-I Western Coalfields Limited, Pathakhera-II P.O. Pathakhera, Railway Station Ghora Dongri, Dis-Betul, (Madhya Pradesh).
 - coal mines and other premises belonging to or under th control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
- 6. Sub Area Manager/Agent. Western Coalfelds Limited, Satpura I &II, P.O. Pathakhera, Railway Station Ghora Dongri, District Betul, (Madhya Pradesh).
- All premises of Statpura I & II coal mines and other premises belonging to or under the control of Western Coalfields Limited, Nagour.
- Western Coalfields Limited, Shobhapur Mine, P. O. Pathakhera, Railway Station Ghora Dongri, District Betul, (Mahdya Pradesh).
- 7. Sub Area Manager/Agent, All premises of Shobhapur coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
- Western Coalfields Limited, Sarni, Mine, P.O. Pathakhera, Railway Station Ghora Dongri, District Betul, (Madhya Pradesh).
- . 8. Sub Area Manager/Agent. All premises of Sarni goal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
- Western Coalfields Limited. Eklehra Group, P.O. Eklehra, Railway Station Eklehra, Tashil and Distriot Chhindwara, (Madhya Pradesh).
- 9. Sub Area Manager/Agent, All premises of (1) Eklehra (2) Barkui and (4) North Chandametta coal mines and other premises belonging to or under the control of Western Coalfelds Limited Nagpur.
- Western Coalfields Limited, Newton Group, P.O. Newton Chickli, Tuhsil and District Chhindwara, (Madhya Pradesh),
- 11. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Pench East Group. P.O. Rawanwara, Tahsil and District Chhindwara, (Madhya Pradesh).
- 10. Sub Area Manager/Agent, All premises of Newton Chickli A and (2) Newton Chickli B coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
 - All premises of (1) Rawanwara (2) Rawanwara Khas and (3) Pench East coal mines and other premises longing to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.

2

- 12. Sub Area Manager/Agent, All premises of (1) Shivpuri Western Coalfields Limited, Shivpuri Group, P.O. Sirgora Parasisa, Tahsil and District Chhindwara. (Madhya Pradesh).
 - Underground and (2) Shivpuri open cast coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
- Western Coalfields Limited, Chhinda Colliery, P.O. Srlgora Parasia, Tahsil and District Chhindwara (Mahdya Pradesh)
- 13. Sub Area Manager/Agent, All premises of Chhinda coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
- 14. Sub Area Manager/Agent, All premises of (1) Chandametta Western Coalfields Limited, Chandametta Group, P.O. Chandametta, Tahsil and District Chhindwara (Madhya Pradesh)
 - (2) Chandametta 5 & 6 (3) Bhamori (4) Jatachhapa and (5) East Dongerchickli coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Chalfields Limited, Nagpur.

Mohan and (3) Sukri coal

mines and other premises be-

longing to or under the con-

trol of the Western Coalfields

All premises of (1) Datla West

(2) Ghorwari and (3) Chikal-

mau coal mines and other

promises belonging to or

under the control of the

Western Coalfields Limited.

Limited, Nagpur.

Nagpur.

- 15. Sub Area Manager/Agent, All premises of (1) Ambara (2) Western Coalfields Limited, Ambara Group, P.O. Palachourai, Tahsil and Chhindwara District (Madhya Pradesh).
- 16. Sub Area Manager/Agent. Western Coalfields Limited, Datla Group, P.O. Dungaria, Tahsil and Chhindwara District (Madhya Pradesh)
- 17. Sub Area Manager/Agent, All premises of (1) Damua (2) Western Coalfields Limited, Damua Group, P.O. Damua, Tahsil and District Chhindwara (Madhya Pradesh)
- Western Coalfields Limited, Nandan Mine, P.O. Nandan/Damua, Tahsil and District Chhindwara (Madhya Pradesh).
- 19. Sub Arca Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Ghugus Group, P.O. Manikpur, District Chandrapur (Maharashtra).
- Western Coalfields Limi-

- Damua (new inclines) and (3) Raknikol coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur. 18. Sub-Area Manager/Agent, All premises of Nandan mine and other premises belonging
 - to or under the control of the Western Coalfields Limited Nagpur.
 - All promises of (1) Ghugus Pits (2) Nakoda Underground (3) Nakoda open-cast (4) Robertson inclines and (5) Bellorea coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
- 20. Sub Area Manager/Agent. All promises of (1) Chanda Rayatwari (2) Mahakali (3)

1

ted, Hindusthan Lalpoth/ Mahakali Group, P.O. Chandrapur, District Chandrapur (Maharashtra).

- 21. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited. New Majri/Rajur, Group, P.O. Shivaji Nagar, District Chandrapur (Maharashtra).
- 22. Sub Area Manager/Agent, All premises of (1) Ballarpur Western Chalflelds Limited, Ballacpur Group, P. O. Ballarpur, District Chandrapur (Maharashtra).
- Western Coalfields Limited, Durgapur P.O. Ducgapur, District Chandrapur (Maharashtra).
- Western Coalfields Limited, Durgapur Rayatwari, P.O. Chandrapur, District Chandrapur (Maharashtra).
- 25. Sub Area Managor/Agent, Western Coalfields Limited, Kotma Group, P.O. Kotma, Distriot Shahdol (Madhya Prad:sh).
- Western Coalfields Limited, Jamuna Group, P.O. Jamuna, District Shahdol (Madhya Pradesh)
- 27. Sub Area Managor/Agent, Western Coalfields Limited, Burhar Group, P.O. Burhar, District, Shahdol (Madhya Piadush).
- 28. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Amlai Group, P.O. Amali Colliery, District Shahdol (Madhya Pradesh).

- Hindusthan Lalpeth No. 1 (4) Hindusthan Lalpeth No. 3 and (5) Hindusthan Lalpeth open-cast boal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited Nagpur.
- All premises of (1) Now Majri No. 1 (2) New Majri No. 3 (3) Rajur Pits and inclines and (4) New Majri open-cast coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
- 3 & 4 (2) Ballarpur open-cast and (3) Sasti coal mines and other premises beloinging or under the control of the Western Chaifields Limited. Nagpur.
- 23. Sub Area Manager/Agent, All Promises of Durgapur opencast coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited. Nagpur.
- 24. Sub Arca Manager/Agent, All premises of Durgapur Rayatwari Coal mines and other premises blinging to or under the centrol of the Wistaria Chaldolds Limited. Nagpur.
 - All premises of (1) Kotma (2) Govinda and (3) Bhadra coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coal flelds Limited, Nagour.
- 26. Sub Area Manager/Agent, All premises of Jamuna undergound and Jamuna openeast coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited. Nagpur.
 - All promises of (1) Burhar and (2) Burhar 3 coal mines and other promises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited. Nagpur.
 - All premises of (1) Amati and (2) Rungta Coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Chalfields Limited, Nagpur.

(1)

(2)

- 29. Sub Arca Manager/Agent. Western Coalfields Limi. ted, Chachai Group, P.O. Amila, District, Shahdol, (Madhya Pradesh).
- All premises of (1) Chachai underground (2) Chachai open-cast (3) Dhanpuri open cast and (4) Dhanpuri under ground coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited. Nagpur-
- 30. Sub Area Manager/Agent, All premises of (1) Nowrozabad Western Coalfields Limited, Johilia Group, P.O. Umaria, District Shahdol, (Madhya Pradesh).
 - (2) Birsingpur (3) Birsingpur East and (4) Umeria coal mines and other premises Belonging to or under the Control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
- 31. Sub Area Manager/Agent, All premises of (1) Rajnagar Western Chalfields Limited, Rajnagar Group, P.O. Rajnagar, District Shahdol, (Madhya Pradesh)
 - (2) New Rajnagar and (3) Rainagar 7 and 8 coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited Nagpur.
- 32. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, North/South Jhagrakhand, P.O. North/South Jhagrakhand. District Surguja, (Madhya Pradesh).
 - All premises of (1) North Jhagrakhand and (2) Sout h Jhagrakhand coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Chalfields Limited, Nagpur.
- 33. Sub Area Manager/Agent, All premises of West Jhagra-Western Chalfields Limited. West Jhagrakhand Group, P.O. Wost Jhagrakhand, District Surguja, Madhya Pradesh).
 - khand and 'B' Seam coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Chal fields Limited, Nagpur.
- Wastern Chalfields Limited. Ramnagar Group, P.O. Ramnagar, District Shahdol, (Madhya Pradesh).
- 34. Sub Area Manager/Agent, All premises of Ramnagar (including Malga incline) and (2) Old Jhimar coal mines and other promises belonging to or under the control of the Western Chalfields Limited. Nagpur.
- Western Chalfields Limited. New Jhimar Group, P.O. South Jhimar Colliery, District Shahdol. (Madhya Pradesh).
- 35. Sub Area Manager/Agent, All premises of Jhimar 9 and 10 and (2) Jhimar 11 and 12 coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfieds Limited, Nagour.
- 36. Sub Area Manager/Agent, All premises of Bijuri coal Western Coalfields Limited, Bijuri, P.O. Bijuri, District Shahdol,

(Madhya Pradesh).

mine and other premises belonging to or under the control of the Wostern Chalfields Limited, Nagpur.

(1)

(2)

- Western Coalfields Limited, Rajnagar open-cast, P.O. Rajnagar, District Shahdol, (Madhya Pradesh).
- 37. Sub Area Manager/Agent, All premises of Rajnagar opencast chal mine and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfiolds Limited, Nagpur.
- Wostern Coalfields Limited, Bisrampur Group, P.O. Bisrampur, District Surguja, (Madhya Pradesh)
- 38. Sub Area Manager/Agents, All premises of (1) Bisrampur open-cast (2) Jainagar (3) Ku nda and (4) Bhatgaon co al mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalflelds Limited, Nagpur.
- Western Chalfields Limited. Churcha, P.O. Churcha, District Surguja, (Madhya Pradosh).
- 39. Sub Area Manager/Agent, All premises of Churcha coal mine and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
- Western Chalfields Limited, Katkona, P.O. Katkona, District Surguja: (Madhya Pradesh).
- 40. Sub Area Manager/Agent, All premises of Katkona coal mine and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
- 41. Sub Area Manager/Agent, All premises of (1) Kurasia Western Chalfields Limited. Kurasia Group, P.O. Kurasia Colliery, District Surguja, (Madhya Pradesh).
 - under ground (2) Kurasia open-cast and (3) Sonawani coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Chalfields Limited, Nagpur.
- Western Coalfields Limited, Chirimiri Group, P.O. Chirlmiri, District Surguja, (Madhya Pradesh)
- 42. Sub Area Manager/Agent, All premises of (1) Chirimiri underground and (2) Chirimiri open-cast chall minus and other premises belinging to or under the control of the Western Chalfields Limited, Nagpur.
- 43. Sub-Area Mattager/Agent, All premises of (1) Duman Western Coalfields Limited. Duman Hill Group, P.O. Sonawani, District Surguja (Madhya Pradesh).
 - Hill and (2) North Chirimiri coal mits and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur,
- Western Calfields, Limited. New Chirimiri Penri Hill. P.O. North Chirimiri, District Surguja, (Madhya Pradesh).
- 44. Sub Area Manager/Agent, All premises of New Chirimiri Ponri Hill coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Cualfields Limited. Nagpur.
- Wostern Chalfields Limited, Korea.
- 45. Sub Area Manager/Agent, All promises of Korea chalmine and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited,

(Orissa).

600	THE GA	ZETTE OF INDIA: JANUA
	(1)	(2)
P.O. Kores District Su (Madhya P	ırguja,	Nagpur.
46. Sub Area M Western C Limited, West Chiri P.O. West Colliery, District Su (Madhya P	oalfields miri, Calrimiri Irguja,	All premises of West Chirimiri coalmines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
47. Sub Area M Wostern C Limited, Korba Raig P.O. Korba District Bi (Madhya F	gamar, a, laspur,	All premises of (1) Kroba and (2) Rajgamar coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
48. Sub Area I Western C Limited, Manikpur, P.O. Korba District Bi (Madhya F	oglfields a, laspur,	All premises of Manikpur coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
49. Sub Area M Western C Limited, Surakachh P.O. Banki District Bi (Madhya I	ar, i Mogra, laspur,	All premises of Surakachhar coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coal fields Limited, Nagpur.
50. Sub Area M Western C Limited, Banki, P.O. Banki District B (Madhya I	oalfields i Mogra ilaspur,	All premises of Banki coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Chalfields Limited, Nagpur.
Western C Limited,	palfields and Gevra, a, ilaspur, ,	All premises of (1) Kusumnda and (2) Gevracial mines and other premises belonging to or under the control of the Western Chalifields Limited, Nagpur.
Western C Limited, Orient Gr	Cun I, pir Rampur,	All premises of (1) Orient 2 and (2) New Orient chalmines and other premises belonging to or under the control of the Western Chalfields Limited, Nagpur.
Westren C Limited, Orient Gro	Calfields oup II, ir Rampur,	All premises of (1) Orient 3 and (2) Orient 4 scal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited Naspur.

(1)	(2)
54. Sub Arca Manager/Agent,	All premises of (1) 1p pits (2)
Western Coalfields	Hingir Rampur (3) New Ram-
Limited,	pur and (4) Bundiacoalmines
Hingir-Rampur Group,	and other premises belonging
P.O. Hingir Rampur,	to or under the control of the
District Sambalpur,	Western Coalfields Limited,
(Orlssa).	Nagpur.
. 	

[No. 29/1/82-CL]

का०आ० 666.--केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (मर्जन भीर विकास) ग्रह्मिनियम, 1957 (1957 का 20) की भारा 4 की उपभ्रारा (1) के अधीन, भारत सरकार के कोधला मंत्रालय (कोधला विभाग) की मधिसूचना सं ० 3398 तारीका 1 दिसम्बर, 1981 द्वारा मारत के राजपत भाग 2, खंड 3, उपखंड (2) में प्रकाशित उस मधिसूचमा से संसन्त अनुसूची में विमिविष्ट परिक्षेत्र में 118.00 एकड़ (सगमग) या 47.75 हैक्टर (लगभग) माप की भूमि की बाबत कोयले का पूर्वेक्शण करने के धपने **मामय की सूचना दी थी** ;

भीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उनत भूमि में कीयला व्यभित्राप्य है;

द्यत[,], केन्ग्रीय सरकार, कोयला घारक क्षेत्र (धर्यंन धौर विकास) प्रधितियम, 1957 (1957 का 20) की घारा 7 की उपघारा (1) द्वारा प्रवत्त मक्तियों का प्रयोगकरते हुए इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 117.70 एथाइ (लगभग) या 47.63 हैक्टर (लगभग) माप की भूमि का अर्जन करने के अपने भाक्षय की सूचना देती है।

टिप्पण-1 इस अधिसूचना के अधीन शाने वाले रेखांक का निरोक्षण, उपा-युक्त, गिरिश्रीह (बिहार) के कार्यालय में या कोयला नियंद्रक 1,काउंसिल हाऊस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में प्रथवा सेंट्रन कोलकील्डस लिमिटेड (राजस्व धनुभाग) दरमंगा हाऊस रोची (बिहार) के कार्यालय में किया जा सकता है।

टिप्पण-2 कोयला घारक क्षेत्र (प्रजेन भीर विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की घारा 8 के उपबंधी की मीर ध्यान माहाय्ट किया जाता है जिसमें निम्निखिखत उपविधिष्ठ है---

(1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में जिसको बाबत धारा ७ के अधीन अधिसूचमा निकाली गई है, हितनद है, अधिसूचना के मिकाले जाने से तीस दिन के भीतर संपूर्ण भूमिया उसके किसी माग या ऐसी भूमि में या उस पर किल्हीं मधिकारों को मर्जेट किए जाने के बारे में धापरिस कर सकेगा।

स्पटीकरण--;इस धारा के अर्थान्तर्गत यह धापरित मही मानी जाएगी कि कोई व्यक्ति किसी मूमि में कोयला उत्पादन के लिए स्वयं बनन संक्रियाएं करना चाहुसा है भीर ऐसी संकियाएं केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य अपिक्स को महीं करमा चाहिए।

(2) उपद्यारा (1) के भवीन प्रत्येक भागत्ति सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में की जाएगी और सक्षा प्राधिकारी भाषत्विकर्ता को स्वयं सुने जाने का या विधि व्यवसायी द्वारा सुनवाई का भवसर देगा भौर ऐसी सभी धापिलयों को मुतने के पश्भात् भौर ऐसी भितिरिक्त जांच, यदि कोई हैं 🛼 करने के पश्चात् जी वह भावस्थक समझता है वह या तो द्वारा 7 की उपद्वारा (1) के क्रमीन क्रमिसूचित मूमि केसा ऐसी मुमि में उस पर के द्यक्तिकारों के संबंध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न दुकड़ो या ऐसी

ख--ग

ग-घ

प-इ

च–क

ত –জ

भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में आपित्तवों पर अपनी विकारियों और उसके द्वारा की गई। कार्यवाही के अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्ट केन्द्रीय नरकार को उसके विविध्यय के लिए देगा।

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए वह क्यक्ति किसी भूमि में हितवह समझा जाएगा जो प्रतिकर में हित का दावा करने का हमदार हाता बंदि भूमि ऐसी भूमि में या उस पर प्रधिकार इस अधिनियम के प्रधीत प्रशित कर लिए जाते।"

टिप्पण 3 : केन्द्रीय सरकार ने, कोयला नियेक्षक, 1, कार्डसिल स्ट्रीट, जलकत्ता को जन्त अधिनियम के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया है।

अनुसूची (हजारी खंड) (पूर्वी वीकारी कीयता क्षेत्र) सं० राजस्व 24/82 तारीख 5-4-1980

(जिसमें अजित की जाने वाली भूमि दिशा की गई है)

- 0	
सम्रा	प्रधिकार

खंड ग्राम	थाना	याना सं०	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियां
म ह जारी	गोभिया	112	गिरि- डोह	55.00	भाग
र्ख हजारी	गोभिया	112	भिरि- खाह	62.70	भाग
कु ल क्षेत्र ः या				. 70 एमड़ 3 3 हे स्टर	(लगमग (लगभग)

स्रंड -क हजारी ग्राम में मंजित किए गए आने वाले प्लाट संख्याक:--

1177 (भाग), 1178 (भाग), 1179 (भाग), 1180 (भाग), 1181 (भाग), 1182 से 1188, 1189 (भाग), 1190, 1191 (भाग), 1192 (भाग), 1193 से 1207, 1208 (भाग), 1209 से 1215, 1216 (भाग), 1217 (भाग), 1233 (भाग), 1234 (भाग), 2690 (भाग), 2800 (भाग), 2801 (भाग), 2802, 2805 (भाग) 2838 (भाग), 2839 (भाग), 2840 (भाग), 2844 (भाग), 2845 (भाग), 2846 (भाग), 2847 से 2877, 2878 (भाग), 2879 से 2920, 2931 (आग), 2935 (भाग), 2926 (भाग), 2927, 2928 (भाग), 2929 (भाग), 2934 (भाग), 2977 (भाग), 2978 (जाग), 2979 (भाग), 3006 (भाग), 3007, 3008,3009, 3010, 3011, 3012 (भाग), 3013, 3014 (भाग), 3015 (भाग), 3041 (भाग), 3049 (भाग), 3050 (भाग), 3051 (भाग), 3052 (भाग), 3053 (भाग), 3054 से 3065, 3066 (भाग), 3067 से 3075 ,3076 (भाग), 3077 (भाग), 3078 (भाग), 3079 (भाग), 3080 (भाग), 3081 (भाग), 3132 भीर 3135.

सप्ड-ख

1067 (भाग), 1083 (भाग), 1084 (भाग), 1085 (भाग), 1086 (भाग), 1087 (भाग), 1088 (भाग), 1089 (भाग), 1091 (भाग), 1092 (भाग), 1093 (भाग), 1096 (भाग), 1106 (भाग), 1113 (भाग), 1116 (भाग), 1119 (भाग), 1123 (भाग), 1124 (भाग), 1125 (भाग), 1136 (भाग), 1127 (भाग), 1128 (भाग), 1129 (भाग), 1130 से 1138, 1139 (भाग), 1191 (भाग), 1192(भाग), 3014 (भाग), 3015 (भाग), 3035 (भाग), 3036 (भाग), 3037 (भाग), 3038 (भाग), 3039 (भाग), 3040 (भाग), 3041 (भाग), 3042, 3043, 3044 (भाग), 3046 (भाग), 3047 ,3048,3049 (भाग), 3050 (भाग), 3051 (भाग), 3052 (भाग), 3053 (भाग), 1196 CI/82—5

3066 (भाग), 3078 (भाग), 3079 (भाग), 3080 (भाग), 3082, 3083,3084, 3085 (भाग), 3086,3087, 3088,3089 3090 (भाग), 3101 (भाग), 3103 (भाग), और 3133.

व्यक्त का का सारा विश्वत

रेक्का ग्राम हजारी में प्लाट सं० 2805, 2801, 2600, 2921, 2925, 2926, 2934, 2928, 2929, 2978, 2977, 2978, 2979,3006, 3007, 3015 से होकर जाती है और बिन्दु छ पर मिलती है !

रेखा प्लाट मं० 3015, 3012, 3014 2978, 3041, 3053, 3051, 3049, 3050, 3081, 3076, 3080, 3077, 3079, 3078, 3066, 1192, 1191 जो संवाग पुनगँउन परियोजना के लिए कोयजा धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के प्रधीन अर्जिन मेनी प्रधिकार क्षेत्र के नाथ समान्य भागत सीमा बनाती हैं) से होकर जाती है और बिन्दु "ग" पर मिलनी हैं।

रेखा प्लाट सं > 1191, 1189, 1172, 1178, 1179 से होकर आरेर प्लाट सं > 1173 की विजियों सीता के भाग के साथ साथ (जो खार बोर्ड सहक की दक्षियों सीमा के साथ सामान्य मीमा बाला है) जाती है और विन्तु "ब" पर मिलतों हैं।

रेखा प्लाट सं० 1179, 1181, 1180, 1208, 1217, 1216, 1233, 1234, 2690, 2846, 2845, 2844, 2340, 2839, 2838, 2373 और 2805 जो कोयला धारक क्षेत्र (अर्जेन और जिकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अंजिन बोतारो क्षेत्र के साथ सामान्य सीमा बगाता है सहोकर जाती है और आर्पिन क विन्दु "क" पर मिलतो है।

खर-ख

रेखा प्लाट सं॰ 1191, 1192, 3066, 3078, 3079, 3080, 3085, 3050, 3049, 3051, 3052, 3053, 3041, 3040, 3014, 3015 जिले सीयला प्रवित्यम की घारा 9(1) के प्रधीन अजित संवाग पुनर्गठन परियोजना के सभी प्रधिकार क्षेत्र के साथ सामान्य सीमा बना ता है] से हो कर जाती है और बिक्दु "च" पर मिलती है।

रेखा प्लाट सं॰ 3015, 3038, 3037, 3036, 3035, 3039, 3044 भीर 3046 जो कोपता स्वधितात को धारा 9(1) के सदीन सर्वाग पुनर्गटन परियोजना के सभी सिकार अजित कील के साथ सामान्य सीमा बनाता है। से होकर जाती है और किन्दु "छ" पर मिनती है।

रेखा हजारी ग्राम में बोकारो नदी की उस्तरी सीमा है होकर जाती है ग्रीर बिन्दु "ज" पर मिलती है।

ज—हा रेखा थाम हजारी में प्लाट सं∘ 3103, 3085, 3080, 3089, 3085, 3101, 1129, 1126, 1128, 1124 से होकर जाती है और बिन्दु "झ" पर मिलतो है।

स-अन-ट-ट-ड रेखा प्राम मृष्णारी में प्लाट सं∘ 1124, 1127, 1125 1113, 1116, 1106, 1087, 1106, 1089, 109 í, 109 2, 1096, 109 3 से होका व्याती हैं मीर बिन्दु ''ठ'' पर मिलती हैं।

ड|-ड रेखा ग्राम हजारी में जुनार नदी में पश्चिमी किमारे की सीमा के साथ साथ जाती है भीर बिन्दु "ड" पर मिलती है ड-ड-ण-त रेखाएं ग्राम हजारी के प्लाट सं० 1067, 1092, 1091, 1089, 1088, 1087, 1086, 1085, 1083, 1084, 1116, 1124, 1124 से होकर जाती हैं भीर बिन्दु "त" पर मिलती है।

ल−इः

रेखाध्राम हजारी में प्लाट सं 1124,1133,1139 धौर 1191 (जो खाम बोर्ड सड़क की विक्रिणी सीमा के साथ सामान्य सीमा बनाता है) से होकर जाती है धौर धारम्मिक विस्तु "क" पर मिलती है।

> [सं॰ 19| 42|82-सी एल] पी॰ सरकार, निदेशक

S.O. 666 Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 3398 dated the 1st December, 1981, published in the Gazette of India, part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 19th December, 1981, under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957(20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 118.00 acres (approximately) or 47.75 hectares (approximately) of the lands in the locality specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in the said lands;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the said lands measuring 117.70 acres (approximately) or 47.63 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto

- Note 1. The plan of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Deputy Commissioner, Giridih (Bihar) or in the Office of the Coar Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the Office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section), Derbhanga House, Ranchi (Bihar).
- Note 2. Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, (20 of 1957) which provides as follows:—
- 8 (1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the Notification, object to the acquisition of the whole o any part of the land or of any rights in or over such land.

Explanation: It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing, and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further inquiry, if any, as he thinks necessary, either make a report in respect of the land which has been notified under sub section (1) of section 7 or of rights in or over such land, or make different report in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendations on the objections, together

with the record of the proceedings held by him, for the decision of that Government.

- (3) For the purposes of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act.
- Note 3. The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta, has been appointed by the Central Government as the Competent Authority under the Act.

SCHEDULE

Hazari Block Drg. No. Rev/24/82 (East Bokaro Coalfield) dated 5-4-1982

(Showing lands to be acquired)

All Rights

Bloo	k Village	Thana	Thana number		Area	Remarks
A	Hazari	Gomia	112	Giridih	55.00	part
B Hazari	Hazari	Gomia	112	Giridih	62.70	part
		Total area : or		117.70 acr 47.63 heet		

Block-A

Plot numbers to be acquired in village Hazarl:-

1117 (part), 1178 (part), 1179 (part), 1180(part), 1181 (part), 1182 to 1188, 1189 (part), 1190, 1191 (part), 1192 (part), 1193 to 1207, 1208 (part), 1209 to 1215, 1216 (part), 1217. (part), 1233 (part), 1234 (part), 2690 (part), 2800 (part), 2801 (part), 2802, 2805 (part), 2838(part), 2839 (part), 2840 (part), 2844 (part), 2845 (part), 2846 (part), 2847 to 2877, 2878, (part), 2879 to 2920, 2921 (part), 2925 (part), 2926 (part 2927, 2928 (part), 2929 2934 (part), 2977 (part), (part), 2978 (part), 2979 (part), 3006 (part), 3007 (part), 3008, 3009, 3010, 3011, 3012 (part), 3013, 3014 (part), 3015 (part), 3041 (part), 3049 (part), 3050 (part), 3051 (part), 3052 (part), 3053 (part), 3054 to 3065, 3066 (part), 3067 to 3075, 3076 (part), 3077 (part), 3078 (part), 3079 (part), 3080 (part), 3081 (part), 3132 and 3135.

Block-B

1067 (part), 1083 (part), 1084 (part), 1085 (part), 1086 (part) 1087 (part), 1088 (part), 1089(part), 1091 (part), 1092 (part), 1093 (part), 1096 (part), 1106(part), 1113 (part), 1116 (part), 1119, 1123 (part), 1124 (part), 1125 (part), 1126 (part), 1127 (part), 1128 (part), 1129 (part), 1130 to 1138, 1139 (part), 1191 (part), 1192 (part), 3014 (part), 3015 (part), 3035 (part), 3036 (part), 3037 (part), 3038 (part), 3039 (part), 3040 (part), 3041 (part), 3042, 3043, 3044 (part), 3046 (part), 3047, 3048, 3049 (part), 3050 (part), 3051 (part), 3052 (part), 3053 (part), 3066 (part), 3078 (part), 3079 (part), 3080 (part), 3082 3083, 3084, 3085 (part), 3086, 3087, 3088, 3089 (part), 3090 (part) 3101 (part), 3103 (part), and 3133.

Boundary description, of Block 'A'

- A—B line passes through plot nos. 2805, 2831, 2803, 2921
 2925, 2926, 2934, 2928, 2929, 2978, 2977, 2978, 2979, 3006, 3007, 3015 in village Hazari and meets at point 'B'.
- B—C line passes through plot nos. 3015, 3012, 3014, 2978, 3041, 3053, 3052, 3051, 3049, 3050, 3081, 3076, 3080 3077, 3079, 3078, 3066, 1192, 1191, (which forms part common boundary with the all rights area acquired u/s 9 (1) of the Coal Bearing (Acquisition and Development) Act, 1957, for sawang reorganisation Project) and meets at point 'C'.
- C—D line passes through plot nos. 1191, 1189, 1177, 1178, 1179 and along part southern boundary of plot no. 1973 (which forms common boundary with the southern boundary of mines board road) and meets at point 'D'.
- D—A line passes through plot nos. 1179, 1181, 1180, 1208, 1217, 1216, 1233, 1234, 2690, 2846, 2845, 2844, 2840, 2840, 2839, 2838, 2878 & 2805 (which forms part common boundary of the area of Bokaro Block acquired u/s 9(1) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957) and meets at starting point 'A'.

Block---B

- E—F line passes through plot ness. 1191, 1192, 3066, 3078 3079, 3030, 3035, 3050, 3049, 3051, 3052, 3053, 3041 3040, 3014, 3015 (which forms common boundary with the all rights area of Sawang re-organisation project acquired u/s 9(1) of the Coal Act) and meets at point 'F'.
- F-G line passes through plot nos. 3015, 3038, 3037, 3036, 3035, 3039, 3044 and 3046 (which forms common boundary with the all rights area of Sawang Re-organisation Project u/s 9(1) of the Coal Act) and meets at point 'G'.
- G-H line passes slong the northern boundary of River Bokaro in village Hazari and mee's at point 'H'.
- H—I line passes through plot nos. 3103, 3085, 3090, 3089, 3085, 3101, 1129, 1126, 1128, 1124 in village Hazari and meets at point 'Γ'.
- I.-J.-K.-L.-L/1 lines pass through plot nos. 1124, 1127, 1125, 1113, 1116, 1106, 1087, 1106, 1089, 1091, 1092, 1096
 1093 in village Hazari and meets at point L/1.
- L/1-M line passes along the River boundary of western side of River Kunar in village Hazarr and needs at points 'M'.
- M—N—O—P lines pass through plot nos. 1067, 1092, 1091 1989, 1038, 1027, 1086, 1085, 1083, 1084, 1116, 1124 in village Hazari and meets at point 'P'.
- P.E. line passes through plot numbers 1124, 1123, 1139 and 1191 in village Hazari (which forms common boundary with the southern boundary of mines board road) and meets at starting point 'E'.

[No. 19/42/82--CL

नर्क दिल्ली, अ दिसम्बर् 1982

का आ 667 -- सार्वजनिक परिसर, (अनिधक्रम का के की बेबकाली धाधनियम) 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा अदल णक्तयों का अयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एशद्द्वारा भारत सरकार रसायन और उर्वरक मंद्रास्य की अधिमुखना संग् का का था।

1032 विमाण 2 प्रप्रैस' 1977 में निम्मिलिखित संशोधन फरसी है प्रयति -

उक्त प्रावेसूचन। मे नानिका के लिए निम्निखिक्त तालिका प्रतिस्था -पित की जाय प्रथितु---

नासि का			
प्रधिकारी का नाम	सार्वजनिक परिसरों की श्रेणियां श्रीर श्रधिकार क्षेत्र की स्थानीय सीमाए		
1	2		
मुख्य प्रणासनिक र्जाधकारी हिन्दुस्तान फॉटलाइनर कारपोरेशन लिभिटेज दुर्गापुर यूनिट	दुर्भापुर एफक ग्रौर उसकी टाउन- शिप के लिए हिन्दुस्तान फर्टी- लाइजर कारपीरेशन सि० का परिसर ग्रथवा उनके कारा ग्रबन उनकी ग्रोर से पट्टे पर लिया गया परिसर।		

[फाइल मं॰ 88(4)/82--एफ. ही. सी.] ही जे भार गुला श्रवर संविष

New Delhi, the 31st December, 1982

S.O. 667:—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Contral Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Chemicals & Fertilisers, No. S.O. 1032, dated the 2nd April, 1977 namely:—

On the said notification, for the Table, the following Table shall be substituted, namely:—

TABLE

Designation of the officer	Categories of the Public Premises and local limites of jurisdiction
1	2
Chief Administrative Officer, Durgapur Unit of Hindustan Fertilizer Corporation Limi- ted, Durgapur.	Premises belonging to or taken on lease by or on behlaf of the Hindustan Fertilizer Cor- poration Limited for Durga pur Unit and its township

[F. No. 88(4)/82—FDC] D. R. GUPTA, Under Secy.

नागरिक पृष्टि संशालय

नई दिल्ली, 1 जनवरी, 1983

काः आः 668:--राष्ट्रपित केन्द्रीय सिविल सेवाए (वर्गाकरण, नियं क्षण सथा प्रापील नियम, 1965 नियम 34 के साथ पठिन नियम 9 के उपनियम (2) नियम 12 के उप नियम (2) के खंड (क्ष) तथा नियम 24 के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त मिन्द्रियों का प्रयोग करते कुए एतदद्वार, निवेश वेते हैं कि भारत सरकार के पूबनर्ती उद्योग एव पूर्ति मंत्रालय (पूर्ति तथा नकनीकी विकास निवाग) दिनांक 12-10-1964

की मधितूचना सं॰ एस॰ भार॰ भा॰ 3687 (यदा संसोधित) में आगे भीर निम्तिविकत संगोधन किया जाएं

उक्त प्राधित्वन। की श्रन्सूची में "र ब्हीय परीक्षण माला कलकता।" तथा बम्बई" के शीर्ष के मन्तर्गत "माग-1-मामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी-3 में स्तम्म 5 में शब्द "िदेशक" के स्थान पर "महानिदेशक" प्रतिस्थापित किया जाएगा।

> [मिसिल सं० 17/1/76-5] सी० एन० रामन, उप समिव

MINISTRY OF SUPPLY

New Delhi, the 4th January, 1983

S.O. 668.—In exercise of the powers conferred by subrule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12, and sub-rule (1) of rule 24 read with rule 34 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965 the President hereby directs that the following further amendment shall be made in the notification of the Government of India in the late Ministry of Industry and Supply (Department of Supply and Technical Development), No. S.R.O. 3687, dated the 12th October. 1964, as amended from time to time, namely.—

In the Schedule to the said notification, in "Part I-General Central Service, Class III", under the heading "National Test House, Calcutta & Bombay" in Column 5, for word "Director" the words "Director General" shall be substituted.

[F. No. 17/1/76-V] C. N. RAMAN, Dy. Secy.

मिर्माण और आवास भंदासय

न्यी दिल्ली, 11 जनवरी, 1983

का० आ० 669.—पतः केन्द्रीय सरकार का नीचे लिखे केंस्न के बारे में दिल्ली की बृहत बोजेमा में कितपय संगोधन करने का प्रस्ताव है। दिल्ली विकास प्रधिनियम 1957 (1957 का 61) की धारा 44 के उपबन्धों के अबुसार विल्ली विकास प्रधिकरण द्वारा दिनांक 13 मार्च, 1982 का मोटिस संख्या एक० 13(2)/78—एम० पी० के साथ प्रकाशित किया गया था जिसमें उक्त मोटिस की तारीख से 30 बिन के भीतर उक्त प्रधिनियम की धारा 11क की उप धारा (3) के अपेकित प्रामित्त्यां/मुझाव मांगे गये थे।

भीर मतः उक्त तसोक्ष्म के बारे में कोई आपत्ति सुझाव प्राप्त नहीं हुन।है।

धतः भव केन्द्रीय सरकार उक्त भिविनियम की बारा 11% की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त णिक्तियों का प्रयोग करने हुए दिल्ली की बृहुत योजन, में भारत के राजपत में इस प्रक्षिमूचन, के प्रकाशन की तारीचा से निम्मक्षिणित उपान्तरण करती है अर्थातः—
संशोधनः——

"बंगली पूना गांव के पास स्थित 5.42 है॰ (13.07 एकड़) क्षेत्र जो पूर्व में 91.44 मी॰ (300 फुट) क्षेड़ा जी॰ टी॰ मार्ग क्षिण में गांव खेड़ा कलां जाने वाला 30.48 मी॰ (100 फुट) क्षेड़ी सड़क ग्रीर उत्तर एवं पश्चिम में "कृषि हरित पट्टी" क्षेत्र से किरा है का मूभ उपयोग "कृषि हरित पट्टी" से बदल कर "सार्वजिभिक एवं सार्वजिभिक सुविकाएं" (हस्पताल) किय जामा प्रस्तावित है।"

[संव केंब ~ 13011/12/78 - जीवजीव-1 प्र/IIए ब]

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 11th January, 1983

S.O. 669.—Whereas certain modifications, which the Central Government proposes to make in the Master Plan for Delhi regarding the areas mentioned hereunder, were published with Notice No. F. 13(2)/76-MP dated 13-3-82 in accordance with the provisions of section 44 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957) inviting objections/suggestions, as required by sub-section (3) of section 11-A of the said Act, within thirty days from the date of the said notice;

And whereas no objections or suggestions have been received with regard to the aforesaid modifications;

Now, therefore, in exercise of the powers conterred by sub-section (2) of section 11-A of the said Act, the Central Government hereby makes the following modifications in the said Master Plan for Delhi with effect from the date of publication of this notification in the Gazette of India, Namely:

MODIFICATIONS:

"The land use of an area measuring 5.42 Huct, (13.07 acres) located near Nangli Poona Village and surrounded by 91.44 M (300 ft.) wide G. T. Road in the East 30.48 M (100 ft.) wide road leading to village Khera Kalan in the South and 'agricultural green' in the North and West, is changed from 'agricultural green belt' to 'public and semi-public facilities' (Hospital)."

[No. K-13011/12/78-DDI(A)/II]

मई दिल्ली, 13 जनवरी, 19 33

का० आ० 6 70.—यतः निम्नांकित ब्राजिक विनियमनों के बारे में कुछ संशो-धन जिन्हें केन्द्रीय सरकार दिल्ली के लिए बृह्त योजना में प्रस्तावित करती है तथा जिसे दिल्ली विकास प्रधिनियम, 1937 (1957 का 61वां) के खंड 44 के प्रावधानों के अनुसार दिनांक 27-6-1981 के नोटिस संद्या एफ-० 20(114) 176-एम०पी० द्वारा प्रकाशित किये गये थे जिसमें उक्त अधि-नियम की धारा 11ए० की उपधारा (3) में अनेकित आक्षेप/मुझाब इस नो/टिस की तारीख से 30 दिन की अविध में मामन्त्रित किए गए ये।

ग्रीर यतः उक्त संशोधनो के बारे में कोई श्रायन्ति ग्रीर सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं दिल्ली की बृहत योजना को संशोधित करने का निर्णय किया है।

प्रतः केन्द्रांत्र सरकार उक्तं प्रिधितिशम की धारा 11ए० की उपबारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत के राजपत्न में इस प्रधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दिल्ली की बहुत योजना में निभ्नलिखित संशोधन करती है, नामत

संशोधन

"1—लगमग 7.668 हेक्टर (19 एक इ) भूमि, जो मुख्य योजना में "फलैटिड फैन्ट्रीज" हेतु विनिर्दिष्ट है मीर पिनम मे धावासीय क्षेत्र, उत्तर भीर पूर्व में 24 4 मी० (80 फुट) चौड़े क्षेत्रीय मागों, दक्षिण में 30.48 (100 फुट) चौड़े वेगवन्यु गृप्ता मार्ग से घिरी है, का भूमि उपयोग 250 व्यक्ति प्रति एकड के घनंदन सिहन भागासीय" मे परिवर्तित किया जाता है।"

"2.2.832 हेक्टर (7 एकड़) मूमि जा सुका बोगना में "मङ्स टॉमनल" हेनु विनिविष्ट है भीर उतार में 30.48 मीर (100 फुट) चौड़े मार्ग, पिषका में दिवाह स्मारक, पूर्व में आवासीय क्षेत्र वीर विक्षण में 24.1 मीर (80 फुट) चौड़े क्षेत्रीय मार्ग ने मिरो है, का मूमि उपयोग 250 ब्यक्ति प्रति एकड सहित "आवासीय" में परिवर्तित किया जाता है।"

[सं० के० 13012/8/73-यू० की०-1 ए/- [[ए] के०के० सक्सेना, डेस्क ग्राधकारी

New Delhi, the 13th January, 1983

S.O. 670.—Whereas certain modifications, which the Central Government proposes to make in the Master Plan for Delhi regarding zoning regulations mentioned hereunder, were published with Notice No. F. 20(14)/76-M.P. dated 27-6-1981 in accordance with the provisions of section 44 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957) inviting objections/suggestions, as required by sub-section (3) of section 11-A of the said Act, within thirty days from the date of the said notice;

And whereas, no objections and suggestions with regard to the said modifications have been received;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11-A of the said Act, the Central Government hereby makes the following modifications in the said Master Plan for Delhi with effect from the date of publication of this notification in the Gazette of India, namely:—

MODIFICATIONS

- 1. The land use of an area measuring about 7.668 hects (19 acres) canmarked for 'flatted factories' in the Master Plan and surrounded by residential area on the west, 24.4 mts. (80') wide Zonal Roads on the North and East, 33.48 mts. (100') wide Desh Bandhu Gupta Road on the South, 15 changed to 'residential use' with a density of 250 persons per acre.
- 2. The land use of an area measuring 2.832 heets (7 acres) carmarked for 'goods terminal' in the Master Plan and surrounded by 30.48 mts. (100') wide road on the north, Idgah monument on the West, residential area on the cast and 24.4 mts. (80') wide Zonal Road on the South is changed to residential use' with a density of 250 persons per acre".

[No. K-13012/8/76-UD IA/IIA] K. K. SAXENA, Desk Officer

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नवी दिन्तो 26 नवश्वर, 1982

का० था० 671. — भारतीय रेल श्रिष्ठिनियम 1890 (1980 का श्रिष्ठिनियम (+) की घारा 82- वी द्वारा प्रवत्त श्रिष्ठिकारों का प्रयोग करते हुए 3-6-82 को दक्षिण रेतवे में पृतिनिहिंच में प्रीजी 18 यप पृत्मिषयि - महास सेस्ट्रल ई एम यू गाड़ी और भजास (गल्ट कोटिम) विजयवाड़ा एम बी ई डाउन माल गाड़ी के नीचे हुई बगली टक्कर के फबस्बना उत्पन्त ममी वायों को निपटाने के लिए केन्द्रोप नरकार एनद् बारा श्री ई० जै० बेन्नी मुख्य जिला न्यायाधीय रामनाधपुरम मिल नाडु की दावा श्रीयुक्त के रूप में नियुक्ति करती है। उनका मुख्यालय मजान में होगा।

[स॰ $82/\frac{1}{4}/(91)/11/1/3$] हिम्मत सिंह, सिंचव, रेलबे बोर्ड

एव भारा के सरकार के पदेन संयुक्त सचिव

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 26th November, 1982

5.O. 671.—In exercise of the powers conferred by Section 82-B of the Indian Railways Act, 1890 (Act IX of 1890), the Central Government hereby appoints Shri E. J. Bellie Principal District Judge, Ramanathapuram, Tamil Nadu as claims commissioner to deal with all the claims arising out of the side collision between EG 18 Up Gummidipundi—

Madras Central EMU train and Madras (Salt Centaurs) Vijayawada MBE Down Goods Train at Gummidipundi on Southern Railway on 3-6-82. His headquarters will be in Madras.

[No. 82/E(O)11/1/3] HIMMAT SINGH, Secy.

ex-Officio Jt. Secy. to the Govt. of India

धम तथा पुनर्वास मंत्रालय

(श्रम विमाग)

श्रावेश

नई विल्ली 21 अयत्बर 1982

का ब्या कि हमसे जपान बढ़ सम्बद्ध के बारे में सेन्द्रल बैंश आफ इडिया अस्मताबाद के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध एक ग्रीबो। गक विवाद नियोजकों उनके कार्नेकारों के बीच विवासान है।

भौर केन्द्रीय मरसार उका विवाद को न्यायानर्गयन के लिए निर्देशित करना बांछनीय समझक्षी है ,

भनः केन्द्रीय गरमार, भौदीशिक विवाद श्रिधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 7/क भीर धारा 10 की उपधारा (1) के धार (ध) द्वारा प्रदत्त गांक्नयों ना प्रयोग करने हुए एक भौदीशिक श्रीककरण गठित करती है जिमके पीठासीन श्रीधकारी जो जीर एमर बेरोट होंगे जिनका मुख्यालय श्रह्मवाबाद में होंगा और उक्त विवाद की उक्त श्रीधकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

यन् नुषी

म्या सेन्द्रल बींक भ्राफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय, ग्रहमदाबाव के प्रवेद्यतंत्र की श्री डीं० एव० मारू उप-कर्मचारी, रायपुर गाला ' ग्रहमदाबाद को 6-12-1980 से बींक के हाजिरी ग्रिक्टर से हटाने का कार्याई न्यायोचित्र है । यदि नहीं सा संबंधित पार्नकार किस समुतीय का हकदार है।

> [सं॰ एल ~12012/399/81 - की. 11(ए)] ए॰ के॰ माहा मजल, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION

(Department of Labour)

New Delhi, the 21st October, 1982

ORDER

S.O. 672.—Whereas the Central Government is of the opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Central Bank of India Ahmedabad and their workmen in respect of the matter specified in the schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri G. S. Barot shall be the Presiding Officer, with headquarters at Ahmedabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of the Central Bank of India, Regional Office, Ahmedabad in striking Shri D. H. Karu, Sub-staff, Raipur Branch, Ahmedabad off the Bank's muster roll from 6-12-80 is justified. If not, to what relief is the workman entitled ?".

[No. L-12012(399)/81-D. II (A)] A. K. SAHA MANDAL, Desk Officer

नई दिल्ली, 13 अनयरी, 1983

कारुआ। 673 — केन्द्रीय सरकार, न्यूनहम मजदूरी श्रिधितियम, 1948 (1948 का 2) की घारा 3 व की उपबारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने तुए, यह निदेण देती है कि मजदूरी सदाय श्रिधित्यम, 1936 (1936 का 1) के ऐसे उपबण्य जो नीचे की प्रनुषूची के स्तंभ (1) में विनिद्धित है, पूर्वोक्त स्यून्तम मजदूरी श्रिधित्यम की प्रनुष्ची के भाग 2 में उल्लिखित श्रनुष्ची नियोजनों में के कर्मचारियों को (जो ऐसे कर्मचारी नहीं हैं जिनकी मजदूरी के संबंध में मजदूरी सदाय श्रीधित्यम, 1936 पहले से ती लागू है) सदय मजदूरी में में की गई कटौतियों से या मजदूरी के संवाय में हुए विलम्ब से उद्भूत ऐसे दायों को जिनके लिये केन्द्रीय मरकार ममुचित सरकार है। ऐसे उपातरणों के श्रवीत रहते हुए यदि कोई हो, लागू होंगे जो नीचे की श्रनुसूची के स्तंभ (2) में की तरस्वानी प्रविध्टि में विभिद्धिष्ट है।

अनुसूची

मजदूरी संदाय श्रिधिनियम, 1937 के उपबन्ध	उपान्तरण
(1)	(a)
धारा 15.	उपधारा (1) में, "राज्य सरकार" के प्रति
	 (i) "इस ग्रधिंगियम" के प्रति निर्देश का यह भ्रथं लगाया जायेगा कि वह "न्यूनतम मजयूरी भ्रधिनियम" के प्रति निर्देश है।
	(ii) "नियोजक या प्रस्य व्यक्ति की, जो धारा 3 के प्रधान मजदूरी के सदाय के लिये उत्तरदायी है" गर्दो भीर भंको के स्थान पर "नियोजक की" शब्द रखे आयेगे। उपधारा (3) के परन्तुक के खण्ड (ख) में "वह व्यक्ति, जो मजदूरी के सदाय के लिए उत्तरदायी था," गब्दो के स्थान पर "नियाजक" शब्द रखा जाएगा।
	(iii) "जिसका ऐसा नियोजक या प्रन्य व्यक्ति इस श्रिविनयम के श्रश्चीन दायी है" गब्दों के स्थान ५२ "जिसका ऐसा नियोजक इस अधिनियम के अधीम दायी है" शब्द रखें आएंगे। उपधारा (4) का लोप किया जायेगा।
ारा 16.	"घारा 5 द्वारा नियत दिन के पश्चात्" णड्यो कौर क्रोक के स्थान पर "नियत सारीख के पश्चात्" णब्द रखे आएंगे।

1	2
धारा 17 .	उपद्यारा (1) में, "या उपद्यारा (4)" अभिम्यक्ति का लेप किया जायना भीर 'नियोजक या भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, जो धारा 3 के भ्रधीन मजदूरों के संदाय के लिए उत्तरदायी हैं," शब्दी श्रीर अक के स्थान पर "नियोजक द्वारा" के शब्द रखें जाएंगे तथा सपूर्ण खण्ड (ग) का लीप किया आएगा। उपद्यारा (2) में, "या उपधारा (4)" अभिम्यजित का लीप निया जायेगा।
धारा 17क.	जभधारा (1) में, "या ग्रन्य व्यक्ति जो धारा 3 के भ्रष्टीन सफ्टूरी के संदाय के लिए उत्तरवायी है" भीर "या भ्रन्य व्यक्ति की" शब्दों भीर भ्रक्ष का लीप किया जायेगा तथा "नियोजक या अन्य व्यक्ति की, जो मजदूरी के संदाय के लिए उत्तरवायी है," "शब्दों के स्थान पर "नियोजक को" शब्द रखे जाएगे।
षारा 18.	
घारा 26का उतना भाग जी	"राज्य सरकार" के प्रति निर्देशका यह ग्रर्य

घारा 26 का उतना भाग जो "राज्य सरकार" के प्रति निर्वेश का यह झर्य पूर्वोक्त घाराओं से संबक्षित है। लगाया जायेगा कि वह "केन्द्रीय सरकार" के प्रति निर्वेश है।

> [सं॰ एस 31013/9/82-डब्स्यू>सी॰ (पी डब्स्यू)] एम॰ एस॰ मेहता, ग्रवर मचिव

New Delhi, the 13th January, 1983

S.O. 673—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 22F of the Minimum Wages Act, 1948 (11 of 1948), the Central Government hereby directs that the provisions of the Payment of Wages Act, 1936 (4 of 1936) specified in column (1) of the Schedule below shall apply to claims arising out of deductions from or delay in payment of wages payable to employees in the scheduled employments mentioned in Part 2 of the Schedule of the Minimum Wages Act aforesald for which the Central Government is the appropriate Government (not being employees in respect of whose wages the Payment of Wages Act, 1936, is already applicable), subject to the modifications, if any, specified in the corresponding entry in column (2) of the Schedule below:—

SCHEDULE

Provisions of the Payment of Wages Act, 1936	Modification
(1)	(2)
Section 15	In sub-section (1), reference to the "Stat Government" shall be construed as a reference to the "Central Government". In sub-section (2), reference to "this Act shall be construed as reference to "the Minimum Wages Act, 1948 or the rule made thereunder." In sub-section (3):—

2

- (1) reference to "this Act" shall be construed as reference to "the Minimum Wages Act".
- (ii) the words and figure "or other person responsible for the payment of wages under section 3" shall be ornitted. In the proviso to sub-section (3), in clause (b), for the words "person responsible for the payment of the wages" the words "employer" shall be substituted;
- (iii) for the words "to which such employer or other person is liable under this Act," the words "to which such employer is liable under this Act" shall be substituted; sub-section (4) shall be omitted.

Section 16

For the words and figure "after the day fixed by section 5", the words "after the due date" shall be substituted.

Section 17

In sub-section (1), the expression "or subsection (4)" and "or other person responsible for the payment of wages under section 3" and the whole of clause (c) shall be omitted.

In sub-section (2), the expression "or sub section (4)" shall be omitted.

Section 17A.

In sub-section (1), the words and figure "or other person responsible for the payment of wages under section 3" "or other person" and "or other person responsible for the payment of wages" shall be omitted.

Section 18
So much of section 26 as rolates to the sections aforesaid.

Reference to the "State Government" shall be construed as reference to the "Central Government".

[No. S.31012/9/82 WC(PW)] M. I. MEHTA, Under Secv.

New Delhi, the 10th January, 1983

S.O. 674.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Bombay, in the industrial dispute between the employers in relation to the Punjab & Sind Bank, Maharashtra, and their workmen, which was received by the Central Government on the 1-1-1983.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

PRESENT:

Justice M. D. Kambli Esqr., Presiding Officer

Reference No. CGIT-26 of 1981

PARTIES:

Employers in relation to Punjab & Sind Bank, Bombay, AND

Their Workmen

APPEARANCES:

For the employer.-Mr. D. O. Sanghvi, Advocate.

For Punjab & Sind Bank Employees' Union.—Mr. S. S. Bali, President.

INDUSTRY : Banking

STATE: Maharashtra

Bombay, the 30th November, 1982

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by order No. L-12011/28/81-D. II(A) dated 13th November, 1981 in exercise of the powers conferred by clause (d) of subsection (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, have referred to this Tribunal for adjudication an industrial dispute between the employers in relation to the management of Punjab & Sind Bank, Bombay, and their workmen in respect of the matters specified in the schedule mentioned below:—

SCHEDULE

'Whether the action of the management of Punjab & Sind Bank in relation to their Kalbadevi Branch in over-looking the seniority of a large number of clerks in selecting Operators in accounting machines installed in their Kalbadevi Branch is justified? If not, to what relief the senior clerks who were not selected are entitled to?"

2. The Punjab & Sind Bank (hereinafter referred to as the "Bank") has its head office in New Delhi. It has its branches throughout the country. Eighteen of its branches are in the State of Maharashtia, out of which 12 are in the city of Bombay. The Kalbadevi branch is one of the branches of the Bank in the city of Bombay. The Bank is engaged in the banking business activity. The Bank employs about 400 clerical and non-clerical subordinate workmen in the State of Maharashtra, of these, at the relevant time, about 315 were employed in Bombay. It is alleged by the Punjab & Sind Bank Employees' Union (hereinafter referred to as the "Union") in the statement of claim, that the terms and conditions of service, including those relating to the entitlement and payment of special allowance, in the Bank are those contained in the settlement dated 31st October, 1979, between the managements of certain Banks, including this Bank and their workmen respectively, read with earlier awards and settlements. Referring to certain provisions in the settlement dated 31st October, 1979, the Union alleged in its statement of claim that for many years till the beginning of the year 1979 it was the practice followed by the Bank that whenever any Bank en ployee at any of its branch effices was to be entitled to any special allowance, the seniormost of the employees at the branch was posted to do the job which entitled him to be paid a special allowance for the job. This was in view of the fact that the job to which the workman was posted required additional experience and handling of additional responsibility over and above the performance of the job in a normal manner. It was alleged that this was the practice whenever a workman was required to operate a machine entitling him to receive the special allowance payable to an accounting machine operator. This practice, it was stated, was in kerping with a similar practice by other Banks as far as jobs entitling Bank workmen to receive special allowance were concerned.

3. It is aliged by the Union that sometime in March 1979, the Bank installed two accounting machines at its Kalbadevi branch office but contrary to the practice referred to above and notwithstanding that a senior workman was given training to operate the accounting machines the Bank appointed two of its juniormost workmen at the branch, one of them a typist, to operate the machines. According to the Union, the Bank thus by passed the legitimate claims of the seniormost workmen of the Bank at the said branch, causing them monetary loss as well as loss of standing among other workmen and causing heartburning. The Union took up this matter with the Bank by its letter dated 15-3-1979.

Bank did not replace the junior workmen by appointing in their place the senior most workmen as requested by the Union. The Union, therefore, took up the matter in conciliation on the basis of their said letter. In the course of the discussions which tollowed the Bank agreed with the Umon that the Bank would accede to the request of the Union as conveyed in their said letter. The dispute, therefore, was not pursued. This was sometime in April, 1980. In the month of June, 1980, the Bank installed a third accounting machine at the said Kalbadevi branch and placed one of the senior most workmen to operate the machine. The Bank, however, did not replace the junior workmen appointed to work on the two accounting machines earlier. In January, 1981, therefore, the Union again approached the Regional Labour Commissioner(C) to take up the dispute in conciliation. In the meanwhile, the Bank issued its circular dated 21-1-1981, on the subject of criteria for the grant of special allowance, accepting recognition in writing of seniority, for the purposes of entitlement to appointments to posts for which spe coal allowances was payable. However, as the Bank was non agreable to appoint the seniormost workmen to operate the two accounting machines installed earlier and to compensate those seniormost workmen for their non-placement in the posts, the Asstt. Labour Commissioner(C) submitted a failure report to the Central Government which has ultimately led to the present reference.

4. It is stated by the Union that there was no separate pay scale in the Bank for accounting machine operators; if a clerical employee is required to perform the duties of an accounting machine operator he is to be paid a special allowance to compensate for the performance of these duties. It is alleged that at the material time the special allowance to be so paid to an accounting machine operator was sufhciently high and a part of this allowance ranked as basic pay for the purposes of provident fund and superannuation benefits. It is submitted by the Union in its statement of claim that it was the established practice of the Bank that whenever workmen were required to perform the duties in posts entitling them to receive a special allowance, these posts were given to the seniormost workmen of the particular branch where the posts were available. This practice, it was alleged, was followed by the Bank in respect of the accounting machines when installed at its Fort branch and at its Masjid Bunder branch. This practice, according to the Union, was followed by the Bank in case of the subordinate workmen throughout its establishments all over the country. However, this practice was contravened when the appointed two of the juniormo t workmen to operate the accounting machines installed at the Kalbadevi branch in March, 1979. The Union, therefore, submitted that the action of the Bank in bypassing the claims of the seniormost workmen of the Bank to be placed to operate the machines installed at Kalbadevi oranch in March, 1979, or thereabout is not justified and is an unfair labour practice giving rice to heartburning, discrimination and favouritism, etc. Union submitted that this Tribenal be pleased to hold accordingly. The Union, therefore, praved that the workmen who are entitled to the relief should immediately be posted to operate on the two machines on which junior workmen are presently placed and secondly the seniormost workmen concerned should be compensated by a suitable payment against loss caused to them, since March, 1979.

5. The Bank by its written statement dated 31-12-1981 and 21-5-1982 pleaded as follows. None of the settlements or awards laid down anywhere as to how, when the machines are introduced for the first time, persons who are esked to operate such machines are to be appointed. There is no practice followed by the Bank as alleged in the statement of claim. The Bank is not aware that there is such a practice followed by other Banks. So far as the machines installed in the Kalbadevi branch the Bank pleaded as follows. The assignment of work being a management function, the Bank a staned the work of operating calculating machines of the said branch to two of its workmen thinking that they would be able to operate, the machines. After assignment of such work the said workshen were paid special allowance for operating the said machines as the prescribed in different Book Tribunal, award, and Binariic Settlements between the Bank and the workman. The assignment of work in this case does not amount to promotion. The Bank denied that appointing the general workmen to work on the machines constituted an unfair labour practices. The Bank denied that

there was any agreement or settlement with the Union on this subject matter at any time. The Bank alleged that en its own the Bank issued the circular dated 21-1-1981 and thereafter the work on the accounting machines introduced at kalbadevi branch was given to seniormost workman. According to the Bank, they having given the said work to two seniormost workmen the dispute contained in this reference did not survive. The bank denied the claim of the Union that the seniormost workmen who were not given the job of operating the machines were entitled to be compensated for their non-placement in the posts. The Bank denied that there was any practice of giving work only to a seniormost workman as alleged by the Union. The Bank, therefore, pleaded that none of the workmen are entitled to any of the reliefs claimed by the Union.

6. The question that arises for my consideration in this reference is whether the action of the management of the Bank in over-looking the seniority of a large number clerks i selecting operators in accounting machines in their kalbadevi branch is justified. These two machines were installed in Kalbadevi branch in March, 1979. It is the claim of the Union that the workmen who were appointed to work on these two machines were not the seniormost. The Junior workmen were apointed to operate the machines and they were paid substantial special allowance in the sum of Rs. 134. On behalf of the Union, Mr. S. S. Bali, who is the President of the Union has been examined. He is the only person to be examined for the Union. No any oral evidence has been adduced on behalf of the Bank. Both the sides have relied upon certain documents. It is the claim of the Union that it is a practice in this Bank as well as in the entire Banking industry to post the seniormost clerk on a job which attracted higher quantum of special allowance. It is also the claim of the Union that many years till the beginning of the year 1979, it was the practice followed by this Bank that whenever any Bank employee at any of its branch offices was to be entitled to any special allowance, seniormost of the employees at the branch was posted to do the job which entitled him to be paid a special allowance for the job. Mr. Sanghvi, the learned counsel for the Bank, strenuously submitted that this alleged practice in the entire Banking industry or in this Bank has not been established by the evidence adduced by the Union. According to Mr. Sanghvi, a party alleging a custom or practice must prove that allegation by cogent evidence that such a custom or practice existed for a very long time without any break. Referring to the various awards like Sastry and Desai Awards and also various Bi-partite Settlements, Mr. Sanghyl submitted that all that these awards and settlements provided was that a workmen entrusted with a special job or responsibility involving more experience or knowledge should be provided with a special allowance. According to Mr. Sanghvi these awards and bi-parties settlements do not provide that the seniormost workman should be appointed to the posts carrying special allowance.

7. Now, coming to the documentary and oral evidence adduced by the Union, it may be conceded that such a long standing practice or custom of appointing a seniormost workman to a post carrying a special allowance has not been established. Mr. Sanghvi pointed out that Mr. S. S. Bali (UW -1 joined the employer-Bank in 1971. He first worked at Amritsar branch and then at Kairon branch, then at Jammu branch and then he was transferred to Bombay where he worked in Koliwada branch before he was transferred to Kalbadevi branch. Mr. Bali admitted that hefora 1971 he was not working anywhere. Mr. Sanghvi, therefore, submitted that the knowledge of the witness about the alleged practice or custom extends to only this Bank and that too from 1971. Mr. Bali was asked a question in his cross-examination whether he had personal knowledge about the working of other Banks. His reply was :---

"As I am an office bearer of the Union of this Bank I have the occasion of meeting with the employees of the other Banks. And I came to know from them about the working of those Banks."

Mr. Bali has not given any instances of the appointments of seniormost workmen in other Banks to the posts carrying special allowance. The Union has also not examined any other person from any other Bank. It can, therefore, be said that the Union has not proved what the practice or custom exists in this behalf in other Banks. Now so far as the appointments in the employer-Bank is concerned it must be said that the knowledge of Mr. Bali extends to the period after 1971. It cannot, therefore be said that he has extantionally approximately also be said that he has extantionally approximately approxim

blished a long standing practice or custom as alleged so far as this Bank is concerned. However the matter does not rest there. There is enough material on record to show that this Bank follows the healthy practice of granting special allowance to the seniormost workmen. The Union has produced a letter dated 20-12-1979 (exhibit U-4). The Sub-Manager of the Bank has addressed that letter to the Sub-Manager of Bhavnagar branch. It appears, that the Sub-Manager's office wanted to sanction the Daltari allowance to one proof, Rajinder Singh. A proposal was made accordingly. The reply to this proposal by Dy. General Manager's office was as follows:—

"In this context, we are to inform you that the Daftari Allowance cannot be sanctioned to the abovenamed, as it is sanctioned to the Seniormost peons working at a branch, so you are advised to stop taking the duties of the daftari from the abovenamed."

8. The Union has then produced a letter dated 9-7-1980 (exhibit U-3). It is a letter written by the Union to the Assit. General Manager of the Bank. It apears from the letter that there were discussions between the Union and the Bank in regard to various issues and problems of the workmen. The Union wanted to put down in this letter the understanding emerged in respect of certain issues, by way of confirmation. One of the statements made in this letter is in respect of special adlowance. The Union wanted to allege that as a result of the understanding arrived at between the parties, city seniority was to be the sole criterian for grant of any type of special allowance to a workman. The Union relied upon this letter to show that the principle of seniority was recognised in the discussion held between the parties. Both the Bank and the Union have produced a circular dated 21-1-1981 issued by the Bank to all its branches? It is in respect of criteria for grant of special allowance admissible to tellers/accounting machine operators. That circular (exhibit E-1—exhibit U-2) provides that special allowance to tellers/accounting machine operators will be on the basis of city seniority.

9. In his oral evidence, Mr. Bali (UW-1) has stated that whenever machines were introduced at Kalbadevi branch of the Bank except the two cases which are the subject matter of this reference the Bank appointed seniormost workmen to operate on these machines. It would appear from the evidence of Mr. Bali that in May, 1980, a seriormost workman was appointed to operate the machine installed in Opera House branch. In 1979 a seriormost workman was appointed to operate the machine installed at Masjid Bunder branch. His evidence further shows that in January, 1979 that is two months before two machines were installed at Kalbadevi branch, a machine was installed at the Fort branch and a seniormost workman was appointed to work on the machine. It appears that after two junior workmen were posted to operate on the two machines installed at Kalbadevi branch in March, 1979, there was an exchange of letters between the Bank and the Union. So when the third machine was installed in that branch in June 1980 the seniormost workman viz., Mr. S. S. Bali himself was appointed to do the work on that machine.

10. Now, there is no dispute that the two persons appointed to work on the two machines installed in Kalbadevi branch in March, 1979, were not the seniormost workmen. It is also not disputed on behalf of the Bank, that whenever machines were installed in the other branches viz., the branches at Opera House, Musjid Bunder and Fort, seniormost workmen in that branches were employed. It is important to note that these appointments were made before the Bank issued its circular dated 21-1-1981 (exhibit F-1) laying down that special allowance to machine operators will be on the basis of city seniority. It is true that in this circular seniority was to be reckoned on the basis of city seniority and not on the basis of seniority in the branch. This principle of seniority was recognised in the said circular. But, all the above appointments in the various branches appointing reniormost workmen were made before this circular was issued. This principle of seniority was however not followed when the two machines are was however not followed when the two machnes were introduced at Kalbadevi branch in 1980 Even though the Union has not addited evidence to establish the custom or practice of appointing senformost workmen to the post carrying special ollowance in other Banks or even in this Bank, one 1196 GI 82-6

thing is clear that this Bank recognised the principle of appointing sneiormost workmen to work on the machines except in the case of two machine in talled at Kalbadevi branch. It is true that in the awards or bi-parate settlements there is no provision expressly directing that the appointments to the posis carrying special alloawnce should be made by appointing seniorinest workingen to those posts. However, it would clearly be unjust and unfair not to appoint the seniormost workmen to the posts carrying substantial special allowance. It is not the case of the Bank that the two junior workmen appointed to work on the machines at kalbadevi branch were more suitable in some respects than the seniormost available workmen. Even though, therefore, the Union has not adduced evidence to prove long standing custom or practice and even though there is no express provision in the awards or bi-partne settlements enjoining that a seniormost workman should be appointed to a job carrying special allowance, the action of the Bank in appointing junior workmen to the jobs carrying special allowance can be said to be clearly unjust and unfair. I would, therefore, hold that the action of the management of the Bank in over-looking the seniority of a large number of clerks while selecting opera-tors in accounting machines installed in their Kalbadevi branch is not justified.

11. The next question is as to the relief the senior clerks who were not selected are entitled to. Now, I am not called upon to decide in this reserence who are the two seniormost clerks who should have been posted to operate the accounting machines installed in Kalbadevi branch, Mr. Bali has given the names of the seniormost clerks in Kalbadevi branch. He stated that he was the seniormost workman to be first appointed to work on one of the two machines. S. S. Kaluti was the next seniormost workman and T. S. Shug was the third seniormost workman. In the absence of all clerks to contest that statement before me, if they so desired, I do not think it will be proper on my part to name the seniormost clerks for being appointed to work on the two machines. I would, therefore, say that the management should immediately appoint the two seniormost workmen as operators to operate the two machines installed at Kalbadevi branch, on the publication of this award. The second relief which is claimed by the Union is that since March, 1979, the seniormost workmen concerned who were not appointed to operate the machines should be compensated by a suitable. payment against the loss caused to them (see para 27 of the statement of claim). I am not inclined to grant this relief. I have pointed out in the foregoing discussions that the Union has not established any practice or custom in the Banking industry or in this Bank enjoining upon the management to appoint the seniermost workmen. No any agreement or settlement or award has been placed before me chowing that seniormost workmen were entitled as of right, to appointed as operators on the accounting machines. I have however, held that the Bank should have as a matter justice and fair-play to its workmen employed the two tenior-most workmen, in preference to the junior workmen employed to orerate on the machines. I would, therefore, refuse the relief of compensation to the two seniormost workmen from March 1979, as claimed by the Union.

12. In the result, I answer this reference by holding that the management of the Bank in relation to their Kalbadevi hanch chould immediately arrange to place the seniormost workmen on the two accounting machines on which junior workmen are presently placed. The seniormost workmen to be apopinted on these machines will not be entitled to any compensation for the past period. When appointed they will be entitled to the special allowance from the date of their appointment. No order as to costs.

13. My award accordingly.

[No. L-12011(28)81-D.II(A)] N. D. KAMBLI, Presiding Officer

S.O. 675.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Bombay, in the industrial dispute between the employers in relation to the Allahabad Bank, Maharashtra, and their workmen, which was received by the Central Government on the 1st January, 1983.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL No. 1 AT BOMBAY

PRESENT

Justice M. D. Kambli Esqr.,

Presiding Officer

Reference No. CGIT-5 of 1981

PARTIES:

Employers in relation to Allahabad Bank.

AND

Their Workmen

APPEARANCES:

For the employer.--Mr. N. M. Soonawalla, Officer

For Eastern Maharashtra Bank Employees' Association.—
No appearance.

INDUSTRY:

Banking

STATE:

Maharashtra

Bombay, the 30th November, 1982

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by order No. L-12011(81)/79-D. II. A. dated 24th March, 1981, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred to this Tribunal for adjudication an industrial dispute between the employers in relation to the management of Allahabad Bank and their workman in respect of the matters specified in the schedule mentioned below:—

SCHEDULE

"Whether the management of Allahabad Bank is justified in denying continuation in job to S/Shri C. L. Indurkar and S. B. Singh Rathod, Cash Clerks against permanent vacancies particularly when they were selected by the management of Bank in accordance with their usual procedure? If not, what relief they are entitled to?"

2. The workman, C. L. Indurkar, was appointed on 1-2-1973 and he continued to work till 23-6-1979. During this period he worked for a short duration from time to time. Similarly, the workman, S. B. Singh Rathod, was appointed on 26-7-1974 and continued to work till 3-2-1979. He also worked in various branch offices of the Bank from time to time for short duration under the instructions given by the concerned authorities. It is alleged in the statement of claim filed by these workmen that the employee; of the Bank are required to pass the prescribed test and the persons who are successful in such test are empanelled for future appointment. These two workmen were allowed by the Bank to appear for the prescribed test and were declared successful. It was, therefore, incumbert upon the Bank to appoint these workmen before it considered the appointment of other persons. It is further stated in the statement of claim that after passing the prescribed test held in November, 1974, the said workmen were interviewed by the competent selection committee, and were declared as eligible for future appointment. The names of these workmen appeared in 'B' list contained the names of the approved candidates who were departmental candidates, selected on compliance of all formalities. It is complained in the statement of claim that the Bank did not appoint these two workmen in the available vacancies. It is stated that the Bank has appointed new persons ignoring the claim of these two workmen. It was alleged that the Bank did not comply with the provisions of the Bi-partite Settlement. It is stated that these workmen were entitled to appointment in the services of the Bank from the date of their selection in 1975. They, therefore, prayed that this Tribunal be pleased to pass an award in their favour with a direction to the Bank to appoint them in the services of the Bank from the date of their empanelment, with all benefits regarding wages and continuity service, etc.

- 3. The Bank by its written statement dated 18-6-1981 pleaded as follows. The reference is not maintainable; that the dispute involved in the reference is not an industrial dispute under Section 2(k) of the Industrial Disputes Act. The reference is bad by estoppel, acquisance and waiver. The mere fact that the names of the workmen appeared in the panel did not give them a right for employment against permanent vacancies. It was pleaded that permanent vacancies are filled in by appointment of persons from "selection list" only as and when such vacancies arise. It was also pleaded that Regional Banking Service Recruitment Boards came into existence in 1979 and the Central Government usurped the power of the Bank in the matter of recruitment and appointment in the clerical cadre. The panels prepared by the Bank earlier were valid upto 30th June, 1979. It was stated that upto that date no suitable or appropriate vacancies arose so that these two workmen could be appointed in permanent vacancies. It was pleaded that in view of the Government orders, the question of continuation in employment of these two workmen beyond 30th June, 1979, did not arise. The Bank, therefore, prayed that the workmen were not entitled to the relief claimed.
- 4. The reference was fixed for hearing on many dates. The representative of the Association or the workmen were found to be absent on many such dates. Now, on 6-11-1982, Eastern Maharashtra Bank Employees' Association, which is a party to this reference informed .——
 - "The Management of Allahabad Bank and the All India Allahabad Bank Employees' Coordination Committee entered into an agreement under Section 18 of the I.D. Act read with Rule 58 of I.D. (Central) Rules on 13-5-1982 regarding absorption in permanent Employment of employees who have worked in subordinate or non-subordinate cadre in temporary service for considerable long period. Management of Allahabad Bank agreed to absorb both Indurkar and Rathod to absorb in the services and accordingly they have received communication from the Management."

It was stated in this letter that in view of the above agreement the Association was withdrawing from the case with a request to close further proceedings.

- 5. This letter was received by post. A notice was, therefore, issued to the parties on 19-11-1982 informing them to remain present before the Tribunal. None was, however, present on behalf of the Association. A letter dt. 17-11-1982 was received from the Regional Manager of the Bank on 20-11-1982 which, inter alia, states that in terms of the memorandum of settlement dated 13-5-1982 signed between the Bank and the representatives of All India Allahabad Bank Employees' Co-ordination Committee the workmen were to be absorbed in the Bank's service on fulfilment of certain conditions. In this letter a reference was made to the letter dated 6-11-1982 addressed by the Association to this Tribunal informing the Tribunal that the Association wanted to withdraw from the case. In reply to the said notice of this Tribunal dated 19-11-1982 the representative of the Bank, by name, Mr. N. M. Soonawalla remained present before this Tribunal on 30-11-1982. He has filed an affidavit in which he has stated that the contents of the Bank's letter dated 17-11-1982 were true. As pointed out above the said letter referred to the settlement between the Bank and the representatives of All India Allahabad Bank Employees' Co-ordination Committee. On the basis of these materials, it can be safely said that the parties have arrived at a settlement and the Association does not want to prosecute the claim made for certain reliefs on behalf of the workmen, as the demand in this reference appears to have been satisfied. The reference is, therfore, disposed of as not pressed.
 - 6. My award accordingly. No order as to costs.

M. D. KAMBLI, Presiding Officer. JNo. L-12011(81)/79-DII(A)[

N. K. VERMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1983

कां अा० 676. -- उत्प्रवास मधिनियम 1922 की ारा 3 द्वारा प्रवक्ष शिवसों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री एस० के० विसवास, मनुभाग धिकारीं, श्रम धीर पुनर्वास मंत्रालय (श्रम विभाग) को 30 विसम्बर, 1982 के पूर्वान्ह से उक्षवासी संरक्षी कलकत्ता के रूप में नियुक्त करती है।

> [बीं अजीं अपूल बब्द्यू-11017/1/81-ई अप्स अमाई अजीं अ गणि भूषण, घनर सन्दि

ORDER

New Delhi, the 11th January, 1983

S.O. 676.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Emigration Act, 1922 (7 of 1922), the Central Government hereby appoints Shri S. K. Biswas, Section Officer, Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour) to be the Protector of Emigrants, Calcutta with effect from the forenoon of 30th December, 1982.

]No. DGLW-11017/1/81/EMIG[SHASHI BHUSHAN, Under Secy.

New Delhi, the 7th January, 1983

S.O. 677.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kessurgarh Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, in Area No. 1, Post Office Nawagarh, District Dhanbad, and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th January, 1983.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT.

Shri J. P. Singh, Presiding Officer.

Reference No. 54 of 1982

In the matter of an industrial dispute under S. 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947

PARTIES:

Employers in relation to the management of Kessurgarh Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited, in

Area No. 1, Post Office Nawagarh, District Dhan-bad and their workmen,

APPEARANCES:

On behalf of the employers-Shri B. Joshi, Advocate.

On behalf of the workmen-Shri J. D. Lall Advocate.

STATE: Bihar INDUSTRY: Coal

Dhanbad, the 28th December, 1982 AWARD

This is a reference under S. 10 of the I.D. Act. 1947. The Central Government by its order No. L-20012(56)/82-D. III(A) dated 29th May, 1982 has referred this dispute to this Tribunal for adjudication on the following terms:

SCHEDULE

"Whether the demand of the workmen of Kessurgarh Colliery in Area No. 1 of Messra Bharat Coking Coal Limited, Post Office Nawagarh District Dhanbad for continuance in service of Shri Moti Chamar, Mining Sirdar beyond 12-7-1981 is justified? If so, to what relief is the workmen concerned entitled?"

The concerned workman Shri Moti Chamar has been stopped from work w.e.f. 12-7-81 on the ground that he has superannuated on attaining the age of 60 years. The concerned workman obtained Mining Sirdar's certificate on 12-1-1967 and thereafter he was working in Kessurgarh Colliery as Mining Sirdar. In the Sirdarship certificate the date of birth of the concerned workman is shown to be 31st

December, 1932. According to the date of birth mentioned in that certificate he would be 60 years of age in 1992 but he got a letter from the management dated 27-7-1978 intimating him that he would superannuate from service w.e.f. 28th January, 1979 on attaining the age of 60 years. The concerned workman represented against the proposed superannuation producing Surdarship certificate granted to him under Coal Mines Regulation, 1957 showing his date of birth as 31st December, 1932. The management thereafter was pleased to allow him to continue in service even after the proposed date of superannuation i.e. 21-9-79. But again the management stopped him from work w.e.f. 13-7-1981 on the same ground that he had attained the age of superannuation on 28-1-79. This time the concerned workman and his Union made representation but without any effect. An Industrial dispute was raised resunting into this reference.

The management contended that the date of birth of the concerned workman as recorded in Form B register was 28-1-1919 and so he was served with the notice of superannuation on 27-7-78 intimating that he would be superannuated with effect from 28-1-1979. There was shortage of Overman and Mining Sirdars and therefore the management in suitable cases granted extension of superannuated stail. The concerned workman was willing to served in Mining Industry as Mining Sirdar for a few more years and requested the management to grant him extension. The management considered his request and granted extension of service upto 12-7-1981 and thereafter, finally stopped him from work. According to the management the workman had demanded ascertainment of his age by a Medical Board which could not be accepted.

In this case the management examined MW-1 Shri S. P. Singh, Dy. Personnel Manager of Barora Area No. I. On behalf of the workmen Shri Moti Chamar (WW-1) was examined. There is no other oral evidence. The workman files certain documents. Exis. W-1 is the representation of Moti Chamar dated 12-7-81. Ext. W-2 is a Mining Sirdar's certificate under the Coal Mines Regulation, 1957. There is a photograph pasted on the certificate and this photograph is of the concerned workman, Moti Chamar. This certificate is dated 12-1-1967. This certificate shows that the date of birth of Moti Chamar is 31st December. 1932. Ext. W-3 is a slip issued to Shri Moti Chamar signed by the Superintendent, Kessurgarh Colliery bearing the date 1-2-79. Through this slip Moti Chamar, Mining Sirdar was allowed to resume the duty from second shift on 1-2-79. Ext. W-4 is the letter dated 22-10-81 addressed to Shri Moti Chamar under which a prayer of the concerned workman to get him medically examined for ascertainment of age was rejected.

On behalf of the management a letter dated 27-7-78 has been proved and marked Ext, M. 1. Under this letter notice was served on Moti Chamar to superannuate him w.e.f 28-1-1979 as he would attain the age of 60 years on 27-11-1979. Ext. M-2 is the letter of Moti Chamar addressed to the Manager, Kessurgarh Colliery in which he claimed that his date of birth dated 31-12-1932 as mentioned in Sirdarship certificate is correct. Ext. M-3 is the letter dated 1st February, 1979 signed by the Superintendent Kessurgarh Colliery addressed to the General Manager, Barora Area No. 1. It has been mentioned that as per Form B Register and I.D. Card maintained at Colliery Shri Moti Chamar attained the age of 60 years on 30-1-79. His Sirdarship certificate dated 12-1-67 shows his date of birth as on 31-12-1932. The certificate was valid upto 29-1-82. The Superintendent felt that from his physical appearances he was fit to carry on his duty. It was also mentioned that due to acute shortage of Mining Sirdars in the Colliery he was allowing him to resume his duties as Mining Sirdar w.e.f. 1-2-79. The advice of the General Manager was requested by the Superintendent in the matter mentioned in his letter. Th letter also mentioned that he advised Shri Moti Chamar to obtain his date of birth as per C.M.P.F. record because his date of birth is not available in C.M.P.F. Record maintained in the colliery.

The above is all the evidences adduced in his case. The main problem is to ascertain the correct date of birth Ext. M-3 will show that Form B Register and I.D. Card Register showed the date of birth and on that basis he was asked to superannuate w.e.f. 31-1-79. In this case Form B Register has not been filed nor I.D. Card Register had been filed. The explanation has been given by MW-1 Shri S. P. Singh,

His evidence is that the Original Form B Register was deposited with the Director General of Mines Safety in connection with a court of enquiry relating to Mining disaster of Kessurgarh Colliery. He has further said that the same is not traceable now inspite of search and so it has not been filed. He has said nothing about C.M.P.F. Register or I.D. Card Register. In his cross-examination he has admitted that there are papers to show that Form B Register has been seized by the D.G.M.S. and that letter of seizure has not been produced. I have already mentioned that with regard C.M.P.F. Register the Superintendent of the Colliery in his letter Ext. M-3 has said that the date of birth of the concerned workman was not available in C.M.P.F. record. It is significant to note that neither Form B Register nor I.D. Card Register and C.M.P.F. register has been produced to show that the date of birth mentioned in those documents was 28-1-1919. On the other hand the concerned workman has produced Sirdarship certificate showing the date of birth to be 31-12-1932. In the cross-examination of MW-1 it has been ascertained that before the workman has to sit for Sirdarship examination he has to fill up the form mentioning all parti-culars including his date of birth. MW-1 had occasion to take some of the workmen to the colliery with the filled up form for the signature of the Colliery Manager which is forwarded to the Mines Officer. It means that in the Certificate Ext. W-2 the age mentioned would be on the basis of the Form duly certified by the Colliery Manager. Necessary conclusion is that the age mentioned in the Form would be the same as available in the colliery records. It has been argued before me on behalf of the workmen that the non-production of Form B Register, and other related registers would go to show that the management has concealed the age concerned workman. It is also been contended that Ext. W-2 shows the date of birth of the concerned workman and this should be regarded as satisfactory evidence of age.

In view of above the age mentioned in the Sirdarship certificate (Ext. W-2) that the concerned workman was born on 31-12-1932 is the only document acceptable for assessing the correct age of the concerned workman. On the basis of this document the concerned workman attains of 60 years of age on 31-12-1992. It has been admitted that obysically he is capable of performing the duties of Mining Sirdur. So this fact is also in favour of the concerned workman,

Thus considering all evidences in this case I have to hold that the demand of the workmen of Kessurgarh Colliery in Area No 1 of Messus Bharat Coking Coal Limited, Post Office Nawagarh, District Dhanbad for continuance in service of Shri Moti Chamar, Mining Sirdar beyond 12-7-1981 is justified. He is therefore, entitled to be reinstated with effect from 13-7-1981 with continuity of service and he is also entitled to wages and other emoluments for the idle period.

· This is my Award.

J. P. SINGH, Presiding Officer [No. I.-20012(56)/82-D.III(A)]
A. V. S. SARMA, Desk Officer.

गई दिल्ली, 12 अनगरी, 1983

काल्जाल 678.— भौषोगिक विवाद (केन्द्रीय) नियम, 1957 का भीर संजीधन करने के लिये नियमों का निम्निलिखित प्रारूप जिन्हें केन्द्रीय सरकार, भौषोगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 (1947 का 11) की बारा 38 की उपधारा (1) द्वारा प्रथरत प्रवित्तयों का प्रयोग करते हुंए बनाना चाहती है, उकत उपधारा की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाणिस किया जाता है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर इस ग्रिधिनूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारिच से 45 दिस की समाप्ति के प्रकात् विचार किया जाएगा।

2. ऐसे प्राक्षेपय सुझाव पर को इस प्रकार विनिर्विष्ट प्रविध की समाप्ति से पहले उक्त प्रारूप निथमों की बायत किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे केन्द्रीय सरकार विकार करेगी।

प्राक्तप मिरुम

- (1) इन नियमों का सक्षिण्त नाम भीखीनक विशव (केर्ड्स) (संशोधन) निमय, 1983 है।
- (?) बरीधाणिक विजास (केर्जाय) नियम, 1957 के विश्वमान विश्वम 10ख के स्थान पर निमानिश्वित नियम रखा जायेना धर्यात –

".0 था श्राप न्यायालय, श्रीविकारण या राष्ट्रीय श्रीविकारण के समक्ष पत्नीयाहियां (1) किसी श्रीविधायिक विवाद को न्यायिविधाय के लिए शिर्मा श्रीविधायक को लिए श्रीविधायक को लिए श्रीविधायक को लिए श्रीविधायक को लिए सिमा परकार उस प्रवादाय को किसने विवाद एउ। श्रीविधायक के राष्ट्रीय देगी कि वह बाने श्री एक कपन निष्य के साथ गती सुसंगत पत्नीय पह सब्य जिन पर सह विश्वास करना नया साक्षियों की सुसंगत विवाद स्थाप करना नया साक्षियों की सुसंगत होंगी निर्वेश का श्रीवेश प्राप्त होंगी के पत्नीह किन के भातर श्रम न्यायालय श्रीविधायक भीर साम्हीय श्रीविधायक श्रीविधायक श्रीविधायक स्थाप करना की स्थाप स्थाप होंगी स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप श्रीविधायक श्रीविधायक स्थाप स्य

(2) अम स्यायालय, प्रश्लिकरण या राष्ट्रिक प्रश्लिकण द्वारा यह भिमिनिष्णय कर लेने के पण्णात् कि उस पक्षकार ने जिन्हें दिवाद उठारा है, यामे के कनन की प्रशिसा दूनरे पक्षकारों को गेज दी है, यह निर्मण का आवेम प्राप्त होने को तारीख से एक मास के भीतर प्रथम सुन्याई की तारीख नियह करेगा जिस सारीख से प्रवह दिन की अर्थाय के पीतर विरोधी पक्षकार या पक्षकारों द्वारा अपने लिखित कथन फाइल किए जाएंगे जिनके साथ बस्तवें कों, बहु तथ्य जिस पर वें विष्यास बारते हैं तथा तालियों की सुन्नी होगी भीर साथ ही उपकी एक प्रति दूसरे पक्षकार को भेनेगा:

परन्यु जहां यथास्थिति श्रम स्थायात्य, श्रीधकरण को या राष्ट्रीय अधिक सरण को यह पता अन्ता है कि तिवेश देने के बाद भी उस प्राकार ने जिसने कि द उठाए हैं, बाबे के अध्य की प्रति विरोधी पक्षकार या प्रकारों की महा भेजी हैं बहा विरोधी पक्षकार या प्रकारों को अध्य की प्रति मेजी भा निवेश विषय जाएगा नथा उन्ह प्रयोजन के लिए या किसी शन्य प्राप्त हेलुक के लिए श्रम न्यायानय, श्रीधकरण या राष्ट्रीय श्रीधकरण उपनिवेश (1) (2) के अधीन खिलान अधिक सम्बन्ध करने के लिए समय की परिस्थिमा की 15 दिन की श्रीतिश्वन श्रमधि के लिए बढ़ा सकता है।

- (3) बहु पक्षकार, जिसने विश्वाब उठाया है, यदि वह ऐसा करना जारे नो समुचित पक्षकार, या पक्षकारों के निश्वित कथन (कथनो) के लिए उनके द्वारा निश्चित कथनों के फाइस किए जाने के पन्त्रष्ट् दिम के भोशर प्रस्पुस्तर प्रस्तुत कर सकता।
- (4) ययास्थिति, अस स्थायालय, अधिकरण या राष्ट्रीय अधिकरण कथनों, वस्तावेजों साक्षियों की सूची, आधि के प्राप्त होने की सारीख से एक मास के भीतर साक्ष्य के लिए तारीख नियस करेगा जो सामान्यतया, विवास को स्थाय-निर्णयन के लिए निर्वेशित करने की तारीख से साठ दिन के मीतर होगी।
- (5) साहय न्यायासय में या शपथाल पा प्रावितिष्ठित किया आएगा मिन्तु शपथाल की दशा में विरोधी पक्षकार की ऐसे प्रस्तेक अधिकाश को जिसने शाय-पत काइल किया है प्रतिपरीक्षा करने का अधिकार होगा। जैसे ही प्रस्तेक साझी की मीजिक परीक्षा की यार्गवाही अपसर तोती है वैसे ही अस स्थायास्य, प्रधिकारण या राष्ट्रीय अधिकारण जो अधिसाक्य दिया जा रहा था उसके सार था जापन सैवार करेगा। अस स्थायालय, प्रधिकारण या राष्ट्रीय अधिकारण दिया जो प्रतिविद्य अधिकारण स्थायालय, प्रधिकारण या राष्ट्रीय अधिकारण को अभिनाक्य दिया जा रहा था उसके सार था जापन सैवार करेगा। अस स्थायालय, प्रधिकारण या राष्ट्रीय अधिकारण पहिला का प्रदेश अधिकारण विश्व प्रकारण प्रदेश प्रविच्या की प्रावेश को नियम 3 में प्रधिकारण प्रतिवा का अनुसरण कारेगा।
- (6) साक्ष्य पूरा हा जाने पर सकों की सुरावाई तुरात की जाएगी। या सकों/मौक्षिक सुभवाई के लिए सारीख नियत की जाएगी जो साक्ष्य की समाप्ति से पन्द्रह दिन की प्रविधि से परे की महीं होगी।

(7) यथास्थिति, श्रम न्यायासय, प्रक्षिकरणया राष्ट्रीय प्रक्षिकरण सःभा-न्यत्या, एक सन्त्य में स्थान एक सन्ताह की श्रवधि से प्रविक श्रवधि के लिए मंजूर नहीं शरेना किन्तु कि ति भी वक्ता में विनाद प्रवक्तारों के श्रनुरोध पर कल विसायर तीन स्थान से श्रीवक मंजुर नहीं किए आएँगे:

पराजु यथास्थिति ध्रम लायालय, ब्रह्मियारण या राष्ट्रीय व्यक्तिरूरण ऐसे वारणों से जी लेखबढ़ किए जाएंगे विक्ता ऐसे स्वयत की जिसकी अबिष्ट एक राष्ट्राह से बाधिक की है या विवाद के पक्षकारों में से किसी पक्षकार के ब्रह्मोध पर तीन से ब्रह्मिक स्वयत मंजूर कर संक्षेगा।

- (8) यदि काई पत्तकार कियी श्रक्रम पर उपनंजात होने में क्यतिक्रम करना है या श्रतक्रय रहना है तो, यथास्थिति,श्रम नायासय, प्रधिकरण या राष्ट्रीय अधिकरना उस निर्देश पर एकपक्षीय कार्यकर्श करेगा और उस निर्देश/श्रावेदननात्र पर व्यक्तिक्रमी पत्रकार की शनुपरिवर्ति में यिनिक्ष्यय करेगा ।
- (9) श्रम स्थायालय प्राधिकरण या राष्ट्रीय प्रक्षियरण प्रपत्ता अधि-निर्णय, मौक्षिक सुनवाई/तर्जी की तारीख रे। एक मान के भीतर या निर्देश के आवेश में जिल्लाबात प्रवधि के भीतर, इनमें से जो पूर्वतर हो, केन्द्रीय सरवार को प्रस्तुत करेगा।"

[सं॰ एस॰-6501::(i)/8:3-र्धा. 1 (ए)]

ORDER

New Delhi, the 12th January, 1983

- S.O. 678.—'The following draft of rules further to amend the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957, which the Cent.al Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 38 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), is hereby published as required by the said sub-section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft rules will be taken up for consideration after the expiny of 45 days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.
- 2. Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

- (1) These rules may be called the Industrial Disputes (Central) (Amendment) Rules, 1983.
- (2) In the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957, for existing rule 10B, the following rule shall be substituted namely:—
 - "10B: Proceedings before the Labour Court, Tribunal or National Tribunal
- (1) While referring an industrial dispute for adjudication to a Labour Court, Tribunal or National Tribunal, the Central Government shall direct the party raising the dispute to file a statement of claim, complete with relevant documents, list of reliance and witnesses with the Labour Court, Tribunal or National Tribunal, within fifteen days of the receipt of the order of reference and also forward a copy of such statement to each one of the opposite parties involved in the dispute.
- (2) The Labour Court, Tribunal or National Tribunal after ascertaining that copies of statement of claim are furnished to the other side by party raising the dispute shall fix the first hearing on a date not beyond one month from the date of receipt of the order of reference on which day the opposite party or parties shall file their written statement together with documents, list of reliance and witnesses within a period of 15 days and simultaneously forward a copy thereof to the other party.

Provided that where the Labour Court, Tribunal or National Tribunal as the case may be finds that the party raising the dispute though directed did not forward the copy of the statement of claim to the opposite party or parties, the direction to furnish the copy of the statement to the opposite party or parties shall be given und for the said purpose or for any other sufficient cause, the Labour Court, Tribunal or National Tribunal may extend the time limit for filing of the statement either under sub-rule (1) or written statement under sub-rule (2) by additional period of 15 days. The party raising a dispute may submit a rejoinder, if it chooses to do so, to the written statement(s) by the appropriate party or parties within a period of fifteen days from the filing of written statement by the latter.

- (4) The Labour Court. Tribunal or National Tribunal, as the case may be, shall fix a date for evidence within one month from the date of receipt of the statements, documents, list of witnesses, etc., which shall be ordinarily within sixty days of the date on which the dispute was referred for adjudication.
- (5) Evidence shall be recorded either in Court or an affidavit but in the case of affidavit the opposite party shall have the right to cross-examine each of the deponents filing the affidavit. As the oral examination of each witness proceeds, the Labour Court, Tribunal or National Tribunal shall make a memorandum of the substance of what is being deposed. While recording the evidence the Labour Court, Tribunal or National Tribunal shall follow the proceedure laid down in rule 5 of Order XVIII of the First Schedule to the Code of Civil Procedure, 1908.
- (6) On completion of evidence either arguments shall be heard immediately or a date shall be fixed for arguments/ oral hearing which shall not be beyond a period of fifteen days from the close of evidence.
- (7) The Labour Court, Tribunal or National Tribunal, as the case may be, shall not ordinarily grant an adjournment for a period exceeding a week at a time but in any case not more than three adjournments in all at the instance of the parties to the dispute.

Provided that the Labour Court, Tribunal or National Tribunal as the case may be may, for reasons to be recorded in writing, grant an adjournment exceeding a week at a time but in any case not more than three adjournments at the instance of any one of the parties to the dispute.

- (8) In case any party defaults or fails to put in appearance at any stage the Labour Court, Tribunal or National Tribunal as the case may be, may produced with the reference ex-parte and decide the reference application in the absence of the defaulting party.
- (9) The Labour Court, Tribonal or National Tribunal shall submit its award to the Central Government within one month from the date of oral hearing arguments or within the period mentioned n the order of reference whichever is earlier.

[No. S-65012(1)/82-D.I (A)]

कां आ॰ 679.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधाम हो काने पर कि लोकहित में ऐसा करना ध्रेषिस था, ध्रौशोगिक विवाद ध्रिधिनयन, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (इ) के उपबंद (vi) के उपबन्धों के धनुमरण में भारत सरकार के अम मंत्रालय की ध्रिस्म्थम संख्या कां दा० 2538 दिनांक 28 जून ,1982 द्वारा बंक नोट प्रेस, देवास में सेवा को उक्त प्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए 15 जुलाई, 1982 से छः मास की कालाजधि के लिए उपयोगी सेवा बोचित किया था ;

भीर केन्द्रीय सरकार की राय है कि उक्त कालाबाध को छः मास की भीर कालाबाध के लिए बढ़ाया जाना भरेषित है ,

राजस्थान लि॰, सी-49,

मगवासदास जय्पूर ।

ग्रतः ग्रव ग्रीचोगिक विवाद श्रिशिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (इ) के उपखंड (vi) के परन्तुक द्वारा प्रदस्त प्राक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त श्रिधिनियम के प्रयोजनों के लिए 15 जनवरी, 1983 से छः मास की भौर कालाविध के लिए लोक उपयोगी भेवा घायित करनी है।

[सं॰ एस॰-11017/11/81-दी॰-[(ए)] एल॰ के॰ नारायणन, भवर सचिन

S.O. 679.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the netification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S. O. 2538 dated the 28th June, 1982 the Bank Note Press, Dewas to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 15th July, 1982;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of sec. 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act for a further period of six months from the 15th January, 1983.

[No. S-11017(11)/81-D. I. (A)] L. K. NARAYANAN, Under Secy.

भावेश

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 1982

का॰ आ॰ 680:---इससे उपायद मनुसूची में विनिर्दिष्ट मौद्योगिक विवाद श्री रामरज लाल गुप्ता, पीठासीन मधिकारी, भौद्योगिक मधिकरण, जयपुर के समक्ष संवित हैं ;

भीर भी रामरंज लाल गुप्ता की सेवाएं भव उपलब्ध नहीं रहीं हैं ,

मतः, मन्न, केन्द्रीय सरकार, प्रौद्योगिक विवाद प्रक्षितियम, 1947 (1947 का 14) की वारा 33-ख की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 7-क द्वारा प्रवस्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए, एक भौषीिक प्रधिकारण गठित करती है जिसके पीठासीन प्रधिकारी श्री मेहन्द्र भूषण कर्मा होंगे, जिसका मुख्यालय जवपुर में होगा प्रौर उक्त की रामरज लाल गुन्ता, पीठासीन प्रधिकारी, प्रौद्योगिक प्रधिकरण जवपुर के समक्ष लीवत उक्त विवादों से संबंधित कार्यवाहियों को वापस लेती है भौर उसे श्री मेहन्त्र भूषण गर्मा, पीठासीन प्रधिकारी, प्रौद्योगिक प्रधिकरण, जयपुर को इस तिवेग के साथ करती है कि उक्त प्रधिकरण उन के संबंध में कार्यवाहियां उस प्रकम से प्रमुसर होगा जिसपर ये उसे स्थानंतिरत की जाएं सथा विधि के प्रमुसार उन्हें निपटाया जाएणा।

सनुसूची

¥म सं∘	मामला संख्यांक	मधिसूचमा संख्यांक ग्रीर तारीख	पक्षकारों के भाम
1	2	3	4
1- र्स	विद्याईटी-9/72	एल-25011(1)/72 एलमार-IV तारीख 30-9-1972	सीमेन्ट माइन्स कर्मजारी संब बनाम जयपुर उद्योग लि०, सवाई माधीपुर

, 1:	983/MAGHA		[PART II—SEC. 5(II)]
1	2	3	4
2.	सीष्पाईटी-12/72	एल-29011/6/73- एलझार [V तारी ख 19-2-1973	सीमेंट माइस्य कर्मेचारी संव बनाम जयपुर उद्योग लि॰, सवाई माबोपुर।
3.	सीभाईटी-2/80	एल-12012/58/79- की- II ए, तारीख 27-5-1980	प्रोधिशियल प्रेसी हेंट, राजस्थान बैंक एम्प- लाइज यूनियन-ए,- 56, जनता कालोनी, जय- पुर, बनाम महाप्रमन्धक, स्टेट बैंक प्राफ बीकानेर एंड जारपुर, एमएमए स, हाईने, जयपुर।
4.	सीन्धार्षटी-3/80	एल-12011/32/79- श्री• II ए, नारीख 1980	जनरल सेकेटरी, राजस्थान बैंक एम्प्लाहज यूनियन, प्रोविशियल प्राफिनर परवाना भवन, माधोबाय जोधपुर बनाम महा- प्रबंधक, स्टेट बैंक भाफ बीकानर एंड जथपुर, एस एम एस, हाइबे,
5.	सीम्प्राईटी—5/80	एल-12012/159/79 क्षे II ए, तारीख 7-10-1980	- श्री शिव कुमार विरामी सुपुत श्री इंदर मल विरामी पूर्वियों का मोहल्ला पो॰ घो॰ घनाई वाया बरवागल जिला घजमेर बनाम क्षेत्रीय प्रवन्धक, बैक धाफ बड़ौदा, क्षेत्रोय का,यन्य "सी" स्कीम,
6.	सीमाईटी-7/80	एल-41011/10/79- डी॰ II ए, मारीख 9-12-1980	श्रीमती कामला मार्फत श्री एम० पी० शर्मा प्रेजीडेंट पी के मजदूर संघ, कोटा बनाम क्षेत्रीय प्रबन्धक, पीएनबी बी-165 यूनिवर्सिटी मार्ग, जयपुर।
7.	सीभाईटी-1/81 ,	एल-29011/39/80- डो• III बी, तारीख 26-12-1980	सिलिक। सैंड खान भजदूर पूनियन चूंती पो०भी० स्नुमवी राजस्थान ननाम नुंवी सिलिका सैंड सप्लाई कं० पो० भो० कुमव राजस्थान।
8.	सीम्राईटी- 3/8 1	एल-12012/119/78- कीं	अनरल सेकेटरी, राजस्थान वैक एम्प्लाइज यूनियन, परवाना भवन, माघो- आग ओघपुर बनाम महाप्रवस्थक, वैक प्राप्त

1 2	3	4	1 2	3	4
9. सोभाईटी-5/81	एल-12012/207/79 हो. II ए, तारीख 23-?-1981	जनरल सेन्नेटरी, ग्रास इंडिया पीएनबीएस्प- लाइज एसीसिएण ^म , 898- नई सड़क,	17. सी म .ईटी-1 _/ 82 ,	एल-12012/257/ 80-प्री०II (ए) तारीख 19-12-1981	राजस्थान बैंक एस्प ल इत यूनियन, छजमेर बनाम पूनाइटेड कर्मामयत बैंक, जयपुर
		चान्दनी चौक, दिल्ली बनाम क्षेत्रीय प्रबन्धक, पंजाब नेणनल बैंक 105, यूनिवर्सिटी मार्ग,	18. सीमाईटी-2 82	एल-12012/220/ 80-डो॰II (ए) सारोख 19-12-1981	यथोक्त
		बापूनगर, जयपुर।	19. सीव्यार्डटी-3/82	एल-12012/47/	राजस्यान येंक एम्पलाइज
10. सी घाई टी-8/81	एल-40012(7)79- II-बो तारीख 21-5-1981	श्री मौगोलाल सुपुत्नश्री बलराम गांव बलेठी पोस्ट गिरधरपुरा जिला		81-की॰II (ए) तारीख 5-1-1980	यूनियन बनाम मैस्ट्रन बैंक भ्राफ दण्डिया, सोटा।
,		कोटा बनाम उप- मंडल अधिकारी टेली- फोन, कोटा उप मंडल, कोटा राजस्थान ।	20. सीमा र् टी-4 82	एल-12012/270/ 60-को॰ II (ए)	राजस्थान बैंस एम्पलाइज यूनियन, जोवपुर बनाम स्टेट बैंक भाफ बीका- नेर एड जवपुर,
11. सीमाईटी-10/81	एल-29012/11/81- की • III-बी तारीख	खात मजदूर कांग्रेस भीलशादा बनाम पैसर्स			एम० आई० रोड, जयपुर।
	30-6-1981	की०फ्रार० सेठ मूल- चन्द नेगीचन्द (पी) विभिन्नेड, पोस्ट मंडल, भीलवाड़ा ।	21. सीधार्दिश-5/82	एल-29012/22/80- क्री॰ III (बो) सारीख 16-1-1982	राजस्थान स्टैंट माटेइन्स एंड मिनरल लि० कर्म- चारो संघ, बोकानेर बनाम राजस्थान स्टेट
12- सीमाईटी-11/81	78-की∘IIIकी,	राजस्यान स्टेट माइन्स एंड मिनरल कर्मेचारी			माइस्स एंड मिनरल लि०, बीजानेर ।
	तारीखा 11-8 1981	संध खबयपुर बनाम क्षेत्रीय प्रवंधक भीर भाषेकर्त्ता भन्नेसक राजस्थान स्टेट माइन्स एंड मिनरल लिंट,	22. सीमाईटी-6/82	एल-29011/20/ बे॰ III बी, नारीख 5-2-1982	राष्ट्रीय मजदूर संव राम- गंज मंडी बनाम श्री -रुगी भ्रह्मव लाइम- स्टान माइग्म ग्रोनर, कोटा।
,		जिप्सम डिविजन, सादुल कलाब बिर्लिडन, बी	23. सीमाईटी-8/82	एल-41011(7)। 79-डी II बी	पक्ष्त्रि <i>मी।</i> रेलवे कर्मजारी परिषद कोटा बनाम
13. सीमार् ट ि-12/81	81-कीं द्राप्ति बी,	खान मजदूर यूतिथल वियावर अनःम मैसर्स	▼ ,	ता रीखा 29-1-1982	ंबीस्टर्न रेल्डी, बस्बई तथा प्रस्या
<u>-</u>	तारी ख 18-8-1981	सस्य नारायण ्मायुर माईन्स झोतर, वियावर (बजरंग माइन्स)	24. मीभ.ईटी-9/82	एल-29011/45/ 81-डी०III वी तारीखा	जयपुर उद्योग कर्नचारी यूनियन, फालोदी सवाई माधोपुर बनाम मैनेज
14- त्रीकाईटी-13/81	एस 29012/12/ 80-डी III (बी) सारी वा	राजस्थान स्टेट माइन्स एंड मिनरल कर्मनारी संघ, बोकानेर बनाम		23-2-1982	मेंट फाफ जयपुर उद्योग (लं∘ सव।ई माधोपु″।
	18-9-1981	राजस्थान स्टेट माईन्स एंड मिनरल क्ल० उदयपुर ।	25. सीमाईटी-10/82	81-डी॰-[II वी, तःरीख	राष्ट्रीय मजदूर संब, रामगंज मंडी कोट। बनम श्री मोहस्मद
15. सीम्ब इंटी-1 5/81	एल-41012(5) _/ 78-डो-II (बी) तारीक्ष	पश्चिमी रेलवे कर्मचारी परिषय कोटा बनाम बैस्टर्न रेलबे, कोटा ।		26-2-1982	इरकान लाइमस्टोन माइन्स घोतर, सुखत, कोटा।
	9-11-1981	•	26. सीमाईटी-11/82	एल-29011/23 _/ 81 की III की,	राष्ट्रीय मजदूर संघ, शमगंत्री मंडी कीटा
16. सिम्बाईटी-17 81	एल-42012(35)/ 81-बी॰ II-बी तारीख 15-12-1981	श्री गंगा शंकर ब्यास बनाम दूरवर्शन सैंटर, जयपुर		ता रीख 26-2-1982	बनाम ईस्ट सुखत सहकारी ठेका माइन्स उद्योग समिति लि०

1 2	3	4 `	1		3	4
27. मीप्ना ईटी- 12/82	एल-29011/81~ डो॰ III-बी	राष्ट्रीय मञ्जूर संब, राम गंज संबो शोटा	36.		एत-12013/125/ 81-की॰ II (ए)	राजस्थान बैदा एम्पल ईख यूनियन जयपुर यनाम
	तारोच 26-2-1982	बनस्य मीससे घणहर धहमद साहनस्टान	•		तारीखा जुलाई, 1982	मैनेजर्भेट पंजास नेशनला बैक, यूनियमिटी मार्थ, जयपुर ।
		माइन्स ग्रीकि सुविक जिला (कोटा)	37.	·	एल-41011(4)/ 81-डो-11-वा	सेकेटरो परिचयी ^ऐ लवे कर्रचारी परिवद-8-
	एस-43012/4/81- क्री•सी-वी स रीख 26-2-1982	खेतरो कापर मजदूर संब, खेतरी लगर बनाम मैतेजमैंट खेतरी कापर कम्पलेकन हिन्दुस्तान			सारी ख 8-7-1982	सोनी धर्मशाला अजमेर बताम जी० एम० मैस्टर्न रेलपे, भवेंगेट, यम्बर्घ ।
ı		क।पर चि॰, खेररी. नेगर।	38.	सोद्याईटी-24/82	एल-42012(61)/ 80-डो॰ II(बी) तारोख	मैकेटरो, राजस्यान भणु शनिकामेचारी यूनियन राजनमाटा वाया कोटा
29. सीम _ा ईटी 14/82	एल-29011/22/ 81-डी॰ III बी, तारीख 26 2-1982	२.व्ट्रीय मञ्जूर संब रामगंत्र मत्री जिला फोटा बगाम मनेजगैट बैस्ट मुखेत कोन्प्राय-			18-7-1982	क्षाम कन्सद्रक्शन मैनेजर, हैकी वाटर प्रोजेक्ट, घणगनित वाया कोटा ।
N		रेटिश लेबर कस्ट्रैक्टर ति० सखेत जिता- कोटा)।	39.	सीष्ट्राईटी-25/82	एल-12011/10/80- र्षः • II-ए तारी ख	जनरल रीकेटरी न्यू यैंक श्राफ इंडिया एम्पलाईज यूनिया (राज०) रजि-
30. र्स.प्राईट -16/82	एल-41011 11, 81- बे • II- बी, सारीख 26-3-1982	पक्षित्रको रेलके कर्तररे परिषद स्रजभेर, बनाम मैतेनकैट वैस्टर्न रेलके, सन्नमेर।			30-7-1982	स्टर्ड गार्फत स्यू वैक प्राफ इंडिया, एस धाई रीड, जयपुर , बनाम जनरल मेनेजर, स्यु वैक भाफ इंडिया
31- संभाईटे-17/82	एल-12012 244 91-डी• II-ए, तारीख 29-3-1982	भी ग्रामोक कुमार त्रामं सनाम मैनेजमेंट हिन्दू- स्तान कमशियल सैक				लि०, केन्द्रीय कार्याक्षय, टालसटाथ मार्ग, नई दिल्ली ।
na allantelle colon		शिक अप्रपुर ।	40	सीमाईटी-26/82	: एल-12012/273/80 डो∘-IIए	धितस्टैंट जनरन सेकटरी, राज० बैंक एस्पनाईज
32. सीधाईटी-18/82	एल-12012/255/ 80-को • []-ए, तारेख 23-1-1982	राजस्यान बैंक इझानाइज यूनियन जयपुरक्वनास रिवर्नेड स्टेड बेंक आफ सैकानेर एंड जयपुर, जयपुर ।			तारोख 30-7-1982	यूनियन मार्फत मनोहर अनरल रटोर, पास कोतवाली, भरत- पुर राज० बनाम महा- प्रवंधक, यैंक धाष
33 गीघाईटो-19/82	एल-12012/168/ 81-डो॰ II (ए) तारोख	श्री एस० एत० पुरोहिब बनाम मैतेजनॅट स्टेट वैंक भ्राफ बोकानेर एंड		ماده شمسه	T= 19010 144	वाकानेर एण्ड प्रयपुर, जगपुर। जनराज सैक्रेटरी, भाल
	20-4-1982	जयपुर, जयपुर ।	41.	साआहटा-27/82	एत-13012/144/ 79-दी्∘II-ए तारीख	इंडिया पजाब नेशनल वैक एम्पलाईज एसी-
34. सीघाईटो-20/82	2 एल-29011/7/82- डी०III (बी)	मारतीय खान मजदूर संघ उदयपुर बनाम मैनेज मेंट खेतान विजनेस को-प्रापरेटिक (पी) लि०, उदयपुर ।			30-7-1982	पिएशन, 898, सई सड़क, चल्दनी चौफ दिन्ती बनाम क्षेत्रीय प्रजंधक, पंजाब नेणनस बैंक, बी-105, यूनियमिटी मार्ग, बापू क्षार
35. सीमाईटी-21/8:	2 एल-12012/268/ 81-डी॰ II (ए) सारीख 10-6-1982	भाल इंडिया पंजाब नेमनल बैंभ एम्पलाईज एसोसिएशन दिल्ली बनाम मैनेजमेंट पंजाब नेशनल बैंथ, जोक्षपुर ।	42	. सोक् माईटी ~28/8:	2 एस-12012/209/ 84-धी-II(ए)	जयपुर । जनरल सैकेटरी, राजस्थान कैंस एम्पलाईज यूनियन परनामी भवन, मार्घ साग, जोषपुर सनाम

1196 GI/82-7

1		3			hushan Sharma, Presidin with the direction that the
		मङल प्रबंधक, सैन्ट्रल बैक घाफ इंडिया संकल कार्याच्य	said Tribunal	shall proceed with they are transferred t	the proceedings from the out and dispose of the san
		संशाप चन्द्र रोज, ' असपुर :	4	SCHEDU	LE
43 सीक्षाईटा-29/82	TT-138 ! [7]	^{२५3} ं । श्री एम० पी० सोनी	S. No. Case N	lo. Notification No. & Date	Name of the Parties
,,,,,,	स (- जिल्हा) स (- जिल्हा) सर्वाह्य उ-९-1992	सृपुत्र श्री गिरक्षारी लाल सोती, हैग्पर मैना० रैतीडेंट श्राफ वार्ड	1. CIT-9/72	L-25011(1)/72 LR. IV dated 30-9-72	Cement Mines Karam chari Sangh Vs. The Jaipur Udyog Ltd. Sawai Madhopur.
		नं ।, पीस्ट श्राकिम खेतरी नगर, जिला सुनमुन (राजस्थान) बनाम महाप्रजंधक,	2 CIT-12/72	L-29011/6/73 LR. IV dated 19-2-1973.	Cement Mines Karam chari Sangh Vs. The Jaipur Udyog Ltd Sawai Madhopur.
		हिष्युस्तान काषर लि॰, मोतनी शापर लि॰, श्रेतरी भागर काण- लेक्स पोस्ट धाक्स श्रेतरी नगर, जिला मुनसुन।	3. CIT-2/80	L-12012/58/79 D IFA dated 27-5-1980	The Provincial President Rajasthan Bank Employees Union, A-56 Janata Colony, Jaipu Vs. the General Manager, State Bank of Bikaner and Jaipu
4.4 भीमाईटी-30/62 प	एल-12012/311/ 81- ईा∘ारि(ए) नारोध 10-8-1982	सैकेटरी, राजस्थान येक एम्पलाईज युनियन बानसवाडा (पाजस्थान) वेशास सहाप्रबंधक स्टेट सैक आफ बीकानेर एंड जमपुर, एस एम एम हाइबे, अयपुर ।	4. CIT-3/80	L-12011/32/79- D.HA Dated 4-8-1980	SMS Highway, Jaipun The General Secretary Rajasthan Bank Em polyees Union, Provin cial Officer Parv Bhawan, Madhobag Jodhpur Vs. Genera Manager, State Ban of Bikaner and Jaipun
	एल-29011/8/82- धीर (की) नार्राक्ष १-1-1082	भैसर्स जैन भिनरत माईन्स श्रोनरस् एंड मिनरत्स नष्तायसं, ८६ किशत- गढ़ कोठी, जयपुर रोड, धजपेर बनाम जनरत सैजेटरी खान मजबूर यूनियन, टी एल गृ बिस्डिंग स्यावर ।	5. CIT-5/80	L-12012/159/79- D-HA Dated 7-10-1980	SMS Highway, Jaipur Shri Shiv Kumar Viran S/o Shri Inderma Virani, Purwiaon Ka Mohalla P.O. Bhna via Bardagal Distt Ajmer Vs. Regiona Manager, Bank of Baroda, Regional Office 'C' Scheme Jaipur.
S.O. 690Who	ORDER ni, the 12th Nove	rial disputes specified	6. CIT-7/80	L-41011/10/79- D-HA Dated 9-12-1980	Smt. Kamala C/o Shr M.P. Sharma, Presiden PK Mazdoor Sangh Kota Vs. Regiona Manager, PNB B-165 University Marg, Jaipur.
al Gupta, the Pres And whereas, the longer available; Now, therefore, i	siding Officer, Indu e services of Shri n exercise of the	strial Tribunal, Jaipur. Ram Raj Lal Gupta are powers conferred by f section 33B of the	7. CIT- 1/81	129011/39/80- D-IIIB dated 26-12-1980	Silica Sand Khan Maz- door Unior, Bundi P.O. Kumadi Rajas- than Vs. Bundi Silica Sand Supply Co. P.O. Kumad Rajasthan.
dustrial Disputes and thereby constitued of which shaud duarters at Jaiput the said disputes	Act, 1947 (14 of 19 nued an Industrial Il be Shri Mahendr ur and withdraws th pending before the	47), the Central Govern- Tribunal, the Presidingla Bhushan Sharma with the proceedings in relation as said Shri Ram Raj Lalbunal, Jaipur and trans-	8. CIT- ³ /81	L-12012/119/78- D-IIA dated 17-11-1980	The General Secretary Rajasthan Bank Em- ployees Union, Par- wana Bhawan Madho Bagh Jodhpur Vs. The

(1)		(2)	(1)		(2)
		General Manager, Bank of Rajasthan Ltd, C-49 Bhagwan Dass Road Jalpur.	18. CIT-2/82	L-12012/220/80- D.IIA Dated 19-12-1981	-do-
9. CIT-5/81	L-12012/207/79- D IIA dated 23-2-1981	General Secretary, All India PNB Employees Association 898 Nai Sarak Candni Chowk,	19, CIT-3/82	L-12012/47/81- D.IIA dated 6-1-1982	Rajasthan Bank Employees Union vs. Central Bank of India, Kota.
		Delhi Vs. Regional Manager, Punjab Na- tional Bank 105 Uni- versity Marg, Bapu- nagar, Jalpur.	20. CIT-4/82	L-12012/270/80- D.II(A)	Rajasthan Bank, Employees Union, Jodhpur vs. State Bank of Bikaner and Jaipur, M.I. Road, Jaipur.
10. CIT-8/81	L-40012(7)79-IIB dated 21-5-1981	Shri Mangilal S/o Shri Bairam Village Balethi Post Girdharpura Distt Kota Vs. The Sub- Divisional Officer Tele- phices Kota Sub-	21. CIT-5/82	L-29012/22/80- D.III(B) dated 16-1-1982	Rajasthan State Mines & Mineral Ltd. Karam-chari Sangh, Bikaner vs. Rajasthan State Mines & Minerals Ltd. Bikaner.
1i. CIT-10/81	T 20012/11/91	Division, Kota Raias- than.	22. CIT-6/82	L-29011/20/ D.III(B) dated 5-2-1982	Rasthriya Mazdoor Sangh Ramganj Mandi Vs. Shri Munshi Ahmad
11. C11-10/61	L-29012/11/81- D-HIB dated 30-6-1981	Khan Mazdoor Congress Bhilwara Vs. M/s. B.R. Seth Moolchand Nemichand (P) Limi-			Limestone Mines ow- ner Pepakheri, Kota
	ı	ted, Post Mandal, Bhilwara.	23. CIT-8/82	L-410(1(7)/79. D.IIB dated 29-1-1982	Paschimi Railway Karamchari Parisha Kota. Vs. Wester
12. CIT-11/81	L-29011/10/78. D.IIIB Dated 11-8-1981	Rajasthan State Mines & Mineral Karamchari Sangh Udaipur Vs.	24. CIT-9/82	L-29011/45/81-	Railway, Bombay others. Jaipur Udyog Karan
		The Regional Manager & Agent Superintendent Rajasthan State Mines & Mineral Ltd, Gypsum Division, Sadulkalab Building,	24. (11-5/02	D.IIIB dated 23-2-1982	chari Union, Phalo Sawai Madhopur V Management of Jaips Udyog Ltd. Sawa Madhopur.
4	T -0004-010104	Bikaner.	25. CIT-10/82	L-29011/25/81- D-ШВ	Rashtriya Mazdo Sangh, Ramganj Man
13. CIT-12/81	L-29012/10/81- D.IIIB dated 18-8-1981	Khan Mazdoor Union Beawar Vs. M/s. Satya Narain Mathur Mines Owner, Beawar (Baj- rang Mines.)		dated 26-2-1982	Kota Vs. Sh. Mohan mad Irfan Limesto Mines owner, Sukho Kota.
14. CIT-13/81	L-29012(5)/80- D-1II (B) dated 18-9-1981	Raj. State Mines and Minerals Karamchari Sangh, Bikaner Vs. Rajasthan State Mines & Mineral Ltd., Udai- pur.	26. CIT-11/82	L-29011/23/81- D-IIIB dated 26-2-1982	Rashtrlya Mazdoo Sangh, Ramganj Man Kota, Vs. Last Sukh Sahkari Theka Min Udhyog Samiti Lt Kota.
15. CIT-15/81	L-41012(5)/78- D.H(B) dated 9-11-81	Paschami Railway Karamchari Parishad Kota, Vs. Western Railway, Kota.	27. CIT-12/82	L-29011/81- D-III-B dated 26-2-1982	Rashtriya Mazdo Sangh, Ramganj Man Kota Vs. M/s. Azho Ahmad Limesto Mines owners Sukh
16. CIT-17/81	L-42012(35)/81- D.IfB dated 15-12-1981	Shri Ganga Shankar Vyas Vs. Doordarshan Centre, Jaipur.	28. CIT-13/82	L-43012/4/81- D.III-B	Zila (Kota.) Khetri Copper Mazdo Sangh, Khetri Nap
17. CIT-1/82	L-12012/257/80- DII(A) dated 19-12-81	Rajasthan Bank Employees Union Ajmer vs. United Commercial Bank, Jaipur.		dated 26-2-1982	Vs. Manageme Khetri Çopper Con plex Hindustan Copp Ltd., Khetri Nagar.

1) (2)	(3)	(4)	(1) (2)	(3)	(4)
29. CIT-14/82	L-29011/22/81- D.111.B dated 26-2-1982	Rashtriya Mazdoor Sangh, Ramganj Mandi Zila Kota Vs. Manage- ment West Sukhet Coo- perative Labour Con- tractor Ltd. Sukhet (District Kota).	39. CIT 25/82	L-12011/10/80- D.H-A dited 30-7-1982	The General Secretary New Bank of Indi Employees Union (Raj.) Regd., C/o New Bank of India, M.I Road, Jaipur vs. The General Manager,
30. CIT-16/82	L-41011/11/81- D.H(B) 26-3-1982	Pashchimi Railway Karamchari Parishad Ajmer, vs. Manage- ment Western Railway,			New Bank of India Ltd., Central office Tolstosy Marg, New Delhi.
		Ajmer.	40. CIT-26/82		Asstt. General Secretary
31. CIT-17/82	L-12012/244/81- D.II(A) dated 29-3-1982	Shri Ashok Kumar Arya vs. Management Hindusthan Commer- cial Bank Ltd., Jaipur.		II-A dated 30-7-1982	R.j. Bink Employees Union C/o Mihohar Gen. Store, Near Kot- wali, Bharatpur Raj. vs. The General Mana- ger's Bank of Bikaner
32. CIT-18/82	L-12012/255/80- D-II.A	Rajasthan Bank Em- ployees Union Jaipur			& Jaipur, Jaipur.
	dated 23-1-1982	Vs. Management State Bank of Bikaner & Jaipur, Jaipur,	41. CIT-27/82	L-12012/144/79·D. II-A dated 30·7-1982	The General Secretary All India Punjab National Bank Employ
33. CIT-19/82	L-12012/168/81- D-II (A) dated 20-4-1982	Shri S. N. Purohit Vs. Management State Bank of Bikaner & Jaipur, Jaipur.			yees Association 898, Nai Sarak Chandni Chowk Delhi, vs. The Regional Muni- ger Punjab National Bank B-165 Universi-
34. CIT-20/82	L-29011/7/82- D-III(B)	Bhartiya Khan Mazdoor Sangh, Udaipur Vs. Management Khaitan Business Cooperative	40 OVE 00/02	12012/260/94	ty Marg, Bapu Nagar, Jaipur.
35. CIT-21/82	L-12012/268/81-	(P) Ltd. Udaipur. All India Punjab Natio-	42. CIT-28/82	L 12012/269/84- D.Ш(A)	The General Secretary, Rajasthan Bank Em- ployees Union, Parna- mi Bhawan Madho
	D-II (A) dated 10-6-1982	nal Bank Employees Association Delhi Vs. Management Punjab National Bank, Jodh- pur.			Bigh Jodhpur vs. The Divisional Manager, Central Bank of India, Divisional Office Susar Chandra Road Jaipur.
36. CIT-22/82	L-12012/125/81-D II(A) dated July 1982	Rijesthan Bink Employees Union Jaipur vo. Management Pun- jab National Bank, University Marg, Jaipur.	43. CIT-29/82	L-43821(7)/84 D. III(B) dated 3-8-1982	Shri M. P. Soni S/o Shri Girdhari Lal Soni, Helper Mech. resident of ward No. 4, Post Office Khetri Nagar, Distt.Jhunjhunu (Raj.)
37. CIT-23/82	L-41011/(4)/81- D-II-B dated 8-7-1982	Socretary Pashchami Railway Karamchari Parishad-8-Sonl Dha- ramshala Ajmer vs. G. M. Western Rail- way Churchgate, Bombay.		٠,	vs. The General Mana- ger Hindustan Copper Ltd., Cohli Copper Ltd., Khetri Copper Complex Post Office Khetri N gar Distt. Jhunjhunu.
38. CIT-24/82	L-42012(61)/80 - D-II-B dated 18 7-1982.	Secretary, Rajasthan Anushakti Karamchari Union Rawithhata via Kota vs. Construction Manager Heavy Water Project, Anushakti via Kota.	44. CIT-30/82	L-12012/311/81-D. H(A) dated 10-8-1982.	The Sceretary, Rajusthan Bank Employees Union Banswara (Raj) Vs. The General Manager State Bank of Bikaner and Jaipur SMS Highway Jaipur.

--- यथा वस्य---

1	2	3	4
45.		L-29011/8/82- D. III(B) dirted 8-1-982.	M/s Jain Minerals Mines Owners & Minerals suppliers, 86 Kishan- garh Kothi Jaipar Road, Ajmer Vs. General Secretary Khan Mizdoc Union. TLU Building Brawar.
		(N)	. L-11025(4)/82-D. IV(B)]

मादेश

मई दिल्ली, 17 श्रन्तुबर, 1981

का० आ० 681 - इससे उपावक मनुसूर्वा में निशेदिष्ट भीवांगिक विवाद श्री एच० शनमुखप्पा , पाठासीन श्रविकारी, भौद्योगिक अधिकरण, बंगलीर के समक्ष लवित पड़े है;

भीर भी एच० मनमुखप्पा की राजाएं ग्रव उपलब्ध नहीं रहा हैं,

भतः भव केन्द्रीय संरक्षार भौगोतिक विवाद श्रीधनियम, 1947 (1947 का 14) की बारा 33-खा की उन-धारा (1) के साथ पठित धारा एक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक भीवांगिक शिधिकरण गठित करती है, जिसके पीठास्त्रीन अधिकारी श्री वी० एच० उपाध्याय होगे भीर उनका मुख्यालय बंगलीर में हीगा तथा उक्त श्री एक शनमुख्या पीठासीन अधिकारी, स्रीवारिक स्रधिकरण, बंगलीर के समक्ष लंबित पड़े जनत विवादों से सम्बद्ध कार्यवाही की बापस सेती है और उपर्युक्त विवादों

अनुसू ची	
कमांक भादेश की संख्या ग्रीर तारीख	पक्षकारों के नाम
1 3	3
 1 संख्या एल-29011/40/79- एलं भार-4 तारीख 29-9-73 (निर्देश संख्या 4/73 (केन्द्रीय) 2 तंख्या एल-26012/6/73-एल॰ भार-4(ii) तारीख 14-1-74 निर्देश सं० 2/74 (केन्द्रीय) 	मैससं सुगभद्रा मिन रत्स (प्राट) लिंक तारानगर डाकपा सन्दूर बेलरी जिला ने सर्मकार और प्रबन्धतंस भैससं डालिमिशा इटरनेशनल हासपेट की बींक छार एवक प्रायरन ग्रोर साई श्री ग्रारक सनीस्त्रामी ने रेंजिंग कस्ट्रेक्टर के प्रबंध तंस्र भीर उनके कर्मकार के बींच ।
3 संख्या एल-2501:7/6/73- एस० भ्रार-4(1) तारीच 14-1-74 (निर्देश संख्या 2/74 केन्द्रीय)	मैसर्स भासमिया इंटरनेशन हासपेट की बीठ प्रार एष० प्रायरन प्रोर माइं के श्री एम० रमन, रेजिः कस्ट्रेक्टर के प्रबंधतंत्र भी उनके कर्मकारों केटबीच

- अस्या एल-29012/5/74- एल० मैसर्च डालांमवा इटरनेशनल त्रारः 4 मारीख 23-1-74 (निर्देश ्रह्(सर्वेट जिला **बे**लर्गः के प्रथमस्य भीर कर्मकार। न० 4/74 (अन्द्रीम)
- 5 सक्या एल-26013/8/74- ए**ल**० -- यथोक्त -भार० ६ सारीच 21-10-74 (निर्देश सं 5/71 (कें)
- 6. संबंधा एल-26011/11/74-एस० मार**ः** 1 नारी**ख** 25-10-74 (निर्द्रोग मं० 6/74 (के०)
- 7 स**ख्या** एल-26012/4/74-एल० ---मयोकाः -**ब्रार॰** 4 तारीख 15-11-74 (निर्देश स० 7/74 (केन्द्रीय)
- 5 मध्या एल- 16011/8/74-एल मैसमं डालभिया इटरनेशनल भार० ४ मारीख ३१-२-७४ (निर्देश े हामपेट जिला बेनरी न्की स० 1/75 (केम्द्रीय) बी॰ ग्रार॰ एच॰ ग्रायरन भीर माइस के प्रशंबसत भीर कर्मकार ।
- सक्या एल-26012/6/74-एस० भार० 4 भारीख 10-1-75 (निर्वेश म० *३/75* (मे॰) .

--- यथाक्न---

--यथोमन---

- 10 स॰ एल-26011/13/74- एल॰ भार० 4 ई.० ३ वी० भारीख 27-2-75 (निर्देश स॰ 3/75 (帝。)
- 11 स० एल-29011/3/74- एल० पार० 1 हैं।० उनीठ मारीख .36-2-75 (निर्देश स**०** ा/७५ (केनद्वेष)

भारत गाँव्ह मात्म लि॰ झोर पाम के० और० एक के प्रबंधसंख भीर कर्मकार।

12. संड्या एल-29012/75-71-एल० शारः 4 तारीख 3-3-75 (निर्देश मं∘ 5/75 (केन्द्रीय)

भारत गोल्ड माईम लि॰, ग्रार ग्राम, के० जी० एक० का प्रबंधतंत श्रीर कर्मकार।

13. स॰ एस-26013/9/75-डी॰ वर्निः भारीख 13-8-75 (मिर्देश स्० 8/75 (केन्द्रीय)

डालमिया इटरनेशनल हासपेट के (प्रवासनात्र और कार्नकारी के र्याचा)।

11 सं० एस-36012/10/75-डी०4 मी० तारीख 26-8-75 (निर्देश मं 9/75 (कें∍)

डार्लामया इटरनेशन हास**पे**ट े प्रबंधतंत्र और कर्मकार ।

15. सं० एल-12012/इ8/73- झार० सिडीकेट चैंक, मणीपास का एल० 3 नारीख सितम्बर, 1975 (निर्वेण सं० 10/75 (के०)

प्रबंधतंत्र और कर्मकार ।

ь/su (केन्द्रीय)]

7/80 (年0)]

31. सं० एव 29011/59/79-थो० III

(बी०) ना० १६-५-८० [निर्देश सं

		-,
1		3
1 /2	सं० एल -: 9011/3/76-50	केको अस राज्यस्य एक स्ट्रीय
1 13.	[[] (a))	मतन दादा प्राप्तरा एड स्टार मं० लि० माइन डिक्कान
	भारी ख , 17-3-76 [निर्देग म०	नीमुर्ज्या की कोदकस्था भैग-
	ः/76 (केन्द्रीय)]	नेस।इट माइंग का प्रवध-
	779 (12.17)]	संख्न और क्षर्मकार
17.	स्व एल-1.101 1/85/ 7 m ई10	बिजय बैक लि॰, ग्रेनलीर के
	II (ए)	के० जी० एफ० का प्रस्थ
	तारीख 19-8-76 [निर्देश म०	तक्ष क्याँर सर्वकार
	७/७६ (केन्द्रीय)]	
18.	भं० एल-13113/6/70-ई(० IV	भारत गोल्ड भाइंस लि०, के०
	(सी) तारीख 3-9-76 [निर्देश मं०	र्दा० एफ० (प्रअधनंत्र मीर
	7/76 (केन्द्रीय)]	वर र्मक (गों के बीच)
19	म ्एस- 17012/3/76-ईरिल्सी (ए)	नेशनल इन्थ्यारेस कं० लि०
	तारी ब 7-5-76 [निवेश म०	बगर्लीर का प्रवेदसन्त्र और
	3/77 (🕏 0)]	कर्म क ेर
20.	मं∘ मृल-43017/ <i>4</i> /78-की० [{]	मै० भारत गोल्ड माइप राम-
	(वंr) भारीन्त्र 1-7-7९ [निर्देश मण	गिरी, राम गिरी गोल्ड-
	1/78 के०)]	माइंग प्रोजेक्ट का प्रबर्ध
	•	शत क्रीए कर्मकार । इ. इ. इ
.41.	त्र ए ७० 12011/6/78-र्ना० 11	कर्नाटक बैक लिए, बगलीर की
	(ए) सार्रा ख 33-8-78 [निर्देण स०	प्रश्रंधनंत्र ग्रीर कर्मकार
	5/78-(केन्द्रीय)]	
	न् एत-12011/91/78-ई(॰[[ए०	
	नारीखा 21/37/9/78 (निवेंश सं० -	के प्रबंधतम और कर्मफार
	7/78 (कन्द्रीय) म० एस-4513/1/77-की०[V (ए०)	मन्त्रीर हारबर प्रीजेक्ट
.ون	सार्य ः : 34-10-78 [निर्देण सं०	पैनसबुरका प्रवेशनंख ग्रीर
	11/78 (केन्द्रिय)] ः	वर्मकार
<i>"</i> 1	मं० एल- 13012/86/78-र्ने 0 IV	सेत आफ अर्डीदा, बगलोरका
	(ए)सा० 39-11-78 (निर्धेग द०	प्र स्थतस फ्रांट नर्सन्तर
	12/78 (केन्द्रीय)}	
_ 5	म॰ एल-2601 / 1/79-ई ॰ HI	बुद्रेश्ख आयरनश्रीरक्षं० लि⊍
	(बी०) ना० 17-1-80 [निद्यागि	बंगलीर का प्रशंधतता श्रीर
	1/80 (韩。)]	दासेकार ।
; 6.	गं॰ ऐस-260! 1/53/79 पी॰ II	निर्द्धकेट वैफ, मणीपाल का
	(ए०) ना० ७५-४-४० [निर्देश स०	प्रबंधतंत्र श्रीर कार्मकार
	५/so (के∘)]	
<i>-</i> 7.	सं∘ एत-16011/1/79-वे(० III	हारजण्डन आयरन और एउ
	(ৰ্ৰা০) লা০ :১- १-৪৩[निदेण র০	रेड श्राक्साइड माइन्स बैलर्र.
	.√८० (केन्द्रं≀य)]	के टिपान बेरीटस, एस्थे-
		स्टो ज एंड पेट म लि० का
		प्रबंधनत् भीर सम्यार
18.	सं	न्यमिट्या वैकासिङ, यगलौ ङ स _{र्}
	(ए०) सा० ३४-४-८० [निर्देण सं०	पत्तधनल क्यांर कर्मदगर
	ा/ह∪ (के०)]	
39.	40 MA-10011/6/78-5/011	धानीभगाई श्रायरत गार
	(बी०) नाष १४-४४-४४ (२००१)	प्रोजेक्ट एस०एस०बं(०र्स(०
	[निर्देश ग० 5/80 (बेर्न्डिंग्य) V	टार्न(मलाई
30	मं० एत-13917/201/79की जि	प्रसिद्धक बीक सि०, बंगलीर पेत
	(ए०) ना० १४-५-६० (निर्देश म०	प्रचंजपंक्ष स्रीर यार्मकार

भग्नकोट उद्योग लिए, बगल-

श्रीर नर्मकार

कोट, बीजापुर का प्रबंधनंत

		
<u>, 1</u>		3
33.	सं॰ एम-12012/143/79-भी॰[ॉ (ए॰) ता॰ 14-10-80[निर्देश मं॰ 9/80 (के॰)]	सेट्रल बैक श्राफ इंडिया, बगलीर का प्रबंधनंत्र स्रीर वर्मकार
3 3.	स॰एल-12012/103/79-डी॰] [(ए) 15-11-80[निर्देश मं॰ 10/80 (केन्द्रीय)	स्टेट बैत आधः मेसूर, अगसीर हा प्रदेवनेत्र और कमेकार
34	सं॰ एषः 12012/46/80-र्सः। [(ए) ता॰ 20-11-80 [निर्देश सं॰ 11/80 (के॰)]	स्टेट बैंक श्राफ मैसूर, बंगारिर का प्रजयतन्त्र भ्रीर कर्मकार
35.	स॰ एल-1:2011/9/80- डी॰ III (बी॰) ता॰ 29-1-81[निर्देशसं॰ 2/81 (केन्द्रीय)]	कारपोरणनं वैका, तुबर्साका प्रज्ञासनेत्र भौर कार्नकार
36.	सं॰ एल-26012/9/80-डी॰III (बी॰) ता॰ 29-1-81 [निर्वेश सं॰ 2/81 (केन्द्रीय)]	गुद्रेम्ख प्रायरत सीर वर् तिरु, दंगलीर का प्रबंध- तत्र ग्रीर कर्मकर
37.	मं॰ एल 12012/37/80-डी॰ lI (ए॰) ता॰ 23-2-81 (निर्देश सं॰ 3/81 (केन्द्रीय)]	रहेट वैक धाम मैसूर, बंगलीर का प्रवस्ततन्त्र और सर्भकार
38.	सं॰ एल-45012/1/80-डी॰ IV (ए॰) ४१० 38-2-81[निर्वेश सं॰ 4/81 (केन्द्रीय)]	न्यू मंगलीर पोटे हुन्छ पैनम्बूर- मंजिन का प्रवंधपंत्र श्रीर कर्मकार।
	सं∘ एल 12012/35/80-द्वी∘II (ए०) ता• 20-3-81 [नियंत्र सं० 5/81 (केम्ब्रीय)]	कीनरा सैक्ष, बंगलीर का प्रबंधतंत्र श्रीर कमें का र ।
	सं॰ एस-12012/74/80-डी॰ II (ए॰) सा॰ 2-4-81 [निर्वेणसं॰ 6/81 (केन्द्रीय)]	२थों क ॉ
3	म० एल० 27011/ ग्रे/74-एल० श्रार० IV (वी) गा० 4-3-75/22-4-81 तक रिमांड पर[निर्देश सं०6/75 (केन्द्रीय)]	भानतूर भैगनीत एंड फ्रायरन वक्से प्रा० लि०, बेलरी जिला का प्रबंधनंत भ्रीर कर्मकार
4.3-	सं• एल-12012/264/80-डी॰II	वेना बँक का प्रवासनमा ग्रीर

[सं॰ एस- 11025 (5) 81-ई/॰ IV(बी॰)] MINISTRY OF LABOUR ORDER

∙ :मंकार

New Delin, the 17th October, 1931

(ए०) ता० 31-7-81

S.O. 681:—Whereas the Industrial disputes specified in the Schedule hereto annexed are pending before Shri H. Shanmukhappa the Presiding Officer, Industrial Tribunal, Bingalore; And Whereas, the services of Shri H. Shanmukhappa are no longer available;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A read with Sub-section (1) of the section 33B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes as Industrial Tribunal, the Presiding Officer of which shallbe Shri V. H. Upadhayya with headquarters at Bangalore and withdraws the proceedings in relation to the said disputes pending before the said Shri H. Shanmukhappa, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Bangalore and transfers the same to Shri V. H. Upadhayaa, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Bangalore, with the direction that the said Tribunal

shall proceed with the proceedings from the stage at which they

ary transferred to it and dispose of the same according to law, SCHEDULE				
	No. L-29011/40/79-LR-IV dated 29-9-73 [Ref. No. 4/73 (Central)]	Workmen & the Management of M/s. Tangabhadra Minerals (P) Ltd., Taranagar P. O. Sandur Tk. Bellary Datt.		
	No. L-26)' 2/6/73-LR. IV(ii) dt. 14-1-74 [Ref. No. 1/74 (Catrab]	Between the Management of Shi R. Matiswamy, Raising Contractor of B.R.H. from One Management of M/s. Delmic International, Hospet and their workmen.		
3.	No. L-25012/6/73-L.R. IV(i) dt. 14 1-74 [Ref. No. 2/74 (Central)]	Between the Management of Shri M. Raman, Raising Contractor of B.R.H. Iron O.e Mines of M/s. Dulmin International, Hospet and their workmen.		
	No. L-29012/5/74-LR. IV d sted 23-1-74 [Ref. No. 4/74 (Central)]	Workmen & Management of M/s. Dalmia International Hospto, Bellary Distt.		
5.	No. L-26912/8/74-LR IV dated 21-10-74 [Rof. No. 5/74 (Contral))	Workmen & Management of M/s. Dalma International Hospit, Billary Distt.		
6.	No. L-26011/12/74-LR. IV dated 25-10-74 [Ref. No. 6/74 (Central)]	Workemen & Minagement of M/s. Dalmia International Hospit, Bellary, Distt.		
7.	No. L-26012/4/74-LR-IV dated 15-11-74 [Ref. No. 7/74(Central)]	Workemen & Management of M/s. Dilmia International, Hospet, Bellary Distt.		
8.	No. L-26011/8/74-LR-IV dated 21-12-74 [Ref. No. 1/75 (Cantral)]	Workmen & Minagement of B.R.H. Iron Ore Mines of M/s. Dilmia International Hospet, Bellary Distt.		
9.	No. L-26012/6/74-LR.IV dated 10-1-75 [Ref. No. 2/75 (Central)]	Workmen and Management of B.R.H. Iron Ore Mines of M/s. Dilmia International, Hospet, Bellary Distt		
	No. L-26011/13/74-LR. IV D. II.(B)dt. 27-2-75 [Ref. No. 3/75 (Central)]	Workmen & Management of Bharata Rayana Haruva Iron Ore Mines of M/2. Dulmia International, Hospet		
11.	No. L-29012/9/74-LR. IV D.O.III(B) dated 26-2-75 [Ref. No. 4/75 (Cantral)]	Workmen & Management of Bharat Gold Mines Ltd., Orgam, K.G.F.		
12.	No. L-29012/75/74-LR. IV dated 3-3-75 [Ref. No. 5/ 75 (Cantral)]	Workman and Management of Bharat Gold Mines Ltd., Orgam, K.G.F.		
13.	No. L-26012/9/75-D.IV (b) dated 13-8-75 [Ref. No. 9/75_(Central)]	Dilmit literational, Hospet (Between the workmen and the Management).		
14.	No. L-26012/10/75-D.IV	Workmen and Management of		

Dalmia

Hospet.

Internation I,

Workmon and Management of

Syndicate Bank, Maniant.

(B) dated 26-8-75 [Ref.

No. 9/75 (Central)]

15. No. 12012/18/73-RL III

No. 10/75 (Central)]

dated Sept. 1975 [Ref.

THE GAZE	TTE OF INDIA : JANUARY	22, 19	83/MAGHA 9, 1904	[Part II—Sec. 3(ii)]
	ngs from the stage at which they	1	2	3
r,ed to it and dispose of the same according to law. SCHEDULE			No. L-29011/3/76-D.III(B) dated 17-3-1976 [Ref. No. 2/76 (Central)]	Workmen and Management of Doldakanya Magnesite Mine of M/s. Tata Iron
iber & Date of the rder	Name of the Parties		2/70 (Cemany	& Steel Co. Ltd., Mine Division Noamundy.
-29011/40/79-LR.IV 29-9-73 [Ref. N) Central)]	Workmen & the Management of M/s. Tangabhadra Minerals (P) Ltd., Taranagar P. O. Sandur Tk. Bellary		N v. L-12012/85/76D.II(A) dated 19-8-76 [Ref. N v. 6/76 (Central)]	Workman & Management Ltd. K.G.F. of Vijiya Bank Ltd., Bangalore.
-26)' 2/6/73-LR. dt. 14-1-74 [Ref.	Distr. Between the Management of Shi R. Miriswamy, Raising	18.	No. L-43012/676-D.IV(B) dated 3-9-76 [R-f. No. 7/76 (Central)]	Bharat Gold Mines Ltd., K.G.F. (Between the workmen & the Management)
/74 (C: 1trab]	Contractor of B.R.H. Iron O'e Mires of M/s. Delmie International, Hospet and their workmen.	19	No. L-17012/375-D.II(A) dated 7-5-76 [Ref. No. 3/77 (Central)]	Workmen and Management of National Insurances Compa- ny Ltd., Bangalore.
25012/6/73-L.R. dr. 14 1-74 [Ref. /74 (C: \tral)]	Between the Management of Shri M. Ranan, Raising Contractor of B.R.H. Iron One Mines of M/s. Dulmia	20.	No. L-4307/2/78-D.II(B) dated 4-7-78 [Ref. No. 4/78 (Central)]	Wirkmen and Management of Remigiri Gold Mines Pro- ject of M/s. Bharat Gold Mines, Ramagiri.
-29012/5/74-LR. IV	International, Hospet and their workmen. Workmen & Minagement of	21.	No. L-12011/678-D-II(A) dated 23-8-78 [Ref. No. 5/78 (Central)]	Between the Workmen and the Management of Karnataka Bank Ltd., Bangalore.
23-1-74 [Ref. /74 (Central)] 26012/8/74-LR IV 21-10-74 [Ref.	M/s. Dalmia International Hospite, Bellary Distt. Workmen & Minagement of M/s. Dilma International	22.	No. L-12011/94/78-D.II (A)dated 21/27-9-73 [R sf. No. 7/78 (Central)]	Worknon and Management of Corporation Bunk Ltd., Mangalore.
/74 (Contral)) 260[1/12/74-LR; ted 25-10-74 [Rof.	Haspat, Ballary Distt. Workemen & Management of M/s. Dalmia International	23.	No. L-4512(I)/77-D.IV(A) dated 24-10-78 [Ref. No. 11/78 (Central)]	Workmen and Management of Management Hubbur Project, Penambur.
/74 (C)::tral)]26012/4/74-LR-IV 15-11-74 [Ref. /74(Central)]26011/8/74-LR-IV	Hospit, Bellary, Disti. Workemen & Management of M/s. Dilmia International, Hospet, Bellary Disti. Workman & Minagement of	24.	No. L-12012/66/78-D,II (A) Dated 29-11-78/ 1-12-78 [Ref. No. 12/78 (Central)]	Workmen & Management of Bank of Barodi, Bangalore.
21-12-74 [Ref. /75 (Contral)]	B.R.H. Iron Ore Mines of M/s. Delmia International Hospet, Bellary Distt.	25.	No. L-26012/1/79-D.HI (B) dated 17-1-80 [Ref. No. 1/80 (Central)]	Workmen & the Management of Kudremukh Iron Orc Company Ltd., Bangalore.
260 [2/6/74-LR.IV 10-1-75 [Ref. /75 (Central)]	Workman and Management of B.R.H. Iron Ore Mines of M/s. Dulmia International,	26.	. No. L-26011/53/79-D.IIA. dated 25-3-80 (Ryf. Ny. 2/80 (Central)]	Workmen and Management of Syndicate Bank, Manipal.
26011/13/74-LR. IV [B)dt. 27-2-75 [Ref. /75 (Central)]	Hospet, Bellary Distt Workmen & Management of Bharata Rayana Haruva Iron Ore Mines of M/s. Dilmia International, Hospet	27.	No. L-26011/1/79 D.III (B) dated 28-4-80 [Ref. No. 3/80 (C:ntral)]	Workmen & the Management of Tiffine Barytes, Asbestos & Paints Ltd. of Hargonan- don Iron Ore & Red Oxide Mines, Bellary.
29012/9/74-LR. IV II(B) dated 26-2-75 No. 4/75 (C:ntral)]	Workmen & Management of Bharat Gold Mines Ltd., Orgam, K.G.F.	28.	No. L-12012/42/80-D.HI (A) dated 28-4-80 [Ref. No. 4/80 (Central)]	Workmen and the Managmment of Karnataka Bank Ltd., Bangalore.
29012/75/74-LR. IV 3-3-75 [Ref. No. 5/ mtral)]	Workmen and Management of Bharat Gold Mines Ltd., Orgam, K.G.F.	29.	No. L-26011/6/78-D.III (B) dt. 24-11-79/25-3-80 [Ref. No. 5/80 (Central)]	Donimalai Iron O.e Project NMLC, Donimalai
26012/9/75-D.1V ited 13-8-75 [Rof. '75_(Central)]	Dilmit International, Hospet (Between the workmen and the Minagement).	30	No. L-12012/201/79-D. IV(A) dt. 28-5-80 [Ref. No. 6/80 (Central)]	Workmen & the Management of Karnataka Bank Ltd., Ban- galore.
L-26012/10/75-D.IV	Workmen and Management of	31	. No. L-29011/59/79-D.III	Workmen & the Management of

Bagalkot Udyog Ltd., Bagal-

Workmen & the Management

of Central Bank of India,

kot, Bijapur.

Bangalore.

(B) dt. 24-9-80 [R · f. N ».

32. No. L-12012/143/79D.II

No. 9/80 (Central)]

(A) dt. 14-10-80 [Ref.

7/80 (Central)]

_ 1	2	. 3
33.	No. L-12012/103/79-D.II (A) dt. 15-11-80 [Ref. No. 10/80 (Contral).	Workmen & the Management of State Bank of Mysore. Bangalore:
34,	No. L-12012/46/80-D [[(A) dt. 20-11-90 (R\sf. No. 11/80 (Centeal).]	Workman & the Management of State Bank of Mysore, Bangalore.
35.	No. L-12011/9/80-D.ΠΙ (B) dt. 29-1-81 [Ref. No. 1/81 (Central).	Workmen & Management of Corporation Bank, Hubli.
36.	No. L-2601 2/9/80-D.111 (B) dt. 29-1-81 [Ref. No. 2/81 (Central)	Workmen & Management of Kudremukh Iron Ore Co. Ltd., Bangalore.
37.	No. L-12012/37/80-D.[I (A) dt. 23-2-81 [Ref. No. 3/81 (Central).	Workman & Management of State Bank of Mysore, Ban- galere.
38.	No. L-45012/1/80-D.IV (A) dt. 28-2-81 [Ref. No. 4/81 (Central).	Workmen & Management of New Mangalore Port Trust, Penambur, Mangalore.
39.	No. L-12012/35/80-D.II (A) dt. 20-3-81 [Ref. No. 5/81 (Central).	Workmen & Management of Canata Bank, Bangalore.
40.	No. L-12012/74/80-D.II (A) dt. 2-4-81 [Ref. No. 6/81 (Central).	Workman & Mangement of Canata Bank, Bangalore.
41	No. L-27011/4/74-LR IV (B) dt. 4-3-75 remanded on 22-4-81 [Ref. N). 6/75 (Central).	Workmen & Management of Sandanoor Manganese & Iron Works Pvt. Ltd.: Bellary District.
42.	No. L-12012/264/80 D. [[(A) dt. 31-7-81.	Workmen & Management of Dena Bank.
		[No. S. 11025(5)/81-D. IV (B)]

अ(वेश

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1992

कां आ 682 - केन्द्रीय सरकार की राय है कि इपसे उपावक प्रानुसूची में विनिर्देश्ट विषय के बारे में सिगरेनी कोलियरी कस्पनी लिं के प्रविधतन से सम्बद्ध एक भौद्योगिक विवाद नियोगकों भीर उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है,

ग्रीर केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद का न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशिय करना बोछनीय समझती है;

अतः, केन्द्रीय मण्कार, श्रीचिधिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7 क मीर धारा 10 की उपधारा रि ।) के खंड (घ) द्वारा प्रवत्त मिक्सयों का प्रयोग करते हुए, एक श्रीचीधिक श्रीधकरण गठित करती है जिसके पीठासीन श्रीधकारी श्री बीठ प्रमाद राव होगे जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा भीर उक्त विवाद को उक्त श्रीधकरण को स्वायनिर्णयन के लिए निर्देशिक करकी है।

अनुसूची

"स्या सिंगरेनी। कोलियरी करपती लिंग मन्द्रमारी भीर नामकृष्णपुर क्षेत्र डाकपर कस्याखानी जिला शादिलाबाद (श्रीध्र प्रदेश) के प्रबंध-तंत्र द्वारा श्री पींग जनादन भीर 12 श्रन्यों (सूर्वा के अनुमार) की उनके कार्यकारी स्थापना की नौरीख में मार्चानग स्टाफ के रूप में पुष्टि करने भीर उनको नियनन नथा वार्यिक बेमन बृद्धि से विचन बचने की कार्रवार्ध स्थापोचित है? याँद नहीं नो संबंधित कर्मकार किम अनुतोग के इकदाच है।"

> [एल 21012/2/91 डीं **V-बीं]** एम**ें एस**े महत्ता, डेस्क श्र**धिका**री

LIST OF THE WORKMEN

S. N	No. Nome	,	Present	Designation
1.	P. Janardhan KK. I Incline			S/F 'C'
2	Kambala Posham KK. 1 Incline			alo-
3.	Kambala Posham K, I Incline			-do-
4.	M. Venkata Chari KK. 1 Incline			S/F 'D'
5.	Pudari Pochaiah KK, 1 Incline			S/F 'C'
6.	Gundla Shankar KK. 1 Incline			\$/F 'C'
7.	Gorla Parameshwar RK. 7 Incline			-do-
8.	P. Narayana Rao RK. No. 5 Incline			O/Man
9.	S. V. Narasimha Rao KK. 5A Incline			O/Man
10.	Md. Ameer KK. 5A Incline		i	O/Man
11.	R. Santhaiah SRP No. 1 Incline			O/Man
12.	G. Rayalingu Morgans Pit.			S/F 'C'
13.	K. Sathyanarayana Ra KK, 5A Incline	lo,		O/Man

ORDER

New Delhi, the 18th January, 1982

S.O. 682.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Singareni Collieries Co. Ltd. and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the power, conferred by Section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Indunstrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri B. Prasada Rao shall be the Presiding Officer, with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of S. C. Co. Ltd., Mandamarri and Ramakrishnapur Areas, PO-Kalyakhani, Adilabad-Distt (AP) in not confirming Shri P. Janardhan and 12 others (per list) as the milning staff from the first date of their acting/officiating and in denying fixation and annual increaments to these persons from such dates was justified? If not, to what relief the workmen concerned are entitled?"

(No. 21012(2)/81-D. IV (B)] S. S. MEHTA, Desk Officer

LIST OF THE WORKMEN

S.	No. Name	Present Designation
1.	P. Janardhan KK. 1 Incline	"。 \$/ F 'C'
2	Kambala Posham KK. 1 Incline	-(10-
3,	Kambala Posham KK, 1 Incline	-do-
4,	M. Venkata Chari KK. 1 Incline	S/F 'D'
5.	Pudari Pochaiah KK. 1 Incline	\$/F ·C`
6.	Gundla Shankar KK. 1 Incline	\$/F 'C'
7.	Gorla Parameshwar RK. 7 Incline	-do-
8.	P. Narayana Rao RK No. 5 Incline	O/Man
9,	S. V. Narasimha Rao KK. 5A Incline	O/Man
10.	Md. Ameer KK. 5A Incline	o/Man
11.	R. Santhaiah SRP No. 1 Incline	O/Man
12.	G. Rayalingu Morgans Pit.	\$/F 'C'
13.	K. Sathvanarayana Rao, KK, 5A Incline	O/Man

्धम विभाग) नई दिल्ली, 23 दिसम्बर, 1982

का॰ आ॰ 683.—भैमर्स हेला कालेज इंदौर (मध्य प्रवेश)/3973) (जिसे इसमें इसके पण्डाय उवन स्थापन कहा गया है) ने कमैचारी भिविध्य निधि भीर प्रकीण उपवन्ध श्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इमके पण्डान उक्न अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2) के अधीर छट दिए जाने के लिए धारेदिन किया है,

श्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो क्या है कि उनन स्थापन के कर्मश्रारी, किसी प्यक्त अभिवास य श्रीमियम का मृन्दाय किए बिना ही, भारती। जंबन बीम निका कि निका की सामृतिक बीमा स्कीम के अक्षीन जीवन बीमा के रूप में कायदे उठा रहे हैं श्रीर ऐसे धर्मश्रारियों के लिए ये कायदे उन कायदों में अधिक अनुकृत हैं जो कर्मनारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पण्चात उक्षा स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुकेष है,

श्रवः, केन्द्रीय सरकार जन्त प्रधिनियम की जार। 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदेख मक्तियों का प्रयोग करने हुए, भीर इससे उपबाद अनुसूची में दिनिर्विष्ट शर्तों के श्रधीन रहने हुए, उक्त स्थापन को तोन वर्ष की ग्रथित के लिए स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रधर्नन में छद देनी है।

अनु सूची

- उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्राद्यांगक मार्थकप निधि कायुक्त
 मध्य प्रदेश को ऐसी विकरणिया भेजेगा और लेखा रखेगा नया निर्राहाण
 के सिए ऐसी मुविधाएं प्रदान यारेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-सभा पर
 निविध्य करे।
- 2. नियोजक, ऐमें निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक-त्राय की समाध्यि के 15 दिन के भीतर मन्दार विरोध को केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रश्रिनियम की वारो 17 कि उपवारा (3क) के दांड (क) प्रधीन समय-समय पर निर्देश्य करे
- सामृहिक बीमा स्कीम के प्रसासन में, जिसके भन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियो का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमिथम का

- मन्ताय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का सम्बद्ध धादि भी है, ीने पान मधी धायों का बहुन नियोजक द्वारा किया आएगा।
- 4. नियोजक, केक्ब्रांय सरकार द्वारा यथा ध्रनुमंदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमो की एक प्रति, ध्रीर जब कभी उत्तमें संबाधन किया आए, तब उस संबोधन की श्रीतृ,तथा वर्मनारियां की बहुसंक्या की गांचा में उसका मक्य बानों का धनुनुद्ध, क्यापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शिन करेगा।
- 5. यदि काई ऐसा कर्मभारी, जो कर्मचारी अस्टिय निश्चिता या उन्त अधिनिथम के अधीन छूट प्रांत्न कियं स्थाता का मिता निश्चिका पहेंगे हैं। स्थाता के स्थात में स्थितिक किया जाता है तो, निश्चेजक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका साम तुरुत्त दर्ज करणा और उसका साम जिल्ला को संदर्ज करणा और उसका साम तुरुत्त दर्ज करणा और उसका साम तुरुत्त को संदर्ज करणा।
- 6. यदि उक्त स्काम के भ्रयीन कर्मनारियों को उनतन्त्र फायदे बढ़ार् जाने हैं तो, नियाजक मामूह्यि बामा स्काम के अवीन क्रमेंनारियों को उपलब्ध फायदों में समुचिन रूप से तृत्वि का बान की अवतर्या करणा, जिनसे कि वर्मचारियों के तिए स.मूचिक जीमा स्कीम के अवीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से भ्रपिक भ्रमुकृत हो, जा उक्त स्कीम के अवीन श्रन्तिय है।
- 7. सीमृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए भी, यदि किसी से कृ वारी की मृत्यु पर क्षम स्कीम के अधीन मंदेय रक्षम उस रक्षम में कम है, जा कर्मवारी को उस दशा में सदेय होती, जा वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मवारी के विधिक वारिम/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के क्प में दोनों रक्षमी के अधीन करा में दोनों रक्षमी के अधीन
- 8. सामृहिष्य बीमा स्कीम के उपक्रकों में कोई भी संसोधन, प्रादेशिक मिक्किय निधि आयुक्त मध्य प्रदेशा के पूर्व अनुसोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संगोधन ने कर्मचारियों के दिन पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहा, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, घपना अनुमोदन वैने से पूर्व कर्मचारियों की अपना दिग्हकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणबंश, न्यापन के कर्मचारी, भारतीय जीवत बीमा निगम की उस सामूहिक रोमा म्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अबीन नहीं रह जाने हैं, या दस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने बाले फायदे किसी रीति से कमा हो जाने हैं, तो यह खूट रह की जा सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवण नियंजिह उत्त नियम नारीख के सीतर जो भारतीय जीवन बीमा निष्य निष्य करें, ब्रोमेशा का सवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को ब्ययनन हो जाने दिया जाता है तो छट रह भी जर सकती है।
- 1). नियोजक द्वारा प्रीमियम के भंदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उप मृत मदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक यारिसों को जी यदि यह, १५३ न दी गई होती तो उक्त स्कीम के प्रस्तर्गत होते, बीमा, फायक्षों से संदाय का उत्तरवायित्य नियोजक पर होगा ।
- 12. उनन स्थापन के मंबंध में नियोजक, इस रुकीम सू भधोन आने किसी मदस्य की मृत्यु होने पर हकदार नाम निर्देशिनियों/विधिक वारिसों की शीमाकृत रकम का संवाय मतारता से और प्रत्येक वना में भारतीय जीवन बीमा नियम से तीमाकृत रकम आपन होने के मान दिन के मीलर सृतिकित्रम करेगा।

[मं॰ एम-३५०। :/४६३/82-पीएफ-2]

(Department of Labour) New Delhi, the 23rd December, 1982

S.O. 683,—Whereas Messrs 'The Daly College, Indore (MP/3973) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section

17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said esablishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such deturns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are embanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Nowithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner. Madhya Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point to view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the 1196 GI/82-8

benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal helrs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the rominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(463)/82-PF. II]

नई विल्ली, 10 जमवरी, 1983

का० आ० 684--केलीय सरकार को यह प्रतीस होता है कि मैसर्स कानसुलेट जनरल फाफ जापान, 12 प्रिटोपिया स्ट्रीट, कलफला-71 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मकारियों की बहुसंख्या इस बान पर सहमत हो गई है कि कर्मकारी भिवष्य निर्धि भीर प्रकीर्ण उपबंध फिक्षिन्यम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

धनः केन्द्रीय सरकार उन्त प्रधिनियम की घारा 1 की उपधान (4) द्वारा प्रवक्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए उन्त अधिनियम के उपबंध उन्त स्थापन को नागु करती है ;

[सं॰ एस 35017(16)/79 पीएफ2]

New Delhi, the 10th January, 1983

S.O. 684.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messre Consulate General of Japan, 12-Pretoria Street, Calcutta-71 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(16)/79-PF. II]

का० आ० 685 - केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंनर्स होम जिन्हों (इंडिया) (प्राइवेट) लिमिटेड, 12-पी-पार्क स्ट्रीट, कलकला, 71, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक घौर कर्मवारियों की बहुतंक्या इस बाध पर सहमत हो गई है कि कर्मवारी कविष्य निधि दौर प्रकीण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापस को लागू किए जाने चाहिए;

शत केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपचारा (4) द्वारा प्रदत्त गाक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्प गिधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागु करती है।

[सं॰ एम-35017/66/82-पी॰ एफ-2]

8.0. 685.—Whereas it appears to the Central Government that the provisions of the Employees Provident Funds and to the establishment known as Messrs Home Builders (India) (Private) Limited, 12P, Park Street, Calcutta-71, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(66)/82-PF, II]

का॰ आ॰ 686: --केन्द्रीय नरकार की यह प्रसीन होना है कि मैसमें इंडिया कुक डिस्ट्रिंग्यूटर्स, 107-108 धाकडिया, 10वीं मंजिल नरीमन व्याइंट, मुम्बई-21 जिसके अन्तर्गत 105, धमें पैलेस, ह्यूस रोड, मुम्बई-7 स्थित उसकी पाखा भी है नामक स्थापन से सम्बद्ध क्योजक और कर्म- चारियों की बहुमंख्या इस बान पर सहमन हो गई है कि कर्मवारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीण उपबंध धिधनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उकर स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रतः केन्द्रीय सरकार उका श्रिष्ठिनियम की धारा । की उपधार, (4) द्वार, प्रदल शिक्तियो का प्रयोग करते हुए उका श्रिष्ठिनियम के उपबंध उक्त स्थापन की लागू करती है।

[प॰ एस-35018/83/82-पः॰ एफ-2]

8.0. 686.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messr, India Book Distributors, 107-108, Arkadia, 10th Floor, Nariman Point, Bombay-21 including its branch at 105, Dharam Place, Hughes Road, Bombay-7, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35018(83)/82-PF. II]

का० आ० 687: -- केन्द्रीय संकार को यह प्रतीस होता है कि मैसरें यूभिवर्सल गैस संप्लायमें (प्राईवेट) लिभिटेड, सं० मोहनसिंह बिलिंडण कनाट लेन, नई विल्लो जिसमें उसका 1 प्रोप 2 इन्डस्ट्रियन एरिया नजफार रोड, नई विल्लो स्थित कारखाना भी शामिक है। नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोगिक श्रीर फर्मचारियों को बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी मिविष्य निश्चि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उस्त स्थापन को लाग किए जाने चाहिए.

म .: केन्द्रीय सरकार उक्त शिधनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबक्ष उक्त स्थापन की लागू करती है।

[एम० 35019 (119)/82-पी० एक-II]

S.O. 687.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Universal Gas Suppliers (Private) Limited, S. Mohan Singh Building, Connaught Lane, New Delhi including its factory at 1 and 2 Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi-15, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(119)/82-PF. II]

का० बा० 688: --केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीस होता है कि मैंसर्स नाय कलकत्ता दंजीनियरिंग वनर्ष 116/2 विद्यान सरजी, कलकत्ता-4. नामक स्थापन से मम्बद्ध नियोजक धीर कर्मचारियों की बहुसंस्था इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भिष्य निधि भीर प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उन्त स्थापन की लागू किए जाने चाहिए,

अतः केर्म्झाय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) क्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करनी है।

S.O. 668.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs North Calcutta Engineering Works, 116/2, Bidhan Sarani, Calcutta-4, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the sail establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(120)/82-PF. II]

कां० आर० 689 :--केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आरकेप एंड एसोसिएट्स 7-ए लाला लाजपन राय सरनी, (एलिंगन रोड) कनकता 20 नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोक्त और कार्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी श्रीष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

ग्रतः केन्द्रीय गरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त काक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त प्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन की लाग करती है।

[सं॰ एस-35017/121/82 पी॰ एफ 2]

S.O. 689.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Arkepp and Associates, 7-A, Lala Lajpat Rai, Sarani, (Flgin Road), Calcutta-20, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(121)/82-PF. II]

का० आ० 690. --केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीस होता है कि मैंसर्स ईस्ट एंड ईजीनियरिंग वर्स, 2, मोतीलाल मिल्सिक लेन, कलकता-35 नामक न्यापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंक्ष्य इस यात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी विषय नित्य और प्रकीण उपबंध प्रधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उतन स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

सनः केन्द्रीय सरकार उक्त स्थितियम की धारा । की उपद्यारा (4) द्वारा प्रवस शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त स्थितियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

सिं॰ एस-35017/122/82 पी॰ एफ-2]

SO. 690.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Mess's Fast End Fngineering Works, 2, Motilal Multick Lane, Calcutta 35, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No S-35017(122)/82 PF. II]

का॰ आ॰ 691 - केन्द्रीय संस्कार का यह प्रतीस होता है कि मैसमें एम्पायर टाइम इण्डर्स्ट्रीज (प्राइवेट) लिमिटेड, 3, मानिकत्ता एण्डरिट्रम एस्टेट, कलकत्ता-51, किसके घनारीत 15, राधा बाज्यर स्ट्रीट, कलकत्ता-1, स्थित, उत्तका घहर कार्यालय भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियाजक भीर कर्मचारियों की बहुमंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी मिल्प निधि भीर प्रकीर्ण उपबंध प्रधिनियम, 1957 (1953 वा 19) के उपबंध उक्त स्थापन की लागू किए अने चाहिए;

'श्रनः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिधिनियम की धारा । की उपवारा (1) द्वारा प्रवस्त शिवनियों का प्रयोग करने हुए, उक्त अधिनियम के उपवध उक्त स्थापन की लागू करनी है ।

[म॰ एस-35017/133/87-वी॰ एफ-2]

S.O. 691.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Empire Time Industries (Private) Limited 2, Manicktala Industrial Estate, Calcutta-54 including its city office at 15, Radha Bazar Street, Calcutta-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaueous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No \$-35017(133)/82-PF II]

का० आ० 692 - केंद्रीय मरकार को यह प्रतीत हाता है कि मैससं णा एव्टरप्राहन, वी-75, गाईन रीच रोड, कलकरता-24, जिसके प्रवर्गत बी-70 प्रायरन गेट गोड, गाईन रीच रोड, कलकरता-24 स्थित उसका मुख्य कार्यालय भी है, नामय स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और वर्मकारियों की बहुसंख्या इन वात पर सहसन हो गई है कि वर्मकारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबध अधिनियम, 1952 (1952 वा 19) के उपबंध उकन स्थापन को लागु किए आने काहिए;

भतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रविनियम को धारा 1 की उपधारा (६) द्वारा प्रदक्त मक्तियों का प्रयोग करने दूर, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्वापर को लागू करनी है।

[#० एम-35017/131/83-र्या० एफ 3]

S.O. 692.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sha Enterprise, B-75, Garden Reach Road, Calcutta-24 including its Heud Office at B-70, Iron Gate Road, Garden Reach Road, Calcutta-24, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment का॰ भा॰ 693:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसते जैमको रवड़ इण्डस्ट्रीज, 5/2, तिलंबला रोड, कलकरता-46, मामक स्यापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्नचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकीण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए:

श्रत केन्द्रिय सरकार, उक्त श्रिधिनियम की घारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गन्तियों को प्रयोग करते हुए, उक्त श्रिधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[स॰ एम-35017/136/82-पो॰ एफ-2]

S.O. 693.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Zamco Rubber Industries, 5/2, Tiljala Road, Calcutt.-46, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

[No. S-35017(136)/82-PF. II]

का॰ का॰ 694.— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत हाना है कि मैससं जे॰ एम॰ इंडस्ट्रीयस्स, यूनिट नं॰ 19 एक 16 सर्वोदय इंडस्ट्रीयस्स, यूनिट नं॰ 19 एक 16 सर्वोदय इंडस्ट्रीयस्स, यूनिट नं॰ 19 एक 16 सर्वोदय इंडस्ट्रीयस्स, एस्टेट, महाकाली केवस राष्ट्र, मधिरी-कुर्ला रीड, मुन्यई-93, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियंक्तक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निष्धि और प्रकीण उपवंध द्यावित्यम, 1952 (1953 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जान चाहिए;

प्रतः केर्न्द्रायः नरकार, उक्त प्रधिनियम की घारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करने हुए, उक्त प्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस-35018(164)/81-पी• एफ०-II]

S.O. 694.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs J. M. Industrial Estate Mahakali Caves Road. Andberi-Kurla Road, Bombay-93, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018(164)/81-PF. 11]

का॰ आ॰ 695.—केश्वीय भरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससं हालीवुड आयसं एंड ड्राइ-क्लीलसं, 44/1, सर हिंग राम मीद्रका स्ट्रीट, कलकरता-70 जिसके प्रतिर्गत (1) 374, रबीन्द्र सारणी, कलकरता-70 श्रीर शाखाएं भी है, नामक स्थापन से मस्बद्ध नियोजक भीर कर्मजारियों की यहसंक्या इस बात पर गहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भौर प्रकीण उपवंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने भाहिए,

धतः केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की द्यारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त पाक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त प्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन की लागु करनी है।

[र्म० एस-35017/156/82-पी०एफ- ::

S.O. 695.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hollywood Dyers and Dry-Cleaners, 44/1 Sir Haritam Goenka Street, Calcutta-70 encluding its branches at (1) 374, Rabindra Sarance, Calcutta-70 and (2) 35/2-A, Belgachia Road, Calcutta-37, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(156)/82-PF, II]

का॰ आ॰ 696.--केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि भैसलं उत्काल का-आपरेटिश बैंकिंग सोलाइटी लिग्निटेड, मुबनेप्यर, प्लाट सं॰ 3, यूनिट खरवेलनगर, भुषनेप्यर-1 जिसके प्रतगंत प्लाट सं॰ 3, यूनिट III, जिला पुरी (उद्धीसा) स्थित उसका मुख्यालय भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियाजक और कर्मचारियों की बहुमंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी पिष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (195? का 19) के उपबंध उक्त स्थापन का लागू किए जाने चाहिए;

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त श्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[स॰ एस-35019/183/82-पी॰ एफ-2]

S.O. 696.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Utkal Co-operative Banking Society Limited, Bhubaneswar, Plot No. 3. Unit Kharvelanagar, Bhubaneswar-1, including its Head Office at Plot No. 3. Unit III District Puri (Orissa), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(183)/82-PF. II]

षा॰ बा॰ 697:---केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स होटल मटराज, बकरम, मृगुराबाद, हैदराबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भीर केमैचारियों की बहुसंक्या इस भात पर सहमत हो गई है कि कर्मवारी भविष्य निधि भीर प्रकीण उपबंध श्रीधिनयम, 1952 (1952 को 19) के उपबंध उन्हें स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

मतः केन्द्रीय सरकार, उक्त भिधिनियम की धारा 1 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मिनियों का प्रयोग करते हुए, उक्त भिधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस-35019/241/87-पी॰एफ-2]

S.O. 697.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messes Hotel Natoraj, Bakaram, Mushurabad, Hyderabad have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund; and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(241)/82-PF. 1]]

का॰ आ॰ 698:च-केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्ग दो ईस्ट्रन इस्मुलेशनम, 30, नालीन सरकार स्ट्रीट, गलकरना-700004 मामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मकारियों की बहुसंक्या इस बात पर सहमत हो। गई है कि कर्मकारी मिल्य निधि और प्रकीण उपबंध यधिनियन, 195? (1952 का 19) के उपबंध उक्स स्थापन को लागू किए जाने कालिए;

श्राः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रीधिनियम की घारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त प्रक्रितयों को प्रयोग करते हुए, उक्त श्रीधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन का लागू करती है।

[स॰ एस-35017/ 280/82-र्पा॰ एफा॰ 2]

S.O. 698.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Eastern Insulations, 30, Nalin Sarkar Street, Calcutta-4 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(280)/82-PF. II]

काः आर 699 — केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि मसर्स रेपिड मेरीटाइम्स, 185 बाम्बू-चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1, नामन स्थापन से सम्बद्ध निपोजक प्रीर कर्मकारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहभत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निश्चि प्रीर प्रकीण उपबंध प्रधिनियम, 1951 (1952 को 19) के जा में उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रनः केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधितियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रकल स्वित्यों की प्रयोग करते हुए, उक्त श्रवित्यम के उपबंध उक्त स्थापन की लागू करती है।

[सं॰ एफ-35019/373/82-पी॰ एफ-2]

S.O. 699.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Rapid Martimes, 185. Thambu-Chetty Street, Madras-I, have agreed that the provisions of the Employees Providen. Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(373)/82-PF. II]

का० वा० 200:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स लायोकीम, लैबोरेट्रीज, एक-9, आई० डी० ए० मार्ग, नं० 12, नाचरम, हैदराबाद 1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक घौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहनत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि घौर पकीर्ण जपवंद्य कथिनियम, 1953 (1953 का 19) के जपबंध जक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की घारा 1 की उपवारा (4) द्वारा प्रवल्न शक्तियों को प्रयोग करते हुए, उक्त धिवियम के उपवंच उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस-35019/374/82-वी॰ एफ०-2]

S.O. 700.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Plabechem I aboratories, F/9, I.D.A. Road No. 12, Macharam, Hyderabad have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(374)/82-PF, 41]

का॰ आ॰ 701 . —केन्द्रं सरकार को यह प्रश्लेष होता है कि मैंसर्स फर्नोएरटेंट, पट्टों बी रत पट्टी, पोन्ट ध्राफिस, मदुरैं जिला (तिमिल-नाडु), तामक स्लापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मकारियों के बहुसंख्या इस यास पर सहभस हो गई है कि कर्मकारी भविष्य निधि ध्रीर प्रकीण उपबंध श्रीविनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने काहिए,

भनः केन्द्रीय गरकार, उक्त भिक्षितियम की घारा 1 की उपवास (4) द्वारा प्रवस्त शिक्षतयों को प्रयोग करते हुए, उक्त श्रविनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लाग करनी है।

सिं॰ एस-35019/379/83-पंट॰ एफ-21

S.O. 701.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ferno Estate, Pattive-cranpatti Post Office Madurai District, (Tamil Nadu), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(379)/82-PF. II]

का० आ० 702 — केट्रांच सरकार का यह प्रतीस होता है कि मैससे प्रकणा रोलर कलार मिल्म (प्रा०) लिभिटेड, टी० पी० गुदम तन्कू, वेस्ट गीवावरी जिला, हैदरायाद । नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भौर कर्मचारियों की यदुलच्या इस बास पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी प्राथण निश्चित्र प्रीर प्रशीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1953 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन की लागू किए जाने चाहिए,

भतः केर्द्राय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त प्रक्तियो की प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन की लागू करती है।

[मं॰ एस-35019/395/82-पी॰ एफ 2}

S.O. 702.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Aruna Roller Flour Mills (Private) Limited, T.P. Gudem Tanuku, West Godavari District, Hyderabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

[No. S-35019(395)/82-PF. III

का० आ० 203 :---केन्ब्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्न फोनिक्स इर्जैक्ट्रोतिनस, 158, माउण्ड रोड, मद्रास-2, प्रपनी ब्रोप जो 15, मैटिंग बिज रोड, मद्रास-20 में स्थित है, के महिनु नामक स्थापन से सन्बद्ध नियोजक भीर कर्मवारियों की बहुमंख्या इस यास पर नहमत हो गई है कि कर्मधारिभविष्य निधि भीर प्रकीण उपबंध क्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को कामू किए जाने धाहिए,

श्रम केन्द्रिंग्य सरकार, उक्त प्रीधिनितम की घारा । की उपधारा (1) बारा प्रवस्त क्षित्रियों का प्रयोग करने श्रुष्ट, उक्त श्रीविनिथम के उपवंध उक्त स्थापन को लागू करती हैं।

[स॰ एय-35019/396/8 र-पी॰ एफ-2]

S.O. 703.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messas Phoenix Electromics, 158, Mount Road, Madras-2 meluding as branch at 15, 1 attice Bridge Road, Madras-20, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35013(399)/82-PF. II]

का० आ० 701 — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स काल्यि प्रेम, 3, फ्राल्सिस जो सेक स्ट्रीट, मद्राम-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमख्या इस बात पर सहभत हो गई है कि कर्मचारी पन्तिया गिति और प्रकीर्ण उपवध प्रश्विनियम 1952 (1952 को 19) के उपवंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

भतः केन्द्रीय संस्कार, उक्त भिक्तिशन को आरा 1 की उपश्चारा (४) द्वारा प्रदेश प्रिक्तियों का प्रयोग काने हुए, उक्त भिन्नियम के उपश्च उक्त स्थापन का लागू करती है।

[म॰ एस-35919/399/82-पी॰ एफ-2]

S.O. 704.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kranti Press, 2 Francis Joseph Street, Madras-1 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

INo. S-35019(399)/82-PF. III

का० आ० 705 :--केर्म्याय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैं ससं कपिल चिट फंड्स (प्रा०) लिमिटेड, करीमनगर, 3-5-150/14 गांधी रोड, करीमनगर, आत्कृ प्रदेश। नामक स्थापन से सम्बंध नियीजक और करीचारियों की यहुतंब्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी मिष्टिय निश्चि और प्रकीण उपबंध द्विधिनयम, 195? (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लाग् विष् जाने चाहिए,

प्रतः कैन्द्रिय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदस्स प्रक्तियों को प्रयोग करते हुए, उक्त प्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस-३५०।१/४००/४::-पी॰ एफ-2]

S.O. 705.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messra Kapil Chit Funds (Private) Limited, Karimnagar 3-5-150/14, Gandhi Road, Karim-

nagar, Andhra Pradesh, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(400)/82/PF. II]

का॰ आ॰ 703 .—कंक्षीय सरवार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वाम श्रोग्रेनिक केमिकल्म लिमिटेड, स्याईवाईन हाऊम, तीसरी मंजिल, 85, नेहरू प्लेम, नई दिल्ली-19 अपने रजिस्टर्ड झाफिस श्रीर फैक्टरी जी पौस्ट श्राफिम गजरीला-241235, जिली मुरादाबाद, उरता प्रदेश में है, के महिल तामक स्थापन से मम्बद्ध नियोजक भीर कर्मचारियों की बहुसंख्या हम बात पर सहमत हो गई है कि गर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीण उपनंध अधिनियम, 1952 (1953 का 19) के उपनंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

भन: केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (1) द्वारा प्रवतन प्रक्तियों को प्रयोग करते हुए, उक्त प्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन की लागू करती है।

[सं० एस-35019/106/83-पी० एफ-3]

S.O. 706.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vam Organic Chemical Limited, Skyline House, 3rd Floor, 85. Nehru Place, New Delhi-19 including its Registered Office and Factory at Post Office Gajraula-244235 District Moradabad, (U.P.) have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(406)/82-PF, II]

का० 707. — केन्द्रीय सरकार को यह प्रति त होता है कि मैससे अवप्रकाश इंटरप्राईजिल लिमिटेड, 14, बसन्त लोक, कम्पूनिटी संन्टर, बसन्त विहार, नई विस्ती प्रपने होटल सिद्धार्थ, 3 राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली के सहित सामक स्थापना ने सम्बद्ध नियोजन प्रौर कर्मचारियों की बहुमख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निवि और प्रकीर्ण उपवंद्य प्रधिनियम, 1952 (1953 को 19) के उपवंद्य उक्त स्थापना को लाग किए जाने भाहिए;

श्रतः केन्द्रीय सन्कार, उनत श्रीधनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयाम करते हुए, उनत श्रीधनियम के उपबंध उक्त स्थापन का लागू करती है।

[सं० ए**म-**35019 (407)/82-पी० एफ०- हो

S.O. 707.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jaiptakash Enterprises Limited, 44, Basant Lok, Community Centre, Basant Vihar, New Delhi including Hotel Sidharth, 3, Rajendra Place, New Delhi, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

[No. 35019(407)/82-PF, II]

का० वा० 708, — केन्द्रिय सरकार को यह प्रतीत होता है कि भैसर्स मुकाल कास्टिंस, 730 इंडस्ट्रीयल एरिया-बी, लुधियाना नामक स्थापन से सम्बद्ध नियं जक और कर्मचारियों की बहुसंक्या इस बात पर सहसत ही गई हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उत्तत स्थापन की लागू किए जान चाहिए,

श्रव. केन्द्रीय मरकार, उक्त श्रधिनियम की घारा 1 की उरधारा (1) द्वारा प्रवस्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त प्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापना का लागू भरती है।

[स॰ एस-35019/409/82 पी॰ एफ॰-2]

S.O. 708.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Munjal Castings, 730. Industrial Area-B, Ludhiana, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellancous Privisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S 35019(409)/82-PF, III

कां बा 709. - केन्द्रिय सरकार का यह प्रतीत हाता है कि मैसर्स सासानका हलैयद्री करूम, 32 किनणेद साकची जिसमेद्रपुर, बिहार, नामक स्थापन से. सम्बद्ध नियोजक और कर्मकारियों की बहुसस्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निश्चि और प्रकीण उपवं अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन का मागू किए जाने चाहिए,

अतः केन्द्रीय सरकार, उका प्रधिनियम की धारा 1 की उन्धारा (1) द्वारा प्रदस्त मक्तियों का प्रयाग करते द्वृग, उक्त प्रधिनियम के उपक्ष उक्त स्थापन का लागु करनी है।

[नं॰ एस- 35019/411/83 -पीं॰ एफ॰-2]

8.0. 709.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Sasanko Electricals, 32, Tinshed Sakchi, Jamshedpur, Bihar, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(411)/82-PF. II]

का आ 710.— के की य सरकार को यह प्रतीस होता है कि मैससं सीमा काटन उबैल्पमेंट एंड रिसर्च एसोसिएणन, शनमुणा मनराम रेस को सं, कायम्बट्ट 18, सामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भिष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागु किए जाने चाहिएं,

श्रत : केहुद्रीय संस्कार, उक्त प्रक्षिनियम की घारा 1 की उपचारा (4) द्वारा प्रदस्त गक्तियों का प्रयाग करते हुए, उक्त प्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन का लागु करती है।

[सं॰ एम 350 19/445/82 पी॰ एफ॰ -11]

S.O. 710.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Sima Cotton

Development and Research Association, Shanmuga Manram, Race Course, Coimbatire-18, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be amde amplicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(445)/82-PU II]

का ब्ला॰ 711. — के फ्रांध सरकार को ब्रुंध ह प्रतात होता है कि मैसर्स हालिडे हुस्तस (प्राईबेट) लिमिटेड, 8/134, विजी रोड का यम्बदूर-18 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक फ्रांर कर्मचारियों की बहुमक्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध क्षितित्म, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

भनः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रविनियम की धारा 1 की उपवारा (4) द्वारा प्रदल्न गक्तियों की श्रयोग करते हुए उक्त श्रिधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन की लागु करती है।

[स॰ एम 3501**९**/446/82 पी॰ एफ॰-2]

S.O. 711.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Holiday Travels (Private) Limited, 8/434, Trichy Road, Coimbatore-18, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

¡No. S-35019(446)/82-PF. II]

का ब्सा॰ 712: — केन्द्रीय मरकार की यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बी॰ एस॰ पी॰ एस्टरप्राईजेम, सम्बंध 80, पलयाकारा स्ट्रीट मद्रास-23, नामक स्थापन में सम्बंध निर्धांकर और कर्मनारियों की बहुसंबध इस बात पर सहम हो गई है कि कर्मनारि भविष्य निश्चि और प्रकीर्ण उपबंध प्रधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उत्तत स्थापन ना लाग किए जाने चाहिएं,

श्रवः केर्न्यायः सरकार, उक्तं श्रधिनियमं की घारा 1 की उपधारा 1 (1) द्वारा प्रदक्तं शक्तियों का प्रयागं करते हुए, उक्तं श्रधिनियमं के उपबंध उक्तं स्थापनं का लागु करती है।

[में एम 35019/447/83 - पी एफ ०-?]

8.0. 712.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs V. S. P. Enterprises, No. 80, Palayakara Street, Madras-23, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellareous Provisions Act. 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

[No. S 35019(447)/82-PF. II]

का॰आ॰ 713. — केन्द्रीय साकार को यह प्रतीत होता है कि.मैसर्स प्रतीत क्रांता है कि.मैसर्स प्रतीत उत्तरहिक, 308/1 शहजावा बाग, भील्ड रोहनक रोड़, दिल्ली 110035, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भीर कर्मचा। स्थों की बहुसंख्या इस बात पर सहसत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निश्चि और प्रकीर्ण उपअंध

मधिनिथम, 1952 (195? का 19) के उपबंध एक्त स्थापन को सागृ रिए जांगे भाहिए,

भनः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियम की धारा । की उपधारा (।) हारा प्रदल गक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त श्रधिनियम के उपबंध एत स्थापन को उलाग करती है।

[सं० एस 35019/478/९२ - ५०० एफ० १]

S.O. 713.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Anil Industries, 308/1. Shahzada Bagh, Old Rehatak Road, Delhi-35, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (1) of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

¹No. S-35019(478)/82-PF, TH

का० आ० 714.—केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होसा है कि मैससं के० धरोवर एड कम्पर्ना, 426/31, फ्रेन्ड्रय कालानी, इन्डिस्ट्य्स एरिया जी टी० रोड, शाह्यरा, विल्ली-110032, तथा इसका मुकुय कार्यालय गरीवर मोगन तीसरी मजिल, 3/7 आसफली रोड, नई दिल्ली 110002 नाभक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मवारियों की यहुसंख्या इस बान पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी अविष्य निधि और प्रकीण उपअध प्रधिनियम, 1982 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

शतः केर्न्ब्राय सरकार, उक्त प्रधितियम की घारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त मिक्तियों की प्रयोग करते हुए, उक्त अधितियम के उपबंध उपबंध उपबंध उक्त स्थापन की लागू करती है।

[गं॰ एम॰-35019/479 /82 पी॰ एफ॰-2]

S.O. 714.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Alessis K. Grover and Company, 426/31, Friends Colony, Industrial Area, G. T. Road, Shahdara, Delhi-32 including its Head Office at Grovet Mansion, 3rd Floor, 3/17, Asaf Ali Road, New Delhi-110002, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(479)/82-PF. II]

का आ 715 — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मुकतार प्रहमत, कान्द्रेक्टर, प्रानन्द भवन रोड़, रुखेला 769001 जिला मुख्यरगढ़, उर्धता, भामक स्थापन से सम्बद्ध नियोभक श्रीर कर्मचारियों की बहुसंया उम बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारि भविष्य निधि भीर प्रकीर्ण प्रावंश श्रीधनिम, 1953 (1952 का 19) के उपवंश उपुत्र स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

भनः केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रक्षितिथम की घारा 1 की उपधारा (1) द्वारा प्रदेश गक्तियों की प्रयोग करते दूए, उक्त ग्रिष्ठियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[स॰ एम॰ 35019/480/82-पी॰एफ॰2]

S.O. 715.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Muktar Ahmad, Conractor, Anand Bhavan, Road, Routkela-I, District Sundergath, Orissa, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

[No. S-35019(480)/82-PF, II]

करा आ 716: — केन्द्री द सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैस से प्रकाण सोप इंडिस्ट्रीज पंजरा पोल कम्याउंड, महसाना, गुजरात, नामक स्थापत में सम्बन्ध नियोजक कीर कमैचारियों की बहुसस्या इस बात पर सहमत हा गई है कि कमैचारि मियप निधि मौर प्रकीण उपवंध अधिनियम, 1952 (1952 ना 19) के उपवंध उक्त स्थापन का लागू किए जाने चाहिएं,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त ग्राधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रदल्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए ६४। श्रधिनियम के उपश्रंध उक्त स्थापन को लागू करनी है।

[सं॰ एस-35019/481 / 82 - फी॰ एफ - 2]

S.O. 716.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messr, Prakash Soap Industries, Panjra Pole Compound, Mehsana, Gujarat, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(481)/82-PF. II]

क्षां आ 717: केन्द्रीय मरकार की यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कूटेकर प्रोडक्टस इंडिया, ए-32 ग्रुप इन्डस्ट्रियल एरिया, वर्जारपुर दिल्ली सथा इसका सेल्स डीपो 5401, वर्षा मार्कीट, मयर वाजार, दिल्ली-6 नत्मक स्थापन से सम्बन्द नियाजक भीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहगत हा गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीर्ण उपबंध ग्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्न स्थापन का लाग् किए जाने चाहिए;

श्रतः केन्द्रीय सरकार्, उक्ष्म श्रीधनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्न शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त शिधनियम् के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस- 35019/18:/83 पी० एफ०-:]

S.O. 717.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Cutex Products India, A-32, Group Industrial Area Wazirpur, Delhi including its Sales Depot at 5401, New Market, Sadar, Delhi 6, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and

Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), whould be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(482)/82-PF, 1I]

का० आ० 718:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रनीत होता है कि मैसर्स थी० गी० स्टील इन्डिस्ट्रिम, 286, 387 ग्रान्ड ट्रंन, रोड, हाथडा-6 सथा ग्रांच कानकरजान रोड, पटना-20, बिहार मासक स्थापन से सम्बद्ध नियोजण ग्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमा हो गई है कि कर्मचारी मिथिप निधि ग्रीर प्रकीर्ण उपबंध श्रीधनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उका स्थापन का लागू किए किए शाने चाहिए;

श्रतः वेज्य्रीय सनकार, उक्त श्रीधनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्स शक्तियों का प्रयाग करते हुए, उक्त श्रीधनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करते हैं।

[सं॰ एस॰ 35019/501/87-पी॰ एफ॰-2]

S.O. 718.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs B. P. Steel Industries, 286, 287, Grand Trunk Road, Hawrah-6 including its branch at Kankarbagh Road, Patna-20, Bihar, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

(No. S. 35019(501)/82-PF. II]

का० आ० 719: -- केर्ग्याय सरकार को यह प्रतील होता है कि मैसर्व गलाक्स फार्सस्यूटीकलस प्राईवेट लिमिटेड, ए-15/1, नरायणा विष्टस्ट्रिय एरिया, फेस-1, नई दिल्ली तथा इसका रिजस्ट्रड एण्ड एड- मिनिस्ट्रेटीय श्राफिस, ए/30, विशाल इन्किन्य नगकगढ़ रोड, नई दिल्ली 27 नामक स्थापन से सम्बद्ध निर्योजक और धर्मचारियों की बहुसंख्या इस यात पर सहमत हा गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1953 का 19) के उपबंध उका स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रमः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधार (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयाग करने हुए, उक्त अधिनियम के उपा अब उक्त स्थापन का लागू करती है।

निं एम०-35019/504/82-पी०एफ०-2]

S.O. 719.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Shalaks Pharmaceuticals Private Limited, A-15/I, Naraina Industrial Area, Phase-I. .

New Delhi including its Registered and administrative Office at A/30, Vishal Enclave, Najafgarh Road, N. Delli have agreed that the privisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No, S-35019(504)/82-PF, II]

का॰ आ॰ 720 - केन्द्रीय सरकार का यह प्रमील होता है कि मैसर्स पदमा इरजीनिक्षमं, 5-बी॰, ई॰ सी॰, क्यार्डगृडा, हैक्सायाद-500762 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों के बहुसंख्या इस बान पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी शिष्ठण निधि और प्रकीण उपबंध धिविषम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उपन स्थापन की काम किए जाने चाहिएं.

श्रतः केन्द्रियः सरकारः, उक्तः श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (1) हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त श्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन की लागू करती है।

[सं० एस०-35019/505/४३ पी० एफ० ४]

S.O. 720.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messus Padma Fragineer, 5-B. E. C., Kushaiguda, Hyderabad-500762, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(505)/82-PF. II]

भा० आ० 721—केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि मैसमं डिपार्टमेस्टल कैन्टीन पे अकाउन्ट्स ग्राफिम (औ० श्रार० एस०) दि मराठा लाईट इन्फेन्टरी, बेलगाम-590009, कर्नाटक राज्य नामक स्थापन से सम्बद्ध निर्माजक श्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बग्त पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीण उपबंध श्रीविन्यम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन का लागृ किए जाने चाहिएं,

ग्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त ग्रविनियम की धारा) की उपधारा (4) हारा प्रदक्त गक्तियों का प्रयोग करते हुग, उक्त श्रविनियम के उपवंध उक्त स्थापन का लागू करती है।

[सं० एस० 35019/506/82- मी० एफ० 2]

S.O. 721.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Departmental Canteen, pay Accounts Office, (ORS), The MLA, Belgaum, Karnataka State, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellingous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No S-35019(506)/82-PF, II]

का० आ० 722 -- केन्द्रंय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमं शियाँ क्षिनियरिंग प्राइवेट निभिटेड, 7-की, मुनाप इन्डस्ट्रीयल स्टैट, रामीत रोड, अहमदावाद-16 नायक स्थापन से नम्बद्ध नियंत्रक प्रार कर्मकारियों की बदुसकरा हम बात पर सहसत हो गई है कि कर्मचारी पिष्टिय निधि और प्रकीण उपवंस हाधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने काहिए;

श्रातः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्राधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) ब्रारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त श्राधिनियस के उपबंध उक्त स्थापन को साम् करती है।

[स॰ एस॰ 35019/507/8 :- पी॰ एफ॰ 2]

S.O. 722.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messes Shreya Engineering Private Limited, 7-B Subhash Industrial Estate, Rarrol Road, Ahmedabad-26, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[Uo. S-35019(507)/82-PF. II]

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1983

कां आ० 723—वर्मनारी राज्य बीमा प्रधितियम, 1948 (1948 का 34) की घाग 1 की उपन्नारा (3) द्वारा प्रवक्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा जनवरी, 1983 के 30 वें दिन को उम तारीख के क्प में नियत करती है, जिमको उक्त मधितियम के प्रधाय 4 (धारा 44 ग्रीर 45 के सिवाय जो पहने ही प्रवृक्त की जा चुकी है) ग्रीर प्रध्याय 5 ग्रीर 6 (धारा 76 की उपधारा (1) ग्रीर धारा 77, 78, 79 ग्रीर 81 के सिवाय जो पहने ही प्रवृक्त की जा चुकी है) के उपधन्म गुजरात राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृक्त होंगे, प्रयति —

"जिला बलसाव में पार्डी ताल्युक के घन्तर्गत गुजरात घीषोगिक विकाम निगम,वापी के प्रविसूचित क्षेत्र के घन्तर्गत घाने वाले क्षेत्र।"

[संख्या एस०-38013/39/82 एच० आई०]

New Delhi, the 12th January, 1983

S.O. 723.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 30th day of January, 1983 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters

V and VI (except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Gujarat, namely:—

"The areas comprised within the notified area of Gujarat Industrial Development Corporation of Vapi, Taluka Pardi, District Valsad."

[No. S-38013/39/82-HI]

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1983

शा॰ आ॰ 724--कर्मचारी राज्य बीमा प्रक्षितियम, 1948 (1948 का 34) की घारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एत्य्वारा 30 जनवरी, 1983 की उस तारीख के रूप में नियस करती हैं, जिसकी उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 4 (धारा 44 और 45 के मिवाब जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) भीर प्रध्याय 5 श्रीर 6 (धारा 76 की उपबारा (1) श्रीर धारा 77, 78, 79 श्रीर 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपधन्य गुजरात राज्य के निम्निखित कींव में प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपधन्य गुजरात राज्य के निम्निखित कींव में प्रवृत्त की जा चुकी है। के उपधन्य गुजरात राज्य के निम्निखित कींव में प्रवृत्त की जा चुकी है।

"जिला मेहसाना, विसनगर तालुक, ग्राम कांसा की ग्राम पंचायत भीर राजस्व सीमाएं तथा विसनगर कस्ये की नगरपालिका सीमाओं के भर्लगत ग्राने वाले क्षेता।"

> [संख्या एस॰-38013/41/82- एच॰ प्राई॰] ए० के॰ महुराई, ग्रुवर राचिव

New Delhi, the 13th January, 1983

S.O. 724.—In exercise of the powers conferred by subsection (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 30th January, 1983 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Guiarat, namely:—

"The areas comprised within the Municipal limits of Visnagar Town and the Gram Panchayat and revenue limits of village Kansa, Taluka Visnagar District Mehsana."

[No. \$-38013/41/82-HII]
A. K. BHATTARAI, Under Secy.

(पुनर्जास विभाग)

का० आ० 725—निस्थापित व्यक्ति (दाया) प्रतिपूरक भ्रधिनियम, 1954 (1954 का 12) की धारा 3 की उपधारा (1) हारा प्रदत्त गिमायों का प्रयोग करने प्रुए, केन्द्रिय सरकार इसके द्वारा, पुनर्शाम किमाय में श्री डी० सी० चौधरी, बन्दोबस्त प्रक्षितारी को उक्त प्रधिनिधम हारा प्रथमा उसके भ्रधीन अपर बन्दोबस्त श्रायमत को सीप गए कार्यों का निष्पादन करने के लिए तस्काल प्रभाव न्से प्रपर बन्दोबस्त श्रायमत के रूप में नियुक्त करती है।

[मं० 1(26)/विशेष मैल/82-एस० एस० II (क)]

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 30th December, 1982

S.O. 723.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Claims) Supplementary Act, 1954 (No. 12 of 1954), the Central Government hereby appoints Shri D. C. Chaudhury Settlement Officer, in the Department of Rehabilitation as Additional Settlement Commissioner for the purpose of performing the functions assigned to such officer by or under the said Act with immediate effect.

[No. 1(26)/Spl. Cell/82-SS, II (A)]

का० आ० 726---निश्कान्त मन्ति प्रणापत श्रुवित्यम, 1950 (1950 का 3की धारा 6 की उपवारा (1) द्वारा प्रदत्त मिन्यपें का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा पुनर्शेष निजान में सहायक बन्दोवस्त श्रापुक्त, श्री श्री० मी० चहुन की, उन्म प्रवितियन द्वारा या उपके श्रश्नीत प्रतिरक्षक को भीरे एवे कर्यों का निष्याद्व करते के प्रयोजन से विल्ली के लिए निष्कान्त समात्ति के श्रीभरक्षक के रूप में नियुक्त करती है।

[स॰ -1 (26)/विशेष मैल/8?-एस॰ एस॰-II (स)]

S.O. 726.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 6 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), Central Government hereby appoints Shri D. C. Chahal, Assistant Settlement Commissioner in the Department of Rehabilitation as the Custodian of Evacuee Property, Delhi for the purpose of discharging the duties imposed on the Custodian by or under the said Act.

[No. 1(26)/Spl. Cell/82-SS. II. (B)]

का० शिं० 727 — विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकार नया पुनर्याम) श्राधिनियम, 1954 (1954 का 14) की घारा 3 थे उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त गर्वस्थों था प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा पुनर्वाम विभाग में बन्दीवस्त अधिकारी श्री श्री० सी० सीघरी का उनके घपने कार्यभार के प्रतिरिक्त उक्त प्रीधिनियम द्वारा प्रयवा इसके प्रतिनियम प्रपर बन्दोग्रस्त आयुक्त को सींधे गए कार्यों को निष्धित अरते के लिए प्रयर बन्दोग्रस्त आयुक्त को सींधे गए कार्यों को निष्धादित अरते के लिए प्रयर बन्दोग्रस्त आयुक्त के रूप में निष्का करनी है।

[मं० 1(36)]ियोष सैल/8%-एस० एस० II (ग)] महेन्द्र कुसार कंसल, श्वर सचिव

S.O. 727.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby appoints Shri D. C. Chaudhury, Settlement Officer, Department of Rehabilitation as Additional Settlement Commissioner for the purpose of performing, in addition to his own duties as Settlement Officer, the functions assigned to an Additional Settlement Commissioner by or under the said Act.

[No. 1(26)/Spl. Cell/82-SS. II. (C)]
M. K. KANSAL, Under Secy.

श्रम चौर प्नवीय महालय श्रम विभाग

नई (दहना, 17 दिमम्बर, 1982

का ० आ ० 728 — मेंसरं व्यू इविद्या एगोरित हसते निर्मिटेड 97 महातमा गार्का रोड, यस्तर्ह (महाराष्ट्र 8947) (नाडु/10118), (जिसे इससे इनके पश्चात् उदा स्थापन कहा गया है (ते कर्मनार्गः भविष्य निश्चि और प्रकीर्ण एवंद्य अधिनितम, 1952 (1952 वा 19) (जिसे इससे इनके पश्चात् एना योधिनियम कहा गया है) की खारा 17 की उपद्यारा (2क) के धटोद एड दिए जाने के लिए प्रावेदन किया है;

श्रीर, केन्द्रीय संरक्षार का समावान हो गया है कि उन्हें स्थापन के कर्मचारी, किसी प्यत्र श्राभवाय या प्राभवय का संदाय किए बिना ही, कारतीय जीवन बीमा जिन हाँ प्रीहत बीमा नकीम के अधीन जीवन बीपा के रूप में कायरे उठा रहे हैं और कि विवासिकों के लिए ये कायरे उन कायदी में "धिक श्रनुकून हैं जा क्षांचारी निक्षेप महबद्ध बीमा स्कीम, 1975 (जिसे हमने इसके पश्चान उन्हें सक्षा कहा गया है) के स्थीन उन्हें श्रनुकेय हैं,

भ्रतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 को उपभ्रारा (2क) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयाग करने हुए श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में थिनिविष्ट शतों के भ्राप्तीन रहते हुए, उका स्थापन को तीन वर्ष की अवधि ो लिए उक्त स्कीम के सभी उपबक्षों के प्रवर्तन में छूट देनी है।

अनुनुष्की

- उक्त स्थापन के उग्जध के नियोग है प्रदिश्ति मिविष्य निधि
 प्रायुक्त महाराष्ट्र की ऐसी निवपिषा भेत्रेणा और ऐसे नेखा रखेना तथा
 निरिक्षण के लिए ऐसी नृतिधाए प्रदान करेग, जो केन्द्रीय सरकार,
 समय-समय पर निरिष्ट करे।
- 2 नियोजक, ऐसे निरोक्षण प्रनारी । प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीनर मंदाय करेगा जी केन्द्रीय परकार, उक्न श्रीव्यस्थिम की धारा 17 की उपद्वारा (उक्) के खंड (क) के श्रावीत समय-समय पर निविष्ट करे।
- 3. सामूहिक बीमा स्काम के प्रशासन में निक्ति प्रत्याति लेखाओं का रखा जान। विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का मंताय, लेखाओं ता अन्तरण, जिनेका प्रनारों का सदार आदि भी है, कोने बाले नमी कायों का बहुत नियोजन हारा किया नायेगा।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय संस्थार द्वारा यथा अनुमोदिन मामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, घीर जब कभी उना मंगोद्धन किया जाए, तब उस मशोद्धन की प्रति तथा कर्मचारियों को यहुर्पध्या की माया में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के प्रता-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा धर्म नाशे, जो फर्म बारी भनिष्य निधि का उक्स अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी रवापन के भिन्दा निधि का पहिले ही मवस्य है, उसके स्थापन में नियोजिए किया जाता है सो, नियोजिक सामृष्टिक बीमा स्काम के सबस्य के का में उनका नाम तुरका दर्ज करेगा और उसको बावन पावस्यक प्रोभितन भारतीय जीवन बीला निवास को संबस घरेगा।
- 6 सांव उन्त रक्त ने ब्रह्मोंग कर्मवास्थि का उपसब्ध फायदे ब्रह्मए जाते हैं तो, नियोजिक पामृहिक बीमा स्कीम के जबीत कर्मधास्थि को उपसब्ध फायदों में समुखित रूप से बृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचाल्यों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के प्रवीन उपलब्ध कामिये उन काबदों से अधिय अनुकृत हो, जो उन्त स्कीम के अधीन अनुश्रेय हैं।

- 7. गामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मवारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संदेय रक्षन उस रक्षम से कम है, तो कर्मवारी को उस दिक्का में सदेय होती, जब बह उक्ष स्कीम के अधीन होता तो, नियोग क करवारी के विधिक वाण्स/नामिनर्वेशिती को अतिकर के भय में दोनों रक्षमी के यत्नर के क्याग्य रक्षम का संदाय करेगा।
- 8. साम् क्षिण श्रीमा स्वीम के उपवंशों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक भिविष्य पिति श्रायुक्त महाराष्ट्र के पूर्व पनुमोदन के जिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मनारियों के हिंत पर प्रसिक्ष प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भावष्य निधि भायुक्त, अपना पूनुमोदन देने से पूर्व कर्मनारियों को श्रयना बृष्टिकोण स्पष्ट करमे का मुक्तिमुक्त श्रवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवर्ष, स्वाा के कार्यचारो, मारतीय आंधन भीमा निगम की उस सामूहिक भीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पर्ने प्रपता चूका है प्रवीन नहीं रह जाते हैं, या इन स्कीम के प्रवीन कावारियों को प्राप्त होने वाने कायरे कि तो सीति के जात है। ता यह छूट रह की जा सवासी है।
- 10. यदि किसी कारणवर्ग, निधीनक उस निधान गारीज के भीक्षर, जा मारतीय जीवन बीमा निधन निधत करे, प्राभियम का सदाय करने म प्रसक्त रहा। है, प्रीर पालनी का व्यवना हो जाने दिया जाना है तो, खूट रह की भा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम क मदाय में किए तए (कही व्यक्ति-पम की दणा में उन भूत सदस्यों के नामानिर्देशितियों या विधिक कारिसों को जो यदि यह छूट न दो गई हातों तो उक्त स्कीम के प्रन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय था, उत्तरदायिस्य नियोजक पर होगा।
- 12. उन्हें स्थापन के सबध में नियाजक, इस स्कीम के अबीन आने भाने किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्वेशितियों/ विधिक वास्सि की बीमाइक रकम का सदाय तत्यरता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाइक रकम प्राप्त होने के सात बिन के भीतर सन्तिंश्चक करेगा।

[स॰ एस-35014/312/82-पी एफ-[1]

S.O. 728.—Whereas Messis New India Assurance Com-S.O. .—Whereas Messis New India Assurance Company Limited, 87 Mahatma Gandhi Road, Bombay (MH/ 894/), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Cetral Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Scheme annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1 The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra, maintain such accounts ond provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund, of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be hable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- II. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(312)/82-PF. JI]

का॰ आ॰ 729.—मैंसर्स गैस्ट कीन विसियम्स लिमिटेड, सांकय पैकिंग डिविजन लाल बहादुर जाल्त्री माग, भ॰ दूप, बन्दाई -78 (महाराष्ट्र/9074), (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त स्वापन कहा गया है) ने कर्मचारी चिट्ट विद्या प्रति चौर पक्षी उसमें प्रति चिट्ट का 19) (जिसे में

इसके पण्नास् उस्त फ्रांधनियम कहा गया है) की घारा 17 की उपभारा (2क) के प्रधीन छूट दिए जाने के लिए प्रावेदन किया है;

ग्रीर, केन्द्रीय गरकार का समाधान हो गया है कि उनन स्थापन के भर्मचारी, किसा पृथक श्रीभदाय या प्रीतिमयम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन जीवन की माम की माम

णतः केन्द्रीय सरकार, उन्त प्रश्नितियन को घारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उगावद्ध प्रनु-सूची में विनिधिष्ट शतों के भन्नीन रहते हुए, उना स्थापन को तीन वर्ष की भन्नी के लिए उनन स्कीम के मभी उपविश्वों के प्रवर्तन से जुट देती है।

अनुसूची

- उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भनिष्य निधि प्रायुक्त
 महारुष्ट्र (बम्बई) को ऐसी निवर्णिया भीजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा
 निर्दाक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समयसमय पर निविद्ध करे।
- अ नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाध्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उन्त प्रविनियम की बारा 17 की उपधारा (3क) के खब (क) के प्रधीन समय-समय पर निविष्ट करे।
- 3. सामूहिक बोमा स्कीम के प्रकृतिन में, जिसके अंतरीत लेखाओं का रखा जाता, जिबर जियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का संदाय, तिखाओं का अंतरण, तिरीक्षण प्रमारों का संदाय प्रादि भी है, होते वाले सभी व्ययों का बहुत (नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक केर्न्वाय सरकार द्वारा यथा अनुमेदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्राप्त, भीर जब कभी उनमें मंगोधन किया आए तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारयों को बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के मुचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मकारी, जो कर्मकारो भविष्य निधि का या उन्स् प्रधिनिथम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामू-हिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा घोर उसकी बाबन प्राविष्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजिक सामूहिक बोमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फारहों में प्रधिक प्रमुकूल हों, जो उक्त स्कीय के अधीन मनुद्दोय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मनारी की मृत्यु पर इस स्कीम के प्रधीन संदेथ रकम उस रकम से कम है, जो कर्मचारी की उस दक्षा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के प्रधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारित/नामिविधाती को प्रतिकर के इस में दोनों रक्षा के प्रधान के उस पर में दोनों रक्षा के प्रधान के प्रधा
- 8. सामूहिक बोला र्म्काम के उपबंधों में कोई भी लंशोधन, प्रादेशिक भिवच्य तिथि क्रायुक्त महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा स्रोर कहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पढ़ने की संभावना हो, बहां प्रावेशिक भविष्य निधि क्रायुक्त, अपना सनुभोदन

देने से पूर्व कर्नजारियों को ग्रास्ता दृष्टिकोणस्तप्ट करा का युक्तिपुक्त प्रवसर देगा।

- 9. यदि किसी कारणवा, स्थापा के कर्ननारी, भारती। जीवन ग्रीमा निगम की उस मामूहिक बीमा स्कीम के जिल स्थापत पर्वन भारत खुका है, प्रधीत नहीं रह आते हैं, या इस स्कीम के अवश्व कर्ननारियों को प्राप्त होने नाम कायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, से यह छूट रह को जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवण, नियोगित हो नियन तारीख के भीतर, भी भारतीय जीवन बीमा नियम 11न करे प्राप्तरत का गरान हरन में प्रसफल रहता है और पालिनों को ब्यनगत हो जान दिया जाता है तो, खूट रह की जा सकती है।
- 11. नियोज ह बारा प्रामिश्म के सदाय में किए गए किसा कांतिकम की दशा में उन मृत भदस्यों के नामानदीना प्रया या । जाजक थारितों की जो याँव यह छूट न दी गई होतों तो उस्त स्कास के आर्थत होते, बीमा कायवों के सदाय का उत्तरकायत्व नियाजक पर होगा।
- 1.2. उक्त स्थापर क सबय मं त्यानक हा स्कीन के श्रवान झान बाले किसी सदस्य का मृत्यु हान पर उत्तक हक्तरार तथा विवेशितियों/ विधिक बारिसों का बानाकृत रहन का मदाय तत्तरता से प्रीर प्रत्येत दशा में भारतीय जायन बामा जिल्ला से बानाकृत रहम प्राप्त होने के मात दिन के भीतर सुनिक्ष्मत करेगा।

[सब्या एत-35014/303/82-वी०एफ०-11]

S.O. 729.—Whereas Messis Guest Keen williams Limited, Sankey Pressing Division, Lal Bahadur Shastri Mark, Bhandup, Bombay-18 (MH/75), therematter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act (19 of 1952) (herematter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, (Bombay), a maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nomince of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay) and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his opproval, give a reasonable opportunity to the employees ti explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to Japse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomince/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(308)/82-PF. II]

का ॰ आ ॰ 730. - मैंसर्स इायटण बैठा एण्ड पाम्पती (इहिया) लिसिटेड 147, बम्बई पूना राड, पूना-18 जिससे उसर्क अन्यदेवर गुजरात महाराष्ट्र-6549 साखा शामिल है पण्डात् उन्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मबारी अविषय निधि और प्रकीण उपबन्ध प्रधितियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उन्त प्रधितियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के प्रधीत छट दिए जाने के लिए प्रायेदन किया है;

श्रीर केन्द्रीय सरकार का ममाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किमा प्यक भ्रियाय या श्रीमयम का संदाय किए विना ही भारतीय जीवन बीमा निगम की मामूलिक बीमा स्कीय के भ्रधीन जीवन श्रीमा के रूप में कायवे उठा रहे हैं भीर ऐसे कर्मचारियों के लिए में कायदे उन कायदों से भ्रधिक भ्रमुकूल हैं जो कर्मचारी निश्रीय सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चाम् उक्त स्कीम कहा गया है) के भ्रभीन उन्हें भ्रमुकेय हैं;

श्रत. केम्द्रीय सरकार, उक्त श्रिष्ठियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्न प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में विनिद्दिन्द शर्तों के प्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को सीन वर्ष की श्रविध के लिए उक्त स्थीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देता है।

अनुसूची

- 1. सक्त स्थापन क सबन्ध में नियोजक प्रावेशिक श्विष्य निधि द्यायुक्त महाराष्ट्र (बस्बई) का ऐसी विकरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरंक्षण के लिए ऐसी मुतिधाएं प्रवान करेगा जी केन्द्रीय सरणार, समय-समय पर निविष्ट करे।
- 2. नियाजक, ऐसे निर्दाक्षण प्रशास का प्रस्वेक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करना जो केन्द्रीय सरकार, उनन भिधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रधीन प्रमय-समय पर निविष्ट करे।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके प्रस्तर्गत सेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुन किया जाना, वीमा प्रीमियम का मंदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय धादि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक द्वार, किया जायेगा।
- 4. नियं जरु, केन्द्रीय सरकार इत्या यथा धनुमोदित सामृहिक वं मा स्कीम के नियमों की एक प्रति, धीर जब कभी उनमें संबोधन किया जाए, तब उस सशाधन की प्रति तथा कमैचारियों की बहुसंख्या का बाया में उमकी भुष्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रविधत करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा धर्मचारा, जो कर्मचारा श्रीकव्य निधि का या उक्त मिश्रियम के मधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की श्रीकव्य निधि का पहले हो सबस्य है, उसके स्थापन में नियंजित किया जाता है तो, रियोजक साम्हिक बीमा स्कीम के सदस्य के ख्रूप ये उसका नाम तुन्त्त वर्ज करेगा भीर उसकी याबत प्रावश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन र्चमा निगम का संदक्ष करेगा।
- 6 यदिः उन्त स्कीम के प्रधीन कर्मवारियों को उपलब्ध फायदे बढाए जाते हैं तो, तियोजक सम्मृहिक यीमा स्कीम के प्रधोन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से बृद्धि का जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मवारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधान उपलब्ध फायदे उन फायदां से प्रधिक अनुकृत हों, जो उन्त स्कीम के प्रधीन मनुशेय हैं।
- 7. रामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी, यदि किसी कर्मकारी की मृत्यू पर इस स्कीम के झर्धान संवेय रकम उस रकम से कम है, जो कर्मवारी को उस दशा में संवेय होता, जब यह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मवारी के विकित वारिसिंशमिनवेंशिता को प्रतिकर के रूप में बोनों रक्तमों के प्रस्तर के बर्बर रकम का संवाय करेगा।
- 8 सामृहिक बोमा स्कीम के उपबन्धों में वाई पर सणाधन, प्रादेशिक भिष्ण मिल प्राप्तुक्त महाराष्ट्र के पूर्व प्रनुमोधन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी रामोधन से कर्मभारिया के दिन पर प्रतिकृत प्रभाव पहने को मंगवात हो, वहा प्रदेशिक प्रियत निधि प्राप्तुक्त, प्रपना प्रनुमोधन देने से पूर्व कर्मचारियों को प्रपना वृष्टिकीण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त प्रवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मचार्ग, जरतीय कीवन बीमा नियम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिमे स्थापन पहले अपना खुका है धर्दान नहीं रह जाने हैं, या इस स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने काले कायदे किसी रीनि से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की बा सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियम कारीख के भीतर, जो भारतीयजीवन बीमा नियम वियत करे, प्रीमियम का संवाय करने में ससफस

- रहता है, भीर पालियां को व्यपगत हा जाने विया जाता है तो, छूट रहद की जा सकती है।
- 11. नियाजक द्वारा प्रामियम के संवाय में किए गए किसी क्यांतिकम का देशा में उन मूल सदस्या के नाम निर्देशिक्षिया या विधिक वारिसी को जो याद यह छूट न दा गई होता तो उनत स्काम के प्रस्तर्गत द्वाते, बामा कायदा के सदाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होता।
- 12 जनत स्थापन क सबध में नियोगक, इस स्काम क धर्मान माने वाले किसी सदस्य का भृत्यु होन पर उसके हरूदार नाम निर्देशितिया/विधिक धारिसा की बामाकृत रेकम का सदाय तत्परता से भीर प्रत्येक वशा में भारताय कावन बामा निगम सं बामाकृत रकम भारत होने के सात दिन क भातर मुनिश्चित करेगा।

[स॰ एस॰-35014/30982-पः० एफ॰-11]

...O /30.—Whereas Messis Dr. Deck and Company (maia) Limited, 147, Bombay Poona Road, Poona-18 including its branch at Ankreshwar Gujarat, (MH/6549), (herematter reserved to as the said establishment) have appred tot exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act (19 of 1952) (herematter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more tavourable to such employees in n the benchts admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conterred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay), maintain such accounts and provide such faculties for inspectment, as the Central Covernment may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the tentral Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the emyloyers.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay recessary premum in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employer the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal here/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Circums some Maharachti (Bombay), and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees the Regional Fund Commissioner shall bifore giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point if view
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No S-35014/309)/82-PF. II]

करं आ व 731.—मैंससं त्स्सी फाईन क्विकल इण्डस्ट्रीज (प्राइवेट) लिमिटेड, 1216/7 फेजीजन काने उगेड, जिसाजीनगर पूणे-4 (महाराष्ट्र/12495) (जिले इसमें इसके पश्चात् उन्तरं स्थापन कहा गया है) ने कमंबारी श्रीषण निधि और प्रकीणं उपबन्ध प्रिधिनियम 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चान् उत्तरं अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधाल (2क) के अधिन छूट दिए जाने के जिए अधिन किया है;

श्रीर केन्द्रीय सदकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक श्रािदाय या श्रीिसयम का संदाय किए बिना ही, शारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के श्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं श्रीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से श्रधिक श्रनुकृष हैं जो कर्मचारी निक्षेप महबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसनें इसके पण्याम् उक्त स्कीम कहा गया है) के श्रधीन अन्हें श्रनुकेय हैं,

अतः केश्वीय नरकार, उक्त अधिनयम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदस्त समितयों का प्रयोग करते हुए और इससे उपा- बद अनुसूची में विनिधिष्ट सती के प्रश्लीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपवन्नों के प्रथमित से छुट देती है।

थनुस्की

- 1. उदन स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रावेशिक पृथिष्य तिष्ठि प्रायुन्त सहाराष्ट्र (प्राप्त) की ऐसी विवरणियां क्षेत्रेगा चीच ऐसे लेखा रखेगा तथा निराक्षण के चित्र ऐसी पुतिषाण् प्रवास करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2 नियोलक, ऐसे निरीक्षण श्रमारों का प्रत्येक साम की सामाप्ति के 15 जिन के मीतर संदाय गरेगा जो केखीय सरकार, गरम अवनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अवीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

- 3. सामृहिक बीमा स्थीम के प्रणासन में, जिसके प्रश्तमंत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रामियम का संदाय, लेखाओं का अनरण, निर्देशण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले गभी व्ययां का यहर्त नियालय द्वारा निया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्राय सरकार ठारा सथा अनुमोदित सामृहिक बीमा रकीम के नियमों की एड पति, योर जब कभी उनमें संगोधन किया जाए, तब उम संशाधन को प्रति तया कर्मजारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुक्ष्य बाता की अनुवाद, स्थापन के सूचना-पष्ट पर प्रदणित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मभारी, जो कर्मनारी भविष्य निश्चि का या उपत अधिनियम के अधीन सूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निश्चि का पहले हैं। सबस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक बेमा स्क्रीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरस्य को करेगा और उसकी बाबत आवण्यक प्रीमियम भारतीय जोवन बीमा निगम की संदक्त करेगा।
- 6. यदि उपत स्कीम के प्रधीन कर्मवारियों का उपलब्ध फायदे बदाए जाते हैं तो, नियोजक सामृहिक बीमा क्कीम के छाडीन कर्मवारियों को उ उपलब्ध फायदों में ममृचिन रूप मे वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृचिक बीधा स्कीम के प्रधान उपलब्ध • फायदे उन फायदों में प्रधिक प्रमुक्त हो, जो उक्त स्कीम के प्रधीन अनुसेय हैं।
- 7. सामूहिक यीमा स्कीम में किसी बात के हीते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के भाई न गर्वेय रकम उस रकम से कम है, जो कर्मचारी की उस दणा में संदेय होती, जब वह उकन क्कीम के भाईति हीता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/वामनिर्वेशिकी की प्रतिकर के रूप में बोनों रकमां के भारतर के बराबर रकम का संवाय करेगा।
- 8. सम्पूर्तिक कीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संसोधन, प्रावेणिक शिवा निधि आयुक्त महाराष्ट्र के पूर्व अनुसीदन के जिना नहीं किया जीयेगा और जहा किसी संसोधन से कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकृष्ण प्रभाव पड़ने की संभाषना हो वहां, प्रावेणिक भविष्य निश्चि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मनारियों को अपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त सवसर देगा।
- 9 यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मेचारी, शास्तीय जीवन बीमा निगम की उप सामूहिक बीमा स्कीम के, किसे स्थापन पहले शपन, मृता है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीणि से कम हो जाते हैं तो यह छूट रद्व की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवत्त, नियोजक उस नियस तारीख के भीतर,जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, श्रीमियम का संदाय करने में प्रसफ्त रहता है, भीर पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में ित्ये गए किसी व्यतिकम की दशा में उन मृत गवस्यों के नामनिर्देशितियो या विधिक वारिशों को औ यदि यह कृट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के प्रन्तरीत होते, बीमा कायदों के संवाय का उत्तरशायित्व नियोजक पर होता!
- 12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन, एस स्कंश्य के प्रधीन द्याने वाले कियी नास्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितयों/विधिक वास्यों की बीमाइन रकम का मंदाय तत्परता से ग्रीर प्रध्येक दशा में भारतीय जिल्ला की मा नियम से बीमाइन रकम प्राप्त होने के सारा विन के भीनर सुनिष्ति करेगा।

[नंख्या एस०-35014/304/82-पी० एफ०-2]

S.O. 731.—Whereas Messrs Tulsi Fine Chemical Industries (Private Limited, 1216/7, Fergusson College Road, Shivajinagar, Poona-4 (MH/12495), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay), maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc shall be borne by the employers.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas the employee, who is already a member of the Employees' Provident 1 and or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nomince of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay), and where any amendment is likely to affect adve selv the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their points of view
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the I ife Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shell be liable to be concelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc, within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominces or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomince/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S. 35014(304)/82-PF, II]

कां ब्या ० 732 ----मैसर्स गेस्ट कीन विलियम्स लिमिटेड, लाल बहादुर शास्त्री भागे, अण्डूप, बग्नुई-78 (महाराष्ट्र/9074) (जिसे इसमें इसके पण्डात् उकत स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी प्रविष्य निधि और प्रकीणे उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इगमें इगर्थे पण्डात उकत अधिनियम कहा गया है) की प्रारा 17 की उपधारा (2क) के अभीन एट दिए जाने के लिए प्रावेशन किया है;

श्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्वापन के कामंत्रारी, किसी पृथक श्रिदाय या श्रीमियक का संवाय किए, विना ही भारतीय जीवन बीमा निगम की गामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उटा रहे हैं और ऐसे कर्भवारियों के लिए ये फायदे उन फायदों ने श्रीयक श्रानुकृत है जो कर्मवारी निक्षेप सहय ह धीना स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें श्रानुकेय है;

प्रतः, केन्द्रीय सरकार, उकत प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) धारा प्रदत्न प्राक्तियों का प्रयोग करने हुए और इससे उपाबय धनुसूची में विनिर्विष्ट गर्लों के शक्षीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की श्रवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपवधी के प्रवर्तन से छुढ़ वेती है।

अनुसूची

- 1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निश्चि धायुक्त महाराष्ट्र (बरबर्ड) को ऐसी जिबरणियों भेजैना और ऐसे लेखा रुखेना तथा निरीक्षण के निष्ण ऐसी सुविधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्विष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रस्येक्ष मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा को केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रधीन समय-समझ पर निरिष्ट करे।
- 3 सामृतिक बीमा स्कीम के प्रभासन में, जिसके प्रम्तर्गंस लेखाओ का रखा जाना, थिवरणियों का प्रम्तुन किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, थेखाओं का प्रम्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय प्राधि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामृहिक यीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें मंशोधन किया जाए तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की यहुसंख्या की शावा में उसकी मुख्य वासों का प्रमुखाव, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रवस्ति करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी प्रविष्य निश्चि का बा उक्त प्रधिनियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निश्चि का पहुँचे ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरस्त वर्ज करेगा और उसकी बाबन स्नावश्यक प्रीमियम भारतीय जीयन बीमा नियम को संदक्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्त्रीम के प्रधीन कर्मकारियों को उपलब्ध कायदे बहाए जाते हैं सो, नियोजक मामूहिक बीमा स्त्रीम के प्रधीन कर्मवारियों को उपलब्ध फायदों में सम्बित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्त्रीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रधिक धनुकून हों, जो उक्त स्त्रीम के प्रधीन अमुज्ञेय हैं।

- ७ शामूतिक बीमा क्कीम मं ति शि भा के होंगे हुए भी, यबि किसी कमंत्रारी की मृत्यु पर इस क्कीम के मन्नोन सबेय रवाम उस रकम से कम है गा कमंत्रारी को उस द्वाम से सदेय होती जब वह उसत स्कीम के प्रधीन होता थी, नियोजक कमंत्रारी के विधिक बारिस/नाम निर्देशिकी को प्रितिकर के रूप में दानों रकमों के अन्तर के बराबर रक्षम का सदाय करेगा।
- 8 सामृहित वीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी मंगोधम, प्रादेणिक भविष्य विश्व प्रायुक्त महाराष्ट्र के पूर्व प्रतुमोदन के बिना नहीं किद्रः जाएगा भीर जहां किसा मणोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सन्तवना नो बहा, प्रादेशिक निजय निधि सायुक्त, अपना धनुसोदन देने से पूर्व धर्मचारियों की अपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त असमर वेसा ।
- कि याँ हिसा कारणवण, स्थापन के कमंनारी, भारतीय त्रीवन वीमा निराम की उस कामूहिक वीमा,स्कीम के, जिससे स्थापन पहले अपना चुंग। है अधीन नहीं उह उपने हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्माचारियों की प्राप्त होने याले कायदे किर्मा रोनि से बम हो जाते हैं, तो यह छूट पह की आ सकती है।
- 10 विद विक्सी कारणवण, नियोगक उस मियत तारी का के भी तर, जो भारनी य जीवन की मा नियम कियत करे, प्रोजियम का भवाय करने में असफत नहां। है, भीर पालियी को व्यवसार हो जाने दिया जाता है मी, खुट रह की का सकती है।
- 11 नियोजक द्वारा प्रीस्थिम के सवाय में किए गए किसी व्यक्तिकथ की दशा में, उस मृत सदस्यों के नाभितर्देशिसियों पा विश्विक वारिसों को जो, यदि यह छुट स दी गई होती तो उक्त स्कीम के प्रस्तांत हुँति, कीमा कायदों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होता ।
- 12 ज्यात स्थापन के शबध में नियोजक, इत स्कीम के पाधीण अति वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्दार नामिनवैशितियों/विधिक वारिसों को विधाकृत रकम का नदाय सन्परता से भीर प्रश्वीक दशा में शावतीय जीवन वीमा निगम में बैंमाकृत रकम प्राण्त होने के साम दिन के भीतर मुनिविचन करेगा।

[स॰ एस॰-3501,4/307/82-पी॰एक॰2]

S.O. 732.—Whereas Messis, Guest Keen Williams Jimited, I al Bahadur Shastri Maig, Bhandup, Bombay-78 (MH/9074). (hereinafter referred to as the soil establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits a light tribe under the Employees. Deposit-Link Insurance Scheme, 1976 thereinafte referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the condition, specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashi a (Bombay), maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

- 2. The employer shall pay cuch inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employers.
- 4. The employer display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Mahutashtra (Bombay) and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of In Fa, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grapt of this exemption, shall be that of the employer
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomince legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. \$-35014(307)/82-PF. JI]

कार आर 733 .--मैसर्स न्यू प्रेसिशन (इण्डिया) लिसिटेड, प्रेसिशन हाउस, स्टेशन रोड़, देवास-455001, (मन्प्रन/694), (जिमे हसंग इसके परवात् छक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मेचारी विकास विधि और प्रक्षीण जपवन्त प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे उसमें इसके परवात् जक्त प्रधिनियम कहा गया है) नी धारा 17 की जपधारा (2क) के अधीन छुट दिए जाने के लिए प्रावेदन किया है:

भीर केन्द्रीय सरकार को समाधान हो गया है कि उपत स्वापत के कर्भचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक कीमा रकीम के अर्धाय जीवन बीमा के रूप में कायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचार्र निक्षेप सहबर बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पण्चार्म उक्त स्कीम कहा गया है) के अक्षीन उन्हें अनुक्षेय हैं ;

अत. केंग्ड्रीय सरकार, उकत अधिनियम की धारा 17 को उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए और इससे उपावद प्रनुसूची में विनिर्दिष्ट शतों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की प्रवधि के लिए उक्त स्काम के सभी उपबन्धों के अवर्तन से कृट देती है।

धनुसूची

- 1. उत्तर स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, मध्य प्रदेश को ऐसी विवर्णामां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेग, तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविध ए प्रवत्न करेगा जो भेजेग्रीय सरकार, समयसमग वर निर्विष्ट करे।
- 2. निकोजक, ऐसे निर्शक्षण प्रभारों का प्रत्येक माम की समाध्य के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त द्यक्षिनियम की भारा 17 की उपवास (3क) के आएक (क) के प्रधीन समय-सगय पर निर्विष्ट करे।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके प्रस्तांत लेखाओं का रखा अता विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, केखाओं का प्रसरण, निरीक्षण प्रसारो का संवाय प्रादि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजन, नेन्दीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामृहिक बीगा स्कीम के नियमों की एक प्रति, भीर जब कथी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य आतों का भनुवाद, स्थापन के मूचना-पट्ट पर प्रदक्षित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी श्विष्य निधि का या स्कत धिर्मित्यम के मधीन छूट प्राप्त कियो स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजिन किया जाता है तो, नियोजिक, सामूहिक बीमा स्कीम के सवस्य के रूप में उसका नाम पुरस्त वर्ज करेगा भीर उसकी बाबत मावश्यक प्रीमियस मारतीय जीवन बीमा नियम की संबत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीस के मधीन कर्मवारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीस के अधीन कर्मवारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से बृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मवारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के मधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूष हो, जो उक्त स्कीम के मधीन मनुकेष हैं।
- 7. सामृहिक बीया स्कीस में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मबारी की मृश्यू पर इस स्कीस के अधीन संदेय रक्षम उस रक्षम से कम है जी कर्मबारी की उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के प्रधीन हीता तो, नियोजक कर्मबारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिती की प्रतिकर के कप में दोनों रक्षमों के ग्रंतर के बराबर रक्षम का संवास करेगा।

- १ मामूहिण योगा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी भणान, प्राविधिक प्रविध्य निधि प्रायक्त, यहा प्रदेश के पूर्व अनुमोक्त के बिना निहीं किए जाएन प्रौण नहीं किसी संजोधन में सभैन्यिकों के हिन पर प्रीणा जाएन प्रणो की संभावना हो, यहा प्राविधिक प्रिण्य निधि प्रायुक्त, प्राना धनुमंदिन सेने से पूर्व कर्मचारियों की प्रपता इंक्टिकोण स्पष्ट करने का युविनपुक्त धवसर वैगः।
- 9 यदि कि कि कारणयम, स्थापन के कर्मचारी, मार्ग य जीवर्ग बीमा शियम की उस ल पृष्टिक बीमा क्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रपन। खुका है प्रक्रीन नहीं कि जाते हैं, यह दग स्कीम के अधीन क्षमचारियों की प्राप्त होने याने कायदे किसी कीति से कम हो जाते हैं, सो यह कृट क्यूद की जा सकती हैं।
- 10 यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियत तारे ख के भंतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करे, प्रीमिथम का संदाय करने में अमफल रहता है, और पालिसी नो व्यपगत हो जाने दिया जाता है ली, खट रह की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा भीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम के द्या में उन मृत सवस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को थि यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के भन्तर्गत होते, श्रीमा फायवों के संवाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के संश्रध में नियोजक, इस स्कीम के धर्धान गाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु हीने पर उसके हक्तवार नामनिर्देशितियों/ विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का मंदाय तत्परता से भीर प्रत्येक एशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिक्षित करेगा।

[सं॰ एस-35014/365/82-पी एफ-2]

S.O. 733.—Whereas Messis New Precision (India) I imited, Precision House, Station Road, Dewas-455001, (MP/694), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establi hment are, without making any separate contributions or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditious specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including Maintenance of accounts, sub-

mission of returns, payment of insurance premis, transfer of accounts payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer

- 4 The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as an i when amended alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees
- 5 Wicicas at employee who is already a member of the Employees. To sident Fund of the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employ r shall immediately eurof him as a member of the excoup Insurance Scheme and pay ne essaly premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, it the benefits available to the employees under the said 5 hance are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible in der the said Scheme
- 7 No abstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said scheme the employer shall pay the difference to the legal her/nomines of the employee as compensation
- 8 No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Region I Provide t I and Commissioner, Madhya Pradesi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Region I Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reason ble opportunity to the employees to e-plain their point of view
- 9 Where for any reason, the employees of the said establishment do not termin covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India sales dy idopted by the said establishment, or the lengths to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be hable to be cancelled
- 10 Where, for any reason the employer fails to pay the premium etc. Within the due date, is fixed by the Life Insuance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is hable to be cancelled
- 11 In c e of d fault if any made by the employer in payment of promum the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees of the legal heirs of deceased members who would, have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer
- 12 Upon the leath of the member covered under- the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomince/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India

[No S 35014(365)/82 PF][[

का आ 731 - मैमर्न णा यात्रम एण्ड यस्पना लिमिटेड, (प०ब गाल/ 5027 और महारागी कम्पना 4-बैध गाल स्ट्रीट, बलकत्ता (प० व गाल/ 1645) (जिसे इसमे इसके पश्चात् उकत स्थापन कहा गया है) ने तमंजारी प्रविध्य निधि भीर प्रवीर्ण उपवर्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमे इसके पश्चात् उकत अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 वी प्रधीन सुट थिए जाने के सिए धारेदन किया है,

शौर केन्ग्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के का नित्री प्राप्त प्रक्रिया या प्रीमियम का सवाय किए जिला ही, नारतीय नावन जामा निर्म की सामृद्धिक बीमा स्कीम के ग्राप्तीन जीवन बीमा के रूप में कायदे उटा रहे हैं भीर ऐसे कुर्मवारियों के लिए ये कायदे उन कायदों ने अधिका अनुकूष हैं जा कर्मवारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिस इसमें इसके पक्नास् उक्त स्कीम कहा गया है) के ग्राप्तीन उन्हें भनुक्तेय हैं,

धत केन्द्रीय सरवार, उक्त प्रांधनियम का धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त प्रक्तिया का प्रयोग करते हुए और इससे उपायक अनुसूर्या म त्रिनिहिन्द शतौं के अधीन रहते हुए, उक्त स्वापन का तीन वर्ष को अवधि के सिए उक्त स्वीम के सभा उपवन्तों के प्रवर्तन से कृष्ट देशी है।

समृगुष्

- 1 उक्त र गपन के सबस्न में नियाजक प्राविशक्त भौवष्य निधि माकुक्त, पश्चिमा बगाल, क तक्ता का ऐसी विवरणिया भेजमा भीर ऐसे सेखा रखेश तथा निरोक्षण के निए ऐसी मुविधाए प्रवान करेगा जा केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निधिष्ट करे।
- 2 नियाजक, ऐस निराक्षण अभारों का पत्येक मास का समाधि क 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रधीन समय-समय पर निद्दिन्द करें।
- 3 सामृहित बांमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके मन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सदाय, लेखाओं का भनरण, निरीक्षण प्रभारों की सदाय मादि भी हैं, होने वाल सभी अथों का बहुन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4 विधाजक, कन्द्रीय सरकार द्वारा धनुमोबित सामृहिक बीमा स्कीश क नियमो की एक प्रति, धौर जब क्सी उनमें सलोधन किया जाए, तब उस मशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसच्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का सनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रवर्णित करेगा।
- 5 यथि काई ऐसा कर्मजारी, जो कर्मचारी शिवच्य निधि का अप उक्त प्रधिनियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भिष्य निधि का पहले ही सबस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामूहिक योगा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरस्त दर्ज करेगा धौर उसकी बाबत भावस्थक प्रीमियन भारतीय जीवन बीमा निगम को सबस करेगा !
- त यदि उनन स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदे बढ़ाएं जाते हैं नो नियोजक सामृहिक, बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समृजित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिसस कि वर्मचारिया के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायवों से प्रधिक प्रानुकूल क्षों, जो उस्त स्कीम के प्रधीन प्रानु-केय हैं।
- 7 सामृहिक बीमा स्काम मे किसी बास के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के प्रधीन सबेय रकम उस स्कम से कम है जा कर्मचारी का उस दक्षा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के प्रधीन होता हो, तियोजन कर्मचारी के विधिक बारिस/नामनिर्देणिती की प्रतिकर के क्या में दोनो रक्मो के प्रतिकर के क्या का सबाय करेगा।

- 8. सामृहिक बीमा स्किम के उपवन्धों में कोई भी संगोधन, प्रावेशिक भीवष्म निधि भागुक्स, पिक्वमी बंगाल, कलकसा के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा भीर जहां किया सगोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रावेशिक एविष्य निधि भ्रायुक्त, अपना भ्रानुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को धपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त श्रवस्ट देगा।
- 9. यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मनारों, भारतीय शिवन वीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्थीम के, जिसे स्थापन पहले प्रपत्ता चुका है प्रधान नहीं रह जाने हैं, या इस स्थीम के श्रावीन कर्मनारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसो रोति से कम हो जाने हैं, तो यह छूट रत्द को जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवय, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, शो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में मनकल रहना है, स्रौर पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो खुद रहन भी जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाभ निर्देशितियों या निधिक बारिसों को जो, यदि यह छूट न वी गई होती नो उन्दर स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा कागदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उनत स्थापन के संबंध में नियोजन, इस स्कीम के मधीन माने वाले किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नामनिव मितियों विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से भीर प्रत्येक धना में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सान दिन के भीतर सुनिध्वत करेगा।

[सं०एस-35014/357/82-पी०एफ-2]

S.O. 734.—Whereas Messis Shaw Wallace and Company Limited (WB/5027) and its Associated Companies, 4, Banksshall Street, Calcutta, (WB/1645), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are move favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, West Rengal (Calcutta), maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

1085 GI/82—8.

- * 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already, a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corpo ration of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heirs/nominees of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner West Bengal (Calcutta), and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominees/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India

का० मा० 735. -- मैमसं टेलेकांम फैक्ट्री, अलीपुर, 248-ए० जे० रोड, कलकता (कोड न० पश्चिमा बंगाल/1769) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उकत स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारो प्रविध्य मिधि और प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिने इसमें इसके पश्चात उक्त प्रधिनियम कहा गया है) का धारा 17 को उपधारा (2क) के श्रधीन छूट दिए जाने के लिए श्रावेदन किया है.

चीर केन्द्रीय सरकार का समाधान ही गया है कि उन्ह स्थान क कमंचारी, किसी पृथक प्रभिदाय या प्रीमियम का मंदाय किए जिना हां, कारतीय जीवन जीमा निगम की सामृहिक जीमा स्कीम के प्रकीय जीवन बीमा के रूप में कार्य उठा रहे है श्रीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायदे उन फायदों में श्रीवक प्रमुक्त है जा कर्मचारी निक्षेत सहयदं बीमा स्कीम, 1976 (।असे इसमें इसके पहचात् उनत स्कीम कहा गरण है) के चान उन्हें श्रमुकेय हैं,

भतः, केन्द्रीय सराधार, उक्त प्राविध्य करे धारा 17 की उपतारा (2क) द्वारा प्रवत्त णिक्तवीं का प्रयान करते हुए और एनमें उक्त सब्द भनुसुची में विनिद्धिय गतौं के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की ग्रामधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपनिक्षों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसू ची

- 1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निवि श्रायुक्त पश्चिमी अभाल को ऐसी विवरणियां भेजेगा भीर ऐसे लेखा रखेगा सवा निरीक्षण के लिए ऐसी मुनियाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रोय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक माम की समाध्यि के 15 दिन के चीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उस्त श्रिवियम की भारा 17 की उपधारा (उक्त) के खण्ड (क) के श्रिधीन समय-समय पर निष्टिक करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके प्रन्तांस लेखान्त्रों का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, भेखाओं का प्रन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संवाय श्रादि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियाजक द्वारा किया जाएगा।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अभुनोदित सामृह्यिक बोना स्कीम के नियमों का एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मनारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बात में का अनुवाद, स्थापन के भूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या छक्त श्रीक्षांत्रम के श्रीकृत छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सवस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सवस्य के रूप में उसका नाम सुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबन श्रावक्षक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को गंदन करेगा।

- 6. यदि उक्त स्कीम के प्रक्षीत कर्मकारियों को उपतब्ध कायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों की उपलब्ध कायदों में समुजित रूप से बुद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक दीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध कायदे उन कायदों से प्रधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के प्रधीन अनुक्षय है।
- 7 सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होने ब्रुए भी, यदि किमी कमंबार की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन सन्वेय रकम उस रकम से सम्म है, जो कमंबारी को उस वसा में संवेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कमंबारीयों के विधिक बारिस/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के हप में दोनों रक्तों के व्यन्तर के बराबर रक्षम का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिक कीमा स्कीम के उपातन्त्रों में काई भी संशोधन, प्रावेशिक भिवाय निश्चि प्रायुक्त, पश्चिमी बगाल के पूर्व प्रन्मोदन के बिना नहीं किया जाएगा भीर जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हिन पर प्रितिकूल प्रभाव पढ़ने के सभावना हों, तहां प्रावेशिक स्थिव निश्चि प्रायुक्त अपना प्रानुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना व्यक्तियुक्त प्रवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवश, स्वापन के कर्मवारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है भ्रष्टीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के श्रधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने बाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह की जा मकती है।
- 10. यदि किसी कारणक्श, नियोजक उस नियत नारीख के भीतर, जा भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में भसक ज रहता है, भीर पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाना है तो, छूट रह की जा सकती है।
- 11. नियोजन द्वारा प्रीमियम के संवाय में निए गए किसी व्यक्तिकम की दक्षा में उन मृत सवस्थों के नामनिर्देशितियों या विधिक बारिसों को की यदि यह कूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के श्रन्तगंत होते, बीमा फायदों के संवाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने बाले किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसके हकवार नाम निर्देणितियों/ विधिक वारिसो की बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

सिंच्या एस-35014/356/82/पी०एक० II]

S.O. 735.—Whereas Messrs Telecom Factory, Alipore 248, A. J. Bose Road, Calcutta, (WB/1769). (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Covernment is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution of payment of premium in appyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which a comore tavourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Depond finked Insurance Scheme 1976 (hereinarter referred to is the sind Scheme).

Now, therefore it execuse of the powers conterted by sub-section (2 V) of section 17 of the said Net and subject to the conditions secured in the schedule annexed he eto, he central Covernment hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a peut d of three years.

SCHEDULE

- 1 The employer in relation to the soid establishment shill submit such return to the Regional Provident Fund Commissioner. West Beng d (Calcut i) munitin such accounts and provide such facilities for inspection is the Contral Government may direct from time to time
- 2 The employer shall pay such inspection charges as the Central Covernment may, from time to time, direct under clause (a) of sab section ($^3\Lambda$) of section 17 of the said Act,
- 3 All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts payment of inspection charges etc. shall be force by the employer
- 4 The employer shall display on the Notice Board of the establishment a copy of the rules of the Group Insurance Scheme to approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient leatures the color in the language of the majority of the employees
- 5 Where s in employee, who is already a member of the Employees Provident I and or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately enrolling as a member of the Group Institute Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Institute Corporation of India
- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately at the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favour about to the employees than the benefits admissible under the said Scheme
- 7 No vith tending anything contained in the Crotp Insurance Scheme it on the death of an en ployee the amount psyable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee be a covered under the said Scheme, the employee shall pay the difference to the legal hen/nomince of the employee is compensation
- 8 No a menda ent of the provisions of the Group Insutance Sche he shill be mide without the prior approval of the Regional Fowled at Fund Commissioner. We to Bengal Calcuttath and where the immendment is likely to affect adversely the interest of the employees the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonal le opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9 Where 13 m, reason the employees of the sidestablishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the sud establishment or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled
- 10 Where to inv reason, the employer this to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Lite Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is hable to be cancelled

- It in case of default of any made by the employer in parameter of premium the responsibility for payment of surface cencility of the nominees of the legal hears of located numbers who would have been covered under the it school but for grut of the exemption shall be that the employer
- 12 Upon the death of the member covered under the Schedul the employer in relation to the said establishment and consider prompt payment of the sum assured to the nominee/legal hours entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the lafe Insurance Corporation of India

[No \$ 35614(356)/82 PF II]

का० आ० 736 में भम महाराष्ट्र राउन शिमतण त !

एम० जोड० र मा० एत्या सतारा-११००० (महाराष्ट्र/११६६०),

(जिसे इसम उनके प्रथान् उबन स्थापा कहा भया है) न

कमनारा कविष्य निधि और प्रकाण डागान्त्र अधिनियम ११० (१७०३

। ११) (जिस इसम इसम पण्यान् उपन अधिनियम नहा गया है) न।

यारा १७ का उपप्रारा (३४) के श्राता छड़ दिए जान है किए प्रवडन

किया है

शार कन्द्राय सरयार को समाधान हा गया है कि उक्त स्यापन के कर्मनार। जिपा पृथक अभिदाय या अभियम का सदाय कि र बिता है, भारतिय जावन प्रामी नियम का सामृद्धित बीमा स्थाम के अर्थन जावन बीमा र स्थाम के प्राप्त उटा रहे हैं और एमें उमनाविया के लिए ये फायद उन फायदों से आधार अन्तृत है जा निश्वार जिलेष म्हाबद बामा स्काम 1975 (जिस इसमें इसमें प्रमान उत्तर स्थाम कहा गया है) के अर्धात उत्तर अनुकेष र्ष

का तन्त्राम संग्रहार उस्त प्राधितियम को धारा 17 की उत्तार्गर (_न) इत्या प्रदत्त मन्त्रिया का प्रयोग व्यन हु० और इसमे उपावह प्रतुसूचा में धिनिहिंग्ट मती के प्रधान रहते हैंग उक्त स्थापन का तान वर्ष का श्रविध के लिए उत्तर स्काम ने सह उत्तवस्था के प्रवत्त सह्ह दती है।

अनुसक्ते

ा उपन स्थापा । संबन्ध भी दियाजन प्रावशिक अधिष्य निधि त्तियक्त महाराष्ट्र (अस्थण) थाँ ए विन्दिण संभेजेश श्रीरास तस्त्रा रखेगा प्रश्नितिका । ए पुत्र दिन्दीय सरकार समस्यस्य पर दिन्दी ? ।

निहात है। 'तार प्राप्त क्षेत्र प्रवर्ग भाग का समाजित क । विकार स्थान राजा जा बन्द्र न सरवार उत्तर प्राधिनियम जा जारा 17 का उपमारा (उक्त) के खण्ड (1) के प्रधान समय समय पर निर्मिष्ट वरें।

- उ सामूहिक बामा स्वीम क्षापारा में जिसके ग्रन्था तकाका का रखा जाना विवरणियां का प्रस्तुत किंग जाना, बामा प्रीमितम का सर्वाय रखामा था ग्रन्थण, विरक्षण प्रभाग गागदाय क्षादि भा है होने जो सभी व्यया का यहन नियापक खेश किया जायगा।
- 4 नियोजन केन्द्राय मरकार द्वारा यता यन्माद्भित सामृहिक वीमा स्थान के नियमा का एव प्रति श्रीर जब जमा उाम संशोधन क्लिक जाए तब उम संशोधन वा प्रति तता कर्मसारियो का बहुसस्या का भाषा मे उसका मुख्य बाका का अनुवाद स्थापन के सूत्रता प्रदृष्ण प्रदर्शिक करेगा।

- 6 यांच द्वत रकोम अस्र प्रेन फर्मचारियो का उपलब्ध फाएरे बना या जाने हैं तो, नियोजक मामूहिन बीमा स्तीम ने सर्वान "ननारियों का उपलब्ध फायदों में सम्बित कम से बृद्धि दी जाने के त्यवस्था वरेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सागृहिक दीमा स्कीम के प्रार्थन उपलब्ध फायदे उन फायदों से छैबिक अनकल हो जो उक्त स्कीम के प्रार्थन सन्तेय है।
- 7 नामूहिक बीमा स्क्रीम में किसी बात के ठाते हुए भी यदि किसी कर्मवारी की मृत्यु पर इस स्क्रीम के प्रश्नेत सन्देय रकम उस रक्तम में कम है, जो वर्मवारी को उस दणा में सदेय होती, अब वह उकत स्क्रीम के अबीन होता तो, नियोजक कर्मवारी के विधिक वारिस,नामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रक्ष्मों के अतार के बरावर रक्षम का मंदाय करेगा।
- 8 सामूहिक बीमा स्कीम के उपवन्शों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक शिविष्य निधि अध्यक्त महाराष्ट्र । बस्बई) के पूर्व अनुसोदन के विना नहीं किया जाएगा ओर जहां किसी संशोधना से कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की मधावना हो, वहां प्रादेशिक विषय निधि आयुक्त, अपना अनुसोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को प्राना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का यक्तियुक्त अवसर देना ।
- 9 प्रवि किसी कारणवण, स्व पन के कर्मचारों, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अबीन नहीं रह जाने हैं, या इस स्कीम के अधान कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फाण्टे किसी रोति से कम हो जारे हे, तो यह छूट रदद् की जा सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का मदाय करने भे अमफन रहता है, और पालिमी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रह की जा सकती है।
- 11 नियोजक द्वार। प्रीमियन के मदाय में किए गए किनी व्यतिकम की दणा में उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितयों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होतों तो उदन स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उनन स्थापत के सबध में नियाजक, इस स्कीम के अधीन श्राने वाले किसी मदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियो/विधिक वाण्या की वीमाकृत रक्षम का सदाय तत्परता में और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन वीमा निषम में त्रीमाकृत रक्षम प्राप्त होने के मान दिन के में नर मृतिष्चित करेता।

[सक्या एस-35014/359/82-पी॰ एफ-II]

S.O. 736.—Whereas Messrs Maharashtra Scooters Limited, C-1, M.L.D.C. Area, Sotaro-415003, (MH/18365), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of berefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the schedule annexed here's, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years

SCHEDUI E

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay), maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as, the Central Covernment may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Control Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17, of the said Act. within 15 days from the close of every month
- 3 All expenses involved in the administration of the Goup Insurance Scheme, including maintenance of accounts, abmission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employers.
- 4 The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees
- 5 Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provilent Fund Commissioner Maharashtra (Bombay) and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before the ng his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in myment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the faild Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominees/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India

श्रीर केन्द्रीय सरकार का समाक्षात हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक श्रीधदाय या प्रीमियम का सदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा क्लीम के श्रधीन जीवन बीमा किए ये काम के रूप में काम के श्रधीन जीवन बीमा के रूप में काम के श्रधीन जीवन बीमा के रूप में काम के रूप में श्रीधक श्रमुक्त है जो कर्म नारी किसीप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चीत उक्त क्लीम कहा गया है) के श्रधीन उन्हें श्रमुक्त हैं ,

भन. केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधितियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त गाक्तियों का प्रयोग करते हुए भीर इससे उपावद भ्रत्सुची में जिल्लिक्ट गतों के भधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीत वर्ष की प्रविध के लिए उक्त स्कीम के सभी उपकर्षों के प्रवर्गन में खूट वेती है।

अनुसूची ,

- उनम स्थापन के पंदंध में नियोगक प्रावेशिक भविष्य निर्धि भ्रायुक्त महाराष्ट्र (अम्बर्ध) को ऐसी विजरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा निया निरीक्षण के लिए ऐसी जुन्बिसए प्रदान करेगा जो केखोब सरकार, समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 2 नियोजक, ऐसे निशेक्षण प्रभारो का प्रस्थेक माम की ममाध्य के 15 किन के भीतर मंदाय करेगा जा केन्द्रीय सरकार, उनत मिनियम की बारप्र 17 की उपवारी (3क) के बज्द (क) के प्रधीत तमय-समय पर निविध्य करे।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेकायों का रखा जाना विवर्णणयों का प्रस्तुत किया जाता, बीना प्रीमियम का सदाय, लेकाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभानों का नदाय भादि भी है, होने वाले सभी व्यक्षे का वहन नियोजक हाना किया जायेगा।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम है निययों की एक प्रति, और जब सभी उनमें संशोधन किया जाए तब उस मंत्रीधन की प्रति तथा कर्मकारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बानों का अनवाय, स्थापन के मुसनान्यह पर प्रदेशित करेगा।
- 5 यदि सोई ऐसा कर्मकारी, जो कर्मकारी भविष्य निधि का या उक्त श्रिधिनियम के अक्षीन छुट प्राप्त किसी स्थापा की भविष्य निधि या पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किरा जाता है सो, नियोजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उपका नाम सुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बावम आवश्यक प्रीमियन भारतीय जीवन जीमा नियम को संदल करेगा।
- 6. यि उक्त स्कीम के प्रश्नीत कर्मनिरियों को उपलब्ध कायदे बहाए जाने हैं तो, नियोजक पामूहिक बीमा स्कीम के श्रद्धीन कर्मकारियों को उपलब्ध कायदों में समुचित रूप से बुद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिनसे कि वर्मनिरियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के प्रश्नीत उपलब्ध कायदे उन कायदों से अधिक श्रनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के प्रश्नीत श्रवशेष है।
- 7 सामालिक बीमा सकीम मे मिनी बात के हुंगे हुए भी, यदि किसी कर्मवारी की मृत्यू पर इस स्कीम के मधीन सबेय रकन उस रक्तम सं कम है, जो क्षमंबारी को उस धना में संदेय होती, अब यह उकत स्कीम के मधीन बोना तो नियंजिक कार्यवारी के विश्विक यारिमानानियाती

को प्रकार के रूप में दोनों रतामों के शकार के अरावण रक्तम का संदाय यारेगा।

- 8. सामूहिंग बीसा स्कीस के उपबंदों से कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रापृक्त महाराष्ट्र (बन्बई) के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हिन पर प्रिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, यहां प्रादेशिक अविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देते से पूर्व प्रार्थनारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का स्वित्यक्त अवसर देशा !
- 9. यदि किसी काण्णवम, स्थापन के कर्मवाणी, भागनीय जीवन बीमा निशम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना कृत है अधीन मही रह जाते हैं, या इस स्कीम के अबीन कर्मवारियों को प्राप्त होने वाले कायदे किसी रीसि से कम हो जाने हैं, सो यह छूट रद्द की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारण बगा, नियोजक उस नियन नारीख के भीसर, जॉ भारेनीय जीवन बीसा निगम नियन करे श्रीमियम का संदाय करने मे असकित रहन। है श्रीर पालिसी को व्यवसन की जाने दिया जाना है सो कृट रह की जा सकतो है।
- 11 सिनोजक द्वारा प्रीमियम के संबाद में किए गए किसी व्यक्तिकम की क्या में उन मून सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विकिक नारिसों को यदि मह कूट म दी गई होती तो उक्त रकीम के अन्तर्गत होते नीमा फानवों के संबाद का उस्तरविश्व नियोगक पर होता।
- 12. उसन स्थापन को संबंध में नियंजिक, इस स्तीम के अधीन प्राने बाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उपने हुन्दार नाम निर्देशि। मों/ विश्विक थारिसों की बीमाक । रकन का संदाय तत्परना से भौर प्रस्थेक दथा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाक । रकन प्राप्त होने के 11न विभ के भीतर मुनिश्चित करेगा।

[संबद्या एम-35014/354/82-वी व्यक्तव-1]]

S.O. 737.—Whereas Messrs Kinetle Engineering Limited, D-1 Block, Plot No. 18/2, Chinchwad, Pune-19, (MH/14219). (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 thereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to, the conditions specified in the schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner. Maharashtra (Bombay), maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government moy direct from time to time
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

- 3 All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts a tyment of inspection charges etc. shall be borne by the employer
- 4 The er placer shall desplay on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurace Scheme as approved by the Central Government and and when amended, alongwith a translation of the salient tentures thereof, in the Inguage of the majority of the employees
- 5 Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund of the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in this establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and properties of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more tavourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7 Notwithstanding anything contained in the Group fasinance Scheme, if on the death of an inplivee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee is compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group In urance Scheme shall be made without the pilot approved of the Regional Provident Fund Commissioner, Notice to Bombay's and where any amendment is likely to pladversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain the point of view
- 9 Where, for any reason the employees of the sud stablishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the cenefic to the employees under this Scheme are reduced nor any manne, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10 Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominees/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India

[No S-35014(358)/82-PF II]

गई दिल्ली, 18 दिसम्बर, 1982

का. आ. 738 — मैसर्म जूजारी आग्नो कैमिकल्स लिमिटेड, जय जिहर भवा. जूजारीनगर, गोजा-403726 (महा-राष्ट्र १९६८), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उका स्थापन कहा गया है) ने का चारी गिवष्य निधि और प्रकीर्ण उपवन्ध अधिनियम, 1196 GI/82—14

19 2 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चान् उक्त अधि-नियम कहा गया है) की धारा 17 की उप-धारा (2-क) के अधीन छट दिए उन्हें के लिए आवेदन किए। हैं,

ाय अन्द्रिय सरकार का समाधान हा गया है कि उक्त भ्याप के कर्मचारी. किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का सदान किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीना म्की के अधीन जीवन बीमा के रूप मा फायदे उठा रहे हैं और गृंदी कमिलारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1978 (जिसे इसमा इसक पञ्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अन्त्रेय है

अत केन्द्रीय सरकार, 'उका अधिनियम की धारा 17 की. उप-धारा (2-क) द्वारा प्रदत्त क्षितियों का प्रयोग करते हुए, और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में विनिदिष्ट कार्तों के अधीन रहत हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अदिधि के लिए उक्त न्द्रीए के सभी उधबन्धों के प्रवर्षन से छूट देती हैं।

अनुसूची

- 1 उक्त स्थापन के सम्बन्ध म नियोजक प्रादेशिक भविष्य है। हि जाहित. महारुष्ट्र को ऐसी विवर्णण्या भेजेचा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के निया ऐसी प्रिवर्णण प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 2 नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की कि कि के 15 दिन के भीतर मदाय करेगा जो किन्द्रीय सरकार, उपत विभिन्न की धारा 17 की उप-धारा (3-क) के लण्ड (क) के अधीन समय-समय गर निर्दिष्ट करे
- 3 सामूहित बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसक अन्तर्गत लेखाओं का रमा जाना विवरणियों का प्रस्त किया जाना, बीमा प्रीमियम का सदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का मंदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अन्मोदित साम्हिक शीमा स्कीम के नियमीं की एक प्रति, और जब कभी उनमें स्कोधन किया जाए, तब उस मंशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों जी बहुमंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अन्बाद, स्थापन के सचना-पटट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5 यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि न का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियो-जिंग किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के नदस्य के रूप में उसका नाम त्रन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत बावश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समृचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अगुकूल हो, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्रेय है।

- 7 सामूहिक बीमा स्तीम म किसी बात क होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन सदय रकम उस रकम म कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सदेय होती जब बहु उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कमचारी के बिश्विक व्यक्ति नाम सिदेशिती तो प्रतिकर क रूप म दोनों के उस्तर के बराबर रकम का सदाय करेगा।
- भ सामृहिक दीमा कीम त' उपवन्धा म कोई भी सशाध्न, प्रादेशिक भविष्य निधि अयक्त, महाराष्ट्र किसी सशोधन जन्मीदन के विना नहीं किया जाएगा और जहा किसी सशोधन से कर्मचरियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़न की रम्भावना हो उहा प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनमीदन देने से पूर्व कर्मचरिया को अपना वृद्धिकोण स्पष्ट करन का यक्ति- युक्त अवसर देगा।
- 9 यदि किसी कारणविक्ष, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन वीसा नियस की उस सामृहित बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहन अपना ज्वा है अधीन नहीं रह जाने हैं, या इस स्वीम के अधीन कमीचारियों को प्राप्त होने नाल फायदे किसी नीति स न्या हो जा। है, तो यह रवद की जा सकती है।
- 10 शिंद किसी कारणब्य, नियोजक उस नियत तारील के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निसम निरत करे, प्रीमिश्म का सदाय करन म अभाष्य रहता है जो ए जिसी को व्यपस्त हो जान दिया जाता है से एह छट रबंद ती जा ज्वती है।
- ा चित्रोजक द्वरा पीएएम वे सदाय मा किए गए किसी अपिकस् की दक्षा मा उन भन सदस्या के नाम निर्देशितिका या विधिक बारिसा को जो, यद यह छूट न दी गई होती तो उकत स्वीम के अस्पति होता, बीमा एएयदों के सदाय का उत्तर- दाणिब निष्णालक एक होगा।
- 12 उक्त स्थापन के सम्बन्ध मा नियोजक, इस स्कीम के अधीन अम बात किसी सदस्य की मत्य होने पर उसक हकदार शाम निवेकितिया/विधिक बारिसो वो बीमाकृत रक्कम का सदाय सर्रता स शार प्रत्यक दशा मा भारतीय जीवन बीमा निगम सं बीमाकृत रक्कम प्राप्त होने के सात दिन के मीतर सनिध्चित करेगा।

[सक्या एस - 15014 1927] -पी ११६० -21

New Delhi, the 18th December, 1982

80 738.—Whereas Messis Zuari Agri Chemiculs Timit ed Th Kisin Bhawa, Zuarinagu Go: 403726 (MH/9969) ed, Jai Kisan Bhawa, Zuarinagai, Co: 403726 (MH/9969) (hereinafter referred to is the said establishment) have upplied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees Provident Linds and Miscellancous Provisions Act (19 of 1982) (he chiafter referred to as the said Act).

And whe cas the Central Government is satisfied that the employees of the satisfies oblishment are without making any separate contribution of physical of premium, in enjoyment of benefit and in the Cropp Insurance Scheme (i the Life Insurance which are more layoutable to such employees than the benefits diminsible under the Employees Deposit-Linke I Insurance Scheme, 1976 (therein after referred to as the said Scheme)

Now therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the previous of the said Scheme for a period of three years.

- 1 The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner Maharashtin, muntain such accounts and provide such facilities for inspection is the Central Government may direct from time to time
- 2 The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (7 Å) of section 17 of the said Act within 15 days from the clase of every month
- 3 All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts sub-mission of returns, payment of insurance premia transfer of accounts payment of inspection charges etc shall be borne by the employers
- 4 The employer shall display on the Notice Board of the establishment a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, is and when amended alongwith a translation of the silient tentres thereof in the language of the reasonity of the employees
- 5 Whereas an employee who is already a member of the Imployees Provident I and of the Provident I and of it establishment exempled under the said λ ct i employed his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the trie up Insurance Scheme and pay necessary premium in respect 1 him to the I ite Insurance Corporation of India
- 6 The employer shall at the to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the miployees under the said Scheme rie enhanced so that the benefit is ulable under the Crotical Insurance Scheme the more favourable to the employees then the benefits admissible under the said Scheme.
- Notwithst inding anything contained in the Group In stance Scheme it on the death of an employee the amount parible undi this scheme be less than the amount the would be phyable had employee been colored under the suit Scheme the employer shall pay the difference to the legit her/nominee of the employee as a impensation.
- 8 No amendment of the privisions of the Group In urance Scheme shall be made vithout the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner Maharashti and where any amendment is likely to alloc ad creely the interest of the employees the Regional Privident Lund Commissioner shall before giving his approval give a reissonable opportunity to the employee to explain their point of view
- establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be a neelled
- 10 Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date as fixed by the Tife Institute. Corporation of India and the policy is allowed to hipse the exempt a is highly to be excepted.
- It In eas a default, if inv in d, by the employer a payment of premium the reposition for payment of sarance benefits to the nomines or the legal hous of decease members, who would have been covered under the safety-time but for maint of this even sten shall be that of the employer.
- 12 Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishm in shall ensure prompt payment of the sum assured to the normnee/legal hors entitled for it and in involve within 7 lays of the receipt of the sum assured from the Lithinguiance Corpor for of India.

का. अर. 739.— मैनर्स तिमतनाड़ू सीमन्ट कारपार पर निमित्त एए एए एक रिज्ञिस, दूसरी मंजिल १३०-अत्वा सलाई मद्रान-600002, (टी एक रिज्ञिस) और रामनाद जिल के आपलपर में रिव्ह र के जानपूलिस में जोर दिनी जिल के आपलपर में रिव्ह र की पूर्तिते जो कि तिमलनाडु में कोड़ ने दी एम /7309 के अली पर आती हैं, (जिस रुमम इसके परकात् अति अपेर प्रवीण अपबन्ध कहा समा है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रवीण अपबन्ध अधिनियम, 1972 (1 72 वा 19) (जिस हण्या रुमके परचात् अकत अधिनियम कहा समा है) की धारा 10 की उप-धारा (2-क) के अधीन सूट विण जाने के लिए अवदन किया है,

और तन्द्रीय गरकार का समाधान हा गया है कि उक्त स्थापन क कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का भवात किए दिना ही, भारतीय जीतन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीभ के अर्थान जीदन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कमचारिया के लिए य फायदे उन पायदों में अधिक अनकृत हैं जो कर्मचारी स्थिप गहबद बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसम उसके पञ्चात् उक्त स्तीम यहा गया है) के अधीन उन्हें अन्वय हैं,

ंत कन्द्रीय नरकार, उक्त आंशिनियम ती धारा 1 की उप-भारा (2-क) द्वारा प्रदक्त राक्तिया का प्रयोग करत हुए और इसम उपाबक्ष अनुमूची मा विलिधिष्ट अती के अधीन रहत हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ण की अविधि के लिए उक्त स्क्रीन क गरी उपाबन्धों के प्रवतन से छूट देती है।

अनुसूची

उत्त स्थापन क सम्बन्ध म स्थिनेक पादाशक प्रांतिक करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दित्ति करे।

- 2 नियाजक, एम निरीक्षण प्रभारों का प्रत्यक मास वी समाप्ति के 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो कन्द्रीय नरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3-क) क खण्ड (छ) के अधीन समय-समय पर निदिष्ट कर ।
- 3 सामहिक बीमा स्कीम के प्रशासन मा, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सदार, लकाओं का अन्तरणा, निरीक्षण प्रभारों का सदार आदि भी है, होने वाले सभी व्ययो ता वहन निर्योजन हारा किया जाएगा।
- े नियाजित, रन्द्रास र स्कार द्वार। यथा अनुमास न नाम्हिल बीमा स्त्रीम के निरामा की एवं प्रति, और जब कभी उनम् संशोधन किया जाए, तथ उस मधीभन की भौत नथा अमचारियों की बहुनस्था की भाषा मा उसकी स्ख्य बातों का अनवाद, स्थापन क गुजना-पट्ट पर प्रविधित करगा।
- गरियोर्ड एमा तमें निएं, जा क्रम्तर के स्वित्य निधि का जा का अधिता है । निकृष्ट एक हिमी साएन की सिजा निर्धित ना तम्ब हो महत्य है, हमा स्थापन के कि किया जाता है ना, निया के समित्रिक दीमा त्वीप के सदत्य के ला में उसके नाम नरून दह करेगा और उसकी बाजन अवश्वक होस्यम भारतीय जीवन दीमा निगम को संद्र करेगा।
- ह तिह उक्त स्कीम के ज्ञीन कमचारियों को जगलब्ध फायत बताए जात है ता नियाजिक गामृद्रिक बीमा क्कीम के अधीन कसचारिया वा उपलब्ध पाठवा म सम्चित रूप ने विद्धि की जाने की ब्यास्थ करेगा जिसमें कि कमिषारियों के लिए

नाम्हिक बीमा स्कीम कं अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदो से अधिक अन्कल हो, जो उक्त स्कीम के अधीन अनजोय है।

- ग्रीमृहिक बीमा स्कीम में किसी बात क हात हुए भी, रिद किसी कर्मचारी की मृत्य पर इसे स्कीम के अधीन सदय रक्ष उसे रक्षम में कम है जो कर्मचारी की उस दशा स सदय होते। अब वह उक्त स्वीम के अभीत होता तो, निजाजब बार तरी के विधिक तारिस नाम निर्देशिती को प्रतिकर के स्प में दानो रक्षमा क अस्तर के बरावर रक्षम का सदाय करता।
- े नामहिक बीगा स्कीम क उपवन्धा मा वाई भी सकाधन, प्राविक्त भविष्ट निधि अयुक्त, गद्रास क पूर्व असमोदन के विना नहीं किया जाएगा और जहां किसी सकोधन कमचारिया के हिन पर पितकल प्रभाव पहने की एस्भावना वा क्ता, प्राविष्क भविष्य निधि अयुक्त, अपना अनसोदन दन स पत कमचारिया को अपना दृष्टिकोण स्पाट करने का यिकततिक अपर देशा ।
- े यदि किसी कारणविष्य स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीसा नियस की उस रास्ति है बीमा स्कीस के, जिस स्थापन पहले अपना चका है अधीन नहीं रहे जाते हैं। या इस स्थीप के अधीन कर्मवारिया का प्राप्त होने बाल फायद विष्य शीन स कम हो दे। हा, ते यह छूट स्वृद्ध की । स्थापी हैं।
- 10 टीव किमी कारणव्हा, विदालक उम नियत तारीख के लाए, जो भारतीण जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का भवाण फरने म अगण्य रहता है, जो पालिसी को व्यवगत हो जान दिया जाए है ता छूट रदद की जा सकती है।
- ा नियोजक द्वारा प्रीमियम क मताय म किए पूए किमी व्यक्तिकम की दक्षा में, उन मन सदस्यों क नाम निदेशितिया या विधिक वारिमों को जो, गदि यह छट न दी गई होती तो उक्ष स्कीम के अन्तर्गत होता, बीमा फायदों के सदाय का उत्तर-दाध्ति नियोजक पर होगा।
- 12 उक्त स्थापन के सम्बन्ध म नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाल किसी सदस्य वी मत्य होने पर उसक हकदार नाम निद्शितिया/विधिक वारिसो को बीमाकृत रकम का संदाय अल्पाता से और प्रयंक द्या म भारतीय जीवन बीमा निगम सं तीमाकृत रकम प्रण हान क गात दिन क भीतर सनिष्वित करणा .

[सका एम-३८८)। 269 82-पी एक 📑

SO 739—Whereas Mesrs Finil Nedi Cement Corporation Limited LLA Buildings, and Hoor 735-Aona Salai, Madras 600002 (TN/11332) in latis. Units at Alia gulim in Rammad District and Anyalpan in Trichy District the hard centrally covered und Code No LN/7309 (hereinafter referred to is the said estible hierarch har implied for elemption under sub-section (2A) if section 1 of the Employees' Provident Funds and Miscollane as Provisions Act (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Net)

And whereas, the Central Government is auslied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution of payment of premium, in empoyment of benefit, under the Group Insurance Scheme of the life Insurance Corporation of India in the nature of I ffe Insurance which are more at our ble to such employees than the enefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 Theremafter referred to a the said Scheme.

Now, therefore, in excises of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said estblishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHLDULF

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employers.
- 4 The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof. In the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Imployees' Provident Fraud or the Provident Fraud of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employee; than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable the opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any leason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is officed to lapse, the exemption is liable to be cancelled
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal hous entitled for it and in any case within 7 days of the accept of the sum assared from the Life Insurance Corporation of India

[No. S-35014(269)/82-PF.II]

का. आ. 740 — मैंसर्म सेन्च्युरी रेयान, पोन्ट कर निर्मा ने 22, डाक्टर शाहाल कल्याण, बम्बई (महत्याद्र 1616), (जिसे इसमे इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भिवष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उप-धारा (2-क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है:

और केन्द्रीय सरकार का ममाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किमी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए विना ही, भारतीय जीवन बौमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीन के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदो से अधिक अन्कल है जो कर्मचारी निक्षण सहबद्ध बीमा स्कीम 1956 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुजय है;

अत केन्द्रीय मरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (2-क) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करने हुए, और इससे उपानद्ध अनुमूची में विनिर्दिष्ट शतो के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अविध के लिए उक्त स्कीम के मभी उपबन्धों के प्रवर्तन में छूट देनी है।

अन्स्ची

- 1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निध्ि आयदत, महाराष्ट्र (प्रबई) को ऐसी विवरणियां भजगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी मुन्धिए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय गरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 2 नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर मंदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3-क) के खण्ड (क) के अधीन समय-ममय पर निर्दिष्ट करें।
- 3 साम्हिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, वीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अन्मोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंस्था की भाषा में उसकी म्स्य बातों का अन्याद, स्थापन के सचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भिष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियो-जित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी

ाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवक्त करेगा ।

- 0 यदि जनत स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जात है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समृचित रूप से विद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के बधीन अनुकूल हों।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किमी बात के होते हुए भी, यदि किसी अर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के द्रशीन संदेय रक्षम उस रक्षम से अस है जो कर्मचारी को उस दशा में मंदेय होती जब वह उसत स्कीम के अर्थान होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिस/नाम निवेशिती को प्रतिकर के रूप में बोनों रक्षमों के उन्तर के दराबर रक्षम का मंदाय करेगा।
- 8. सामूहिक वीमा स्कीत के उपवन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भीता निधि जायुक्त, एत्राराष्ट्र के पूर्व अनमोदन के दिन्ह नहीं किया जाएगा और जहां िक्सी संशोधन से कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो यहां, प्रादेशिक भविष्य निधि जायुक्त, अपना अनुमोदन देने से पर्व कर्मचारियों को अपना बुष्टिकोण स्पष्ट करने का यूक्ति-युक्त अपसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणयश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन धीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिमें स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते है, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रब्द की जा सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करे, प्रीमियम का संदाद करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रबुद की, जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्वेशितियों या विधिक वारिमों को जो, यदि यह छूट न दी गई होती तो उच्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संवाय का उत्तर-दारित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उत्तर स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आमे वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकधार नाम निवेकितियों/विधित वारिसों की बीमाकृत रक्षम का संदाय तल्परता में और प्रत्येक दक्षा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रक्षम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सनिविधन करेगा।

[मंख्या एम-35014/294/32-पी. ए५ -21

S.O. 740.—Whereas Messrs Century Rayen, Post Box No. 22, Post Office Shahal, Kalyan, (Bombay (MH/1616) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-action (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Cetral Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said estblishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay), maintain such accounts, and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Fmployees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees, then the benefits admissible and or the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8 No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9 Where, for any teason, the employees of the said establishment d_Ω not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India is already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for nayment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(294)/82-PF.III

का. आ. 741.—मैसर्स के. के. नाग (प्राइवेट) लिमिटेप, लैंड एण्ड प्लास्टिक इंजीनियर्स, 23/5ए, बन्द रार्धन रोड, पृणे-411001 (महाराष्ट्र/11272) जिस इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उप-धारा (2-क) के अधीन सूट दिए जाने के लिए आवे-दन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृष्टिक बीमा स्कीम के अपीन जीवन बीमा के स्प में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक बन्कृत है जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुजेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-भारा (2-क) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, और इससे उपायद्ध अनुमुखी में विनिदिष्ट शतों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपवन्धों के प्रदर्तन में खूट देती है।

अनुसूची

- 1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि क्षायुक्त, महाराष्ट्र (नम्बई) को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी स्विधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निदिष्ट छरे।
- 2. नियोज्ञक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय मरकार, उकत अधिनियम की भारा 17 की उप-भारा (3-क) के लण्ड (क) के अधीन समय-ममय गर निर्दिष्ट करें।
- 3. सामहिक बीमा स्कीम के प्रधासन में, जिसके अन्तर्गत सेखाओं दा रसा जाना विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय. लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा जनुमौदित सामृहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें

- संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी स्ख्य बातों का अनुदाद, स्थापन के मचना-पटट पर प्रदक्षित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन स्टूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सवस्य है, उसके स्थापन में नियो-जित किया जाता है तो, नियोजक, गामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम त्रन्स दर्ज करेगा और उसकी बाबस आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को गंबल करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम कं अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते है तो, नियोजक गामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समूचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिगमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के बधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों में अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुजोय हैं।
- य. गामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संदेय रका उस रक्तम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उकत स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिग/नाम निदेंशिती को प्रतिकर के रूप में बोनों के अन्तर के बराबर रकम का मंदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी सशोधन, प्रादेशिक भीवष्य निभि आयुक्त, महाराष्ट्र (बम्बई) के पूर्व अनुमोदन के दिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निभि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने मे पूर्व कर्मचारियों को अपना वृष्टिकाण स्पष्ट करने का य्वित-यस्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवध, स्थापन कं कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के कथीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, सो यह छूट रद्द की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रहद की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी स्यितिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निदेशितियों या विधिक यारिसों को जो, यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के मंदाय का उत्तर-दायिक नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निवे शितियों/विधिक बारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय नन्परता से और प्रत्येक वहा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के मात दिन के भीतर मृनिश्चित करेगा।

S.O. 741.—Whereas Messis K. K. Nag (Private) Limited, Lead and Plastic Engineers, 23/5A, Bund Garden Road, Pune-411001, (MH/11272) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under subsection (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said estblishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay), maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund for the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay) and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provi-

dent Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date as fixed by the Lift Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(293)/82-PF.II]

का. भा. 742 .— मैंसर्स बिजनीस कम्बाइन लिमिटेड, जाट नं. 16 एम आई डी सी इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, सतप्र, नासिक-7 (महाराष्ट्र/11293), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध बिधिनयम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त बिधिनयम कहा गया है) की धारा 17 की उप-धारा (2-क) के बधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है:

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मजारी, किसी पृथ्क अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृष्टिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मजारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मजारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके परजात जुक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुक्रोय है;

अतः कंन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की भारा 17 की उप-भारा (2-क) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिदिंष्ट शतों के अधीन रहते दूए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अविभ के लिए उक्त स्थीप के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छट वेती है।

अनुसूची

- 1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य चिति आयुक्त, महाराष्ट्र (बम्बई) को ऐसी विकरणिया भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी म्विधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उस्रत अधिनियम की धारा 17 की उप-आरा (3-क) के सण्ड (क) के अधीन समय-समय गर निदिष्ट करें।

- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रकासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विधरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का इंदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोषित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनभें संशोधन किया आए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा से उसकी मुख्य बातों का अनुदाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदित्तित करेगा।
- 5. रिंद कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भिवष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भिविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियो- जिन किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक धीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तूरना वर्ज करेगा और उसकी बाबत वायहथक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समूचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अगुकूल हो, जो उक्त स्कीम के अधीन अगुजेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम मं किसी बात के होते हुए भी,
 यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के दभीन संदेय
 रका उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संवेय
 होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी
 के विधिक वारिस्निमा निवेशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों
 रकमों के अन्तर के धरावर रक्त का संवाय करेगा।
- 8. साम्हिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन के दिना नहीं िकमा जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दिष्टकोण स्पष्ट करने का युक्ति-युक्त अवसर देशा।
- 9. यदि किसी कारणपद्म, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उस सामृद्दिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के कथीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणक्श, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन यीमा नियम नियस करे, प्रीमियम का संवाय करने में उसफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रखद की जा सकती है।
- 11! नियोजक धारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी क्यितिकम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निदेंशितियों या विधिक यारिसों को जो, यदि यह छूट द दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तर- द्वायिख नियोजक पर होगा।

12. जक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निवे कितियों/विधिक वारिसों की बीमाकृत रकम का संदाय नत्यना में और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीगाकृत रकम प्राप्त होने के सात विन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संस्या एस-35014/298/82-पी. एफ.-2]

S.O. 742.—Whereas Messrs Business Combine Limited, Plot No. 16, MIDC Industrial Estate, Satpur, Nasik-7, (MH/11293) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter reterred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (Lereinatter referred to as the said Scheme;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and surbject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said estblishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay), maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3.4) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less then the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay) and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premimum etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(298)/82-PF II] ..

काज्आर 743. — मैसर्ग प्रतीमा एडवरटाइजिंग, 33/9, कोण्याम्, प्रभाव रोड, पुणे 411004 (महाराष्ट्र/6669), (जिसे इसमें इसकें पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी अविषय निधि और प्रकीणं उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें दसकें पश्चात् उक्त अधिनियम कहा यया है) की धारा 17 मी उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जोने के लिए आयेदन किया गया है

श्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उस्त स्थापन के कर्मेचारी, किसी पृथक अभिदाय या श्रीसीयम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा न्कीम के अबीन जीवन बीमा के रूप में फाय दे उठा रहे रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल है जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्थीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चान उद्देश स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुक्षेय है;

ग्रतः, केन्द्रीय सरकार, उन्न क्रिधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रयक्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए प्रौर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में विनिविष्ट शर्तों के भवीत रहते हुए, उन्न स्थापन की तीन वर्ष की भविष के लिए उन्त महीम के सभी उपबन्धों के भवितन से छूट केनी है।

प्रनुसुधी

- उक्त रथापन के सम्बन्ध में नियांत्रक प्रौविक्त भविष्य निधि
 प्रायुक्त महाराष्ट्र (अभ्वर्ध) को ऐसी विवरणियां मेजेना और ऐसे लेखा रखेगा तथा
 निरीक्षण के निये ऐसी सुविधाये प्रधान करेगा जो केम्ब्रीय भरकार
 समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मान की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त भ्रधिनियमकी धारा 17 की उत्पारा (3क) के खण्ड (क) के भ्रधीन समय समय पर निर्विष्ट करें।

- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके घरत ते लेखाओं को रखा जाना, विवरणियां प्रस्तुत विवया जाना, भीमा पीमें यम का मंदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का गंदाय आदि भी है, होने थावे संभी क्यायों का बहुन नियोजक द्वारा किया जायेता।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा प्रतुतादित सुम्मृहिक वीभा स्कीम के नियमों की एक प्रति घीर जब कभी उनमें नशीधन शिवा जाए, तब उस संशोधन की प्रति या कर्मजारियों की बहुनंश्वा की भाषा में उनकी मुख्य बातों का प्रतुवाद, स्थापन के भूचना पट्ट पर प्रशीवत करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, औं कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट आप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में निथोजित किया जाना है तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के सिदस्य के रूप में उसका गान तुरना दर्ज गरेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रोमीयम भारतीय जीवन वामा निगन का संदक्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के प्रधान कर्मचारियों को उलाव्य काय दे बढावे जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक जीवन बीमा स्कीम के प्रदान कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से यूद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिये सामूहिक बोमा स्काम के प्रदोन उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रधिक धनुकूल हो, जो उक्त स्काम के धवीन समुक्तेय है।
- 7- सामूहिक बामा स्कीम में किसी बाल के होते हुने भा, पहले किमें पारी की मृत्यु कर इस स्कीम के प्रधीन सन्देव रहम उम रकत से कम है, जो कर्मचारी को उम दशा में सदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के प्रधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक पारिस/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के चन्तर के बराबर रकम का संदाप करेगा ।
- 8. सामूहिए बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी मंत्रोधन, प्रादेशिक भिष्य निष्ठि भागुक्त महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोवन के बिना नहीं कि । जायेगा भीर जहां किसी संकोधन से कर्मधारियों के हित पर प्रतिकृत, प्रभाव पढ़ने की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भिष्य निधि भागुक्त भ्रमना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मधारियों को अपना वृष्टिकोण स्पष्ट करमें का गुक्तियुक्त भ्रवसर देगा ।
- 9. यदि किसी कारणवा, स्थापन के कर्मवारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रपता चुका है बाधीन नही एह जाते हैं, या इस स्कीम के बाधीन कर्मनारियों की प्राप्त होने बाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्व की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश, नियाजक उस निया तारी को भीतर, जो भारतीय जीवन कीम। निगम नियत करें, प्रीमियन के। संदाय करने में भारता है, भीर पालिसी की क्यागत ही जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जो सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रांतियन के संवाद में किए गए किसी व्यक्तिकम की दक्ता में उन मृत संदर्शों के नामनिर्देशितियों या विधिकवारितों को जो यदि मह कूट नदी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फेयदों के संवाय का उत्तरादिकत्व नियोजक पर होगा।
- 12. उनत स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के ग्रर्धान धाने नाले किसी सदस्य की मत्यू होने पर उसके हकदार नाम निर्वेणितियों/ विधिक धारिसों का बीमाकृत रकम का संवाय तत्परत। से भीर प्रत्येक दशा में भारतीय धीयन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के मान दिन के पीतर सुनिक्तित करेगा।

[संख्या एम- 35014/295/82-पी० एफ -- [1]

S.O. 743.—Whereas Messrs Pratibha advertising, 33/9, Cosmos, Prabhat Road, Pune-411004 (MH/6669) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said estblishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three year.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay), maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borned by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a transation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees then the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay) and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable appointment to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premimum etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(295)/82-PF.JJ]

का॰ का॰ 744.—मैंसर्स भारत फोर्ज कम्पती विसिटेड, मुख्यता, पुणे 411001, (सहाराष्ट्र/8004), (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कमेंचारी भिष्ठण निधि और प्रकार्ण उपबन्ध मिसियम 1952 (1952 का 19) जिसे यसमें इसके पश्चात उक्त मधिनियम, कहा गया है) की झारा 17 का उपधारा (2क) के मधीन छूट दिए जाने के लिए मानदन किया है

घौर केन्द्रीय सरकार का समःधान हो गया है कि उक्त स्यापन के कर्मचारी, किसा पृथक प्रमिदाय या प्रीमिद्यम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा एहे हैं बीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से प्रक्षिक प्रमुक्त है जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के भ्रधीन उन्हें अनुक्रेय है;

घतः, केन्द्रीय सरकार, उकन अधिनियम की धारा 17 का उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियां का प्रयोग करने हुए और इससे उपायद्व अनुसूचा में धिर्निविष्ट गर्नों के घधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की भवधि के लिए उकन स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवेतन से छूट देनी है।

अधिस् चना

- उन्तर स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि ध्रायुक्त महाराष्ट्र को ऐसी विवरणियां भेजेगा धीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी भृतिधाए प्रवान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निर्शासण प्रभारों का परयेक मान की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय समय पर निर्दिष्ट करे।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रणासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं क रखा जान। विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय श्रावि भी है, होने वाले सभी अपयों का वहन नियोजक द्वारा किया आयेगा।
- 4. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमीदिन सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, ग्रीर जब कभी उनमें संगोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की माना में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के मूचना पट्ट पर प्रविशित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी शविष्य निधि का या उन्त प्रधिनियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहिले ही सबस्य है उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम सुरन्त दर्ज करेगा श्रीर उसकी वाबत श्रावकाक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबद्ध करेगा।

- 6 यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बहुए, जाते हैं, तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदों में समृचित रूप में यृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों में सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों में अधिक अनुकुल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकेष है।
- 7. सामूहिक कीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के प्रधीन सन्देय रकन उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस प्रणा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक थारिम | नामनिर्देणिकी को प्रतिकर के रूप में दानो रकमों के प्रस्तर के बराबर रकम का मंदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा शौर जहा किसी संशोधन से कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने का संभावना हो, वहा प्रादेशिक भविष्य निधि श्रायुक्त, प्रप्रना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को श्रमना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त प्रवस्त देने ।
- 9. यदि किसी मारणवण, स्थापन के कर्मनाणे, भारतीय जीवन बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहने अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने बासे फायदे किसी रीति से कस हो अले हैं तो यह छूट रह् की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियन नारीखं के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियम कर, प्रीमियम का संबाय करने में ग्रमकल रहता है, भीर पालिसी को व्यागन हो जाने विका जाना है हो. छूट रह की जा मकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए जिसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नामिनदेशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायबों के संवाय का उत्तरदायिख नियोजक पर होगा।
- 1.2. उक्त स्यापन के संबंध में नियाजक, इस स्कीम के श्रधीन श्राते वाल किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकवार नाम निवेशितियों, विधिक थारिसो की बीमाकृत रक्तम का संदाय नत्यरता से श्रीर प्रत्येक दशा में भारतीय , जीवन बीमा नियम से बीमाकृत रक्तम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर मुनिश्चित करेगा।

[मंख्या एम० 35014/368/82-पी॰एफ॰[1]

ए. को. भट्टराई, अवर सन्विव

S.O. 744.—Whereas Messrs Bharat Forge Company Limited, Mindhwa, Pune-411001, (MH/8004) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme. 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay), maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employers.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a transaction of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nomince of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the memimum etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(360)/82-PF, II]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.